ऊँ गं गणपतये नमः

शुभ लाभ

जन्मपत्रिका

Sample

Created By: www.futurepointindia.com

Model: T-PageTitle,C4,AD,P6,L3,N2,Y4

Order No: 101-102-101-1001/112920

Future Point (P) Ltd.

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016

Ph.: 011-40541000, 40541020

Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/2012**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:10:00 घंटे**
इष्ट	39:46:25 घटी
स्थान	
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उ	चैत्रादि संवत्-शक संवत	2068 / 1933
रेखांश	77:13:00 पू	माह	पौष
मध्य रेखांश	82:30:00 पू	पक्ष	शुक्ल
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे	सूर्योदय कालीन तिथि	8
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे	तिथि समाप्ति काल	24:58:29
वेलान्तर	-00:03:13 घंटे	जन्म तिथि	8
साम्पातिक काल	05:32:00 घंटे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	उत्तराभाद्रपद
सूर्योदय	07:15:25 घंटे	नक्षत्र समाप्ति काल	12:41:36 घंटे
सूर्यास्त	17:33:35 घंटे	जन्म नक्षत्र	रेवती
दिनमान	10:18:10 घंटे	सूर्योदय कालीन योग	वरियान
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण	योग समाप्ति काल	07:19:23 घंटे
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण	जन्म योग	परिघ
ऋतु	शिशिर	सूर्योदय कालीन करण	विष्टि
सूर्य के अंश	16:40:45 धनु	करण समाप्ति काल	11:44:34 घंटे
लग्न के अंश	29:48:36 सिंह	जन्म करण	बव
भोग्य दशा काल	बुध 10 वर्ष 4 मा 15 दि		

अवकहड़ा चक्र		**घात चक्र**	
लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य	मास	फाल्गुन
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**	तिथि	5-10-15
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**	दिन	शुक्रवार
नक्षत्र स्वामी	बुध	नक्षत्र	आश्लेषा
योग	परिघ	योग	वज्र
करण	बव	करण	चतुष्पाद
गण	देव	प्रहर	4
योनि	गज	वर्ग	गरूड़
नाड़ी	अन्त्य	लग्न	सिंह
वर्ण	विप्र	सूर्य	मिथुन
वश्य	जलचर	चन्द्र	कुम्भ
वर्ग	सर्प	मंगल	कर्क
युँजा	पूर्व	बुध	कुम्भ
हंसक	जल	गुरु	सिंह
जन्म नामाक्षर	दो	शुक्र	कन्या
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण	शनि	वृष
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मक	राहु	तुला

Sample

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	गति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			29:48:36	सिंह	उफा	1	सूर्य	राहु	--	00:00:00	0:00			
सूर्य			16:40:45	धनु	पूषा	2	शुक्र	चंद्र	मित्र	01:01:09	0.95	पितृ	पुत्र	विपत
चंद्र			21:51:40	मीन	रेव	2	बुध	सूर्य	सम	11:52:46	1.03	मातृ	भ्रातृ	जन्म
मंग			26:15:35	सिंह	पूफा	4	शुक्र	केतु	मित्र	00:14:08	1.38	भ्रातृ	अमात्य	विपत
बुध			26:47:40	वृश्चि	ज्ये	4	बुध	गुरु	सम	01:21:07	1.02	ज्ञाति	आत्मा	जन्म
गुरु			06:24:58	मेष	अश्चि	2	केतु	राहु	मित्र	00:01:25	0.86	धन	ज्ञाति	सम्पत
शुक्र			20:41:47	मक	श्रव	4	चंद्र	शुक्र	मित्र	01:13:36	1.53	कलत्र	मातृ	प्रत्यारि
शनि			04:18:21	तुला	चित्र	4	मंग	शुक्र	उच्च	00:03:42	1.24	आयु	कलत्र	साधक
राहु			19:56:38	वृश्चि	ज्ये	1	बुध	शुक्र	शत्रु	00:00:51		ज्ञान	---	जन्म
केतु			19:56:38	वृष	रोहि	3	चंद्र	केतु	सम	00:00:51		मोक्ष	---	प्रत्यारि

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:46

लग्न-चलित

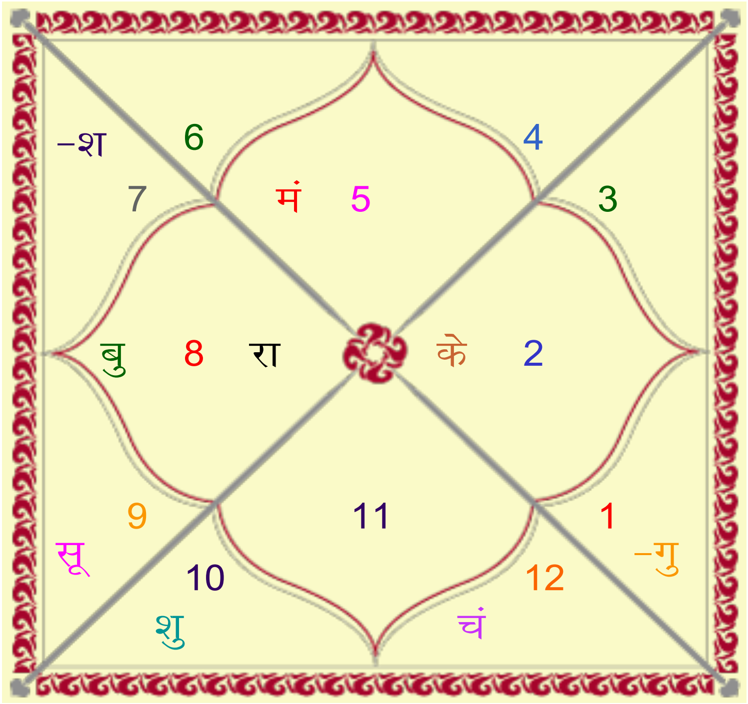

चन्द्र कुंडली

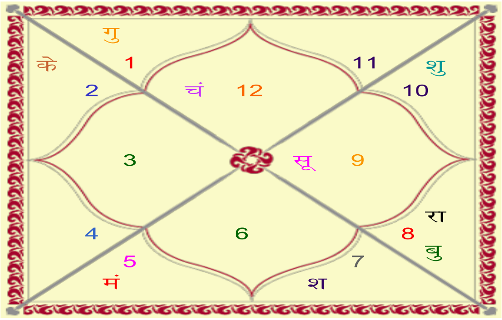

नवमांश कुंडली

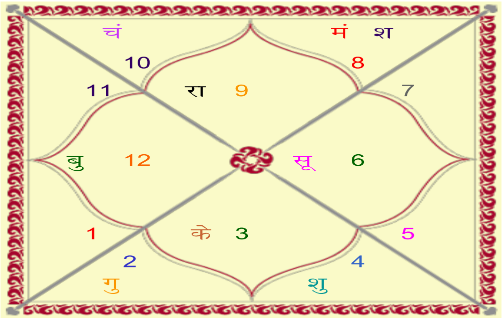

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	सिंह	14:46:00	सिंह	29:48:36
2	कन्या	14:46:00	कन्या	29:43:23
3	तुला	14:40:47	तुला	29:38:11
4	वृश्चिक	14:35:34	वृश्चिक	29:32:58
5	धनु	14:35:34	धनु	29:38:11
6	मकर	14:40:47	मकर	29:43:23
7	कुम्भ	14:46:00	कुम्भ	29:48:36
8	मीन	14:46:00	मीन	29:43:23
9	मेष	14:40:47	मेष	29:38:11
10	वृष	14:35:34	वृष	29:32:58
11	मिथुन	14:35:34	मिथुन	29:38:11
12	कर्क	14:40:47	कर्क	29:43:23

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	सिंह	29:48:36
2	कन्या	27:31:27
3	तुला	27:55:59
4	वृश्चिक	29:32:58
5	मकर	01:05:18
6	कुम्भ	01:32:36
7	कुम्भ	29:48:36
8	मीन	27:31:27
9	मेष	27:55:59
10	वृष	29:32:58
11	कर्क	01:05:18
12	सिंह	01:32:36

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य
आश्लेषा	मघा	पूर्वाफाल्गुनी	उत्तराफाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा
ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रप

चलित कुंडली

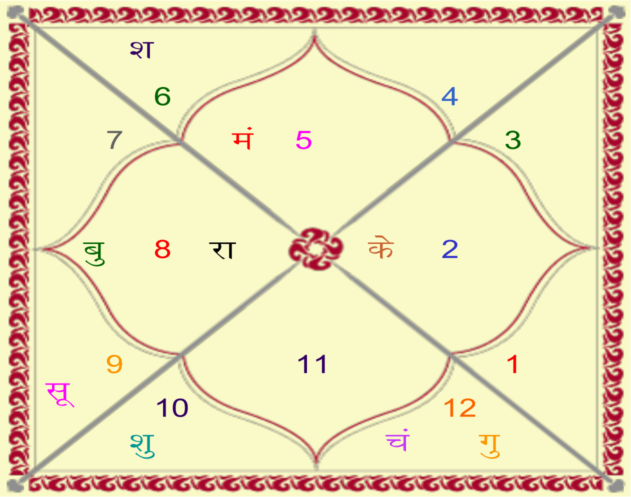

भाव कुंडली

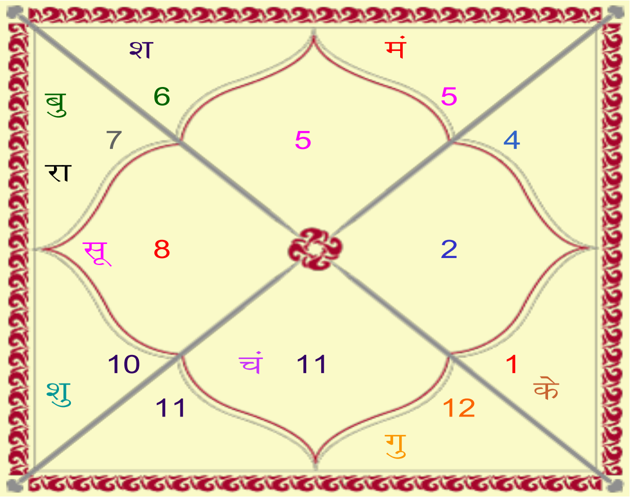

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक -------		-------- अवस्था -------			रश्मि	ग्रह
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	
सूर्य	पुत्र	पितृ	युवा	मुदित	कौतुक	3.70	49 %
चंद्र	भ्रातृ	मातृ	कुमार	निपीदित	गमन	8.33	44 %
मंग	अमात्य	भ्रातृ	मृत	मुदित	कौतुक	0.78	35 %
बुध	आत्मा	ज्ञाति	बाल	शक्त	कौतुक	3.61	35 %
गुरु	ज्ञाति	धन	कुमार	मुदित	भोजन	3.56	40 %
शुक्र	मातृ	कलत्र	कुमार	मुदित	कौतुक	6.74	66 %
शनि	कलत्र	आयु	बाल	दीप्त	नेत्रपाणि	13.69	52 %
राहु	---	ज्ञान	कुमार	खल	कौतुक	0.00	64 %
केतु	---	मोक्ष	कुमार	निपीदित	कौतुक	0.00	64 %
कुल						**40.41**	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य
आश्लेषा	मघा	पूर्वाफाल्गुनी	उत्तराफाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा
ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रप

चलित कुंडली

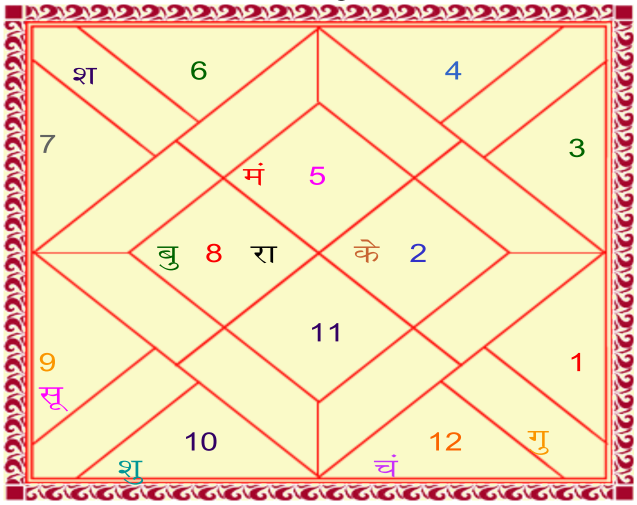

लग्न-चलित

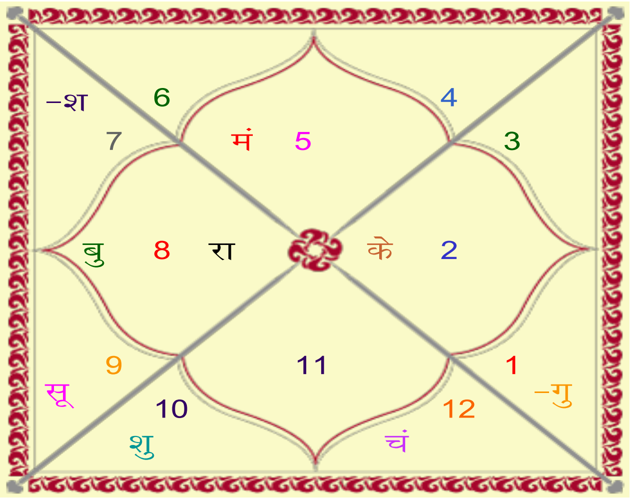

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

।। सुदर्शन चक्र ।।

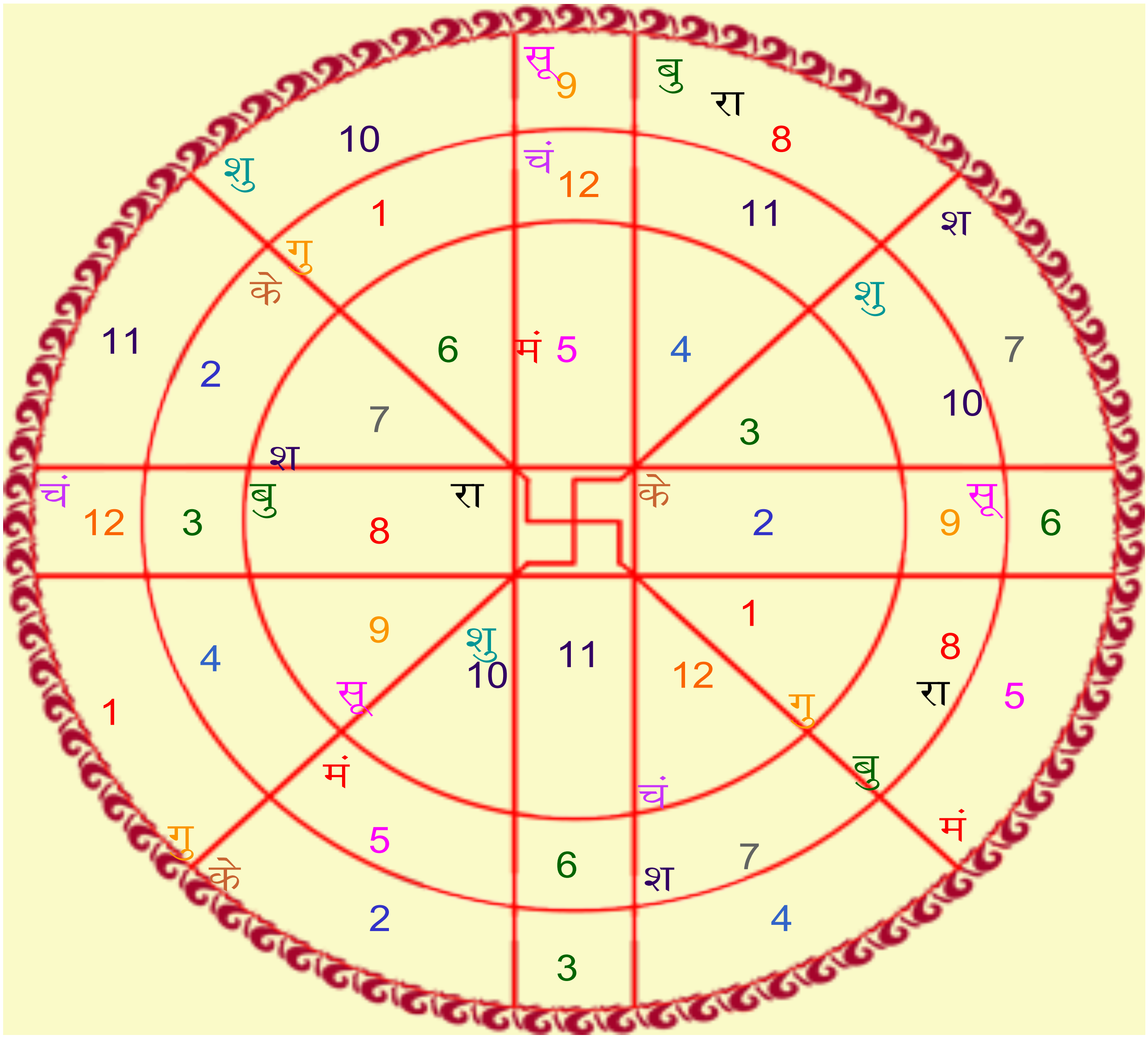

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रगट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 4 मास 15 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		धनु	16:40:45	गु	शु	चं	गु
चंद्र		मीन	21:51:40	गु	बु	सू	गु
मंग		सिंह	26:15:35	सू	शु	के	रा
बुध		वृश्चि	26:47:40	मं	बु	गु	बु
गुरु		मेष	06:24:58	मं	के	रा	श
शुक्र		मक	20:41:47	श	चं	शु	शु
शनि		तुला	04:18:21	शु	मं	शु	श
राहु		वृश्चि	19:56:38	मं	बु	शु	चं
केतु		वृष	19:56:38	शु	चं	के	चं
हर्ष		मीन	06:49:41	गु	श	बु	गु
नेप		कुंभ	04:52:47	श	मं	शु	के
प्लू		धनु	13:19:13	गु	के	बु	श

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	सिंह	29:48:36	सू	सू	रा	श
2	कंया	27:31:27	बु	मं	गु	मं
3	तुला	27:55:59	शु	गु	शु	गु
4	वृश्चि	29:32:58	मं	बु	श	रा
5	मक	01:05:18	श	सू	रा	चं
6	कुंभ	01:32:36	श	मं	बु	गु
7	कुंभ	29:48:36	श	गु	चं	गु
8	मीन	27:31:27	गु	बु	गु	मं
9	मेष	27:55:59	मं	सू	चं	श
10	वृष	29:32:58	शु	मं	श	रा
11	कर्क	01:05:18	चं	गु	मं	के
12	सिंह	01:32:36	सू	के	शु	मं

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:46

लग्न कुंडली

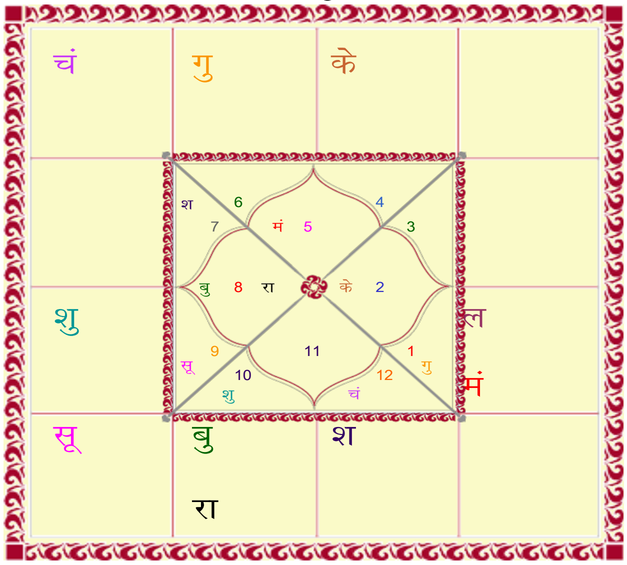

भाव कुंडली

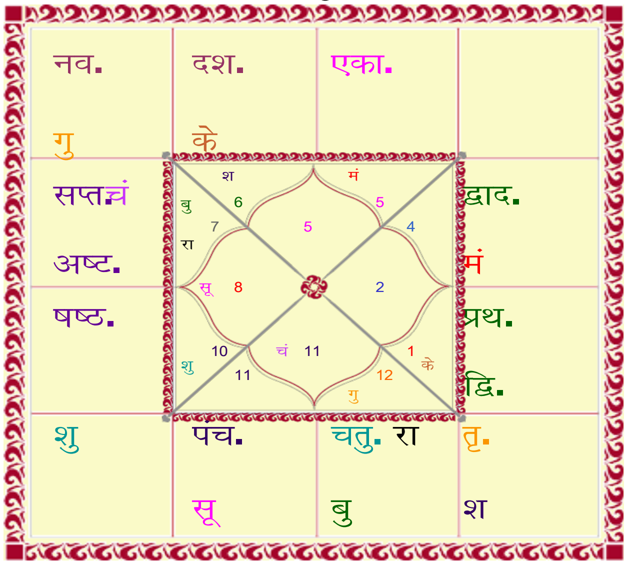

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह					
1	सू-					
2	चं-	बु	श	रा-		
3	सू-	चं	मं-	बु+	शु-	रा+
4	सू	मं-	श-			
5	सू	मं	शु	श-		
6	श-					
7	चं	शु	श-	के		
8	गु					
9	मं-	गु	श-	के		
10	सू-	मं-	शु-			
11	चं-	शु-	के-			
12	सू-	मं	श			

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव						
सू	1-	3-	4	5	10-	12-	
चं	2-	3	7	11-			
मं	3-	4-	5	9-	10-	12	
बु	2	3+					
गु	8	9					
शु	3-	5	7	10-	11-		
श	2	4-	5-	6-	7-	9-	12
रा	2-	3+					
के	7	9	11-				

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	सूर्य
लग्न राशि स्वामी	सूर्य
राशि नक्षत्र स्वामी	बुध
राशि स्वामी	गुरु
वार स्वामी	सूर्य
लग्न अन्तर स्वामी	राहु
राशि अन्तर स्वामी	सूर्य

Sample

कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	--	--	--	सू
2	--	श	चं बु रा	बु
3	चं बु रा	बु रा	सू मं	शु
4	--	सू	श	मं
5	सू मं	शु	--	श
6	--	--	--	श
7	शु के	चं	--	श
8	--	गु	--	गु
9	गु	के	श	मं
10	--	--	सू मं	शु
11	--	--	शु के	चं
12	श	मं	--	सू

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	1,12	1,5,9	धनु	4
चंद्र	11	---	मीन	7
मंग	4,9	2,6,10	सिंह	12
बुध	2	4,8	वृश्चिक	3
गुरु	8	3,7,11	मेष	8
शुक्र	3,10	---	मकर	5
शनि	5,6,7	---	तुला	2
राहु	---	---	वृश्चिक	3
केतु	---	12	वृष	9

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	3,10	---	5	11	---	7
चंद्र	2	4,8	3	1,12	1,5,9	4
मंग	3,10	---	5	---	12	9
बुध	2	4,8	3	8	3,7,11	8
गुरु	---	12	9	---	---	3
शुक्र	11	---	7	3,10	---	5
शनि	4,9	2,6,10	12	3,10	---	5
राहु	2	4,8	3	3,10	---	5
केतु	11	---	7	---	12	9

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लू
	256.68	351.86	146.26	236.79	6.42	290.70	184.31	229.94	49.94	336.83	304.88	253.32
सूर्य	--	चतु	--	--	--	--	--	--	--	--	--	युति
256.68	0.00	0.64	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.39
चंद्र	--	--	--	--	युति	--	सप्त	--	तृती	--	--	--
351.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.47	0.00	2.64	0.00	2.63	0.00	0.00	0.00
मंग	--	8वां	--	4था	8वां	--	--	4था	--	सप्त	--	--
146.26	0.00	8.96	0.00	9.98	4.86	0.00	0.00	7.89	0.00	4.48	0.00	0.00
बुध	--	पंच	--	--	--	--	--	युति	सप्त	--	--	--
236.79	0.00	0.83	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.54	7.54	0.00	0.00	0.00
गुरु	9वां	युति	--	9वां	--	--	सप्त	--	--	--	--	9वां
6.42	4.76	0.47	0.00	5.34	0.00	0.00	9.76	0.00	0.00	0.00	0.00	7.50
शुक्र	--	तृती	--	--	--	--	--	--	पंच	--	युति	--
290.70	0.00	2.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.94	0.00	0.85	0.00
शनि	3रा	सप्त	--	3रा	सप्त	--	--	3रा	--	--	पंच	3रा
184.31	2.72	2.64	0.00	7.06	9.76	0.00	0.00	0.67	0.00	0.00	2.97	5.87
राहु	--	पंच	--	युति	--	तृती	--	--	सप्त	--	--	--
229.94	0.00	2.63	0.00	7.54	0.00	2.94	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	--	--	सप्त	--	--	अष्टां	सप्त	--	--	--	--
49.94	0.00	0.00	0.00	7.54	0.00	0.00	0.54	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	--	--	--	--
336.83	0.00	0.00	4.48	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	--	--	--	--	तृती	युति	--	--	--	--	--	--
304.88	0.00	0.00	0.00	0.00	2.76	0.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लू	युति	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
253.32	9.39	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं। :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

Sample

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	149.81	179.72	209.64	239.55	269.64	299.72	329.81	359.72	29.64	59.55	89.64	119.72
सूर्य	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--
256.68	0.00	0.00	0.00	0.00	2.12	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.12	0.00
चंद्र	--	--	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--
351.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.80	0.00	0.00	0.00	0.00
मंग	युति	--	--	4था	पंच	--	सप्त	8वां	--	--	--	--
146.26	9.32	0.00	0.00	9.41	1.90	0.00	9.32	9.35	0.00	0.00	0.00	0.00
बुध	--	--	--	--	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--	--
236.79	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.16	2.11	2.16	0.00	9.59	0.00	0.00
गुरु	--	सप्त	--	9वां	--	--	--	युति	--	--	--	5वां
6.42	0.00	7.64	0.00	7.52	0.00	0.00	0.00	7.64	0.00	0.00	0.00	7.64
शुक्र	--	--	--	--	--	--	नवां	--	--	--	--	सप्त
290.70	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.18	0.00	0.00	0.00	0.00	5.86
शनि	--	युति	--	3रा	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	10वा	--
184.31	0.00	8.87	0.00	8.78	1.02	1.09	0.00	8.87	0.00	0.00	8.83	0.00
राहु	--	--	--	युति	नवां	--	--	--	--	सप्त	--	--
229.94	0.00	0.00	0.00	5.35	0.89	0.00	0.00	0.00	0.00	5.35	0.00	0.00
केतु	--	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	नवां	--
49.94	0.00	0.00	0.00	5.35	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.35	0.89	0.00
हर्ष	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--
336.83	7.42	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.42	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त
304.88	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.58	0.00	0.66	0.59	0.52	0.00	8.58
प्लू	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--	--
253.32	0.00	0.00	0.00	1.28	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.28	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं। :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	149.81	177.52	207.93	239.55	271.09	301.54	329.81	357.52	27.93	59.55	91.09	121.54
सूर्य	--	--	--	--	युति	अष्ट	--	--	--	--	सप्त	--
256.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.62	0.98	0.00	0.00	0.00	0.00	0.62	0.00
चंद्र	--	--	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--
351.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.29	0.00	0.00	0.00	0.00
मंग	युति	--	--	4था	पंच	--	सप्त	8वां	--	--	--	--
146.26	9.32	0.00	0.00	9.41	0.91	0.00	9.32	9.91	0.00	0.00	0.00	0.00
बुध	--	--	--	--	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--	--
236.79	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.97	2.11	2.95	0.00	9.59	0.00	0.00
गुरु	--	सप्त	--	9वां	--	--	--	युति	--	--	चतु	5वां
6.42	0.00	5.97	0.00	7.52	0.00	0.00	0.00	5.97	0.00	0.00	0.53	8.73
शुक्र	--	--	--	--	--	--	नवां	--	--	--	--	सप्त
290.70	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.18	0.00	0.00	0.00	0.00	4.21
शनि	--	युति	--	3रा	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	10वा	--
184.31	0.00	7.58	0.00	8.78	2.00	2.25	0.00	7.58	0.00	0.00	9.44	0.00
राहु	--	--	--	युति	--	पंचा	--	--	--	सप्त	--	--
229.94	0.00	0.00	0.00	5.35	0.00	0.81	0.00	0.00	0.00	5.35	0.00	0.00
केतु	--	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	पंचा
49.94	0.00	0.00	0.00	5.35	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.35	0.00	0.81
हर्ष	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	पंच	--
336.83	7.42	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.42	0.00	0.00	0.00	0.20	0.00
नेप	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	पंच	--	सप्त
304.88	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.40	0.00	0.00	0.00	0.52	0.00	9.40
प्लू	--	--	--	युति	--	--	--	--	अष्टां	सप्त	--	--
253.32	0.00	0.00	0.00	1.28	0.00	0.00	0.00	0.00	0.82	1.28	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं। :

संक्षिप्त - दृष्टि	**अंश**	**कालांश**	**अंक**	**संक्षिप्त - दृष्टि**	**अंश**	**कालांश**	**अंक**
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

Sample

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

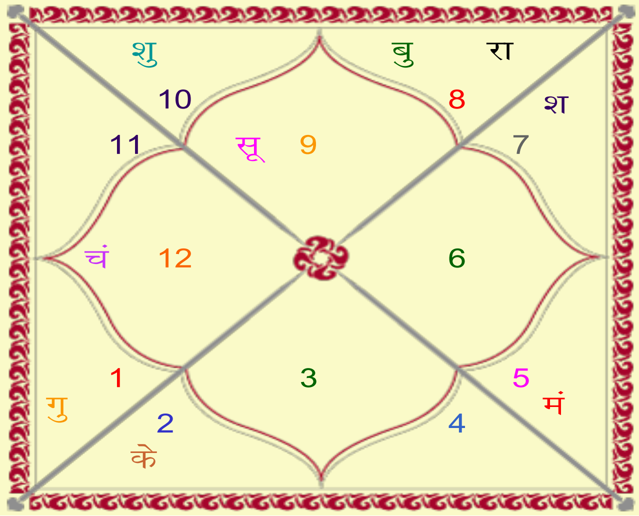

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

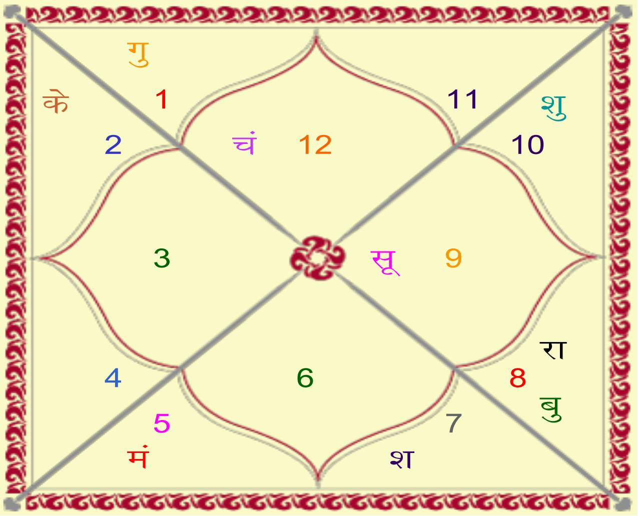

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

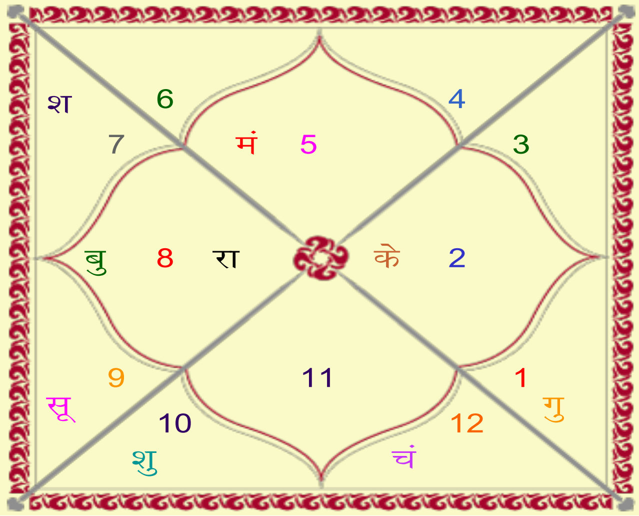

देह विचारः

होरा कुंडली

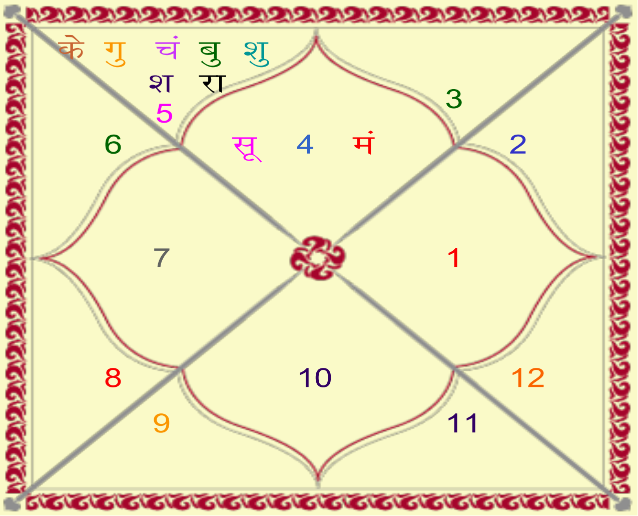

सम्पदाविचारः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

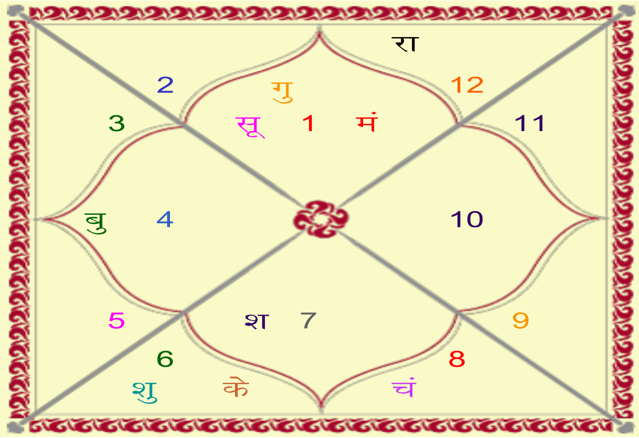

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

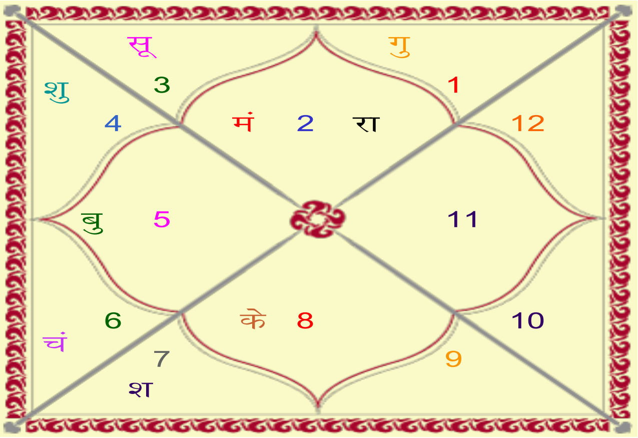

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

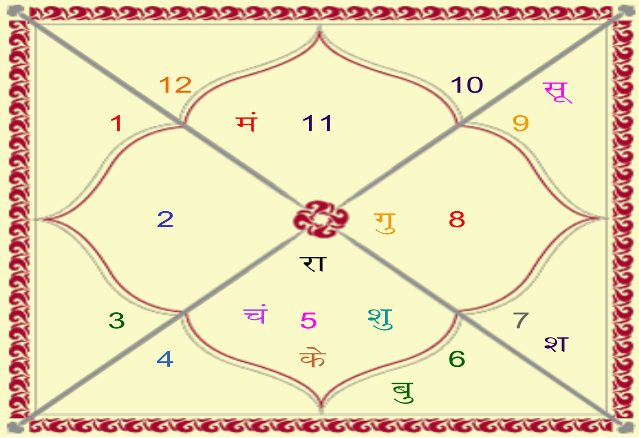

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

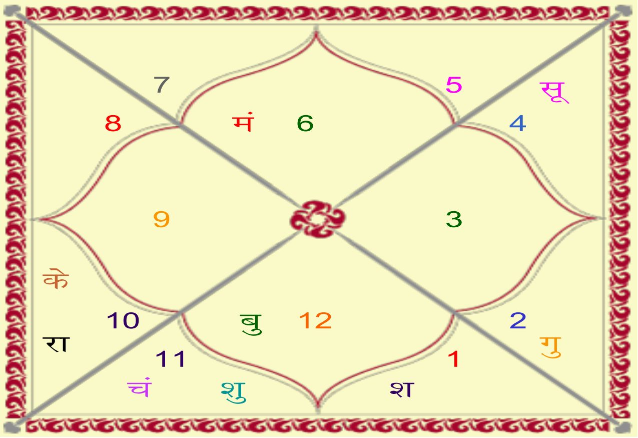

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

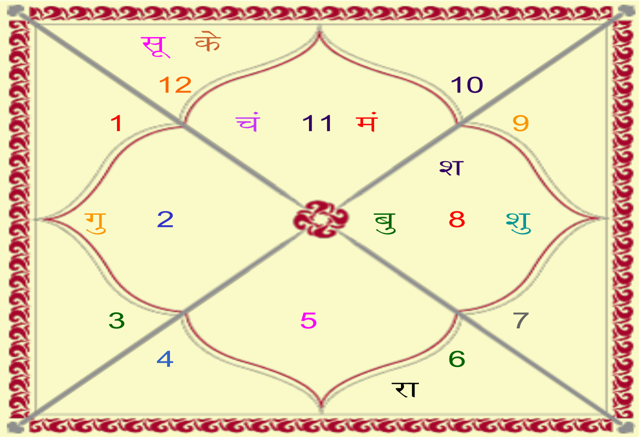

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

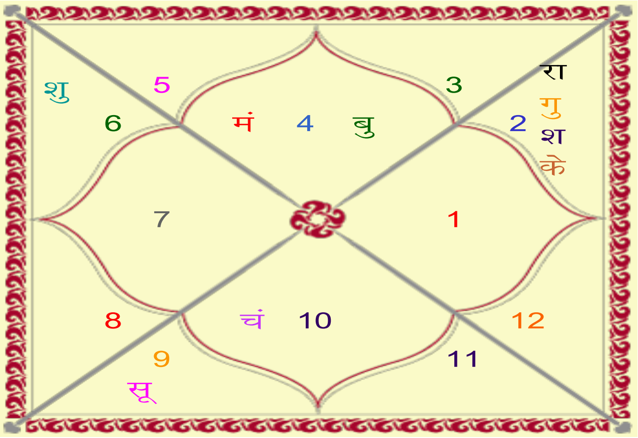

आयुविचारः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

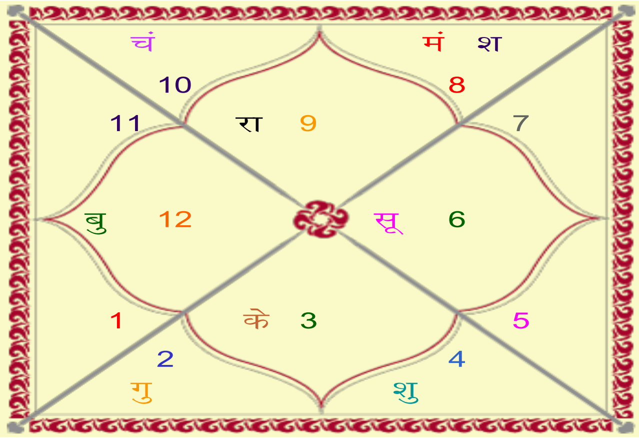

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

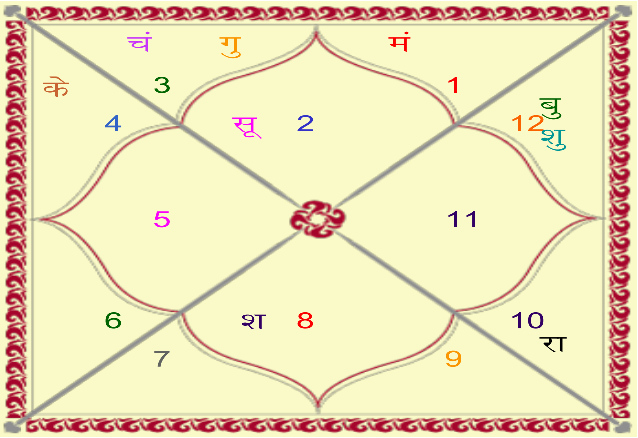

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

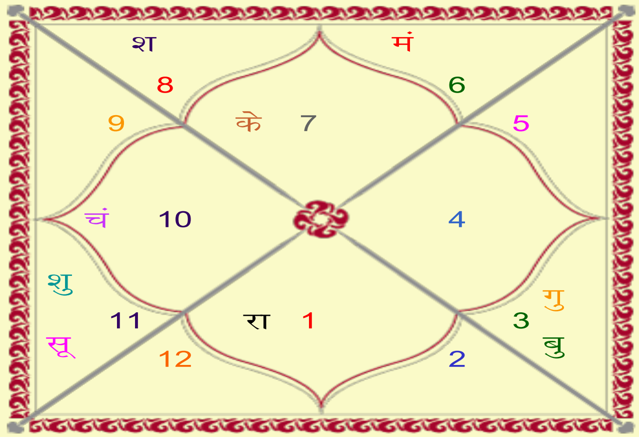

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

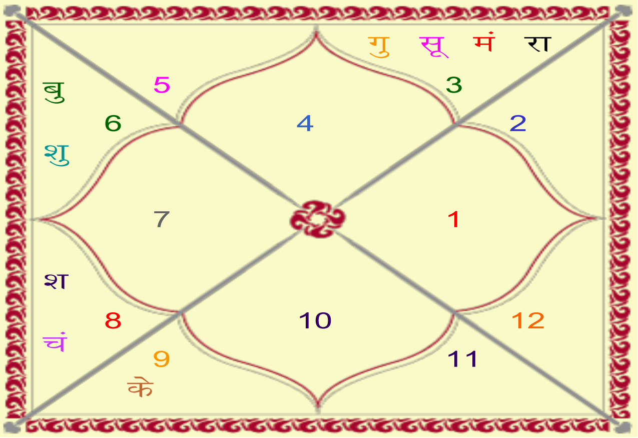

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

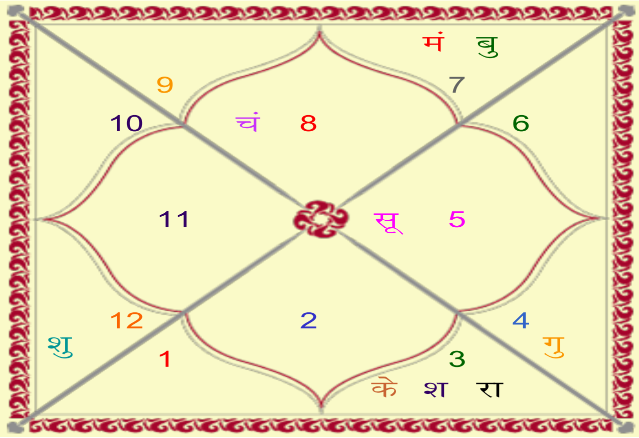

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

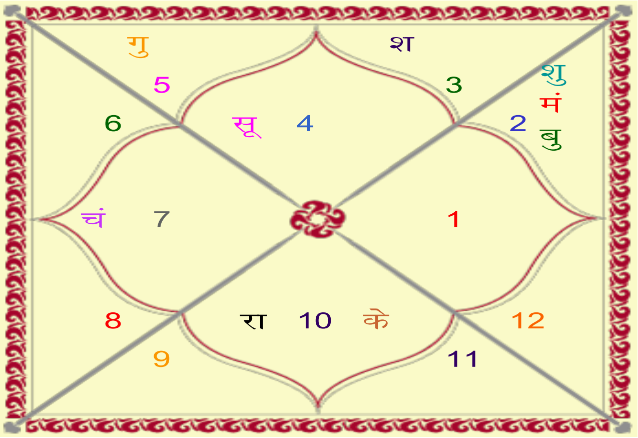

उपासनाज्ञानम्

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

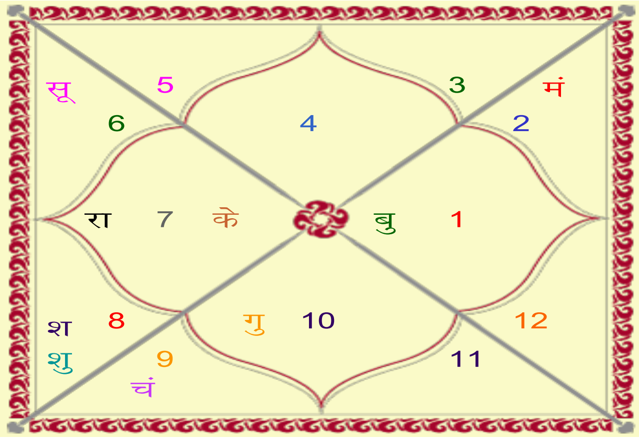

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

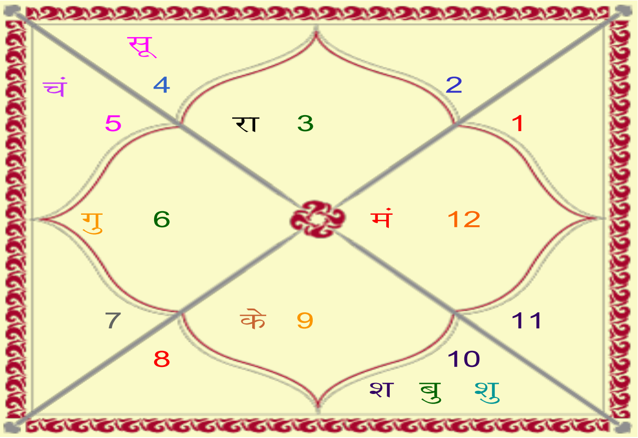

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

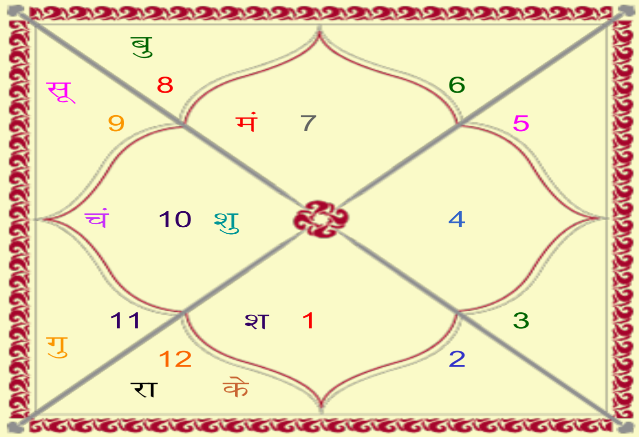

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

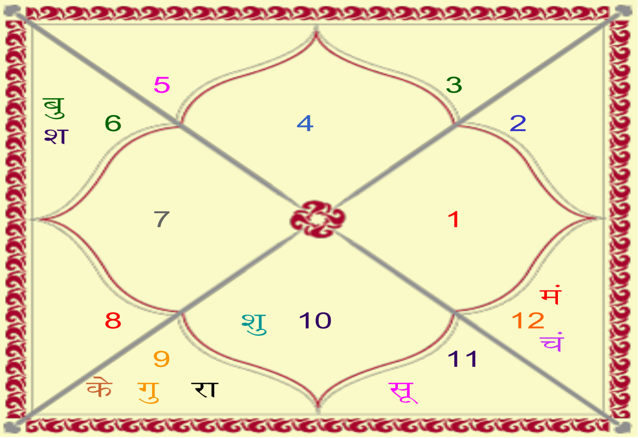

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

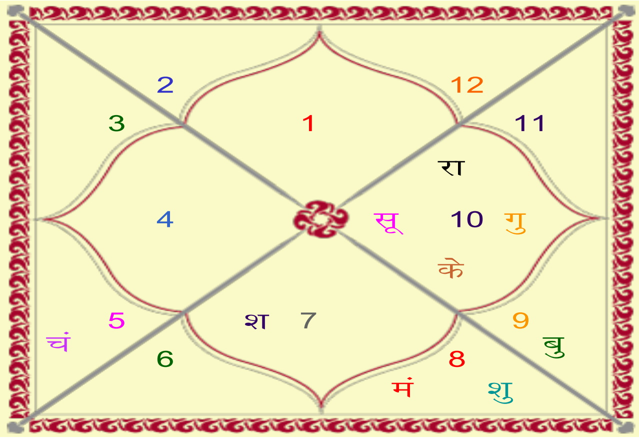

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

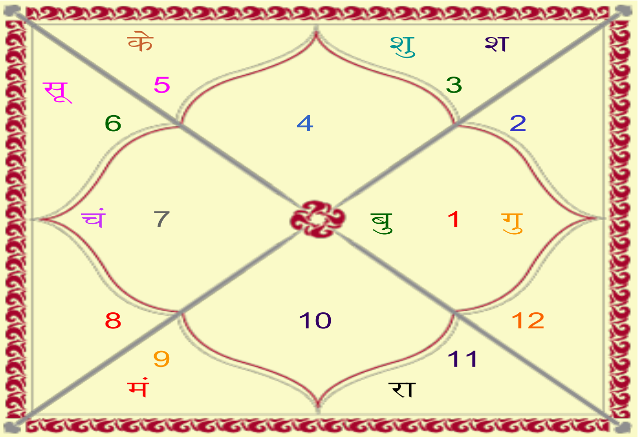

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	सिंह	धनु	मीन	सिंह	वृश्चि	मेष	मक	तुला	वृश्चि	वृष
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	मेष	मेष	वृश्चि	मेष	कर्क	मेष	कंया	तुला	मीन	कंया
चतुर्थांश	वृष	मिथु	कंया	वृष	सिंह	मेष	कर्क	तुला	वृष	वृश्चि
सप्तमांश	कुंभ	मीन	कुंभ	कुंभ	वृश्चि	वृष	वृश्चि	वृश्चि	कंया	मीन
नवमांश	धनु	कंया	मक	वृश्चि	मीन	वृष	कर्क	वृश्चि	धनु	मिथु
दशमांश	वृष	वृष	मिथु	मेष	मीन	मिथु	मीन	वृश्चि	मक	कर्क
द्वादशांश	कर्क	मिथु	वृश्चि	मिथु	कंया	मिथु	कंया	वृश्चि	मिथु	धनु
षोडशांश	वृश्चि	सिंह	वृश्चि	तुला	तुला	कर्क	मीन	मिथु	मिथु	मिथु
विंशांश	कर्क	कर्क	तुला	वृष	वृष	सिंह	वृष	मिथु	मक	मक
चतुर्विंशांश	कर्क	कंया	धनु	वृष	मेष	मक	वृश्चि	वृश्चि	तुला	तुला
सप्तविंशांश	मिथु	कर्क	सिंह	मीन	मक	कंया	मक	मक	मिथु	धनु
त्रिंशांश	तुला	धनु	मक	तुला	वृश्चि	कुंभ	मक	मेष	मीन	मीन
खवेदांश	कर्क	कुंभ	मीन	मीन	कंया	धनु	मक	कंया	धनु	धनु
अक्षवेदांश	मेष	मक	सिंह	वृश्चि	धनु	मक	वृश्चि	तुला	मक	मक
षष्ट्यंश	कर्क	कंया	तुला	धनु	मेष	मेष	मिथु	मिथु	कुंभ	सिंह

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	---	---	पारिजात	भेदक
चन्द्र	---	---	---	---
मंगल	किंसुक	किंसुक	उत्तम	नागपुष्प
बुध	---	---	---	भेदक
गुरु	---	---	---	भेदक
शुक्र	---	---	पारिजात	कुसुम
शनि	किंसुक	किंसुक	पारिजात	कन्दुक
राहु	---	किंसुक	उत्तम	नागपुष्प
केतु	किंसुक	व्यंजन	उत्तम	कन्दुक

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	12.55	10.50	14.35	11.80	9.35	15.20	14.00	8.20	8.90
सप्तवर्ग	12.43	10.10	14.23	12.50	9.35	14.03	13.20	8.05	9.75
दशवर्ग	13.35	11.25	12.18	13.88	9.63	15.53	14.40	11.25	8.83
षोडशवर्ग	13.93	11.85	11.95	13.75	10.38	15.05	15.25	11.25	8.55

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंग	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंग	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
गुरु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
शुक्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	शत्रु
शनि	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---

ग्रह दृष्टि

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	सम	मित्र	सम	सम	सम	सम	अधिशत्रु
चंद्र	अतिमित्र	---	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	अधिशत्रु	सम
मंग	सम	सम	---	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	अतिमित्र
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	मित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
गुरु	सम	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	---	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	सम	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	---	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
शनि	सम	अधिशत्रु	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	---	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	सम	अधिशत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	अतिमित्र	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	सम	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---

Sample

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	22	46	9	36	30	38	55
सप्तवर्गज बल	83	56	101	103	43	109	83
ओजयुग्मक बल	15	30	15	0	15	30	15
केन्द्र बल	30	30	60	60	15	15	15
द्रेष्काण बल	0	15	0	0	15	15	0
कुल स्थान बल	150	178	186	199	119	207	167
कुल दिग्बल	6	23	31	31	12	43	11
नतोन्नत बल	6	54	54	60	6	6	54
पक्ष बल	28	63	28	32	32	32	28
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	30	0
वार बल	45	0	0	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	0	60	0
अयन बल	1	22	35	60	45	9	44
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	81	139	117	151	158	197	126
कुल चेष्टाबल	0	0	44	22	38	23	27
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-12	-19	20	-2	-24	-6	31
कुल षट्बल	284	372	415	427	337	506	371
रूप षट्बल	4.7	6.2	6.9	7.1	5.6	8.4	6.2
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	0.9	1.0	1.4	1.0	0.9	1.5	1.2
संबंधित पद	6	4	2	5	7	1	3

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	8.91	38.32	20.25	28.34	34.08	29.52	38.17
कष्ट फल	46.17	19.69	28.86	30.05	25.43	28.60	13.22

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	284	427	506	415	337	371	371	337	415	506	427	372
भावदिग्बल	30	50	40	30	10	40	0	20	50	60	40	20
भावदृष्टि बल	58	64	57	22	25	10	22	-4	-6	63	79	60
कुल भाव बल	372	542	603	467	371	421	393	353	459	629	546	451
रूप भाव बल	6.2	9.0	10.0	7.8	6.2	7.0	6.5	5.9	7.6	10.5	9.1	7.5
संबंधित पद	10	4	2	5	11	8	9	12	6	1	3	7

Sample

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	सिंह	29:48:36	--	--	उत्तराफाल्गुनी	1	12
गुलिक	गु	सिंह	23:35:12	--	--	पूर्वाफाल्गुनी	4	11
काल	का	कंया	16:15:24	--	--	हस्त	2	13
मृत्यु	मृ	वृश्चि	00:42:18	--	मूल	विशाखा	4	16
यमघंटक	यम	कर्क	09:12:36	--	--	पुष्य	2	8
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	वृश्चि	22:47:11	--	--	ज्येष्ठा	2	18
धूम	धू	वृष	00:00:45	--	--	कृतिका	2	3
व्यतिपात	व्य	कुंभ	29:59:15	--	--	पूर्वाभाद्रपद	3	25
परिवेश	परि	सिंह	29:59:15	--	--	उत्तराफाल्गुनी	1	12
इन्द्रचाप	इ	वृश्चि	00:00:45	--	--	विशाखा	4	16
उपकेतु	उप	वृश्चि	16:40:45	--	--	ज्येष्ठा	1	18

प्राणपद	:	कर्क	19:31:22	कारकाँश लग्न	:	मीन	01:09:01
भाव लग्न	:	सिंह	15:19:17	होरा लग्न	:	मेष	13:57:49
घटी लग्न	:	मेष	09:53:24	वर्णद लग्न	:	तुला	16:13:35

उपग्रह कुंडली

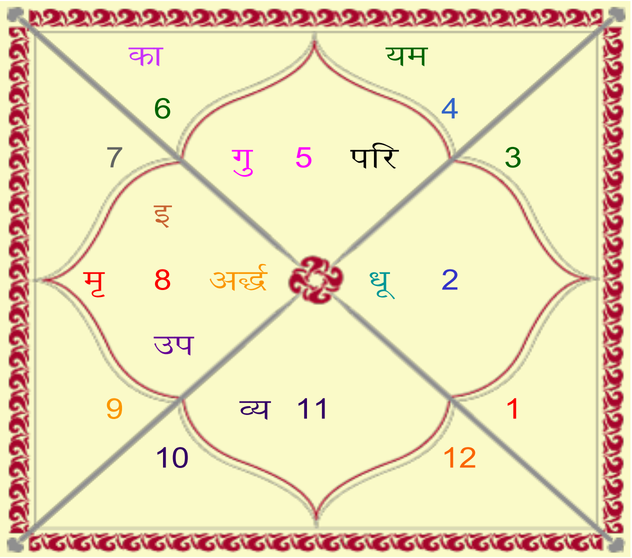

आरूढ़ कुंडली

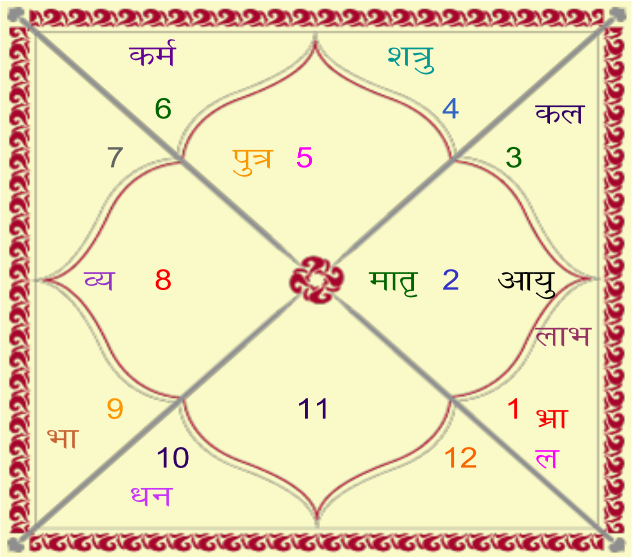

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षन्नाडी चक्र

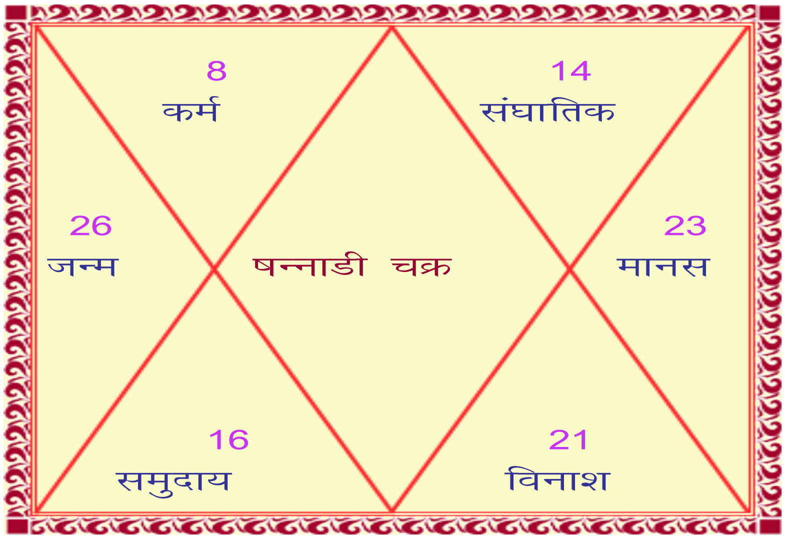

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र
केतु कुंडली	सूर्य	केतु	बुध	मंग	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि
गुरु कुंडली	मंग	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंग	केतु	चंद्र

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंग
केतु कुंडली	सूर्य	केतु	बुध	मंग	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि
गुरु कुंडली	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंग	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	शनि	गुरु
केतु कुंडली	सूर्य	केतु	बुध	मंग	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि
गुरु कुंडली	शनि	राहु	सूर्य	मंग	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य

Sample

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
सू	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
चं	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
मं	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
बु	1	0	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	7
गु	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	4
शु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
श	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
कुल	3	4	5	5	6	4	4	3	4	5	2	3	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
सू	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	6
चं	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	1	6
मं	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	7
बु	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
गु	1	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	7
शु	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	7
श	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	4
कुल	3	6	4	3	3	5	5	3	3	5	4	5	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5
सू	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	5
चं	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
मं	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
बु	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	4
गु	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	4
शु	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
श	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	7
कुल	3	5	4	1	5	4	3	2	1	5	3	3	39

बुद्ध का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
सू	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	5
चं	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	6
मं	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
बु	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	1	8
गु	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4
शु	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
श	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
कुल	6	5	4	2	7	5	4	7	1	5	3	5	54

गुरू का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	9
सू	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	9
चं	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	5
मं	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
बु	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
गु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
शु	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
श	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	4
कुल	4	4	5	4	4	7	3	6	4	4	7	4	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	8
सू	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	3
चं	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	9
मं	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
बु	1	0	0	1	0	1	0	0	0	1	0	1	5
गु	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	5
शु	1	1	0	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
श	0	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	7
कुल	5	3	4	5	4	3	5	5	4	6	4	4	52

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	6
सू	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
चं	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
मं	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
बु	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	6
गु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	4
शु	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
श	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	4
कुल	1	3	5	3	5	3	4	2	4	4	2	3	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
ल	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
सू	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
चं	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
मं	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5
बु	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
गु	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
शु	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
श	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6
कुल	3	6	3	2	6	4	5	3	4	6	4	3	49

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	3	6	3	2	6	4	5	3	4	6	4	3	49
सूर्य	3	4	5	5	6	4	4	3	4	5	2	3	48
चंद्र	3	6	4	3	3	5	5	3	3	5	4	5	49
मंग	3	5	4	1	5	4	3	2	1	5	3	3	39
बुध	6	5	4	2	7	5	4	7	1	5	3	5	54
गुरु	4	4	5	4	4	7	3	6	4	4	7	4	56
शुक्र	5	3	4	5	4	3	5	5	4	6	4	4	52
शनि	1	3	5	3	5	3	4	2	4	4	2	3	39
बि	28	36	34	25	40	35	33	31	25	40	29	30	386
रे	36	28	30	39	24	29	31	33	39	24	35	34	382

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	2	0	0	3	0	2	1	1	2	1	1	13
सूर्य	0	0	3	2	3	0	2	0	1	1	0	0	12
चंद्र	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	2	4
मंग	2	1	1	0	4	0	0	1	0	1	0	2	12
बुध	5	0	1	0	6	0	1	5	0	0	0	3	21
गुरु	0	0	2	0	0	3	0	2	0	0	4	0	11
शुक्र	1	0	0	1	0	0	1	1	0	3	0	0	7
शनि	0	0	3	1	4	0	2	0	3	1	0	1	15
रे	8	4	10	4	20	3	9	10	5	8	5	9	95

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	0	0	0	3	0	2	1	1	2	0	1	10
सूर्य	0	0	3	2	3	0	2	0	1	1	0	0	12
चंद्र	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	2	3
मंग	2	1	1	0	4	0	0	1	0	1	0	2	12
बुध	5	0	1	0	6	0	1	5	0	0	0	3	21
गुरु	0	0	2	0	0	2	0	2	0	0	4	0	10
शुक्र	1	0	0	1	0	0	1	1	0	3	0	0	7
शनि	0	0	3	1	4	0	2	0	3	1	0	1	15
रे	8	1	10	4	20	2	9	10	5	8	4	9	90

शोध्य पिंड

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	83	90	31	109	186	86	41	126
ग्रह पिंड	63	46	15	74	143	10	41	69
शोध्य पिंड	146	136	46	183	329	96	82	195

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

अष्टकवर्ग सारिणी

अष्टकवर्ग

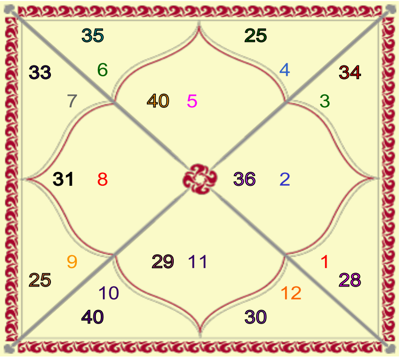

सूर्य का अष्टकवर्ग

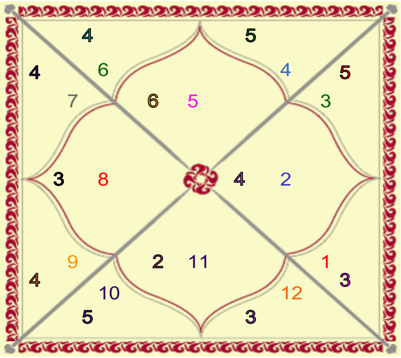

चंद्र का अष्टकवर्ग

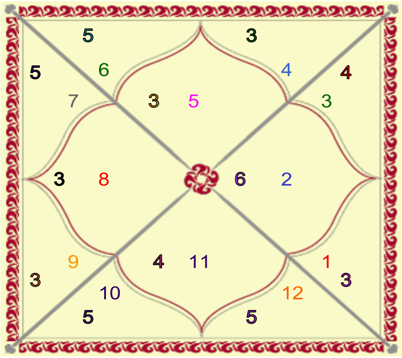

मंगल का अष्टकवर्ग

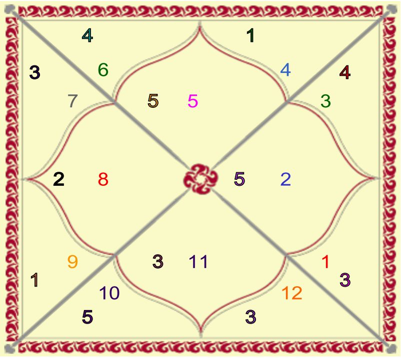

बुद्ध का अष्टकवर्ग

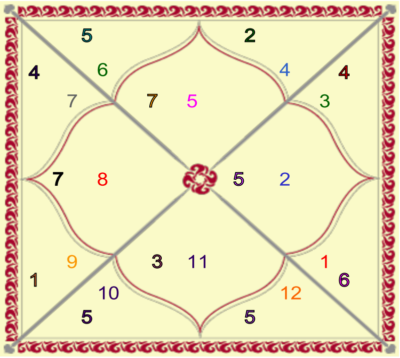

गुरू का अष्टकवर्ग

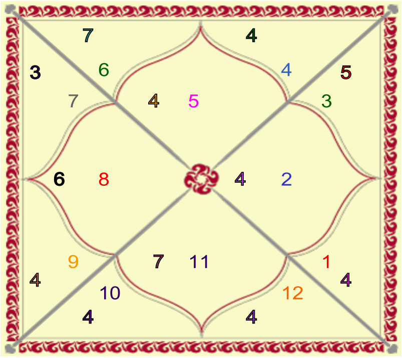

शुक्र का अष्टकवर्ग

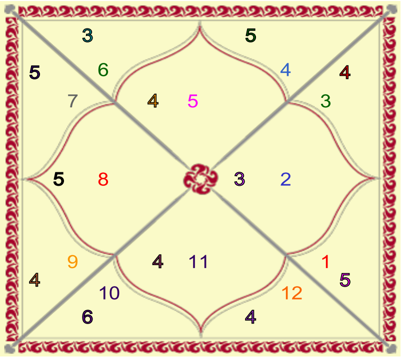

शनि का अष्टकवर्ग

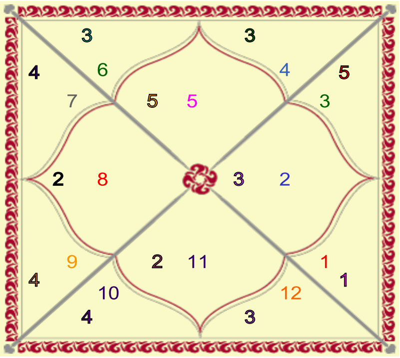

लग्न का अष्टकवर्ग

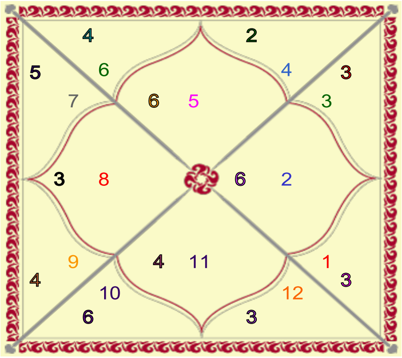

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 4 मास 15 दिन

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य	
01/01/2012		19/05/2022		18/05/2029		18/05/2049	
19/05/2022		18/05/2029		18/05/2049		19/05/2055	
बुध	00/00/0000	केतु	15/10/2022	शुक्र	17/09/2032	सूर्य	05/09/2049
केतु	00/00/0000	शुक्र	15/12/2023	सूर्य	17/09/2033	चंद्र	07/03/2050
शुक्र	01/01/2012	सूर्य	21/04/2024	चंद्र	19/05/2035	मंग	12/07/2050
सूर्य	18/06/2012	चंद्र	20/11/2024	मंग	18/07/2036	राहु	06/06/2051
चंद्र	17/11/2013	मंग	18/04/2025	राहु	19/07/2039	गुरु	24/03/2052
मंग	14/11/2014	राहु	06/05/2026	गुरु	19/03/2042	शनि	06/03/2053
राहु	03/06/2017	गुरु	12/04/2027	शनि	18/05/2045	बुध	11/01/2054
गुरु	09/09/2019	शनि	21/05/2028	बुध	18/03/2048	केतु	19/05/2054
शनि	19/05/2022	बुध	18/05/2029	केतु	18/05/2049	शुक्र	19/05/2055

चंद्र		मंग		राहु		गुरु	
19/05/2055		18/05/2065		18/05/2072		19/05/2090	
18/05/2065		18/05/2072		19/05/2090		20/05/2106	
चंद्र	18/03/2056	मंग	15/10/2065	राहु	29/01/2075	गुरु	06/07/2092
मंग	17/10/2056	राहु	02/11/2066	गुरु	24/06/2077	शनि	17/01/2095
राहु	18/04/2058	गुरु	09/10/2067	शनि	30/04/2080	बुध	24/04/2097
गुरु	18/08/2059	शनि	17/11/2068	बुध	17/11/2082	केतु	31/03/2098
शनि	19/03/2061	बुध	14/11/2069	केतु	06/12/2083	शुक्र	30/11/2100
बुध	18/08/2062	केतु	12/04/2070	शुक्र	06/12/2086	सूर्य	18/09/2101
केतु	19/03/2063	शुक्र	12/06/2071	सूर्य	30/10/2087	चंद्र	18/01/2103
शुक्र	17/11/2064	सूर्य	18/10/2071	चंद्र	30/04/2089	मंग	25/12/2103
सूर्य	18/05/2065	चंद्र	18/05/2072	मंग	19/05/2090	राहु	20/05/2106

शनि		बुध	
20/05/2106		19/05/2125	
19/05/2125		00/00/0000	
शनि	22/05/2109	बुध	16/10/2127
बुध	31/01/2112	केतु	12/10/2128
केतु	10/03/2113	शुक्र	13/08/2131
शुक्र	10/05/2116	सूर्य	02/01/2132
सूर्य	22/04/2117	चंद्र	00/00/0000
चंद्र	21/11/2118	मंग	00/00/0000
मंग	31/12/2119	राहु	00/00/0000
राहु	06/11/2122	गुरु	00/00/0000
गुरु	19/05/2125	शनि	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 4 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

बुध-सूर्य 01/01/2012 18/06/2012		बुध-चंद्र 18/06/2012 17/11/2013		बुध-मंग 17/11/2013 14/11/2014		बुध-राहु 14/11/2014 03/06/2017	
सूर्य	00/00/0000	चंद्र	31/07/2012	मंग	08/12/2013	राहु	03/04/2015
चंद्र	00/00/0000	मंग	30/08/2012	राहु	31/01/2014	गुरु	05/08/2015
मंग	00/00/0000	राहु	16/11/2012	गुरु	21/03/2014	शनि	31/12/2015
राहु	01/01/2012	गुरु	23/01/2013	शनि	17/05/2014	बुध	11/05/2016
गुरु	07/01/2012	शनि	15/04/2013	बुध	07/07/2014	केतु	04/07/2016
शनि	25/02/2012	बुध	28/06/2013	केतु	29/07/2014	शुक्र	06/12/2016
बुध	09/04/2012	केतु	28/07/2013	शुक्र	27/09/2014	सूर्य	22/01/2017
केतु	27/04/2012	शुक्र	22/10/2013	सूर्य	15/10/2014	चंद्र	09/04/2017
शुक्र	18/06/2012	सूर्य	17/11/2013	चंद्र	14/11/2014	मंग	03/06/2017

बुध-गुरु 03/06/2017 09/09/2019		बुध-शनि 09/09/2019 19/05/2022		केतु-केतु 19/05/2022 15/10/2022		केतु-शुक्र 15/10/2022 15/12/2023	
गुरु	21/09/2017	शनि	11/02/2020	केतु	27/05/2022	शुक्र	25/12/2022
शनि	30/01/2018	बुध	29/06/2020	शुक्र	21/06/2022	सूर्य	15/01/2023
बुध	27/05/2018	केतु	26/08/2020	सूर्य	29/06/2022	चंद्र	20/02/2023
केतु	15/07/2018	शुक्र	06/02/2021	चंद्र	11/07/2022	मंग	16/03/2023
शुक्र	30/11/2018	सूर्य	27/03/2021	मंग	20/07/2022	राहु	19/05/2023
सूर्य	10/01/2019	चंद्र	17/06/2021	राहु	11/08/2022	गुरु	15/07/2023
चंद्र	20/03/2019	मंग	13/08/2021	गुरु	31/08/2022	शनि	21/09/2023
मंग	07/05/2019	राहु	08/01/2022	शनि	24/09/2022	बुध	20/11/2023
राहु	09/09/2019	गुरु	19/05/2022	बुध	15/10/2022	केतु	15/12/2023

केतु-सूर्य 15/12/2023 21/04/2024		केतु-चंद्र 21/04/2024 20/11/2024		केतु-मंग 20/11/2024 18/04/2025		केतु-राहु 18/04/2025 06/05/2026	
सूर्य	21/12/2023	चंद्र	09/05/2024	मंग	29/11/2024	राहु	14/06/2025
चंद्र	01/01/2024	मंग	21/05/2024	राहु	21/12/2024	गुरु	05/08/2025
मंग	08/01/2024	राहु	22/06/2024	गुरु	10/01/2025	शनि	04/10/2025
राहु	28/01/2024	गुरु	20/07/2024	शनि	02/02/2025	बुध	28/11/2025
गुरु	14/02/2024	शनि	23/08/2024	बुध	24/02/2025	केतु	20/12/2025
शनि	05/03/2024	बुध	22/09/2024	केतु	04/03/2025	शुक्र	22/02/2026
बुध	23/03/2024	केतु	05/10/2024	शुक्र	29/03/2025	सूर्य	13/03/2026
केतु	30/03/2024	शुक्र	09/11/2024	सूर्य	06/04/2025	चंद्र	14/04/2026
शुक्र	21/04/2024	सूर्य	20/11/2024	चंद्र	18/04/2025	मंग	06/05/2026

केतु-गुरु 06/05/2026 12/04/2027		केतु-शनि 12/04/2027 21/05/2028		केतु-बुध 21/05/2028 18/05/2029		शुक्र-शुक्र 18/05/2029 17/09/2032	
गुरु	21/06/2026	शनि	15/06/2027	बुध	12/07/2028	शुक्र	07/12/2029
शनि	14/08/2026	बुध	12/08/2027	केतु	02/08/2028	सूर्य	06/02/2030
बुध	01/10/2026	केतु	04/09/2027	शुक्र	01/10/2028	चंद्र	19/05/2030
केतु	21/10/2026	शुक्र	11/11/2027	सूर्य	19/10/2028	मंग	29/07/2030
शुक्र	17/12/2026	सूर्य	01/12/2027	चंद्र	18/11/2028	राहु	27/01/2031
सूर्य	03/01/2027	चंद्र	04/01/2028	मंग	09/12/2028	गुरु	09/07/2031
चंद्र	31/01/2027	मंग	27/01/2028	राहु	02/02/2029	शनि	17/01/2032
मंग	20/02/2027	राहु	28/03/2028	गुरु	22/03/2029	बुध	08/07/2032
राहु	12/04/2027	गुरु	21/05/2028	शनि	18/05/2029	केतु	17/09/2032

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

शुक्र-सूर्य		शुक्र-चंद्र		शुक्र-मंग		शुक्र-राहु	
17/09/2032		17/09/2033		19/05/2035		18/07/2036	
17/09/2033		19/05/2035		18/07/2036		19/07/2039	
सूर्य	05/10/2032	चंद्र	07/11/2033	मंग	13/06/2035	राहु	29/12/2036
चंद्र	05/11/2032	मंग	12/12/2033	राहु	16/08/2035	गुरु	24/05/2037
मंग	26/11/2032	राहु	14/03/2034	गुरु	11/10/2035	शनि	14/11/2037
राहु	20/01/2033	गुरु	03/06/2034	शनि	18/12/2035	बुध	18/04/2038
गुरु	09/03/2033	शनि	07/09/2034	बुध	16/02/2036	केतु	21/06/2038
शनि	06/05/2033	बुध	02/12/2034	केतु	12/03/2036	शुक्र	21/12/2038
बुध	27/06/2033	केतु	07/01/2035	शुक्र	22/05/2036	सूर्य	14/02/2039
केतु	18/07/2033	शुक्र	18/04/2035	सूर्य	13/06/2036	चंद्र	16/05/2039
शुक्र	17/09/2033	सूर्य	19/05/2035	चंद्र	18/07/2036	मंग	19/07/2039

शुक्र-गुरु		शुक्र-शनि		शुक्र-बुध		शुक्र-केतु	
19/07/2039		19/03/2042		18/05/2045		18/03/2048	
19/03/2042		18/05/2045		18/03/2048		18/05/2049	
गुरु	26/11/2039	शनि	18/09/2042	बुध	12/10/2045	केतु	12/04/2048
शनि	28/04/2040	बुध	01/03/2043	केतु	11/12/2045	शुक्र	22/06/2048
बुध	13/09/2040	केतु	07/05/2043	शुक्र	02/06/2046	सूर्य	13/07/2048
केतु	09/11/2040	शुक्र	16/11/2043	सूर्य	24/07/2046	चंद्र	18/08/2048
शुक्र	20/04/2041	सूर्य	13/01/2044	चंद्र	18/10/2046	मंग	12/09/2048
सूर्य	08/06/2041	चंद्र	18/04/2044	मंग	17/12/2046	राहु	15/11/2048
चंद्र	28/08/2041	मंग	25/06/2044	राहु	21/05/2047	गुरु	11/01/2049
मंग	24/10/2041	राहु	15/12/2044	गुरु	06/10/2047	शनि	19/03/2049
राहु	19/03/2042	गुरु	18/05/2045	शनि	18/03/2048	बुध	18/05/2049

सूर्य-सूर्य		सूर्य-चंद्र		सूर्य-मंग		सूर्य-राहु	
18/05/2049		05/09/2049		07/03/2050		12/07/2050	
05/09/2049		07/03/2050		12/07/2050		06/06/2051	
सूर्य	24/05/2049	चंद्र	20/09/2049	मंग	14/03/2050	राहु	31/08/2050
चंद्र	02/06/2049	मंग	01/10/2049	राहु	02/04/2050	गुरु	14/10/2050
मंग	08/06/2049	राहु	28/10/2049	गुरु	19/04/2050	शनि	05/12/2050
राहु	25/06/2049	गुरु	22/11/2049	शनि	10/05/2050	बुध	20/01/2051
गुरु	09/07/2049	शनि	21/12/2049	बुध	28/05/2050	केतु	08/02/2051
शनि	27/07/2049	बुध	15/01/2050	केतु	04/06/2050	शुक्र	04/04/2051
बुध	11/08/2049	केतु	26/01/2050	शुक्र	25/06/2050	सूर्य	21/04/2051
केतु	18/08/2049	शुक्र	25/02/2050	सूर्य	02/07/2050	चंद्र	18/05/2051
शुक्र	05/09/2049	सूर्य	07/03/2050	चंद्र	12/07/2050	मंग	06/06/2051

सूर्य-गुरु		सूर्य-शनि		सूर्य-बुध		सूर्य-केतु	
06/06/2051		24/03/2052		06/03/2053		11/01/2054	
24/03/2052		06/03/2053		11/01/2054		19/05/2054	
गुरु	15/07/2051	शनि	18/05/2052	बुध	19/04/2053	केतु	18/01/2054
शनि	30/08/2051	बुध	06/07/2052	केतु	07/05/2053	शुक्र	09/02/2054
बुध	11/10/2051	केतु	27/07/2052	शुक्र	28/06/2053	सूर्य	15/02/2054
केतु	28/10/2051	शुक्र	23/09/2052	सूर्य	14/07/2053	चंद्र	26/02/2054
शुक्र	16/12/2051	सूर्य	10/10/2052	चंद्र	09/08/2053	मंग	05/03/2054
सूर्य	30/12/2051	चंद्र	08/11/2052	मंग	27/08/2053	राहु	24/03/2054
चंद्र	23/01/2052	मंग	28/11/2052	राहु	12/10/2053	गुरु	10/04/2054
मंग	10/02/2052	राहु	19/01/2053	गुरु	23/11/2053	शनि	01/05/2054
राहु	24/03/2052	गुरु	06/03/2053	शनि	11/01/2054	बुध	19/05/2054

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

सूर्य-शुक्र
19/05/2054
19/05/2055

शुक्र	19/07/2054
सूर्य	06/08/2054
चंद्र	05/09/2054
मंग	27/09/2054
राहु	20/11/2054
गुरु	08/01/2055
शनि	07/03/2055
बुध	28/04/2055
केतु	19/05/2055

चंद्र-चंद्र
19/05/2055
18/03/2056

चंद्र	13/06/2055
मंग	01/07/2055
राहु	16/08/2055
गुरु	25/09/2055
शनि	12/11/2055
बुध	26/12/2055
केतु	12/01/2056
शुक्र	03/03/2056
सूर्य	18/03/2056

चंद्र-मंग
18/03/2056
17/10/2056

मंग	31/03/2056
राहु	02/05/2056
गुरु	30/05/2056
शनि	03/07/2056
बुध	02/08/2056
केतु	14/08/2056
शुक्र	19/09/2056
सूर्य	30/09/2056
चंद्र	17/10/2056

चंद्र-राहु
17/10/2056
18/04/2058

राहु	08/01/2057
गुरु	22/03/2057
शनि	16/06/2057
बुध	02/09/2057
केतु	04/10/2057
शुक्र	03/01/2058
सूर्य	31/01/2058
चंद्र	17/03/2058
मंग	18/04/2058

चंद्र-गुरु
18/04/2058
18/08/2059

गुरु	22/06/2058
शनि	07/09/2058
बुध	15/11/2058
केतु	14/12/2058
शुक्र	05/03/2059
सूर्य	29/03/2059
चंद्र	09/05/2059
मंग	06/06/2059
राहु	18/08/2059

चंद्र-शनि
18/08/2059
19/03/2061

शनि	18/11/2059
बुध	08/02/2060
केतु	12/03/2060
शुक्र	17/06/2060
सूर्य	16/07/2060
चंद्र	02/09/2060
मंग	06/10/2060
राहु	31/12/2060
गुरु	19/03/2061

चंद्र-बुध
19/03/2061
18/08/2062

बुध	31/05/2061
केतु	30/06/2061
शुक्र	24/09/2061
सूर्य	20/10/2061
चंद्र	02/12/2061
मंग	01/01/2062
राहु	20/03/2062
गुरु	28/05/2062
शनि	18/08/2062

चंद्र-केतु
18/08/2062
19/03/2063

केतु	30/08/2062
शुक्र	05/10/2062
सूर्य	16/10/2062
चंद्र	02/11/2062
मंग	15/11/2062
राहु	17/12/2062
गुरु	14/01/2063
शनि	17/02/2063
बुध	19/03/2063

चंद्र-शुक्र
19/03/2063
17/11/2064

शुक्र	28/06/2063
सूर्य	29/07/2063
चंद्र	18/09/2063
मंग	23/10/2063
राहु	22/01/2064
गुरु	13/04/2064
शनि	18/07/2064
बुध	12/10/2064
केतु	17/11/2064

चंद्र-सूर्य
17/11/2064
18/05/2065

सूर्य	26/11/2064
चंद्र	11/12/2064
मंग	22/12/2064
राहु	18/01/2065
गुरु	12/02/2065
शनि	12/03/2065
बुध	07/04/2065
केतु	18/04/2065
शुक्र	18/05/2065

मंग-मंग
18/05/2065
15/10/2065

मंग	27/05/2065
राहु	18/06/2065
गुरु	08/07/2065
शनि	01/08/2065
बुध	22/08/2065
केतु	31/08/2065
शुक्र	25/09/2065
सूर्य	02/10/2065
चंद्र	15/10/2065

मंग-राहु
15/10/2065
02/11/2066

राहु	11/12/2065
गुरु	31/01/2066
शनि	02/04/2066
बुध	26/05/2066
केतु	18/06/2066
शुक्र	21/08/2066
सूर्य	09/09/2066
चंद्र	11/10/2066
मंग	02/11/2066

मंग-गुरु
02/11/2066
09/10/2067

गुरु	18/12/2066
शनि	09/02/2067
बुध	30/03/2067
केतु	19/04/2067
शुक्र	14/06/2067
सूर्य	02/07/2067
चंद्र	30/07/2067
मंग	19/08/2067
राहु	09/10/2067

मंग-शनि
09/10/2067
17/11/2068

शनि	12/12/2067
बुध	07/02/2068
केतु	02/03/2068
शुक्र	08/05/2068
सूर्य	29/05/2068
चंद्र	01/07/2068
मंग	25/07/2068
राहु	24/09/2068
गुरु	17/11/2068

मंग-बुध
17/11/2068
14/11/2069

बुध	07/01/2069
केतु	28/01/2069
शुक्र	30/03/2069
सूर्य	17/04/2069
चंद्र	17/05/2069
मंग	07/06/2069
राहु	31/07/2069
गुरु	18/09/2069
शनि	14/11/2069

मंग-केतु
14/11/2069
12/04/2070

केतु	23/11/2069
शुक्र	18/12/2069
सूर्य	25/12/2069
चंद्र	06/01/2070
मंग	15/01/2070
राहु	06/02/2070
गुरु	26/02/2070
शनि	22/03/2070
बुध	12/04/2070

Sample

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

मंग-शुक्र		मंग-सूर्य		मंग-चंद्र		राहु-राहु	
12/04/2070		12/06/2071		18/10/2071		18/05/2072	
12/06/2071		18/10/2071		18/05/2072		29/01/2075	
शुक्र	22/06/2070	सूर्य	19/06/2071	चंद्र	05/11/2071	राहु	13/10/2072
सूर्य	13/07/2070	चंद्र	29/06/2071	मंग	17/11/2071	गुरु	22/02/2073
चंद्र	18/08/2070	मंग	07/07/2071	राहु	19/12/2071	शनि	28/07/2073
मंग	12/09/2070	राहु	26/07/2071	गुरु	17/01/2072	बुध	14/12/2073
राहु	15/11/2070	गुरु	12/08/2071	शनि	19/02/2072	केतु	10/02/2074
गुरु	11/01/2071	शनि	01/09/2071	बुध	21/03/2072	शुक्र	24/07/2074
शनि	19/03/2071	बुध	19/09/2071	केतु	02/04/2072	सूर्य	12/09/2074
बुध	18/05/2071	केतु	27/09/2071	शुक्र	07/05/2072	चंद्र	03/12/2074
केतु	12/06/2071	शुक्र	18/10/2071	सूर्य	18/05/2072	मंग	29/01/2075

राहु-गुरु		राहु-शनि		राहु-बुध		राहु-केतु	
29/01/2075		24/06/2077		30/04/2080		17/11/2082	
24/06/2077		30/04/2080		17/11/2082		06/12/2083	
गुरु	26/05/2075	शनि	06/12/2077	बुध	09/09/2080	केतु	10/12/2082
शनि	12/10/2075	बुध	02/05/2078	केतु	02/11/2080	शुक्र	12/02/2083
बुध	13/02/2076	केतु	02/07/2078	शुक्र	06/04/2081	सूर्य	03/03/2083
केतु	04/04/2076	शुक्र	22/12/2078	सूर्य	23/05/2081	चंद्र	04/04/2083
शुक्र	28/08/2076	सूर्य	12/02/2079	चंद्र	09/08/2081	मंग	26/04/2083
सूर्य	11/10/2076	चंद्र	10/05/2079	मंग	02/10/2081	राहु	23/06/2083
चंद्र	23/12/2076	मंग	10/07/2079	राहु	19/02/2082	गुरु	13/08/2083
मंग	12/02/2077	राहु	13/12/2079	गुरु	23/06/2082	शनि	12/10/2083
राहु	24/06/2077	गुरु	30/04/2080	शनि	17/11/2082	बुध	06/12/2083

राहु-शुक्र		राहु-सूर्य		राहु-चंद्र		राहु-मंग	
06/12/2083		06/12/2086		30/10/2087		30/04/2089	
06/12/2086		30/10/2087		30/04/2089		19/05/2090	
शुक्र	05/06/2084	सूर्य	22/12/2086	चंद्र	15/12/2087	मंग	23/05/2089
सूर्य	30/07/2084	चंद्र	18/01/2087	मंग	16/01/2088	राहु	19/07/2089
चंद्र	30/10/2084	मंग	07/02/2087	राहु	07/04/2088	गुरु	08/09/2089
मंग	01/01/2085	राहु	28/03/2087	गुरु	19/06/2088	शनि	08/11/2089
राहु	15/06/2085	गुरु	11/05/2087	शनि	14/09/2088	बुध	01/01/2090
गुरु	08/11/2085	शनि	02/07/2087	बुध	30/11/2088	केतु	24/01/2090
शनि	30/04/2086	बुध	17/08/2087	केतु	01/01/2089	शुक्र	29/03/2090
बुध	03/10/2086	केतु	05/09/2087	शुक्र	03/04/2089	सूर्य	17/04/2090
केतु	06/12/2086	शुक्र	30/10/2087	सूर्य	30/04/2089	चंद्र	19/05/2090

गुरु-गुरु		गुरु-शनि		गुरु-बुध		गुरु-केतु	
19/05/2090		06/07/2092		17/01/2095		24/04/2097	
06/07/2092		17/01/2095		24/04/2097		31/03/2098	
गुरु	31/08/2090	शनि	29/11/2092	बुध	14/05/2095	केतु	14/05/2097
शनि	01/01/2091	बुध	09/04/2093	केतु	02/07/2095	शुक्र	10/07/2097
बुध	21/04/2091	केतु	02/06/2093	शुक्र	17/11/2095	सूर्य	27/07/2097
केतु	06/06/2091	शुक्र	04/11/2093	सूर्य	28/12/2095	चंद्र	24/08/2097
शुक्र	14/10/2091	सूर्य	20/12/2093	चंद्र	06/03/2096	मंग	13/09/2097
सूर्य	22/11/2091	चंद्र	07/03/2094	मंग	23/04/2096	राहु	03/11/2097
चंद्र	26/01/2092	मंग	30/04/2094	राहु	26/08/2096	गुरु	19/12/2097
मंग	11/03/2092	राहु	16/09/2094	गुरु	14/12/2096	शनि	11/02/2098
राहु	06/07/2092	गुरु	17/01/2095	शनि	24/04/2097	बुध	31/03/2098

विंशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

गुरु-शुक्र		गुरु-सूर्य		गुरु-चंद्र		गुरु-मंग	
31/03/2098		30/11/2100		18/09/2101		18/01/2103	
30/11/2100		18/09/2101		18/01/2103		25/12/2103	
शुक्र	09/09/2098	सूर्य	15/12/2100	चंद्र	29/10/2101	मंग	07/02/2103
सूर्य	28/10/2098	चंद्र	08/01/2101	मंग	26/11/2101	राहु	30/03/2103
चंद्र	17/01/2099	मंग	25/01/2101	राहु	07/02/2102	गुरु	15/05/2103
मंग	15/03/2099	राहु	10/03/2101	गुरु	13/04/2102	शनि	08/07/2103
राहु	08/08/2099	गुरु	18/04/2101	शनि	29/06/2102	बुध	25/08/2103
गुरु	16/12/2099	शनि	03/06/2101	बुध	06/09/2102	केतु	14/09/2103
शनि	19/05/2100	बुध	14/07/2101	केतु	05/10/2102	शुक्र	10/11/2103
बुध	04/10/2100	केतु	31/07/2101	शुक्र	25/12/2102	सूर्य	27/11/2103
केतु	30/11/2100	शुक्र	18/09/2101	सूर्य	18/01/2103	चंद्र	25/12/2103

गुरु-राहु		शनि-शनि		शनि-बुध		शनि-केतु	
25/12/2103		20/05/2106		22/05/2109		31/01/2112	
20/05/2106		22/05/2109		31/01/2112		10/03/2113	
राहु	05/05/2104	शनि	10/11/2106	बुध	09/10/2109	केतु	23/02/2112
गुरु	29/08/2104	बुध	14/04/2107	केतु	05/12/2109	शुक्र	01/05/2112
शनि	15/01/2105	केतु	17/06/2107	शुक्र	18/05/2110	सूर्य	21/05/2112
बुध	19/05/2105	शुक्र	18/12/2107	सूर्य	06/07/2110	चंद्र	24/06/2112
केतु	10/07/2105	सूर्य	10/02/2108	चंद्र	26/09/2110	मंग	17/07/2112
शुक्र	03/12/2105	चंद्र	12/05/2108	मंग	22/11/2110	राहु	16/09/2112
सूर्य	15/01/2106	मंग	15/07/2108	राहु	19/04/2111	गुरु	09/11/2112
चंद्र	30/03/2106	राहु	27/12/2108	गुरु	28/08/2111	शनि	12/01/2113
मंग	20/05/2106	गुरु	22/05/2109	शनि	31/01/2112	बुध	10/03/2113

शनि-शुक्र		शनि-सूर्य		शनि-चंद्र		शनि-मंग	
10/03/2113		10/05/2116		22/04/2117		21/11/2118	
10/05/2116		22/04/2117		21/11/2118		31/12/2119	
शुक्र	19/09/2113	सूर्य	27/05/2116	चंद्र	09/06/2117	मंग	15/12/2118
सूर्य	16/11/2113	चंद्र	25/06/2116	मंग	13/07/2117	राहु	14/02/2119
चंद्र	20/02/2114	मंग	16/07/2116	राहु	08/10/2117	गुरु	09/04/2119
मंग	29/04/2114	राहु	06/09/2116	गुरु	24/12/2117	शनि	12/06/2119
राहु	19/10/2114	गुरु	22/10/2116	शनि	25/03/2118	बुध	08/08/2119
गुरु	23/03/2115	शनि	16/12/2116	बुध	15/06/2118	केतु	01/09/2119
शनि	22/09/2115	बुध	03/02/2117	केतु	19/07/2118	शुक्र	07/11/2119
बुध	04/03/2116	केतु	23/02/2117	शुक्र	23/10/2118	सूर्य	27/11/2119
केतु	10/05/2116	शुक्र	22/04/2117	सूर्य	21/11/2118	चंद्र	31/12/2119

शनि-राहु		शनि-गुरु		बुध-बुध		बुध-केतु	
31/12/2119		06/11/2122		19/05/2125		16/10/2127	
06/11/2122		19/05/2125		16/10/2127		12/10/2128	
राहु	04/06/2120	गुरु	09/03/2123	बुध	21/09/2125	केतु	06/11/2127
गुरु	21/10/2120	शनि	03/08/2123	केतु	11/11/2125	शुक्र	06/01/2128
शनि	04/04/2121	बुध	12/12/2123	शुक्र	07/04/2126	सूर्य	24/01/2128
बुध	29/08/2121	केतु	04/02/2124	सूर्य	21/05/2126	चंद्र	23/02/2128
केतु	29/10/2121	शुक्र	07/07/2124	चंद्र	02/08/2126	मंग	15/03/2128
शुक्र	21/04/2122	सूर्य	23/08/2124	मंग	23/09/2126	राहु	08/05/2128
सूर्य	12/06/2122	चंद्र	08/11/2124	राहु	01/02/2127	गुरु	26/06/2128
चंद्र	06/09/2122	मंग	01/01/2125	गुरु	30/05/2127	शनि	22/08/2128
मंग	06/11/2122	राहु	19/05/2125	शनि	16/10/2127	बुध	12/10/2128

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

बुध-सूर्य-गुरु		बुध-सूर्य-शनि		बुध-सूर्य-बुध		बुध-सूर्य-केतु	
01/01/2012 23:10		07/01/2012 02:10		25/02/2012 05:56		09/04/2012 05:30	
07/01/2012 02:10		25/02/2012 05:56		09/04/2012 05:30		27/04/2012 08:09	
गुरु	00/00/0000 00:00	शनि	14/01/2012 20:58	बुध	02/03/2012 11:28	केतु	10/04/2012 06:51
शनि	00/00/0000 00:00	बुध	21/01/2012 20:06	केतु	05/03/2012 01:03	शुक्र	13/04/2012 07:18
बुध	00/00/0000 00:00	केतु	24/01/2012 16:55	शुक्र	12/03/2012 08:58	सूर्य	14/04/2012 05:02
केतु	00/00/0000 00:00	शुक्र	01/02/2012 21:33	सूर्य	14/03/2012 13:45	चंद्र	15/04/2012 17:15
शुक्र	00/00/0000 00:00	सूर्य	04/02/2012 08:32	चंद्र	18/03/2012 05:43	मंग	16/04/2012 18:36
सूर्य	00/00/0000 00:00	चंद्र	08/02/2012 10:51	मंग	20/03/2012 19:18	राहु	19/04/2012 11:48
चंद्र	00/00/0000 00:00	मंग	11/02/2012 07:40	राहु	27/03/2012 09:38	गुरु	21/04/2012 21:45
मंग	01/01/2012 23:10	राहु	18/02/2012 16:38	गुरु	02/04/2012 06:22	शनि	24/04/2012 18:35
राहु	07/01/2012 02:10	गुरु	25/02/2012 05:56	शनि	09/04/2012 05:30	बुध	27/04/2012 08:09

बुध-सूर्य-शुक्र		बुध-चंद्र-चंद्र		बुध-चंद्र-मंग		बुध-चंद्र-राहु	
27/04/2012 08:09		18/06/2012 02:00		31/07/2012 04:53		30/08/2012 09:17	
18/06/2012 02:00		31/07/2012 04:53		30/08/2012 09:17		16/11/2012 00:04	
शुक्र	05/05/2012 23:08	चंद्र	21/06/2012 16:14	मंग	01/08/2012 23:08	राहु	11/09/2012 00:42
सूर्य	08/05/2012 13:13	मंग	24/06/2012 04:36	राहु	06/08/2012 11:48	गुरु	21/09/2012 09:04
चंद्र	12/05/2012 20:42	राहु	30/06/2012 15:50	गुरु	10/08/2012 12:23	शनि	03/10/2012 16:01
मंग	15/05/2012 21:09	गुरु	06/07/2012 09:49	शनि	15/08/2012 07:05	बुध	14/10/2012 15:54
राहु	23/05/2012 15:25	शनि	13/07/2012 05:41	बुध	19/08/2012 13:42	केतु	19/10/2012 04:34
गुरु	30/05/2012 13:00	बुध	19/07/2012 08:17	केतु	21/08/2012 07:58	शुक्र	01/11/2012 03:02
शनि	07/06/2012 17:38	केतु	21/07/2012 20:39	शुक्र	26/08/2012 08:42	सूर्य	05/11/2012 00:10
बुध	15/06/2012 01:34	शुक्र	29/07/2012 01:08	सूर्य	27/08/2012 20:55	चंद्र	11/11/2012 11:24
केतु	18/06/2012 02:00	सूर्य	31/07/2012 04:53	चंद्र	30/08/2012 09:17	मंग	16/11/2012 00:04

बुध-चंद्र-गुरु		बुध-चंद्र-शनि		बुध-चंद्र-बुध		बुध-चंद्र-केतु	
16/11/2012 00:04		23/01/2013 23:52		15/04/2013 22:08		28/06/2013 05:25	
23/01/2013 23:52		15/04/2013 22:08		28/06/2013 05:25		28/07/2013 09:50	
गुरु	25/11/2012 04:50	शनि	05/02/2013 23:11	बुध	26/04/2013 07:22	केतु	29/06/2013 23:40
शनि	06/12/2012 03:00	बुध	17/02/2013 13:45	केतु	30/04/2013 13:59	शुक्र	05/07/2013 00:24
बुध	15/12/2012 21:35	केतु	22/02/2013 08:26	शुक्र	12/05/2013 19:12	सूर्य	06/07/2013 12:38
केतु	19/12/2012 22:10	शुक्र	08/03/2013 00:09	सूर्य	16/05/2013 11:10	चंद्र	09/07/2013 01:00
शुक्र	31/12/2012 10:08	सूर्य	12/03/2013 02:28	चंद्र	22/05/2013 13:46	मंग	10/07/2013 19:15
सूर्य	03/01/2013 20:55	चंद्र	18/03/2013 22:19	मंग	26/05/2013 20:24	राहु	15/07/2013 07:55
चंद्र	09/01/2013 14:54	मंग	23/03/2013 17:01	राहु	06/06/2013 20:17	गुरु	19/07/2013 08:30
मंग	13/01/2013 15:30	राहु	04/04/2013 23:57	गुरु	16/06/2013 14:52	शनि	24/07/2013 03:12
राहु	23/01/2013 23:52	गुरु	15/04/2013 22:08	शनि	28/06/2013 05:25	बुध	28/07/2013 09:50

बुध-चंद्र-शुक्र		बुध-चंद्र-सूर्य		बुध-मंग-मंग		बुध-मंग-राहु	
28/07/2013 09:50		22/10/2013 15:35		17/11/2013 12:30		08/12/2013 15:35	
22/10/2013 15:35		17/11/2013 12:30		08/12/2013 15:35		31/01/2014 23:32	
शुक्र	11/08/2013 18:47	सूर्य	23/10/2013 22:37	मंग	18/11/2013 18:05	राहु	16/12/2013 19:11
सूर्य	16/08/2013 02:16	चंद्र	26/10/2013 02:22	राहु	21/11/2013 22:09	गुरु	24/12/2013 01:02
चंद्र	23/08/2013 06:45	मंग	27/10/2013 14:35	गुरु	24/11/2013 17:45	शनि	01/01/2014 15:30
मंग	28/08/2013 07:29	राहु	31/10/2013 11:44	शनि	28/11/2013 02:03	बुध	09/01/2014 08:13
राहु	10/09/2013 05:57	गुरु	03/11/2013 22:31	बुध	01/12/2013 01:53	केतु	12/01/2014 12:17
गुरु	21/09/2013 17:55	शनि	08/11/2013 00:50	केतु	02/12/2013 07:28	शुक्र	21/01/2014 13:37
शनि	05/10/2013 09:38	बुध	11/11/2013 16:48	शुक्र	05/12/2013 19:59	सूर्य	24/01/2014 06:48
बुध	17/10/2013 14:50	केतु	13/11/2013 05:01	सूर्य	06/12/2013 21:20	चंद्र	28/01/2014 19:28
केतु	22/10/2013 15:35	शुक्र	17/11/2013 12:30	चंद्र	08/12/2013 15:35	मंग	31/01/2014 23:32

Sample

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

बुध-मंग-गुरु
31/01/2014 23:32
21/03/2014 06:36

गुरु	07/02/2014	10:04
शनि	15/02/2014	01:35
बुध	21/02/2014	21:47
केतु	24/02/2014	17:24
शुक्र	04/03/2014	18:35
सूर्य	07/03/2014	04:32
चंद्र	11/03/2014	05:07
मंग	14/03/2014	00:44
राहु	21/03/2014	06:36

बुध-मंग-शनि
21/03/2014 06:36
17/05/2014 14:59

शनि	30/03/2014	08:31
बुध	07/04/2014	11:30
केतु	10/04/2014	19:48
शुक्र	20/04/2014	09:12
सूर्य	23/04/2014	06:01
चंद्र	28/04/2014	00:43
मंग	01/05/2014	09:00
राहु	09/05/2014	23:27
गुरु	17/05/2014	14:59

बुध-मंग-बुध
17/05/2014 14:59
07/07/2014 22:29

बुध	24/05/2014	21:26
केतु	27/05/2014	21:17
शुक्र	05/06/2014	10:32
सूर्य	08/06/2014	00:06
चंद्र	12/06/2014	06:44
मंग	15/06/2014	06:34
राहु	22/06/2014	23:17
गुरु	29/06/2014	19:29
शनि	07/07/2014	22:29

बुध-मंग-केतु
07/07/2014 22:29
29/07/2014 01:34

केतु	09/07/2014	04:03
शुक्र	12/07/2014	16:34
सूर्य	13/07/2014	17:56
चंद्र	15/07/2014	12:11
मंग	16/07/2014	17:46
राहु	19/07/2014	21:50
गुरु	22/07/2014	17:26
शनि	26/07/2014	01:44
बुध	29/07/2014	01:34

बुध-मंग-शुक्र
29/07/2014 01:34
27/09/2014 10:23

शुक्र	08/08/2014	03:02
सूर्य	11/08/2014	03:29
चंद्र	16/08/2014	04:13
मंग	19/08/2014	16:44
राहु	28/08/2014	18:03
गुरु	05/09/2014	19:14
शनि	15/09/2014	08:38
बुध	23/09/2014	21:53
केतु	27/09/2014	10:23

बुध-मंग-सूर्य
27/09/2014 10:23
15/10/2014 13:02

सूर्य	28/09/2014	08:07
चंद्र	29/09/2014	20:21
मंग	30/09/2014	21:42
राहु	03/10/2014	14:54
गुरु	06/10/2014	00:51
शनि	08/10/2014	21:40
बुध	11/10/2014	11:15
केतु	12/10/2014	12:36
शुक्र	15/10/2014	13:02

बुध-मंग-चंद्र
15/10/2014 13:02
14/11/2014 17:27

चंद्र	18/10/2014	01:24
मंग	19/10/2014	19:40
राहु	24/10/2014	08:20
गुरु	28/10/2014	08:55
शनि	02/11/2014	03:37
बुध	06/11/2014	10:14
केतु	08/11/2014	04:30
शुक्र	13/11/2014	05:14
सूर्य	14/11/2014	17:27

बुध-राहु-राहु
14/11/2014 17:27
03/04/2015 10:27

राहु	05/12/2014	16:24
गुरु	24/12/2014	07:28
शनि	15/01/2015	10:21
बुध	04/02/2015	05:22
केतु	12/02/2015	08:57
शुक्र	07/03/2015	15:47
सूर्य	14/03/2015	15:26
चंद्र	26/03/2015	06:51
मंग	03/04/2015	10:27

बुध-राहु-गुरु
03/04/2015 10:27
05/08/2015 14:53

गुरु	19/04/2015	23:50
शनि	09/05/2015	15:44
बुध	27/05/2015	05:58
केतु	03/06/2015	11:50
शुक्र	24/06/2015	04:34
सूर्य	30/06/2015	09:35
चंद्र	10/07/2015	17:58
मंग	17/07/2015	23:49
राहु	05/08/2015	14:53

बुध-राहु-शनि
05/08/2015 14:53
31/12/2015 02:10

शनि	28/08/2015	23:16
बुध	18/09/2015	20:40
केतु	27/09/2015	11:08
शुक्र	22/10/2015	01:00
सूर्य	29/10/2015	09:58
चंद्र	10/11/2015	16:54
मंग	19/11/2015	07:22
राहु	11/12/2015	10:15
गुरु	31/12/2015	02:10

बुध-राहु-बुध
31/12/2015 02:10
11/05/2016 00:53

बुध	18/01/2016	18:47
केतु	26/01/2016	11:30
शुक्र	17/02/2016	11:17
सूर्य	24/02/2016	01:37
चंद्र	06/03/2016	01:31
मंग	13/03/2016	18:15
राहु	02/04/2016	13:15
गुरु	20/04/2016	03:29
शनि	11/05/2016	00:53

बुध-राहु-केतु
11/05/2016 00:53
04/07/2016 08:49

केतु	14/05/2016	04:56
शुक्र	23/05/2016	06:16
सूर्य	25/05/2016	23:28
चंद्र	30/05/2016	12:07
मंग	02/06/2016	16:11
राहु	10/06/2016	19:47
गुरु	18/06/2016	01:38
शनि	26/06/2016	16:06
बुध	04/07/2016	08:49

बुध-राहु-शुक्र
04/07/2016 08:49
06/12/2016 14:22

शुक्र	30/07/2016	05:45
सूर्य	07/08/2016	00:01
चंद्र	19/08/2016	22:29
मंग	28/08/2016	23:48
राहु	21/09/2016	06:38
गुरु	11/10/2016	23:23
शनि	05/11/2016	13:16
बुध	27/11/2016	13:03
केतु	06/12/2016	14:22

बुध-राहु-सूर्य
06/12/2016 14:22
22/01/2017 04:02

सूर्य	08/12/2016	22:15
चंद्र	12/12/2016	19:23
मंग	15/12/2016	12:35
राहु	22/12/2016	12:14
गुरु	28/12/2016	17:16
शनि	05/01/2017	02:13
बुध	11/01/2017	16:34
केतु	14/01/2017	09:45
शुक्र	22/01/2017	04:02

बुध-राहु-चंद्र
22/01/2017 04:02
09/04/2017 18:49

चंद्र	28/01/2017	15:16
मंग	02/02/2017	03:56
राहु	13/02/2017	19:21
गुरु	24/02/2017	03:43
शनि	08/03/2017	10:39
बुध	19/03/2017	10:33
केतु	23/03/2017	23:12
शुक्र	05/04/2017	21:40
सूर्य	09/04/2017	18:49

बुध-राहु-मंग
09/04/2017 18:49
03/06/2017 02:45

मंग	12/04/2017	22:52
राहु	21/04/2017	02:28
गुरु	28/04/2017	08:19
शनि	06/05/2017	22:47
बुध	14/05/2017	15:30
केतु	17/05/2017	19:34
शुक्र	26/05/2017	20:54
सूर्य	29/05/2017	14:05
चंद्र	03/06/2017	02:45

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

बुध-गुरु-गुरु
03/06/2017 02:45
21/09/2017 12:02

गुरु	17/06/2017 19:59
शनि	05/07/2017 07:27
बुध	20/07/2017 22:46
केतु	27/07/2017 09:19
शुक्र	14/08/2017 18:52
सूर्य	20/08/2017 07:19
चंद्र	29/08/2017 12:06
मंग	04/09/2017 22:38
राहु	21/09/2017 12:02

बुध-गुरु-शनि
21/09/2017 12:02
30/01/2018 14:03

शनि	12/10/2017 06:09
बुध	30/10/2017 19:50
केतु	07/11/2017 11:21
शुक्र	29/11/2017 07:41
सूर्य	05/12/2017 21:00
चंद्र	16/12/2017 19:10
मंग	24/12/2017 10:41
राहु	13/01/2018 02:35
गुरु	30/01/2018 14:03

बुध-गुरु-बुध
30/01/2018 14:03
27/05/2018 20:55

बुध	16/02/2018 04:49
केतु	23/02/2018 01:01
शुक्र	14/03/2018 14:10
सूर्य	20/03/2018 10:55
चंद्र	30/03/2018 05:29
मंग	06/04/2018 01:41
राहु	23/04/2018 15:55
गुरु	09/05/2018 07:13
शनि	27/05/2018 20:55

बुध-गुरु-केतु
27/05/2018 20:55
15/07/2018 03:58

केतु	30/05/2018 16:31
शुक्र	07/06/2018 17:42
सूर्य	10/06/2018 03:39
चंद्र	14/06/2018 04:14
मंग	16/06/2018 23:51
राहु	24/06/2018 05:43
गुरु	30/06/2018 16:15
शनि	08/07/2018 07:46
बुध	15/07/2018 03:58

बुध-गुरु-शुक्र
15/07/2018 03:58
30/11/2018 03:34

शुक्र	07/08/2018 03:54
सूर्य	14/08/2018 01:29
चंद्र	25/08/2018 13:27
मंग	02/09/2018 14:38
राहु	23/09/2018 07:22
गुरु	11/10/2018 16:55
शनि	02/11/2018 13:15
बुध	22/11/2018 02:24
केतु	30/11/2018 03:34

बुध-गुरु-सूर्य
30/11/2018 03:34
10/01/2019 13:03

सूर्य	02/12/2018 05:15
चंद्र	05/12/2018 16:02
मंग	08/12/2018 01:59
राहु	14/12/2018 07:01
गुरु	19/12/2018 19:28
शनि	26/12/2018 08:46
बुध	01/01/2019 05:31
केतु	03/01/2019 15:28
शुक्र	10/01/2019 13:03

बुध-गुरु-चंद्र
10/01/2019 13:03
20/03/2019 12:51

चंद्र	16/01/2019 07:02
मंग	20/01/2019 07:37
राहु	30/01/2019 16:00
गुरु	08/02/2019 20:46
शनि	19/02/2019 18:56
बुध	01/03/2019 13:30
केतु	05/03/2019 14:06
शुक्र	17/03/2019 02:04
सूर्य	20/03/2019 12:51

बुध-गुरु-मंग
20/03/2019 12:51
07/05/2019 19:55

मंग	23/03/2019 08:28
राहु	30/03/2019 14:19
गुरु	06/04/2019 00:52
शनि	13/04/2019 16:23
बुध	20/04/2019 12:35
केतु	23/04/2019 08:12
शुक्र	01/05/2019 09:22
सूर्य	03/05/2019 19:19
चंद्र	07/05/2019 19:55

बुध-गुरु-राहु
07/05/2019 19:55
09/09/2019 00:21

राहु	26/05/2019 10:59
गुरु	12/06/2019 00:22
शनि	01/07/2019 16:16
बुध	19/07/2019 06:30
केतु	26/07/2019 12:22
शुक्र	16/08/2019 05:06
सूर्य	22/08/2019 10:07
चंद्र	01/09/2019 18:30
मंग	09/09/2019 00:21

बुध-शनि-शनि
09/09/2019 00:21
11/02/2020 16:15

शनि	03/10/2019 15:52
बुध	25/10/2019 17:07
केतु	03/11/2019 19:03
शुक्र	29/11/2019 17:42
सूर्य	07/12/2019 12:30
चंद्र	20/12/2019 11:49
मंग	29/12/2019 13:45
राहु	21/01/2020 22:08
गुरु	11/02/2020 16:15

बुध-शनि-बुध
11/02/2020 16:15
29/06/2020 22:54

बुध	02/03/2020 09:47
केतु	10/03/2020 12:47
शुक्र	02/04/2020 17:53
सूर्य	09/04/2020 17:01
चंद्र	21/04/2020 07:34
मंग	29/04/2020 10:34
राहु	20/05/2020 07:57
गुरु	07/06/2020 21:39
शनि	29/06/2020 22:54

बुध-शनि-केतु
29/06/2020 22:54
26/08/2020 07:17

केतु	03/07/2020 07:11
शुक्र	12/07/2020 20:35
सूर्य	15/07/2020 17:24
चंद्र	20/07/2020 12:06
मंग	23/07/2020 20:23
राहु	01/08/2020 10:51
गुरु	09/08/2020 02:22
शनि	18/08/2020 04:18
बुध	26/08/2020 07:17

बुध-शनि-शुक्र
26/08/2020 07:17
06/02/2021 03:48

शुक्र	22/09/2020 14:42
सूर्य	30/09/2020 19:20
चंद्र	14/10/2020 11:02
मंग	24/10/2020 00:26
राहु	17/11/2020 14:19
गुरु	09/12/2020 10:39
शनि	04/01/2021 09:18
बुध	27/01/2021 14:24
केतु	06/02/2021 03:48

बुध-शनि-सूर्य
06/02/2021 03:48
27/03/2021 07:34

सूर्य	08/02/2021 14:48
चंद्र	12/02/2021 17:06
मंग	15/02/2021 13:55
राहु	22/02/2021 22:53
गुरु	01/03/2021 12:11
शनि	09/03/2021 06:59
बुध	16/03/2021 06:07
केतु	19/03/2021 02:56
शुक्र	27/03/2021 07:34

बुध-शनि-चंद्र
27/03/2021 07:34
17/06/2021 05:49

चंद्र	03/04/2021 03:25
मंग	07/04/2021 22:07
राहु	20/04/2021 05:03
गुरु	01/05/2021 03:13
शनि	14/05/2021 02:33
बुध	25/05/2021 17:06
केतु	30/05/2021 11:48
शुक्र	13/06/2021 03:31
सूर्य	17/06/2021 05:49

बुध-शनि-मंग
17/06/2021 05:49
13/08/2021 14:13

मंग	20/06/2021 14:07
राहु	29/06/2021 04:34
गुरु	06/07/2021 20:05
शनि	15/07/2021 22:01
बुध	24/07/2021 01:00
केतु	27/07/2021 09:18
शुक्र	05/08/2021 22:41
सूर्य	08/08/2021 19:31
चंद्र	13/08/2021 14:13

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

बुध-शनि-राहु
13/08/2021 14:13
08/01/2022 01:29

राहु	04/09/2021 17:06
गुरु	24/09/2021 09:00
शनि	17/10/2021 17:23
बुध	07/11/2021 14:47
केतु	16/11/2021 05:14
शुक्र	10/12/2021 19:07
सूर्य	18/12/2021 04:05
चंद्र	30/12/2021 11:01
मंग	08/01/2022 01:29

बुध-शनि-गुरु
08/01/2022 01:29
19/05/2022 03:30

गुरु	25/01/2022 12:57
शनि	15/02/2022 07:04
बुध	05/03/2022 20:45
केतु	13/03/2022 12:16
शुक्र	04/04/2022 08:37
सूर्य	10/04/2022 21:55
चंद्र	21/04/2022 20:05
मंग	29/04/2022 11:36
राहु	19/05/2022 03:30

केतु-केतु-केतु
19/05/2022 03:30
27/05/2022 20:18

केतु	19/05/2022 15:41
शुक्र	21/05/2022 02:29
सूर्य	21/05/2022 12:55
चंद्र	22/05/2022 06:19
मंग	22/05/2022 18:30
राहु	24/05/2022 01:49
गुरु	25/05/2022 05:40
शनि	26/05/2022 14:43
बुध	27/05/2022 20:18

केतु-केतु-शुक्र
27/05/2022 20:18
21/06/2022 16:53

शुक्र	31/05/2022 23:44
सूर्य	02/06/2022 05:34
चंद्र	04/06/2022 07:16
मंग	05/06/2022 18:04
राहु	09/06/2022 11:34
गुरु	12/06/2022 19:06
शनि	16/06/2022 17:34
बुध	20/06/2022 06:05
केतु	21/06/2022 16:53

केतु-केतु-सूर्य
21/06/2022 16:53
29/06/2022 03:51

सूर्य	22/06/2022 01:50
चंद्र	22/06/2022 16:44
मंग	23/06/2022 03:11
राहु	24/06/2022 06:02
गुरु	25/06/2022 05:53
शनि	26/06/2022 10:14
बुध	27/06/2022 11:35
केतु	27/06/2022 22:01
शुक्र	29/06/2022 03:51

केतु-केतु-चंद्र
29/06/2022 03:51
11/07/2022 14:08

चंद्र	30/06/2022 04:42
मंग	30/06/2022 22:06
राहु	02/07/2022 18:51
गुरु	04/07/2022 10:37
शनि	06/07/2022 09:51
बुध	08/07/2022 04:06
केतु	08/07/2022 21:30
शुक्र	10/07/2022 23:13
सूर्य	11/07/2022 14:08

केतु-केतु-मंग
11/07/2022 14:08
20/07/2022 06:56

मंग	12/07/2022 02:19
राहु	13/07/2022 09:38
गुरु	14/07/2022 13:29
शनि	15/07/2022 22:32
बुध	17/07/2022 04:07
केतु	17/07/2022 16:18
शुक्र	19/07/2022 03:06
सूर्य	19/07/2022 13:32
चंद्र	20/07/2022 06:56

केतु-केतु-राहु
20/07/2022 06:56
11/08/2022 15:51

राहु	23/07/2022 15:29
गुरु	26/07/2022 15:04
शनि	30/07/2022 04:05
बुध	02/08/2022 08:08
केतु	03/08/2022 15:28
शुक्र	07/08/2022 08:57
सूर्य	08/08/2022 11:48
चंद्र	10/08/2022 08:32
मंग	11/08/2022 15:51

केतु-केतु-गुरु
11/08/2022 15:51
31/08/2022 13:07

गुरु	14/08/2022 07:29
शनि	17/08/2022 11:03
बुध	20/08/2022 06:40
केतु	21/08/2022 10:31
शुक्र	24/08/2022 18:03
सूर्य	25/08/2022 17:55
चंद्र	27/08/2022 09:41
मंग	28/08/2022 13:32
राहु	31/08/2022 13:07

केतु-केतु-शनि
31/08/2022 13:07
24/09/2022 03:52

शनि	04/09/2022 06:51
बुध	07/09/2022 15:08
केतु	09/09/2022 00:12
शुक्र	12/09/2022 22:39
सूर्य	14/09/2022 03:00
चंद्र	16/09/2022 02:13
मंग	17/09/2022 11:17
राहु	21/09/2022 00:18
गुरु	24/09/2022 03:52

केतु-केतु-बुध
24/09/2022 03:52
15/10/2022 06:57

बुध	27/09/2022 03:42
केतु	28/09/2022 09:17
शुक्र	01/10/2022 21:48
सूर्य	02/10/2022 23:09
चंद्र	04/10/2022 17:24
मंग	05/10/2022 22:59
राहु	09/10/2022 03:03
गुरु	11/10/2022 22:40
शनि	15/10/2022 06:57

केतु-शुक्र-शुक्र
15/10/2022 06:57
25/12/2022 07:27

शुक्र	27/10/2022 03:02
सूर्य	30/10/2022 16:16
चंद्र	05/11/2022 14:18
मंग	09/11/2022 17:44
राहु	20/11/2022 09:24
गुरु	29/11/2022 20:40
शनि	11/12/2022 02:33
बुध	21/12/2022 04:01
केतु	25/12/2022 07:27

केतु-शुक्र-सूर्य
25/12/2022 07:27
15/01/2023 14:48

सूर्य	26/12/2022 09:01
चंद्र	28/12/2022 03:38
मंग	29/12/2022 09:28
राहु	01/01/2023 14:10
गुरु	04/01/2023 10:21
शनि	07/01/2023 19:18
बुध	10/01/2023 19:45
केतु	12/01/2023 01:35
शुक्र	15/01/2023 14:48

केतु-शुक्र-चंद्र
15/01/2023 14:48
20/02/2023 03:03

चंद्र	18/01/2023 13:49
मंग	20/01/2023 15:32
राहु	25/01/2023 23:22
गुरु	30/01/2023 17:00
शनि	05/02/2023 07:57
बुध	10/02/2023 08:41
केतु	12/02/2023 10:24
शुक्र	18/02/2023 08:26
सूर्य	20/02/2023 03:03

केतु-शुक्र-मंग
20/02/2023 03:03
16/03/2023 23:38

मंग	21/02/2023 13:51
राहु	25/02/2023 07:20
गुरु	28/02/2023 14:53
शनि	04/03/2023 13:20
बुध	08/03/2023 01:51
केतु	09/03/2023 12:39
शुक्र	13/03/2023 16:05
सूर्य	14/03/2023 21:55
चंद्र	16/03/2023 23:38

केतु-शुक्र-राहु
16/03/2023 23:38
19/05/2023 21:41

राहु	26/03/2023 13:44
गुरु	04/04/2023 02:16
शनि	14/04/2023 05:10
बुध	23/04/2023 06:29
केतु	26/04/2023 23:58
शुक्र	07/05/2023 15:39
सूर्य	10/05/2023 20:21
चंद्र	16/05/2023 04:11
मंग	19/05/2023 21:41

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

विंशोत्तरी दशा-प्राण

बुध-सूर्य-गुरु-राहु
01/01/2012 23:10
07/01/2012 02:10

राहु	01/01/2012 23:10
गुरु	02/01/2012 15:22
शनि	03/01/2012 14:58
बुध	04/01/2012 12:05
केतु	04/01/2012 20:46
शुक्र	05/01/2012 21:37
सूर्य	06/01/2012 05:04
चंद्र	06/01/2012 17:29
मंग	07/01/2012 02:10

बुध-सूर्य-शनि-शनि
07/01/2012 02:10
14/01/2012 20:58

शनि	08/01/2012 07:45
बुध	09/01/2012 10:13
केतु	09/01/2012 21:06
शुक्र	11/01/2012 04:14
सूर्य	11/01/2012 13:35
चंद्र	12/01/2012 05:09
मंग	12/01/2012 16:03
राहु	13/01/2012 20:04
गुरु	14/01/2012 20:58

बुध-सूर्य-शनि-बुध
14/01/2012 20:58
21/01/2012 20:06

बुध	15/01/2012 20:39
केतु	16/01/2012 06:24
शुक्र	17/01/2012 10:15
सूर्य	17/01/2012 18:36
चंद्र	18/01/2012 08:32
मंग	18/01/2012 18:17
राहु	19/01/2012 19:21
गुरु	20/01/2012 17:38
शनि	21/01/2012 20:06

बुध-सूर्य-शनि-केतु
21/01/2012 20:06
24/01/2012 16:55

केतु	22/01/2012 00:07
शुक्र	22/01/2012 11:35
सूर्य	22/01/2012 15:02
चंद्र	22/01/2012 20:46
मंग	23/01/2012 00:47
राहु	23/01/2012 11:06
गुरु	23/01/2012 20:16
शनि	24/01/2012 07:10
बुध	24/01/2012 16:55

बुध-सूर्य-शनि-शुक्र
24/01/2012 16:55
01/02/2012 21:33

शुक्र	26/01/2012 01:41
सूर्य	26/01/2012 11:31
चंद्र	27/01/2012 03:54
मंग	27/01/2012 15:23
राहु	28/01/2012 20:52
गुरु	29/01/2012 23:05
शनि	31/01/2012 06:13
बुध	01/02/2012 10:05
केतु	01/02/2012 21:33

बुध-सूर्य-शनि-सूर्य
01/02/2012 21:33
04/02/2012 08:32

सूर्य	02/02/2012 00:30
चंद्र	02/02/2012 05:25
मंग	02/02/2012 08:51
राहु	02/02/2012 17:42
गुरु	03/02/2012 01:34
शनि	03/02/2012 10:54
बुध	03/02/2012 19:16
केतु	03/02/2012 22:42
शुक्र	04/02/2012 08:32

बुध-सूर्य-शनि-चंद्र
04/02/2012 08:32
08/02/2012 10:51

चंद्र	04/02/2012 16:44
मंग	04/02/2012 22:28
राहु	05/02/2012 13:13
गुरु	06/02/2012 02:19
शनि	06/02/2012 17:53
बुध	07/02/2012 07:49
केतु	07/02/2012 13:33
शुक्र	08/02/2012 05:56
सूर्य	08/02/2012 10:51

बुध-सूर्य-शनि-मंग
08/02/2012 10:51
11/02/2012 07:40

मंग	08/02/2012 14:52
राहु	09/02/2012 01:11
गुरु	09/02/2012 10:22
शनि	09/02/2012 21:15
बुध	10/02/2012 07:00
केतु	10/02/2012 11:01
शुक्र	10/02/2012 22:29
सूर्य	11/02/2012 01:56
चंद्र	11/02/2012 07:40

बुध-सूर्य-शनि-राहु
11/02/2012 07:40
18/02/2012 16:38

राहु	12/02/2012 10:13
गुरु	13/02/2012 09:48
शनि	14/02/2012 13:50
बुध	15/02/2012 14:54
केतु	16/02/2012 01:13
शुक्र	17/02/2012 06:43
सूर्य	17/02/2012 15:34
चंद्र	18/02/2012 06:18
मंग	18/02/2012 16:38

बुध-सूर्य-शनि-गुरु
18/02/2012 16:38
25/02/2012 05:56

गुरु	19/02/2012 13:36
शनि	20/02/2012 14:31
बुध	21/02/2012 12:48
केतु	21/02/2012 21:58
शुक्र	23/02/2012 00:11
सूर्य	23/02/2012 08:03
चंद्र	23/02/2012 21:10
मंग	24/02/2012 06:20
राहु	25/02/2012 05:56

बुध-सूर्य-बुध-बुध
25/02/2012 05:56
02/03/2012 11:28

बुध	26/02/2012 03:07
केतु	26/02/2012 11:50
शुक्र	27/02/2012 12:46
सूर्य	27/02/2012 20:14
चंद्र	28/02/2012 08:42
मंग	28/02/2012 17:25
राहु	29/02/2012 15:51
गुरु	01/03/2012 11:48
शनि	02/03/2012 11:28

बुध-सूर्य-बुध-केतु
02/03/2012 11:28
05/03/2012 01:03

केतु	02/03/2012 15:04
शुक्र	03/03/2012 01:19
सूर्य	03/03/2012 04:24
चंद्र	03/03/2012 09:32
मंग	03/03/2012 13:08
राहु	03/03/2012 22:22
गुरु	04/03/2012 06:34
शनि	04/03/2012 16:19
बुध	05/03/2012 01:03

बुध-सूर्य-बुध-शुक्र
05/03/2012 01:03
12/03/2012 08:58

शुक्र	06/03/2012 06:22
सूर्य	06/03/2012 15:10
चंद्र	07/03/2012 05:49
मंग	07/03/2012 16:05
राहु	08/03/2012 18:29
गुरु	09/03/2012 17:56
शनि	10/03/2012 21:47
बुध	11/03/2012 22:43
केतु	12/03/2012 08:58

बुध-सूर्य-बुध-सूर्य
12/03/2012 08:58
14/03/2012 13:45

सूर्य	12/03/2012 11:37
चंद्र	12/03/2012 16:01
मंग	12/03/2012 19:05
राहु	13/03/2012 03:00
गुरु	13/03/2012 10:03
शनि	13/03/2012 18:24
बुध	14/03/2012 01:53
केतु	14/03/2012 04:57
शुक्र	14/03/2012 13:45

बुध-सूर्य-बुध-चंद्र
14/03/2012 13:45
18/03/2012 05:43

चंद्र	14/03/2012 21:05
मंग	15/03/2012 02:13
राहु	15/03/2012 15:25
गुरु	16/03/2012 03:08
शनि	16/03/2012 17:04
बुध	17/03/2012 05:32
केतु	17/03/2012 10:39
शुक्र	18/03/2012 01:19
सूर्य	18/03/2012 05:43

बुध-सूर्य-बुध-मंग
18/03/2012 05:43
20/03/2012 19:18

मंग	18/03/2012 09:19
राहु	18/03/2012 18:33
गुरु	19/03/2012 02:45
शनि	19/03/2012 12:30
बुध	19/03/2012 21:14
केतु	20/03/2012 00:49
शुक्र	20/03/2012 11:05
सूर्य	20/03/2012 14:10
चंद्र	20/03/2012 19:18

Sample

विंशोत्तरी दशा-प्राण

बुध-सूर्य-बुध-राहु		बुध-सूर्य-बुध-गुरु		बुध-सूर्य-बुध-शनि		बुध-सूर्य-केतु-केतु	
20/03/2012 19:18		27/03/2012 09:38		02/04/2012 06:22		09/04/2012 05:30	
27/03/2012 09:38		02/04/2012 06:22		09/04/2012 05:30		10/04/2012 06:51	
राहु	21/03/2012 19:03	गुरु	28/03/2012 04:24	शनि	03/04/2012 08:50	केतु	09/04/2012 06:59
गुरु	22/03/2012 16:09	शनि	29/03/2012 02:41	बुध	04/04/2012 08:31	शुक्र	09/04/2012 11:12
शनि	23/03/2012 17:13	बुध	29/03/2012 22:37	केतु	04/04/2012 18:16	सूर्य	09/04/2012 12:29
बुध	24/03/2012 15:39	केतु	30/03/2012 06:50	शुक्र	05/04/2012 22:07	चंद्र	09/04/2012 14:35
केतु	25/03/2012 00:53	शुक्र	31/03/2012 06:17	सूर्य	06/04/2012 06:28	मंग	09/04/2012 16:04
शुक्र	26/03/2012 03:17	सूर्य	31/03/2012 13:19	चंद्र	06/04/2012 20:24	राहु	09/04/2012 19:52
सूर्य	26/03/2012 11:12	चंद्र	01/04/2012 01:03	मंग	07/04/2012 06:09	गुरु	09/04/2012 23:15
चंद्र	27/03/2012 00:24	मंग	01/04/2012 09:16	राहु	08/04/2012 07:13	शनि	10/04/2012 03:16
मंग	27/03/2012 09:38	राहु	02/04/2012 06:22	गुरु	09/04/2012 05:30	बुध	10/04/2012 06:51

बुध-सूर्य-केतु-शुक्र		बुध-सूर्य-केतु-सूर्य		बुध-सूर्य-केतु-चंद्र		बुध-सूर्य-केतु-मंग	
10/04/2012 06:51		13/04/2012 07:18		14/04/2012 05:02		15/04/2012 17:15	
13/04/2012 07:18		14/04/2012 05:02		15/04/2012 17:15		16/04/2012 18:36	
शुक्र	10/04/2012 18:56	सूर्य	13/04/2012 08:23	चंद्र	14/04/2012 08:03	मंग	15/04/2012 18:44
सूर्य	10/04/2012 22:33	चंद्र	13/04/2012 10:12	मंग	14/04/2012 10:10	राहु	15/04/2012 22:32
चंद्र	11/04/2012 04:35	मंग	13/04/2012 11:28	राहु	14/04/2012 15:36	गुरु	16/04/2012 01:55
मंग	11/04/2012 08:49	राहु	13/04/2012 14:43	गुरु	14/04/2012 20:26	शनि	16/04/2012 05:56
राहु	11/04/2012 19:41	गुरु	13/04/2012 17:37	शनि	15/04/2012 02:10	बुध	16/04/2012 09:31
गुरु	12/04/2012 05:20	शनि	13/04/2012 21:04	बुध	15/04/2012 07:17	केतु	16/04/2012 11:00
शनि	12/04/2012 16:49	बुध	14/04/2012 00:09	केतु	15/04/2012 09:24	शुक्र	16/04/2012 15:14
बुध	13/04/2012 03:04	केतु	14/04/2012 01:25	शुक्र	15/04/2012 15:26	सूर्य	16/04/2012 16:30
केतु	13/04/2012 07:18	शुक्र	14/04/2012 05:02	सूर्य	15/04/2012 17:15	चंद्र	16/04/2012 18:36

बुध-सूर्य-केतु-राहु		बुध-सूर्य-केतु-गुरु		बुध-सूर्य-केतु-शनि		बुध-सूर्य-केतु-बुध	
16/04/2012 18:36		19/04/2012 11:48		21/04/2012 21:45		24/04/2012 18:35	
19/04/2012 11:48		21/04/2012 21:45		24/04/2012 18:35		27/04/2012 08:09	
राहु	17/04/2012 04:23	गुरु	19/04/2012 19:32	शनि	22/04/2012 08:39	बुध	25/04/2012 03:18
गुरु	17/04/2012 13:05	शनि	20/04/2012 04:42	बुध	22/04/2012 18:24	केतु	25/04/2012 06:53
शनि	17/04/2012 23:24	बुध	20/04/2012 12:55	केतु	22/04/2012 22:25	शुक्र	25/04/2012 17:09
बुध	18/04/2012 08:38	केतु	20/04/2012 16:18	शुक्र	23/04/2012 09:53	सूर्य	25/04/2012 20:14
केतु	18/04/2012 12:26	शुक्र	21/04/2012 01:57	सूर्य	23/04/2012 13:20	चंद्र	26/04/2012 01:22
शुक्र	18/04/2012 23:18	सूर्य	21/04/2012 04:51	चंद्र	23/04/2012 19:04	मंग	26/04/2012 04:57
सूर्य	19/04/2012 02:34	चंद्र	21/04/2012 09:41	मंग	23/04/2012 23:05	राहु	26/04/2012 14:11
चंद्र	19/04/2012 08:00	मंग	21/04/2012 13:04	राहु	24/04/2012 09:24	गुरु	26/04/2012 22:24
मंग	19/04/2012 11:48	राहु	21/04/2012 21:45	गुरु	24/04/2012 18:35	शनि	27/04/2012 08:09

बुध-सूर्य-शुक्र-शुक्र		बुध-सूर्य-शुक्र-सूर्य		बुध-सूर्य-शुक्र-चंद्र		बुध-सूर्य-शुक्र-मंग	
27/04/2012 08:09		05/05/2012 23:08		08/05/2012 13:13		12/05/2012 20:42	
05/05/2012 23:08		08/05/2012 13:13		12/05/2012 20:42		15/05/2012 21:09	
शुक्र	28/04/2012 18:39	सूर्य	06/05/2012 02:14	चंद्र	08/05/2012 21:51	मंग	13/05/2012 00:56
सूर्य	29/04/2012 05:00	चंद्र	06/05/2012 07:24	मंग	09/05/2012 03:53	राहु	13/05/2012 11:48
चंद्र	29/04/2012 22:15	मंग	06/05/2012 11:02	राहु	09/05/2012 19:24	गुरु	13/05/2012 21:27
मंग	30/04/2012 10:19	राहु	06/05/2012 20:20	गुरु	10/05/2012 09:12	शनि	14/05/2012 08:56
राहु	01/05/2012 17:22	गुरु	07/05/2012 04:37	शनि	11/05/2012 01:35	बुध	14/05/2012 19:11
गुरु	02/05/2012 20:58	शनि	07/05/2012 14:27	बुध	11/05/2012 16:15	केतु	14/05/2012 23:25
शनि	04/05/2012 05:44	बुध	07/05/2012 23:15	केतु	11/05/2012 22:17	शुक्र	15/05/2012 11:29
बुध	05/05/2012 11:03	केतु	08/05/2012 02:52	शुक्र	12/05/2012 15:32	सूर्य	15/05/2012 15:07
केतु	05/05/2012 23:08	शुक्र	08/05/2012 13:13	सूर्य	12/05/2012 20:42	चंद्र	15/05/2012 21:09

Sample

विंशोत्तरी दशा-प्राण

बुध-सूर्य-शुक्र-राहु
15/05/2012 21:09
23/05/2012 15:25

राहु	17/05/2012 01:05
गुरु	18/05/2012 01:56
शनि	19/05/2012 07:25
बुध	20/05/2012 09:49
केतु	20/05/2012 20:41
शुक्र	22/05/2012 03:43
सूर्य	22/05/2012 13:02
चंद्र	23/05/2012 04:34
मंग	23/05/2012 15:25

बुध-सूर्य-शुक्र-गुरु
23/05/2012 15:25
30/05/2012 13:00

गुरु	24/05/2012 13:30
शनि	25/05/2012 15:43
बुध	26/05/2012 15:11
केतु	27/05/2012 00:50
शुक्र	28/05/2012 04:26
सूर्य	28/05/2012 12:43
चंद्र	29/05/2012 02:31
मंग	29/05/2012 12:10
राहु	30/05/2012 13:00

बुध-सूर्य-शुक्र-शनि
30/05/2012 13:00
07/06/2012 17:38

शनि	31/05/2012 20:08
बुध	02/06/2012 00:00
केतु	02/06/2012 11:28
शुक्र	03/06/2012 20:14
सूर्य	04/06/2012 06:04
चंद्र	04/06/2012 22:27
मंग	05/06/2012 09:55
राहु	06/06/2012 15:25
गुरु	07/06/2012 17:38

बुध-सूर्य-शुक्र-बुध
07/06/2012 17:38
15/06/2012 01:34

बुध	08/06/2012 18:33
केतु	09/06/2012 04:49
शुक्र	10/06/2012 10:08
सूर्य	10/06/2012 18:56
चंद्र	11/06/2012 09:36
मंग	11/06/2012 19:51
राहु	12/06/2012 22:15
गुरु	13/06/2012 21:42
शनि	15/06/2012 01:34

बुध-सूर्य-शुक्र-केतु
15/06/2012 01:34
18/06/2012 02:00

केतु	15/06/2012 05:47
शुक्र	15/06/2012 17:52
सूर्य	15/06/2012 21:29
चंद्र	16/06/2012 03:31
मंग	16/06/2012 07:45
राहु	16/06/2012 18:37
गुरु	17/06/2012 04:16
शनि	17/06/2012 15:44
बुध	18/06/2012 02:00

बुध-चंद्र-चंद्र-चंद्र
18/06/2012 02:00
21/06/2012 16:14

चंद्र	18/06/2012 09:11
मंग	18/06/2012 14:13
राहु	19/06/2012 03:09
गुरु	19/06/2012 14:39
शनि	20/06/2012 04:18
बुध	20/06/2012 16:31
केतु	20/06/2012 21:33
शुक्र	21/06/2012 11:56
सूर्य	21/06/2012 16:14

बुध-चंद्र-चंद्र-मंग
21/06/2012 16:14
24/06/2012 04:36

मंग	21/06/2012 19:46
राहु	22/06/2012 04:49
गुरु	22/06/2012 12:52
शनि	22/06/2012 22:25
बुध	23/06/2012 06:59
केतु	23/06/2012 10:30
शुक्र	23/06/2012 20:34
सूर्य	23/06/2012 23:35
चंद्र	24/06/2012 04:36

बुध-चंद्र-चंद्र-राहु
24/06/2012 04:36
30/06/2012 15:50

राहु	25/06/2012 03:54
गुरु	26/06/2012 00:35
शनि	27/06/2012 01:10
बुध	27/06/2012 23:10
केतु	28/06/2012 08:13
शुक्र	29/06/2012 10:05
सूर्य	29/06/2012 17:51
चंद्र	30/06/2012 06:47
मंग	30/06/2012 15:50

बुध-चंद्र-चंद्र-गुरु
30/06/2012 15:50
06/07/2012 09:49

गुरु	01/07/2012 10:14
शनि	02/07/2012 08:05
बुध	03/07/2012 03:38
केतु	03/07/2012 11:41
शुक्र	04/07/2012 10:41
सूर्य	04/07/2012 17:35
चंद्र	05/07/2012 05:05
मंग	05/07/2012 13:08
राहु	06/07/2012 09:49

बुध-चंद्र-चंद्र-शनि
06/07/2012 09:49
13/07/2012 05:41

शनि	07/07/2012 11:46
बुध	08/07/2012 10:59
केतु	08/07/2012 20:32
शुक्र	09/07/2012 23:51
सूर्य	10/07/2012 08:02
चंद्र	10/07/2012 21:42
मंग	11/07/2012 07:15
राहु	12/07/2012 07:50
गुरु	13/07/2012 05:41

बुध-चंद्र-चंद्र-बुध
13/07/2012 05:41
19/07/2012 08:17

बुध	14/07/2012 02:27
केतु	14/07/2012 11:00
शुक्र	15/07/2012 11:26
सूर्य	15/07/2012 18:46
चंद्र	16/07/2012 06:59
मंग	16/07/2012 15:32
राहु	17/07/2012 13:31
गुरु	18/07/2012 09:04
शनि	19/07/2012 08:17

बुध-चंद्र-चंद्र-केतु
19/07/2012 08:17
21/07/2012 20:39

केतु	19/07/2012 11:48
शुक्र	19/07/2012 21:52
सूर्य	20/07/2012 00:53
चंद्र	20/07/2012 05:55
मंग	20/07/2012 09:26
राहु	20/07/2012 18:30
गुरु	21/07/2012 02:33
शनि	21/07/2012 12:06
बुध	21/07/2012 20:39

बुध-चंद्र-चंद्र-शुक्र
21/07/2012 20:39
29/07/2012 01:08

शुक्र	23/07/2012 01:24
सूर्य	23/07/2012 10:01
चंद्र	24/07/2012 00:24
मंग	24/07/2012 10:27
राहु	25/07/2012 12:20
गुरु	26/07/2012 11:20
शनि	27/07/2012 14:38
बुध	28/07/2012 15:04
केतु	29/07/2012 01:08

बुध-चंद्र-चंद्र-सूर्य
29/07/2012 01:08
31/07/2012 04:53

सूर्य	29/07/2012 03:43
चंद्र	29/07/2012 08:02
मंग	29/07/2012 11:03
राहु	29/07/2012 18:49
गुरु	30/07/2012 01:43
शनि	30/07/2012 09:54
बुध	30/07/2012 17:14
केतु	30/07/2012 20:15
शुक्र	31/07/2012 04:53

बुध-चंद्र-मंग-मंग
31/07/2012 04:53
01/08/2012 23:08

मंग	31/07/2012 07:20
राहु	31/07/2012 13:41
गुरु	31/07/2012 19:19
शनि	01/08/2012 02:00
बुध	01/08/2012 07:59
केतु	01/08/2012 10:27
शुक्र	01/08/2012 17:30
सूर्य	01/08/2012 19:37
चंद्र	01/08/2012 23:08

बुध-चंद्र-मंग-राहु
01/08/2012 23:08
06/08/2012 11:48

राहु	02/08/2012 15:26
गुरु	03/08/2012 05:55
शनि	03/08/2012 23:08
बुध	04/08/2012 14:31
केतु	04/08/2012 20:51
शुक्र	05/08/2012 14:58
सूर्य	05/08/2012 20:24
चंद्र	06/08/2012 05:27
मंग	06/08/2012 11:48

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 6 मास 16 दिन

शनि
01/01/2012
19/07/2020

शनि	00/00/0000
केतु	00/00/0000
चंद्र	01/01/2012
बुध	11/01/2014
शुक्र	15/03/2016
सूर्य	13/07/2017
मंग	24/12/2018
गुरु	19/07/2020

केतु
19/07/2020
20/07/2035

केतु	27/06/2022
चंद्र	22/07/2024
बुध	03/10/2026
शुक्र	30/01/2029
सूर्य	04/07/2030
मंग	21/01/2032
गुरु	26/09/2033
शनि	20/07/2035

चंद्र
20/07/2035
20/07/2051

चंद्र	03/10/2037
बुध	06/02/2040
शुक्र	01/08/2042
सूर्य	06/02/2044
मंग	03/10/2045
गुरु	20/07/2047
शनि	24/06/2049
केतु	20/07/2051

बुध
20/07/2051
19/07/2068

बुध	15/01/2054
शुक्र	04/09/2056
सूर्य	16/04/2058
मंग	18/01/2060
गुरु	14/12/2061
शनि	02/01/2064
केतु	15/03/2066
चंद्र	19/07/2068

शुक्र
19/07/2068
19/07/2086

शुक्र	05/05/2071
सूर्य	17/01/2073
मंग	29/11/2074
गुरु	04/12/2076
शनि	06/02/2079
केतु	05/06/2081
चंद्र	29/11/2083
बुध	19/07/2086

सूर्य
19/07/2086
19/07/2097

सूर्य	04/08/2087
मंग	23/09/2088
गुरु	17/12/2089
शनि	16/04/2091
केतु	17/09/2092
चंद्र	25/03/2094
बुध	04/11/2095
शुक्र	19/07/2097

मंग
19/07/2097
20/07/2109

मंग	15/10/2098
गुरु	19/02/2100
शनि	02/08/2101
केतु	19/02/2103
चंद्र	16/10/2104
बुध	20/07/2106
शुक्र	30/05/2108
सूर्य	20/07/2109

गुरु
20/07/2109
20/07/2122

गुरु	03/01/2111
शनि	29/07/2112
केतु	04/04/2114
चंद्र	19/01/2116
बुध	15/12/2117
शुक्र	22/12/2119
सूर्य	16/03/2121
मंग	20/07/2122

शनि
20/07/2122
00/00/0000

शनि	28/03/2124
केतु	19/01/2126
चंद्र	25/12/2127
बुध	02/01/2128
शुक्र	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000
मंग	00/00/0000
गुरु	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

षोडशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

शनि-बुध		शनि-शुक्र		शनि-सूर्य		शनि-मंग	
01/01/2012		11/01/2014		15/03/2016		13/07/2017	
11/01/2014		15/03/2016		13/07/2017		24/12/2018	
बुध	12/04/2012	शुक्र	14/05/2014	सूर्य	30/04/2016	मंग	05/09/2017
शुक्र	06/08/2012	सूर्य	29/07/2014	मंग	19/06/2016	गुरु	04/11/2017
सूर्य	16/10/2012	मंग	19/10/2014	गुरु	12/08/2016	शनि	07/01/2018
मंग	02/01/2013	गुरु	16/01/2015	शनि	10/10/2016	केतु	16/03/2018
गुरु	27/03/2013	शनि	22/04/2015	केतु	12/12/2016	चंद्र	28/05/2018
शनि	25/06/2013	केतु	02/08/2015	चंद्र	16/02/2017	बुध	13/08/2018
केतु	30/09/2013	चंद्र	20/11/2015	बुध	29/04/2017	शुक्र	04/11/2018
चंद्र	11/01/2014	बुध	15/03/2016	शुक्र	13/07/2017	सूर्य	24/12/2018

शनि-गुरु		केतु-केतु		केतु-चंद्र		केतु-बुध	
24/12/2018		19/07/2020		27/06/2022		22/07/2024	
19/07/2020		27/06/2022		22/07/2024		03/10/2026	
गुरु	26/02/2019	केतु	18/10/2020	चंद्र	09/10/2022	बुध	17/11/2024
शनि	06/05/2019	चंद्र	24/01/2021	बुध	28/01/2023	शुक्र	21/03/2025
केतु	19/07/2019	बुध	08/05/2021	शुक्र	25/05/2023	सूर्य	05/06/2025
चंद्र	06/10/2019	शुक्र	26/08/2021	सूर्य	05/08/2023	मंग	27/08/2025
बुध	29/12/2019	सूर्य	01/11/2021	मंग	22/10/2023	गुरु	25/11/2025
शुक्र	27/03/2020	मंग	13/01/2022	गुरु	15/01/2024	शनि	02/03/2026
सूर्य	21/05/2020	गुरु	03/04/2022	शनि	15/04/2024	केतु	14/06/2026
मंग	19/07/2020	शनि	27/06/2022	केतु	22/07/2024	चंद्र	03/10/2026

केतु-शुक्र		केतु-सूर्य		केतु-मंग		केतु-गुरु	
03/10/2026		30/01/2029		04/07/2030		21/01/2032	
30/01/2029		04/07/2030		21/01/2032		26/09/2033	
शुक्र	12/02/2027	सूर्य	20/03/2029	मंग	31/08/2030	गुरु	30/03/2032
सूर्य	03/05/2027	मंग	13/05/2029	गुरु	03/11/2030	शनि	12/06/2032
मंग	30/07/2027	गुरु	10/07/2029	शनि	10/01/2031	केतु	31/08/2032
गुरु	03/11/2027	शनि	11/09/2029	केतु	24/03/2031	चंद्र	23/11/2032
शनि	13/02/2028	केतु	17/11/2029	चंद्र	11/06/2031	बुध	21/02/2033
केतु	02/06/2028	चंद्र	28/01/2030	बुध	02/09/2031	शुक्र	28/05/2033
चंद्र	27/09/2028	बुध	14/04/2030	शुक्र	29/11/2031	सूर्य	25/07/2033
बुध	30/01/2029	शुक्र	04/07/2030	सूर्य	21/01/2032	मंग	26/09/2033

केतु-शनि		चंद्र-चंद्र		चंद्र-बुध		चंद्र-शुक्र	
26/09/2033		20/07/2035		03/10/2037		06/02/2040	
20/07/2035		03/10/2037		06/02/2040		01/08/2042	
शनि	15/12/2033	चंद्र	08/11/2035	बुध	05/02/2038	शुक्र	26/06/2040
केतु	11/03/2034	बुध	05/03/2036	शुक्र	18/06/2038	सूर्य	20/09/2040
चंद्र	10/06/2034	शुक्र	08/07/2036	सूर्य	07/09/2038	मंग	23/12/2040
बुध	15/09/2034	सूर्य	22/09/2036	मंग	05/12/2038	गुरु	03/04/2041
शुक्र	26/12/2034	मंग	15/12/2036	गुरु	11/03/2039	शनि	22/07/2041
सूर्य	27/02/2035	गुरु	15/03/2037	शनि	22/06/2039	केतु	16/11/2041
मंग	06/05/2035	शनि	20/06/2037	केतु	11/10/2039	चंद्र	21/03/2042
गुरु	20/07/2035	केतु	03/10/2037	चंद्र	06/02/2040	बुध	01/08/2042

Sample

षोडशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

चंद्र-सूर्य
01/08/2042
06/02/2044

सूर्य	22/09/2042
मंग	19/11/2042
गुरु	20/01/2043
शनि	28/03/2043
केतु	07/06/2043
चंद्र	23/08/2043
बुध	12/11/2043
शुक्र	06/02/2044

चंद्र-मंग
06/02/2044
03/10/2045

मंग	09/04/2044
गुरु	15/06/2044
शनि	27/08/2044
केतु	13/11/2044
चंद्र	05/02/2045
बुध	04/05/2045
शुक्र	06/08/2045
सूर्य	03/10/2045

चंद्र-गुरु
03/10/2045
20/07/2047

गुरु	15/12/2045
शनि	04/03/2046
केतु	28/05/2046
चंद्र	26/08/2046
बुध	30/11/2046
शुक्र	12/03/2047
सूर्य	13/05/2047
मंग	20/07/2047

चंद्र-शनि
20/07/2047
24/06/2049

शनि	13/10/2047
केतु	12/01/2048
चंद्र	18/04/2048
बुध	31/07/2048
शुक्र	17/11/2048
सूर्य	23/01/2049
मंग	06/04/2049
गुरु	24/06/2049

चंद्र-केतु
24/06/2049
20/07/2051

केतु	30/09/2049
चंद्र	12/01/2050
बुध	03/05/2050
शुक्र	28/08/2050
सूर्य	07/11/2050
मंग	25/01/2051
गुरु	19/04/2051
शनि	20/07/2051

बुध-बुध
20/07/2051
15/01/2054

बुध	30/11/2051
शुक्र	19/04/2052
सूर्य	14/07/2052
मंग	17/10/2052
गुरु	27/01/2053
शनि	16/05/2053
केतु	11/09/2053
चंद्र	15/01/2054

बुध-शुक्र
15/01/2054
04/09/2056

शुक्र	13/06/2054
सूर्य	12/09/2054
मंग	21/12/2054
गुरु	08/04/2055
शनि	02/08/2055
केतु	05/12/2055
चंद्र	16/04/2056
बुध	04/09/2056

बुध-सूर्य
04/09/2056
16/04/2058

सूर्य	30/10/2056
मंग	30/12/2056
गुरु	06/03/2057
शनि	16/05/2057
केतु	31/07/2057
चंद्र	20/10/2057
बुध	14/01/2058
शुक्र	16/04/2058

बुध-मंग
16/04/2058
18/01/2060

मंग	21/06/2058
गुरु	01/09/2058
शनि	18/11/2058
केतु	09/02/2059
चंद्र	08/05/2059
बुध	11/08/2059
शुक्र	18/11/2059
सूर्य	18/01/2060

बुध-गुरु
18/01/2060
14/12/2061

गुरु	05/04/2060
शनि	28/06/2060
केतु	26/09/2060
चंद्र	31/12/2060
बुध	12/04/2061
शुक्र	29/07/2061
सूर्य	03/10/2061
मंग	14/12/2061

बुध-शनि
14/12/2061
02/01/2064

शनि	14/03/2062
केतु	19/06/2062
चंद्र	01/10/2062
बुध	19/01/2063
शुक्र	15/05/2063
सूर्य	25/07/2063
मंग	10/10/2063
गुरु	02/01/2064

बुध-केतु
02/01/2064
15/03/2066

केतु	15/04/2064
चंद्र	04/08/2064
बुध	30/11/2064
शुक्र	03/04/2065
सूर्य	18/06/2065
मंग	09/09/2065
गुरु	08/12/2065
शनि	15/03/2066

बुध-चंद्र
15/03/2066
19/07/2068

चंद्र	11/07/2066
बुध	14/11/2066
शुक्र	27/03/2067
सूर्य	16/06/2067
मंग	13/09/2067
गुरु	18/12/2067
शनि	30/03/2068
केतु	19/07/2068

शुक्र-शुक्र
19/07/2068
05/05/2071

शुक्र	24/12/2068
सूर्य	31/03/2069
मंग	14/07/2069
गुरु	06/11/2069
शनि	09/03/2070
केतु	19/07/2070
चंद्र	06/12/2070
बुध	05/05/2071

शुक्र-सूर्य
05/05/2071
17/01/2073

सूर्य	03/07/2071
मंग	06/09/2071
गुरु	14/11/2071
शनि	29/01/2072
केतु	18/04/2072
चंद्र	13/07/2072
बुध	13/10/2072
शुक्र	17/01/2073

शुक्र-मंग
17/01/2073
29/11/2074

मंग	29/03/2073
गुरु	13/06/2073
शनि	03/09/2073
केतु	30/11/2073
चंद्र	04/03/2074
बुध	12/06/2074
शुक्र	25/09/2074
सूर्य	29/11/2074

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षोडशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

शुक्र-गुरु
29/11/2074
04/12/2076

गुरु	19/02/2075
शनि	19/05/2075
केतु	22/08/2075
चंद्र	02/12/2075
बुध	19/03/2076
शुक्र	11/07/2076
सूर्य	19/09/2076
मंग	04/12/2076

शुक्र-शनि
04/12/2076
06/02/2079

शनि	10/03/2077
केतु	21/06/2077
चंद्र	08/10/2077
बुध	01/02/2078
शुक्र	05/06/2078
सूर्य	19/08/2078
मंग	09/11/2078
गुरु	06/02/2079

शुक्र-केतु
06/02/2079
05/06/2081

केतु	27/05/2079
चंद्र	21/09/2079
बुध	24/01/2080
शुक्र	04/06/2080
सूर्य	23/08/2080
मंग	19/11/2080
गुरु	22/02/2081
शनि	05/06/2081

शुक्र-चंद्र
05/06/2081
29/11/2083

चंद्र	08/10/2081
बुध	18/02/2082
शुक्र	09/07/2082
सूर्य	03/10/2082
मंग	04/01/2083
गुरु	16/04/2083
शनि	04/08/2083
केतु	29/11/2083

शुक्र-बुध
29/11/2083
19/07/2086

बुध	18/04/2084
शुक्र	14/09/2084
सूर्य	15/12/2084
मंग	25/03/2085
गुरु	11/07/2085
शनि	04/11/2085
केतु	08/03/2086
चंद्र	19/07/2086

सूर्य-सूर्य
19/07/2086
04/08/2087

सूर्य	24/08/2086
मंग	03/10/2086
गुरु	15/11/2086
शनि	31/12/2086
केतु	18/02/2087
चंद्र	11/04/2087
बुध	06/06/2087
शुक्र	04/08/2087

सूर्य-मंग
04/08/2087
23/09/2088

मंग	16/09/2087
गुरु	02/11/2087
शनि	22/12/2087
केतु	14/02/2088
चंद्र	11/04/2088
बुध	11/06/2088
शुक्र	15/08/2088
सूर्य	23/09/2088

सूर्य-गुरु
23/09/2088
17/12/2089

गुरु	12/11/2088
शनि	06/01/2089
केतु	05/03/2089
चंद्र	06/05/2089
बुध	11/07/2089
शुक्र	19/09/2089
सूर्य	01/11/2089
मंग	17/12/2089

सूर्य-शनि
17/12/2089
16/04/2091

शनि	14/02/2090
केतु	17/04/2090
चंद्र	23/06/2090
बुध	02/09/2090
शुक्र	17/11/2090
सूर्य	02/01/2091
मंग	21/02/2091
गुरु	16/04/2091

सूर्य-केतु
16/04/2091
17/09/2092

केतु	22/06/2091
चंद्र	02/09/2091
बुध	17/11/2091
शुक्र	06/02/2092
सूर्य	26/03/2092
मंग	19/05/2092
गुरु	16/07/2092
शनि	17/09/2092

सूर्य-चंद्र
17/09/2092
25/03/2094

चंद्र	02/12/2092
बुध	21/02/2093
शुक्र	18/05/2093
सूर्य	10/07/2093
मंग	05/09/2093
गुरु	06/11/2093
शनि	12/01/2094
केतु	25/03/2094

सूर्य-बुध
25/03/2094
04/11/2095

बुध	19/06/2094
शुक्र	18/09/2094
सूर्य	13/11/2094
मंग	13/01/2095
गुरु	20/03/2095
शनि	30/05/2095
केतु	14/08/2095
चंद्र	04/11/2095

सूर्य-शुक्र
04/11/2095
19/07/2097

शुक्र	08/02/2096
सूर्य	07/04/2096
मंग	11/06/2096
गुरु	20/08/2096
शनि	03/11/2096
केतु	23/01/2097
चंद्र	19/04/2097
बुध	19/07/2097

मंग-मंग
19/07/2097
15/10/2098

मंग	04/09/2097
गुरु	25/10/2097
शनि	18/12/2097
केतु	15/02/2098
चंद्र	19/04/2098
बुध	24/06/2098
शुक्र	02/09/2098
सूर्य	15/10/2098

मंग-गुरु
15/10/2098
19/02/2100

गुरु	10/12/2098
शनि	07/02/2099
केतु	11/04/2099
चंद्र	18/06/2099
बुध	29/08/2099
शुक्र	13/11/2099
सूर्य	30/12/2099
मंग	19/02/2100

मंग-शनि
19/02/2100
02/08/2101

शनि	23/04/2100
केतु	01/07/2100
चंद्र	12/09/2100
बुध	28/11/2100
शुक्र	18/02/2101
सूर्य	10/04/2101
मंग	03/06/2101
गुरु	02/08/2101

षोडशोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

मंग-केतु 02/08/2101 19/02/2103		मंग-चंद्र 19/02/2103 16/10/2104		मंग-बुध 16/10/2104 20/07/2106		मंग-शुक्र 20/07/2106 30/05/2108	
केतु	14/10/2101	चंद्र	14/05/2103	बुध	18/01/2105	शुक्र	03/11/2106
चंद्र	31/12/2101	बुध	10/08/2103	शुक्र	28/04/2105	सूर्य	06/01/2107
बुध	24/03/2102	शुक्र	12/11/2103	सूर्य	28/06/2105	मंग	18/03/2107
शुक्र	20/06/2102	सूर्य	09/01/2104	मंग	02/09/2105	गुरु	02/06/2107
सूर्य	13/08/2102	मंग	11/03/2104	गुरु	13/11/2105	शनि	23/08/2107
मंग	10/10/2102	गुरु	18/05/2104	शनि	30/01/2106	केतु	19/11/2107
गुरु	13/12/2102	शनि	30/07/2104	केतु	23/04/2106	चंद्र	21/02/2108
शनि	19/02/2103	केतु	16/10/2104	चंद्र	20/07/2106	बुध	30/05/2108

मंग-सूर्य 30/05/2108 20/07/2109		गुरु-गुरु 20/07/2109 03/01/2111		गुरु-शनि 03/01/2111 29/07/2112		गुरु-केतु 29/07/2112 04/04/2114	
सूर्य	09/07/2108	गुरु	18/09/2109	शनि	13/03/2111	केतु	17/10/2112
मंग	21/08/2108	शनि	21/11/2109	केतु	26/05/2111	चंद्र	09/01/2113
गुरु	06/10/2108	केतु	29/01/2110	चंद्र	13/08/2111	बुध	09/04/2113
शनि	26/11/2108	चंद्र	12/04/2110	बुध	05/11/2111	शुक्र	14/07/2113
केतु	18/01/2109	बुध	29/06/2110	शुक्र	02/02/2112	सूर्य	10/09/2113
चंद्र	17/03/2109	शुक्र	20/09/2110	सूर्य	28/03/2112	मंग	12/11/2113
बुध	17/05/2109	सूर्य	09/11/2110	मंग	26/05/2112	गुरु	20/01/2114
शुक्र	20/07/2109	मंग	03/01/2111	गुरु	29/07/2112	शनि	04/04/2114

गुरु-चंद्र 04/04/2114 19/01/2116		गुरु-बुध 19/01/2116 15/12/2117		गुरु-शुक्र 15/12/2117 22/12/2119		गुरु-सूर्य 22/12/2119 16/03/2121	
चंद्र	04/07/2114	बुध	30/04/2116	शुक्र	08/04/2118	सूर्य	03/02/2120
बुध	08/10/2114	शुक्र	16/08/2116	सूर्य	17/06/2118	मंग	20/03/2120
शुक्र	17/01/2115	सूर्य	21/10/2116	मंग	01/09/2118	गुरु	10/05/2120
सूर्य	20/03/2115	मंग	01/01/2117	गुरु	23/11/2118	शनि	03/07/2120
मंग	27/05/2115	गुरु	20/03/2117	शनि	20/02/2119	केतु	30/08/2120
गुरु	08/08/2115	शनि	12/06/2117	केतु	26/05/2119	चंद्र	31/10/2120
शनि	26/10/2115	केतु	10/09/2117	चंद्र	05/09/2119	बुध	05/01/2121
केतु	19/01/2116	चंद्र	15/12/2117	बुध	22/12/2119	शुक्र	16/03/2121

गुरु-मंग 16/03/2121 20/07/2122		शनि-शनि 20/07/2122 28/03/2124		शनि-केतु 28/03/2124 19/01/2126		शनि-चंद्र 19/01/2126 25/12/2127	
मंग	06/05/2121	शनि	03/10/2122	केतु	22/06/2124	चंद्र	26/04/2126
गुरु	30/06/2121	केतु	22/12/2122	चंद्र	21/09/2124	बुध	07/08/2126
शनि	28/08/2121	चंद्र	17/03/2123	बुध	27/12/2124	शुक्र	25/11/2126
केतु	31/10/2121	बुध	15/06/2123	शुक्र	09/04/2125	सूर्य	31/01/2127
चंद्र	07/01/2122	शुक्र	19/09/2123	सूर्य	10/06/2125	मंग	14/04/2127
बुध	19/03/2122	सूर्य	16/11/2123	मंग	18/08/2125	गुरु	02/07/2127
शुक्र	04/06/2122	मंग	19/01/2124	गुरु	31/10/2125	शनि	25/09/2127
सूर्य	20/07/2122	गुरु	28/03/2124	शनि	19/01/2126	केतु	25/12/2127

Sample

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 11 मास 0 दिन

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य	
01/01/2012		02/12/2018		03/08/2023		02/12/2036	
02/12/2018		03/08/2023		02/12/2036		02/12/2040	
बुध	00/00/0000	केतु	12/03/2019	शुक्र	22/10/2025	सूर्य	13/02/2037
केतु	00/00/0000	शुक्र	21/12/2019	सूर्य	23/06/2026	चंद्र	15/06/2037
शुक्र	01/01/2012	सूर्य	15/03/2020	चंद्र	03/08/2027	मंग	08/09/2037
सूर्य	23/04/2012	चंद्र	04/08/2020	मंग	13/05/2028	राहु	15/04/2038
चंद्र	03/04/2013	मंग	11/11/2020	राहु	13/05/2030	गुरु	27/10/2038
मंग	30/11/2013	राहु	25/07/2021	गुरु	22/02/2032	शनि	15/06/2039
राहु	13/08/2015	गुरु	09/03/2022	शनि	03/04/2034	बुध	08/01/2040
गुरु	15/02/2017	शनि	04/12/2022	बुध	22/02/2036	केतु	02/04/2040
शनि	02/12/2018	बुध	03/08/2023	केतु	02/12/2036	शुक्र	02/12/2040

चंद्र		मंग		राहु		गुरु	
02/12/2040		03/08/2047		02/04/2052		02/04/2064	
03/08/2047		02/04/2052		02/04/2064		02/12/2074	
चंद्र	23/06/2041	मंग	10/11/2047	राहु	20/01/2054	गुरु	04/09/2065
मंग	12/11/2041	राहु	23/07/2048	गुरु	27/08/2055	शनि	14/05/2067
राहु	12/11/2042	गुरु	07/03/2049	शनि	21/07/2057	बुध	16/11/2068
गुरु	03/10/2043	शनि	02/12/2049	बुध	03/04/2059	केतु	01/07/2069
शनि	22/10/2044	बुध	31/07/2050	केतु	15/12/2059	शुक्र	11/04/2071
बुध	02/10/2045	केतु	08/11/2050	शुक्र	14/12/2061	सूर्य	23/10/2071
केतु	21/02/2046	शुक्र	19/08/2051	सूर्य	21/07/2062	चंद्र	12/09/2072
शुक्र	03/04/2047	सूर्य	12/11/2051	चंद्र	22/07/2063	मंग	27/04/2073
सूर्य	03/08/2047	चंद्र	02/04/2052	मंग	02/04/2064	राहु	02/12/2074

शनि		बुध	
02/12/2074		03/08/2087	
03/08/2087		00/00/0000	
शनि	04/12/2076	बुध	11/03/2089
बुध	20/09/2078	केतु	08/11/2089
केतु	17/06/2079	शुक्र	29/09/2091
शुक्र	27/07/2081	सूर्य	01/01/2092
सूर्य	15/03/2082	चंद्र	00/00/0000
चंद्र	05/04/2083	मंग	00/00/0000
मंग	31/12/2083	राहु	00/00/0000
राहु	24/11/2085	गुरु	00/00/0000
गुरु	03/08/2087	शनि	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

बुध-सूर्य
01/01/2012
23/04/2012

सूर्य	00/00/0000
चंद्र	00/00/0000
मंग	00/00/0000
राहु	01/01/2012
गुरु	05/01/2012
शनि	07/02/2012
बुध	07/03/2012
केतु	19/03/2012
शुक्र	23/04/2012

बुध-चंद्र
23/04/2012
03/04/2013

चंद्र	21/05/2012
मंग	10/06/2012
राहु	01/08/2012
गुरु	16/09/2012
शनि	10/11/2012
बुध	29/12/2012
केतु	18/01/2013
शुक्र	16/03/2013
सूर्य	03/04/2013

बुध-मंग
03/04/2013
30/11/2013

मंग	17/04/2013
राहु	23/05/2013
गुरु	24/06/2013
शनि	01/08/2013
बुध	04/09/2013
केतु	19/09/2013
शुक्र	29/10/2013
सूर्य	10/11/2013
चंद्र	30/11/2013

बुध-राहु
30/11/2013
13/08/2015

राहु	03/03/2014
गुरु	25/05/2014
शनि	31/08/2014
बुध	27/11/2014
केतु	02/01/2015
शुक्र	16/04/2015
सूर्य	17/05/2015
चंद्र	08/07/2015
मंग	13/08/2015

बुध-गुरु
13/08/2015
15/02/2017

गुरु	25/10/2015
शनि	21/01/2016
बुध	08/04/2016
केतु	10/05/2016
शुक्र	10/08/2016
सूर्य	07/09/2016
चंद्र	23/10/2016
मंग	24/11/2016
राहु	15/02/2017

बुध-शनि
15/02/2017
02/12/2018

शनि	30/05/2017
बुध	30/08/2017
केतु	08/10/2017
शुक्र	25/01/2018
सूर्य	27/02/2018
चंद्र	22/04/2018
मंग	31/05/2018
राहु	06/09/2018
गुरु	02/12/2018

केतु-केतु
02/12/2018
12/03/2019

केतु	08/12/2018
शुक्र	25/12/2018
सूर्य	30/12/2018
चंद्र	07/01/2019
मंग	13/01/2019
राहु	28/01/2019
गुरु	10/02/2019
शनि	26/02/2019
बुध	12/03/2019

केतु-शुक्र
12/03/2019
21/12/2019

शुक्र	28/04/2019
सूर्य	12/05/2019
चंद्र	05/06/2019
मंग	21/06/2019
राहु	03/08/2019
गुरु	10/09/2019
शनि	25/10/2019
बुध	04/12/2019
केतु	21/12/2019

केतु-सूर्य
21/12/2019
15/03/2020

सूर्य	25/12/2019
चंद्र	01/01/2020
मंग	06/01/2020
राहु	19/01/2020
गुरु	30/01/2020
शनि	13/02/2020
बुध	25/02/2020
केतु	01/03/2020
शुक्र	15/03/2020

केतु-चंद्र
15/03/2020
04/08/2020

चंद्र	27/03/2020
मंग	04/04/2020
राहु	25/04/2020
गुरु	14/05/2020
शनि	06/06/2020
बुध	26/06/2020
केतु	04/07/2020
शुक्र	28/07/2020
सूर्य	04/08/2020

केतु-मंग
04/08/2020
11/11/2020

मंग	10/08/2020
राहु	25/08/2020
गुरु	07/09/2020
शनि	23/09/2020
बुध	07/10/2020
केतु	13/10/2020
शुक्र	29/10/2020
सूर्य	03/11/2020
चंद्र	11/11/2020

केतु-राहु
11/11/2020
25/07/2021

राहु	20/12/2020
गुरु	23/01/2021
शनि	04/03/2021
बुध	10/04/2021
केतु	25/04/2021
शुक्र	06/06/2021
सूर्य	19/06/2021
चंद्र	10/07/2021
मंग	25/07/2021

केतु-गुरु
25/07/2021
09/03/2022

गुरु	24/08/2021
शनि	29/09/2021
बुध	01/11/2021
केतु	14/11/2021
शुक्र	22/12/2021
सूर्य	02/01/2022
चंद्र	21/01/2022
मंग	03/02/2022
राहु	09/03/2022

केतु-शनि
09/03/2022
04/12/2022

शनि	21/04/2022
बुध	29/05/2022
केतु	14/06/2022
शुक्र	29/07/2022
सूर्य	12/08/2022
चंद्र	03/09/2022
मंग	19/09/2022
राहु	29/10/2022
गुरु	04/12/2022

केतु-बुध
04/12/2022
03/08/2023

बुध	07/01/2023
केतु	22/01/2023
शुक्र	03/03/2023
सूर्य	15/03/2023
चंद्र	04/04/2023
मंग	18/04/2023
राहु	24/05/2023
गुरु	26/06/2023
शनि	03/08/2023

शुक्र-शुक्र
03/08/2023
22/10/2025

शुक्र	16/12/2023
सूर्य	26/01/2024
चंद्र	02/04/2024
मंग	20/05/2024
राहु	18/09/2024
गुरु	05/01/2025
शनि	13/05/2025
बुध	05/09/2025
केतु	22/10/2025

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

शुक्र-शुक्र		शुक्र-सूर्य		शुक्र-चंद्र		शुक्र-मंग	
03/08/2023		22/10/2025		23/06/2026		03/08/2027	
22/10/2025		23/06/2026		03/08/2027		13/05/2028	
शुक्र	16/12/2023	सूर्य	04/11/2025	चंद्र	27/07/2026	मंग	19/08/2027
सूर्य	26/01/2024	चंद्र	24/11/2025	मंग	19/08/2026	राहु	01/10/2027
चंद्र	02/04/2024	मंग	08/12/2025	राहु	19/10/2026	गुरु	08/11/2027
मंग	20/05/2024	राहु	14/01/2026	गुरु	12/12/2026	शनि	23/12/2027
राहु	18/09/2024	गुरु	15/02/2026	शनि	15/02/2027	बुध	01/02/2028
गुरु	05/01/2025	शनि	26/03/2026	बुध	13/04/2027	केतु	18/02/2028
शनि	13/05/2025	बुध	29/04/2026	केतु	07/05/2027	शुक्र	05/04/2028
बुध	05/09/2025	केतु	13/05/2026	शुक्र	13/07/2027	सूर्य	19/04/2028
केतु	22/10/2025	शुक्र	23/06/2026	सूर्य	03/08/2027	चंद्र	13/05/2028

शुक्र-राहु		शुक्र-गुरु		शुक्र-शनि		शुक्र-बुध	
13/05/2028		13/05/2030		22/02/2032		03/04/2034	
13/05/2030		22/02/2032		03/04/2034		22/02/2036	
राहु	30/08/2028	गुरु	08/08/2030	शनि	23/06/2032	बुध	09/07/2034
गुरु	06/12/2028	शनि	19/11/2030	बुध	10/10/2032	केतु	19/08/2034
शनि	31/03/2029	बुध	19/02/2031	केतु	24/11/2032	शुक्र	12/12/2034
बुध	13/07/2029	केतु	29/03/2031	शुक्र	01/04/2033	सूर्य	15/01/2035
केतु	25/08/2029	शुक्र	15/07/2031	सूर्य	10/05/2033	चंद्र	14/03/2035
शुक्र	24/12/2029	सूर्य	16/08/2031	चंद्र	13/07/2033	मंग	23/04/2035
सूर्य	30/01/2030	चंद्र	09/10/2031	मंग	27/08/2033	राहु	04/08/2035
चंद्र	01/04/2030	मंग	16/11/2031	राहु	21/12/2033	गुरु	04/11/2035
मंग	13/05/2030	राहु	22/02/2032	गुरु	03/04/2034	शनि	22/02/2036

शुक्र-केतु		सूर्य-सूर्य		सूर्य-चंद्र		सूर्य-मंग	
22/02/2036		02/12/2036		13/02/2037		15/06/2037	
02/12/2036		13/02/2037		15/06/2037		08/09/2037	
केतु	09/03/2036	सूर्य	05/12/2036	चंद्र	23/02/2037	मंग	20/06/2037
शुक्र	26/04/2036	चंद्र	11/12/2036	मंग	02/03/2037	राहु	02/07/2037
सूर्य	10/05/2036	मंग	16/12/2036	राहु	20/03/2037	गुरु	14/07/2037
चंद्र	02/06/2036	राहु	27/12/2036	गुरु	06/04/2037	शनि	27/07/2037
मंग	19/06/2036	गुरु	05/01/2037	शनि	25/04/2037	बुध	08/08/2037
राहु	01/08/2036	शनि	17/01/2037	बुध	12/05/2037	केतु	13/08/2037
गुरु	08/09/2036	बुध	27/01/2037	केतु	19/05/2037	शुक्र	27/08/2037
शनि	23/10/2036	केतु	01/02/2037	शुक्र	08/06/2037	सूर्य	01/09/2037
बुध	02/12/2036	शुक्र	13/02/2037	सूर्य	15/06/2037	चंद्र	08/09/2037

सूर्य-राहु		सूर्य-गुरु		सूर्य-शनि		सूर्य-बुध	
08/09/2037		15/04/2038		27/10/2038		15/06/2039	
15/04/2038		27/10/2038		15/06/2039		08/01/2040	
राहु	11/10/2037	गुरु	11/05/2038	शनि	02/12/2038	बुध	14/07/2039
गुरु	09/11/2037	शनि	11/06/2038	बुध	04/01/2039	केतु	26/07/2039
शनि	14/12/2037	बुध	08/07/2038	केतु	18/01/2039	शुक्र	30/08/2039
बुध	14/01/2038	केतु	20/07/2038	शुक्र	25/02/2039	सूर्य	09/09/2039
केतु	26/01/2038	शुक्र	21/08/2038	सूर्य	09/03/2039	चंद्र	27/09/2039
शुक्र	04/03/2038	सूर्य	31/08/2038	चंद्र	28/03/2039	मंग	09/10/2039
सूर्य	15/03/2038	चंद्र	16/09/2038	मंग	11/04/2039	राहु	09/11/2039
चंद्र	02/04/2038	मंग	28/09/2038	राहु	15/05/2039	गुरु	06/12/2039
मंग	15/04/2038	राहु	27/10/2038	गुरु	15/06/2039	शनि	08/01/2040

Sample

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

सूर्य-बुध 15/06/2039 08/01/2040		सूर्य-केतु 08/01/2040 02/04/2040		सूर्य-शुक्र 02/04/2040 02/12/2040		चंद्र-चंद्र 02/12/2040 23/06/2041	
बुध	14/07/2039	केतु	13/01/2040	शुक्र	13/05/2040	चंद्र	19/12/2040
केतु	26/07/2039	शुक्र	27/01/2040	सूर्य	25/05/2040	मंग	30/12/2040
शुक्र	30/08/2039	सूर्य	31/01/2040	चंद्र	14/06/2040	राहु	30/01/2041
सूर्य	09/09/2039	चंद्र	08/02/2040	मंग	29/06/2040	गुरु	26/02/2041
चंद्र	27/09/2039	मंग	13/02/2040	राहु	04/08/2040	शनि	30/03/2041
मंग	09/10/2039	राहु	25/02/2040	गुरु	05/09/2040	बुध	28/04/2041
राहु	09/11/2039	गुरु	08/03/2040	शनि	14/10/2040	केतु	10/05/2041
गुरु	06/12/2039	शनि	21/03/2040	बुध	18/11/2040	शुक्र	13/06/2041
शनि	08/01/2040	बुध	02/04/2040	केतु	02/12/2040	सूर्य	23/06/2041

चंद्र-मंग 23/06/2041 12/11/2041		चंद्र-राहु 12/11/2041 12/11/2042		चंद्र-गुरु 12/11/2042 03/10/2043		चंद्र-शनि 03/10/2043 22/10/2044	
मंग	01/07/2041	राहु	05/01/2042	गुरु	25/12/2042	शनि	03/12/2043
राहु	22/07/2041	गुरु	23/02/2042	शनि	15/02/2043	बुध	26/01/2044
गुरु	10/08/2041	शनि	22/04/2042	बुध	02/04/2043	केतु	18/02/2044
शनि	02/09/2041	बुध	13/06/2042	केतु	21/04/2043	शुक्र	22/04/2044
बुध	22/09/2041	केतु	04/07/2042	शुक्र	14/06/2043	सूर्य	11/05/2044
केतु	30/09/2041	शुक्र	03/09/2042	सूर्य	30/06/2043	चंद्र	12/06/2044
शुक्र	24/10/2041	सूर्य	21/09/2042	चंद्र	27/07/2043	मंग	05/07/2044
सूर्य	31/10/2041	चंद्र	22/10/2042	मंग	15/08/2043	राहु	01/09/2044
चंद्र	12/11/2041	मंग	12/11/2042	राहु	03/10/2043	गुरु	22/10/2044

चंद्र-बुध 22/10/2044 02/10/2045		चंद्र-केतु 02/10/2045 21/02/2046		चंद्र-शुक्र 21/02/2046 03/04/2047		चंद्र-सूर्य 03/04/2047 03/08/2047	
बुध	10/12/2044	केतु	10/10/2045	शुक्र	30/04/2046	सूर्य	09/04/2047
केतु	30/12/2044	शुक्र	03/11/2045	सूर्य	20/05/2046	चंद्र	19/04/2047
शुक्र	26/02/2045	सूर्य	10/11/2045	चंद्र	23/06/2046	मंग	26/04/2047
सूर्य	15/03/2045	चंद्र	22/11/2045	मंग	17/07/2046	राहु	15/05/2047
चंद्र	13/04/2045	मंग	30/11/2045	राहु	15/09/2046	गुरु	31/05/2047
मंग	03/05/2045	राहु	22/12/2045	गुरु	09/11/2046	शनि	19/06/2047
राहु	24/06/2045	गुरु	10/01/2046	शनि	12/01/2047	बुध	06/07/2047
गुरु	09/08/2045	शनि	01/02/2046	बुध	10/03/2047	केतु	13/07/2047
शनि	02/10/2045	बुध	21/02/2046	केतु	03/04/2047	शुक्र	03/08/2047

मंग-मंग 03/08/2047 10/11/2047		मंग-राहु 10/11/2047 23/07/2048		मंग-गुरु 23/07/2048 07/03/2049		मंग-शनि 07/03/2049 02/12/2049	
मंग	09/08/2047	राहु	19/12/2047	गुरु	22/08/2048	शनि	19/04/2049
राहु	23/08/2047	गुरु	22/01/2048	शनि	27/09/2048	बुध	27/05/2049
गुरु	06/09/2047	शनि	02/03/2048	बुध	29/10/2048	केतु	12/06/2049
शनि	21/09/2047	बुध	07/04/2048	केतु	12/11/2048	शुक्र	27/07/2049
बुध	06/10/2047	केतु	22/04/2048	शुक्र	19/12/2048	सूर्य	09/08/2049
केतु	11/10/2047	शुक्र	04/06/2048	सूर्य	31/12/2048	चंद्र	01/09/2049
शुक्र	28/10/2047	सूर्य	17/06/2048	चंद्र	19/01/2049	मंग	17/09/2049
सूर्य	02/11/2047	चंद्र	08/07/2048	मंग	01/02/2049	राहु	27/10/2049
चंद्र	10/11/2047	मंग	23/07/2048	राहु	07/03/2049	गुरु	02/12/2049

Sample

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

मंग-शनि
07/03/2049
02/12/2049

शनि	19/04/2049
बुध	27/05/2049
केतु	12/06/2049
शुक्र	27/07/2049
सूर्य	09/08/2049
चंद्र	01/09/2049
मंग	17/09/2049
राहु	27/10/2049
गुरु	02/12/2049

मंग-बुध
02/12/2049
31/07/2050

बुध	05/01/2050
केतु	19/01/2050
शुक्र	01/03/2050
सूर्य	13/03/2050
चंद्र	02/04/2050
मंग	16/04/2050
राहु	22/05/2050
गुरु	23/06/2050
शनि	31/07/2050

मंग-केतु
31/07/2050
08/11/2050

केतु	06/08/2050
शुक्र	23/08/2050
सूर्य	28/08/2050
चंद्र	05/09/2050
मंग	11/09/2050
राहु	26/09/2050
गुरु	09/10/2050
शनि	25/10/2050
बुध	08/11/2050

मंग-शुक्र
08/11/2050
19/08/2051

शुक्र	25/12/2050
सूर्य	08/01/2051
चंद्र	01/02/2051
मंग	18/02/2051
राहु	01/04/2051
गुरु	09/05/2051
शनि	23/06/2051
बुध	02/08/2051
केतु	19/08/2051

मंग-सूर्य
19/08/2051
12/11/2051

सूर्य	23/08/2051
चंद्र	30/08/2051
मंग	04/09/2051
राहु	17/09/2051
गुरु	28/09/2051
शनि	12/10/2051
बुध	24/10/2051
केतु	29/10/2051
शुक्र	12/11/2051

मंग-चंद्र
12/11/2051
02/04/2052

चंद्र	24/11/2051
मंग	02/12/2051
राहु	24/12/2051
गुरु	12/01/2052
शनि	03/02/2052
बुध	23/02/2052
केतु	02/03/2052
शुक्र	26/03/2052
सूर्य	02/04/2052

राहु-राहु
02/04/2052
20/01/2054

राहु	10/07/2052
गुरु	06/10/2052
शनि	18/01/2053
बुध	21/04/2053
केतु	29/05/2053
शुक्र	16/09/2053
सूर्य	19/10/2053
चंद्र	12/12/2053
मंग	20/01/2054

राहु-गुरु
20/01/2054
27/08/2055

गुरु	08/04/2054
शनि	09/07/2054
बुध	30/09/2054
केतु	03/11/2054
शुक्र	08/02/2055
सूर्य	10/03/2055
चंद्र	27/04/2055
मंग	31/05/2055
राहु	27/08/2055

राहु-शनि
27/08/2055
21/07/2057

शनि	15/12/2055
बुध	22/03/2056
केतु	02/05/2056
शुक्र	25/08/2056
सूर्य	29/09/2056
चंद्र	26/11/2056
मंग	05/01/2057
राहु	20/04/2057
गुरु	21/07/2057

राहु-बुध
21/07/2057
03/04/2059

बुध	17/10/2057
केतु	22/11/2057
शुक्र	06/03/2058
सूर्य	06/04/2058
चंद्र	28/05/2058
मंग	03/07/2058
राहु	04/10/2058
गुरु	26/12/2058
शनि	03/04/2059

राहु-केतु
03/04/2059
15/12/2059

केतु	18/04/2059
शुक्र	31/05/2059
सूर्य	12/06/2059
चंद्र	04/07/2059
मंग	19/07/2059
राहु	26/08/2059
गुरु	29/09/2059
शनि	08/11/2059
बुध	15/12/2059

राहु-शुक्र
15/12/2059
14/12/2061

शुक्र	14/04/2060
सूर्य	21/05/2060
चंद्र	21/07/2060
मंग	01/09/2060
राहु	20/12/2060
गुरु	27/03/2061
शनि	21/07/2061
बुध	02/11/2061
केतु	14/12/2061

राहु-सूर्य
14/12/2061
21/07/2062

सूर्य	25/12/2061
चंद्र	12/01/2062
मंग	25/01/2062
राहु	27/02/2062
गुरु	28/03/2062
शनि	02/05/2062
बुध	02/06/2062
केतु	15/06/2062
शुक्र	21/07/2062

राहु-चंद्र
21/07/2062
22/07/2063

चंद्र	21/08/2062
मंग	11/09/2062
राहु	05/11/2062
गुरु	24/12/2062
शनि	19/02/2063
बुध	12/04/2063
केतु	03/05/2063
शुक्र	03/07/2063
सूर्य	22/07/2063

राहु-मंग
22/07/2063
02/04/2064

मंग	05/08/2063
राहु	13/09/2063
गुरु	17/10/2063
शनि	26/11/2063
बुध	02/01/2064
केतु	17/01/2064
शुक्र	28/02/2064
सूर्य	12/03/2064
चंद्र	02/04/2064

गुरु-गुरु
02/04/2064
04/09/2065

गुरु	11/06/2064
शनि	01/09/2064
बुध	13/11/2064
केतु	14/12/2064
शुक्र	10/03/2065
सूर्य	05/04/2065
चंद्र	18/05/2065
मंग	18/06/2065
राहु	04/09/2065

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

त्रिभगी दशा-प्रत्यन्तर

गुरु-गुरु
02/04/2064
04/09/2065

गुरु	11/06/2064
शनि	01/09/2064
बुध	13/11/2064
केतु	14/12/2064
शुक्र	10/03/2065
सूर्य	05/04/2065
चंद्र	18/05/2065
मंग	18/06/2065
राहु	04/09/2065

गुरु-शनि
04/09/2065
14/05/2067

शनि	10/12/2065
बुध	08/03/2066
केतु	13/04/2066
शुक्र	25/07/2066
सूर्य	24/08/2066
चंद्र	15/10/2066
मंग	20/11/2066
राहु	20/02/2067
गुरु	14/05/2067

गुरु-बुध
14/05/2067
16/11/2068

बुध	31/07/2067
केतु	01/09/2067
शुक्र	02/12/2067
सूर्य	30/12/2067
चंद्र	14/02/2068
मंग	17/03/2068
राहु	08/06/2068
गुरु	20/08/2068
शनि	16/11/2068

गुरु-केतु
16/11/2068
01/07/2069

केतु	29/11/2068
शुक्र	06/01/2069
सूर्य	17/01/2069
चंद्र	05/02/2069
मंग	18/02/2069
राहु	24/03/2069
गुरु	24/04/2069
शनि	30/05/2069
बुध	01/07/2069

गुरु-शुक्र
01/07/2069
11/04/2071

शुक्र	17/10/2069
सूर्य	18/11/2069
चंद्र	12/01/2070
मंग	18/02/2070
राहु	27/05/2070
गुरु	21/08/2070
शनि	02/12/2070
बुध	04/03/2071
केतु	11/04/2071

गुरु-सूर्य
11/04/2071
23/10/2071

सूर्य	21/04/2071
चंद्र	07/05/2071
मंग	18/05/2071
राहु	17/06/2071
गुरु	13/07/2071
शनि	12/08/2071
बुध	09/09/2071
केतु	20/09/2071
शुक्र	23/10/2071

गुरु-चंद्र
23/10/2071
12/09/2072

चंद्र	19/11/2071
मंग	08/12/2071
राहु	26/01/2072
गुरु	09/03/2072
शनि	29/04/2072
बुध	14/06/2072
केतु	03/07/2072
शुक्र	26/08/2072
सूर्य	12/09/2072

गुरु-मंग
12/09/2072
27/04/2073

मंग	25/09/2072
राहु	29/10/2072
गुरु	28/11/2072
शनि	03/01/2073
बुध	04/02/2073
केतु	18/02/2073
शुक्र	28/03/2073
सूर्य	08/04/2073
चंद्र	27/04/2073

गुरु-राहु
27/04/2073
02/12/2074

राहु	24/07/2073
गुरु	09/10/2073
शनि	10/01/2074
बुध	03/04/2074
केतु	07/05/2074
शुक्र	12/08/2074
सूर्य	10/09/2074
चंद्र	29/10/2074
मंग	02/12/2074

शनि-शनि
02/12/2074
04/12/2076

शनि	28/03/2075
बुध	10/07/2075
केतु	22/08/2075
शुक्र	22/12/2075
सूर्य	27/01/2076
चंद्र	29/03/2076
मंग	10/05/2076
राहु	28/08/2076
गुरु	04/12/2076

शनि-बुध
04/12/2076
20/09/2078

बुध	07/03/2077
केतु	14/04/2077
शुक्र	01/08/2077
सूर्य	03/09/2077
चंद्र	27/10/2077
मंग	05/12/2077
राहु	13/03/2078
गुरु	08/06/2078
शनि	20/09/2078

शनि-केतु
20/09/2078
17/06/2079

केतु	06/10/2078
शुक्र	20/11/2078
सूर्य	03/12/2078
चंद्र	26/12/2078
मंग	11/01/2079
राहु	20/02/2079
गुरु	28/03/2079
शनि	10/05/2079
बुध	17/06/2079

शनि-शुक्र
17/06/2079
27/07/2081

शुक्र	24/10/2079
सूर्य	01/12/2079
चंद्र	03/02/2080
मंग	19/03/2080
राहु	13/07/2080
गुरु	24/10/2080
शनि	23/02/2081
बुध	12/06/2081
केतु	27/07/2081

शनि-सूर्य
27/07/2081
15/03/2082

सूर्य	08/08/2081
चंद्र	27/08/2081
मंग	10/09/2081
राहु	14/10/2081
गुरु	14/11/2081
शनि	21/12/2081
बुध	22/01/2082
केतु	05/02/2082
शुक्र	15/03/2082

शनि-चंद्र
15/03/2082
05/04/2083

चंद्र	17/04/2082
मंग	09/05/2082
राहु	06/07/2082
गुरु	26/08/2082
शनि	26/10/2082
बुध	20/12/2082
केतु	11/01/2083
शुक्र	17/03/2083
सूर्य	05/04/2083

शनि-मंग
05/04/2083
31/12/2083

मंग	21/04/2083
राहु	31/05/2083
गुरु	06/07/2083
शनि	18/08/2083
बुध	25/09/2083
केतु	11/10/2083
शुक्र	25/11/2083
सूर्य	08/12/2083
चंद्र	31/12/2083

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 9 मास 29 दिन

राहु		शुक्र		सूर्य		चंद्र	
01/01/2012		01/11/2019		31/10/2040		01/11/2046	
01/11/2019		31/10/2040		01/11/2046		31/10/2061	
राहु	00/00/0000	शुक्र	01/12/2023	सूर्य	02/03/2041	चंद्र	01/12/2048
शुक्र	01/01/2012	सूर्य	30/01/2025	चंद्र	31/12/2041	मंग	10/01/2050
सूर्य	02/03/2012	चंद्र	01/01/2028	मंग	12/06/2042	बुध	22/05/2052
चंद्र	31/10/2013	मंग	22/07/2029	बुध	22/05/2043	शनि	11/10/2053
मंग	21/09/2014	बुध	10/11/2032	शनि	11/12/2043	गुरु	01/06/2056
बुध	11/08/2016	शनि	21/10/2034	गुरु	31/12/2044	राहु	31/01/2058
शनि	21/09/2017	गुरु	02/07/2038	राहु	31/08/2045	शुक्र	31/12/2060
गुरु	01/11/2019	राहु	31/10/2040	शुक्र	01/11/2046	सूर्य	31/10/2061

मंग		बुध		शनि		गुरु	
31/10/2061		31/10/2069		01/11/2086		31/10/2096	
31/10/2069		01/11/2086		31/10/2096		02/11/2115	
मंग	05/06/2062	बुध	05/07/2072	शनि	05/10/2087	गुरु	06/03/2100
बुध	08/09/2063	शनि	31/01/2074	गुरु	08/07/2089	राहु	16/04/2102
शनि	04/06/2064	गुरु	27/01/2077	राहु	18/08/2090	शुक्र	25/12/2105
गुरु	31/10/2065	राहु	18/12/2078	शुक्र	28/07/2092	सूर्य	15/01/2107
राहु	21/09/2066	शुक्र	08/04/2082	सूर्य	16/02/2093	चंद्र	05/09/2109
शुक्र	11/04/2068	सूर्य	19/03/2083	चंद्र	09/07/2094	मंग	01/02/2111
सूर्य	20/09/2068	चंद्र	29/07/2085	मंग	05/04/2095	बुध	28/01/2114
चंद्र	31/10/2069	मंग	01/11/2086	बुध	31/10/2096	शनि	02/11/2115

राहु	
02/11/2115	
00/00/0000	
राहु	03/03/2117
शुक्र	03/07/2119
सूर्य	02/01/2120
चंद्र	00/00/0000
मंग	00/00/0000
बुध	00/00/0000
शनि	00/00/0000
गुरु	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

अष्टोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

राहु-सूर्य		राहु-चंद्र		राहु-मंग		राहु-बुध	
01/01/2012		02/03/2012		31/10/2013		21/09/2014	
02/03/2012		31/10/2013		21/09/2014		11/08/2016	
सूर्य	00/00/0000	चंद्र	25/05/2012	मंग	24/11/2013	बुध	08/01/2015
चंद्र	00/00/0000	मंग	09/07/2012	बुध	14/01/2014	शनि	12/03/2015
मंग	00/00/0000	बुध	13/10/2012	शनि	14/02/2014	गुरु	12/07/2015
बुध	00/00/0000	शनि	08/12/2012	गुरु	12/04/2014	राहु	26/09/2015
शनि	00/00/0000	गुरु	25/03/2013	राहु	18/05/2014	शुक्र	08/02/2016
गुरु	01/01/2012	राहु	01/06/2013	शुक्र	20/07/2014	सूर्य	17/03/2016
राहु	14/01/2012	शुक्र	28/09/2013	सूर्य	07/08/2014	चंद्र	21/06/2016
शुक्र	02/03/2012	सूर्य	31/10/2013	चंद्र	21/09/2014	मंग	11/08/2016

राहु-शनि		राहु-गुरु		शुक्र-शुक्र		शुक्र-सूर्य	
11/08/2016		21/09/2017		01/11/2019		01/12/2023	
21/09/2017		01/11/2019		01/12/2023		30/01/2025	
शनि	17/09/2016	गुरु	03/02/2018	शुक्र	17/08/2020	सूर्य	25/12/2023
गुरु	28/11/2016	राहु	30/04/2018	सूर्य	08/11/2020	चंद्र	22/02/2024
राहु	12/01/2017	शुक्र	27/09/2018	चंद्र	03/06/2021	मंग	25/03/2024
शुक्र	01/04/2017	सूर्य	09/11/2018	मंग	21/09/2021	बुध	31/05/2024
सूर्य	23/04/2017	चंद्र	24/02/2019	बुध	14/05/2022	शनि	09/07/2024
चंद्र	19/06/2017	मंग	22/04/2019	शनि	29/09/2022	गुरु	22/09/2024
मंग	19/07/2017	बुध	21/08/2019	गुरु	19/06/2023	राहु	09/11/2024
बुध	21/09/2017	शनि	01/11/2019	राहु	01/12/2023	शुक्र	30/01/2025

शुक्र-चंद्र		शुक्र-मंग		शुक्र-बुध		शुक्र-शनि	
30/01/2025		01/01/2028		22/07/2029		10/11/2032	
01/01/2028		22/07/2029		10/11/2032		21/10/2034	
चंद्र	27/06/2025	मंग	12/02/2028	बुध	28/01/2030	शनि	15/01/2033
मंग	14/09/2025	बुध	11/05/2028	शनि	20/05/2030	गुरु	20/05/2033
बुध	01/03/2026	शनि	03/07/2028	गुरु	18/12/2030	राहु	07/08/2033
शनि	08/06/2026	गुरु	11/10/2028	राहु	01/05/2031	शुक्र	23/12/2033
गुरु	12/12/2026	राहु	13/12/2028	शुक्र	22/12/2031	सूर्य	31/01/2034
राहु	09/04/2027	शुक्र	02/04/2029	सूर्य	27/02/2032	चंद्र	10/05/2034
शुक्र	03/11/2027	सूर्य	04/05/2029	चंद्र	13/08/2032	मंग	02/07/2034
सूर्य	01/01/2028	चंद्र	22/07/2029	मंग	10/11/2032	बुध	21/10/2034

शुक्र-गुरु		शुक्र-राहु		सूर्य-सूर्य		सूर्य-चंद्र	
21/10/2034		02/07/2038		31/10/2040		02/03/2041	
02/07/2038		31/10/2040		02/03/2041		31/12/2041	
गुरु	16/06/2035	राहु	05/10/2038	सूर्य	07/11/2040	चंद्र	13/04/2041
राहु	13/11/2035	शुक्र	19/03/2039	चंद्र	24/11/2040	मंग	06/05/2041
शुक्र	01/08/2036	सूर्य	06/05/2039	मंग	03/12/2040	बुध	23/06/2041
सूर्य	15/10/2036	चंद्र	01/09/2039	बुध	22/12/2040	शनि	21/07/2041
चंद्र	21/04/2037	मंग	03/11/2039	शनि	02/01/2041	गुरु	12/09/2041
मंग	29/07/2037	बुध	16/03/2040	गुरु	24/01/2041	राहु	16/10/2041
बुध	27/02/2038	शनि	03/06/2040	राहु	06/02/2041	शुक्र	14/12/2041
शनि	02/07/2038	गुरु	31/10/2040	शुक्र	02/03/2041	सूर्य	31/12/2041

Sample

अष्टोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

सूर्य-चंद्र
02/03/2041
31/12/2041

चंद्र	13/04/2041
मंग	06/05/2041
बुध	23/06/2041
शनि	21/07/2041
गुरु	12/09/2041
राहु	16/10/2041
शुक्र	14/12/2041
सूर्य	31/12/2041

सूर्य-मंग
31/12/2041
12/06/2042

मंग	12/01/2042
बुध	07/02/2042
शनि	22/02/2042
गुरु	22/03/2042
राहु	09/04/2042
शुक्र	11/05/2042
सूर्य	20/05/2042
चंद्र	12/06/2042

सूर्य-बुध
12/06/2042
22/05/2043

बुध	05/08/2042
शनि	06/09/2042
गुरु	05/11/2042
राहु	14/12/2042
शुक्र	19/02/2043
सूर्य	10/03/2043
चंद्र	27/04/2043
मंग	22/05/2043

सूर्य-शनि
22/05/2043
11/12/2043

शनि	10/06/2043
गुरु	16/07/2043
राहु	08/08/2043
शुक्र	16/09/2043
सूर्य	27/09/2043
चंद्र	25/10/2043
मंग	09/11/2043
बुध	11/12/2043

सूर्य-गुरु
11/12/2043
31/12/2044

गुरु	17/02/2044
राहु	31/03/2044
शुक्र	14/06/2044
सूर्य	05/07/2044
चंद्र	28/08/2044
मंग	26/09/2044
बुध	25/11/2044
शनि	31/12/2044

सूर्य-राहु
31/12/2044
31/08/2045

राहु	27/01/2045
शुक्र	15/03/2045
सूर्य	29/03/2045
चंद्र	02/05/2045
मंग	20/05/2045
बुध	27/06/2045
शनि	20/07/2045
गुरु	31/08/2045

सूर्य-शुक्र
31/08/2045
01/11/2046

शुक्र	22/11/2045
सूर्य	16/12/2045
चंद्र	13/02/2046
मंग	17/03/2046
बुध	23/05/2046
शनि	01/07/2046
गुरु	14/09/2046
राहु	01/11/2046

चंद्र-चंद्र
01/11/2046
01/12/2048

चंद्र	14/02/2047
मंग	12/04/2047
बुध	09/08/2047
शनि	19/10/2047
गुरु	01/03/2048
राहु	24/05/2048
शुक्र	19/10/2048
सूर्य	01/12/2048

चंद्र-मंग
01/12/2048
10/01/2050

मंग	31/12/2048
बुध	04/03/2049
शनि	11/04/2049
गुरु	21/06/2049
राहु	06/08/2049
शुक्र	23/10/2049
सूर्य	15/11/2049
चंद्र	10/01/2050

चंद्र-बुध
10/01/2050
22/05/2052

बुध	26/05/2050
शनि	14/08/2050
गुरु	13/01/2051
राहु	18/04/2051
शुक्र	03/10/2051
सूर्य	20/11/2051
चंद्र	19/03/2052
मंग	22/05/2052

चंद्र-शनि
22/05/2052
11/10/2053

शनि	08/07/2052
गुरु	05/10/2052
राहु	30/11/2052
शुक्र	09/03/2053
सूर्य	06/04/2053
चंद्र	16/06/2053
मंग	23/07/2053
बुध	11/10/2053

चंद्र-गुरु
11/10/2053
01/06/2056

गुरु	30/03/2054
राहु	15/07/2054
शुक्र	18/01/2055
सूर्य	13/03/2055
चंद्र	25/07/2055
मंग	04/10/2055
बुध	04/03/2056
शनि	01/06/2056

चंद्र-राहु
01/06/2056
31/01/2058

राहु	08/08/2056
शुक्र	04/12/2056
सूर्य	07/01/2057
चंद्र	01/04/2057
मंग	16/05/2057
बुध	20/08/2057
शनि	16/10/2057
गुरु	31/01/2058

चंद्र-शुक्र
31/01/2058
31/12/2060

शुक्र	26/08/2058
सूर्य	24/10/2058
चंद्र	21/03/2059
मंग	08/06/2059
बुध	23/11/2059
शनि	29/02/2060
गुरु	04/09/2060
राहु	31/12/2060

चंद्र-सूर्य
31/12/2060
31/10/2061

सूर्य	17/01/2061
चंद्र	28/02/2061
मंग	23/03/2061
बुध	10/05/2061
शनि	07/06/2061
गुरु	30/07/2061
राहु	02/09/2061
शुक्र	31/10/2061

मंग-मंग
31/10/2061
05/06/2062

मंग	16/11/2061
बुध	20/12/2061
शनि	09/01/2062
गुरु	17/02/2062
राहु	13/03/2062
शुक्र	24/04/2062
सूर्य	06/05/2062
चंद्र	05/06/2062

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

अष्टोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

मंग-मंग		मंग-बुध		मंग-शनि		मंग-गुरु	
31/10/2061		05/06/2062		08/09/2063		04/06/2064	
05/06/2062		08/09/2063		04/06/2064		31/10/2065	
मंग	16/11/2061	बुध	16/08/2062	शनि	03/10/2063	गुरु	03/09/2064
बुध	20/12/2061	शनि	28/09/2062	गुरु	19/11/2063	राहु	30/10/2064
शनि	09/01/2062	गुरु	18/12/2062	राहु	19/12/2063	शुक्र	07/02/2065
गुरु	17/02/2062	राहु	07/02/2063	शुक्र	10/02/2064	सूर्य	07/03/2065
राहु	13/03/2062	शुक्र	07/05/2063	सूर्य	25/02/2064	चंद्र	18/05/2065
शुक्र	24/04/2062	सूर्य	02/06/2063	चंद्र	03/04/2064	मंग	25/06/2065
सूर्य	06/05/2062	चंद्र	05/08/2063	मंग	23/04/2064	बुध	14/09/2065
चंद्र	05/06/2062	मंग	08/09/2063	बुध	04/06/2064	शनि	31/10/2065

मंग-राहु		मंग-शुक्र		मंग-सूर्य		मंग-चंद्र	
31/10/2065		21/09/2066		11/04/2068		20/09/2068	
21/09/2066		11/04/2068		20/09/2068		31/10/2069	
राहु	06/12/2065	शुक्र	09/01/2067	सूर्य	20/04/2068	चंद्र	16/11/2068
शुक्र	08/02/2066	सूर्य	10/02/2067	चंद्र	13/05/2068	मंग	16/12/2068
सूर्य	26/02/2066	चंद्र	30/04/2067	मंग	25/05/2068	बुध	18/02/2069
चंद्र	12/04/2066	मंग	11/06/2067	बुध	19/06/2068	शनि	27/03/2069
मंग	06/05/2066	बुध	08/09/2067	शनि	04/07/2068	गुरु	07/06/2069
बुध	26/06/2066	शनि	31/10/2067	गुरु	02/08/2068	राहु	22/07/2069
शनि	26/07/2066	गुरु	08/02/2068	राहु	20/08/2068	शुक्र	09/10/2069
गुरु	21/09/2066	राहु	11/04/2068	शुक्र	20/09/2068	सूर्य	31/10/2069

बुध-बुध		बुध-शनि		बुध-गुरु		बुध-राहु	
31/10/2069		05/07/2072		31/01/2074		27/01/2077	
05/07/2072		31/01/2074		27/01/2077		18/12/2078	
बुध	03/04/2070	शनि	27/08/2072	गुरु	11/08/2074	राहु	14/04/2077
शनि	03/07/2070	गुरु	06/12/2072	राहु	10/12/2074	शुक्र	26/08/2077
गुरु	22/12/2070	राहु	08/02/2073	शुक्र	11/07/2075	सूर्य	03/10/2077
राहु	09/04/2071	शुक्र	31/05/2073	सूर्य	09/09/2075	चंद्र	07/01/2078
शुक्र	16/10/2071	सूर्य	02/07/2073	चंद्र	08/02/2076	मंग	27/02/2078
सूर्य	10/12/2071	चंद्र	20/09/2073	मंग	29/04/2076	बुध	16/06/2078
चंद्र	23/04/2072	मंग	01/11/2073	बुध	18/10/2076	शनि	19/08/2078
मंग	05/07/2072	बुध	31/01/2074	शनि	27/01/2077	गुरु	18/12/2078

बुध-शुक्र		बुध-सूर्य		बुध-चंद्र		बुध-मंग	
18/12/2078		08/04/2082		19/03/2083		29/07/2085	
08/04/2082		19/03/2083		29/07/2085		01/11/2086	
शुक्र	10/08/2079	सूर्य	27/04/2082	चंद्र	17/07/2083	मंग	01/09/2085
सूर्य	16/10/2079	चंद्र	14/06/2082	मंग	19/09/2083	बुध	12/11/2085
चंद्र	31/03/2080	मंग	10/07/2082	बुध	02/02/2084	शनि	25/12/2085
मंग	29/06/2080	बुध	02/09/2082	शनि	21/04/2084	गुरु	16/03/2086
बुध	05/01/2081	शनि	04/10/2082	गुरु	20/09/2084	राहु	06/05/2086
शनि	27/04/2081	गुरु	04/12/2082	राहु	25/12/2084	शुक्र	03/08/2086
गुरु	25/11/2081	राहु	11/01/2083	शुक्र	11/06/2085	सूर्य	29/08/2086
राहु	08/04/2082	शुक्र	19/03/2083	सूर्य	29/07/2085	चंद्र	01/11/2086

Sample

अष्टोत्तरी दशा-प्रत्यन्तर

बुध-मंग
29/07/2085
01/11/2086

मंग	01/09/2085
बुध	12/11/2085
शनि	25/12/2085
गुरु	16/03/2086
राहु	06/05/2086
शुक्र	03/08/2086
सूर्य	29/08/2086
चंद्र	01/11/2086

शनि-शनि
01/11/2086
05/10/2087

शनि	02/12/2086
गुरु	30/01/2087
राहु	09/03/2087
शुक्र	14/05/2087
सूर्य	02/06/2087
चंद्र	18/07/2087
मंग	13/08/2087
बुध	05/10/2087

शनि-गुरु
05/10/2087
08/07/2089

गुरु	26/01/2088
राहु	06/04/2088
शुक्र	09/08/2088
सूर्य	14/09/2088
चंद्र	12/12/2088
मंग	29/01/2089
बुध	10/05/2089
शनि	08/07/2089

शनि-राहु
08/07/2089
18/08/2090

राहु	22/08/2089
शुक्र	09/11/2089
सूर्य	02/12/2089
चंद्र	27/01/2090
मंग	26/02/2090
बुध	01/05/2090
शनि	08/06/2090
गुरु	18/08/2090

शनि-शुक्र
18/08/2090
28/07/2092

शुक्र	03/01/2091
सूर्य	12/02/2091
चंद्र	21/05/2091
मंग	13/07/2091
बुध	02/11/2091
शनि	07/01/2092
गुरु	10/05/2092
राहु	28/07/2092

शनि-सूर्य
28/07/2092
16/02/2093

सूर्य	09/08/2092
चंद्र	06/09/2092
मंग	21/09/2092
बुध	23/10/2092
शनि	11/11/2092
गुरु	16/12/2092
राहु	08/01/2093
शुक्र	16/02/2093

शनि-चंद्र
16/02/2093
09/07/2094

चंद्र	28/04/2093
मंग	04/06/2093
बुध	23/08/2093
शनि	09/10/2093
गुरु	06/01/2094
राहु	04/03/2094
शुक्र	10/06/2094
सूर्य	09/07/2094

शनि-मंग
09/07/2094
05/04/2095

मंग	29/07/2094
बुध	09/09/2094
शनि	04/10/2094
गुरु	21/11/2094
राहु	21/12/2094
शुक्र	12/02/2095
सूर्य	27/02/2095
चंद्र	05/04/2095

शनि-बुध
05/04/2095
31/10/2096

बुध	05/07/2095
शनि	27/08/2095
गुरु	06/12/2095
राहु	08/02/2096
शुक्र	30/05/2096
सूर्य	01/07/2096
चंद्र	18/09/2096
मंग	31/10/2096

गुरु-गुरु
31/10/2096
06/03/2100

गुरु	03/06/2097
राहु	17/10/2097
शुक्र	11/06/2098
सूर्य	18/08/2098
चंद्र	03/02/2099
मंग	05/05/2099
बुध	13/11/2099
शनि	06/03/2100

गुरु-राहु
06/03/2100
16/04/2102

राहु	31/05/2100
शुक्र	28/10/2100
सूर्य	09/12/2100
चंद्र	26/03/2101
मंग	23/05/2101
बुध	21/09/2101
शनि	01/12/2101
गुरु	16/04/2102

गुरु-शुक्र
16/04/2102
25/12/2105

शुक्र	03/01/2103
सूर्य	19/03/2103
चंद्र	23/09/2103
मंग	01/01/2104
बुध	31/07/2104
शनि	03/12/2104
गुरु	28/07/2105
राहु	25/12/2105

गुरु-सूर्य
25/12/2105
15/01/2107

सूर्य	16/01/2106
चंद्र	10/03/2106
मंग	08/04/2106
बुध	08/06/2106
शनि	13/07/2106
गुरु	19/09/2106
राहु	01/11/2106
शुक्र	15/01/2107

गुरु-चंद्र
15/01/2107
05/09/2109

चंद्र	29/05/2107
मंग	08/08/2107
बुध	07/01/2108
शनि	05/04/2108
गुरु	22/09/2108
राहु	07/01/2109
शुक्र	13/07/2109
सूर्य	05/09/2109

गुरु-मंग
05/09/2109
01/02/2111

मंग	13/10/2109
बुध	02/01/2110
शनि	18/02/2110
गुरु	20/05/2110
राहु	16/07/2110
शुक्र	24/10/2110
सूर्य	21/11/2110
चंद्र	01/02/2111

गुरु-बुध
01/02/2111
28/01/2114

बुध	23/07/2111
शनि	01/11/2111
गुरु	11/05/2112
राहु	10/09/2112
शुक्र	10/04/2113
सूर्य	10/06/2113
चंद्र	08/11/2113
मंग	28/01/2114

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : उल्क 3 वर्ष 7 मास 28 दिन

उल्क		सिद्ध		संक		मंग	
01/01/2012		31/08/2015		31/08/2022		31/08/2030	
31/08/2015		31/08/2022		31/08/2030		31/08/2031	
उल्क	00/00/0000	सिद्ध	09/01/2017	संक	10/06/2024	मंग	10/09/2030
सिद्ध	01/01/2012	संक	31/07/2018	मंग	30/08/2024	पिंग	30/09/2030
संक	01/03/2013	मंग	11/10/2018	पिंग	09/02/2025	धांय	31/10/2030
मंग	01/05/2013	पिंग	02/03/2019	धांय	10/10/2025	भ्राम	10/12/2030
पिंग	31/08/2013	धांय	01/10/2019	भ्राम	31/08/2026	भद्रि	30/01/2031
धांय	01/03/2014	भ्राम	11/07/2020	भद्रि	11/10/2027	उल्क	01/04/2031
भ्राम	31/10/2014	भद्रि	01/07/2021	उल्क	09/02/2029	सिद्ध	11/06/2031
भद्रि	31/08/2015	उल्क	31/08/2022	सिद्ध	31/08/2030	संक	31/08/2031

पिंग		धांय		भ्राम		भद्रि	
31/08/2031		31/08/2033		30/08/2036		30/08/2040	
31/08/2033		30/08/2036		30/08/2040		31/08/2045	
पिंग	11/10/2031	धांय	30/11/2033	भ्राम	09/02/2037	भद्रि	11/05/2041
धांय	11/12/2031	भ्राम	01/04/2034	भद्रि	31/08/2037	उल्क	11/03/2042
भ्राम	01/03/2032	भद्रि	31/08/2034	उल्क	01/05/2038	सिद्ध	02/03/2043
भद्रि	10/06/2032	उल्क	02/03/2035	सिद्ध	09/02/2039	संक	10/04/2044
उल्क	10/10/2032	सिद्ध	01/10/2035	संक	31/12/2039	मंग	31/05/2044
सिद्ध	01/03/2033	संक	31/05/2036	मंग	10/02/2040	पिंग	10/09/2044
संक	10/08/2033	मंग	01/07/2036	पिंग	01/05/2040	धांय	09/02/2045
मंग	31/08/2033	पिंग	30/08/2036	धांय	30/08/2040	भ्राम	31/08/2045

उल्क		सिद्ध	
31/08/2045		31/08/2051	
31/08/2051		31/08/2058	
उल्क	31/08/2046	सिद्ध	09/01/2053
सिद्ध	31/10/2047	संक	31/07/2054
संक	01/03/2049	मंग	11/10/2054
मंग	01/05/2049	पिंग	02/03/2055
पिंग	31/08/2049	धांय	01/10/2055
धांय	01/03/2050	भ्राम	11/07/2056
भ्राम	31/10/2050	भद्रि	01/07/2057
भद्रि	31/08/2051	उल्क	31/08/2058

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Sample

योगिनी दशा-प्रत्यन्तर

उल्क-संक
01/01/2012
01/03/2013

संक	16/02/2012
मंग	01/03/2012
पिंग	28/03/2012
धांय	07/05/2012
भ्राम	01/07/2012
भद्रि	06/09/2012
उल्क	26/11/2012
सिद्ध	01/03/2013

उल्क-मंग
01/03/2013
01/05/2013

मंग	03/03/2013
पिंग	06/03/2013
धांय	11/03/2013
भ्राम	18/03/2013
भद्रि	26/03/2013
उल्क	06/04/2013
सिद्ध	17/04/2013
संक	01/05/2013

उल्क-पिंग
01/05/2013
31/08/2013

पिंग	08/05/2013
धांय	18/05/2013
भ्राम	31/05/2013
भद्रि	17/06/2013
उल्क	08/07/2013
सिद्ध	31/07/2013
संक	27/08/2013
मंग	31/08/2013

उल्क-धांय
31/08/2013
01/03/2014

धांय	15/09/2013
भ्राम	05/10/2013
भद्रि	31/10/2013
उल्क	30/11/2013
सिद्ध	04/01/2014
संक	14/02/2014
मंग	19/02/2014
पिंग	01/03/2014

उल्क-भ्राम
01/03/2014
31/10/2014

भ्राम	28/03/2014
भद्रि	01/05/2014
उल्क	11/06/2014
सिद्ध	28/07/2014
संक	20/09/2014
मंग	27/09/2014
पिंग	11/10/2014
धांय	31/10/2014

उल्क-भद्रि
31/10/2014
31/08/2015

भद्रि	12/12/2014
उल्क	01/02/2015
सिद्ध	01/04/2015
संक	08/06/2015
मंग	16/06/2015
पिंग	03/07/2015
धांय	28/07/2015
भ्राम	31/08/2015

सिद्ध-सिद्ध
31/08/2015
09/01/2017

सिद्ध	06/12/2015
संक	25/03/2016
मंग	08/04/2016
पिंग	06/05/2016
धांय	16/06/2016
भ्राम	10/08/2016
भद्रि	18/10/2016
उल्क	09/01/2017

सिद्ध-संक
09/01/2017
31/07/2018

संक	16/05/2017
मंग	31/05/2017
पिंग	02/07/2017
धांय	18/08/2017
भ्राम	20/10/2017
भद्रि	07/01/2018
उल्क	12/04/2018
सिद्ध	31/07/2018

सिद्ध-मंग
31/07/2018
11/10/2018

मंग	02/08/2018
पिंग	06/08/2018
धांय	12/08/2018
भ्राम	20/08/2018
भद्रि	30/08/2018
उल्क	11/09/2018
सिद्ध	25/09/2018
संक	11/10/2018

सिद्ध-पिंग
11/10/2018
02/03/2019

पिंग	18/10/2018
धांय	30/10/2018
भ्राम	15/11/2018
भद्रि	05/12/2018
उल्क	28/12/2018
सिद्ध	25/01/2019
संक	26/02/2019
मंग	02/03/2019

सिद्ध-धांय
02/03/2019
01/10/2019

धांय	19/03/2019
भ्राम	12/04/2019
भद्रि	12/05/2019
उल्क	16/06/2019
सिद्ध	28/07/2019
संक	13/09/2019
मंग	19/09/2019
पिंग	01/10/2019

सिद्ध-भ्राम
01/10/2019
11/07/2020

भ्राम	01/11/2019
भद्रि	11/12/2019
उल्क	27/01/2020
सिद्ध	22/03/2020
संक	24/05/2020
मंग	01/06/2020
पिंग	17/06/2020
धांय	11/07/2020

सिद्ध-भद्रि
11/07/2020
01/07/2021

भद्रि	29/08/2020
उल्क	27/10/2020
सिद्ध	04/01/2021
संक	24/03/2021
मंग	03/04/2021
पिंग	23/04/2021
धांय	22/05/2021
भ्राम	01/07/2021

सिद्ध-उल्क
01/07/2021
31/08/2022

उल्क	10/09/2021
सिद्ध	02/12/2021
संक	06/03/2022
मंग	18/03/2022
पिंग	11/04/2022
धांय	16/05/2022
भ्राम	03/07/2022
भद्रि	31/08/2022

संक-संक
31/08/2022
10/06/2024

संक	22/01/2023
मंग	09/02/2023
पिंग	17/03/2023
धांय	10/05/2023
भ्राम	22/07/2023
भद्रि	20/10/2023
उल्क	05/02/2024
सिद्ध	10/06/2024

संक-मंग
10/06/2024
30/08/2024

मंग	13/06/2024
पिंग	17/06/2024
धांय	24/06/2024
भ्राम	03/07/2024
भद्रि	14/07/2024
उल्क	28/07/2024
सिद्ध	12/08/2024
संक	30/08/2024

Sample

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : कंया 2 वर्ष 6 मास 14 दिन

कंया
01/01/2012
17/07/2014

कंया	00/00/0000
कर्क	00/00/0000
सिंह	00/00/0000
मिथु	00/00/0000
मक	00/00/0000
कुंभ	01/01/2012
मीन	08/02/2012
वृशि	05/11/2012
तुला	17/07/2014

कर्क
17/07/2014
17/07/2035

कर्क	24/09/2019
सिंह	18/12/2020
मिथु	10/03/2023
मक	05/03/2024
कुंभ	01/03/2025
मीन	20/08/2027
वृशि	13/05/2029
तुला	26/04/2033
कंया	17/07/2035

सिंह
17/07/2035
16/07/2040

सिंह	02/11/2035
मिथु	13/05/2036
मक	07/08/2036
कुंभ	01/11/2036
मीन	04/06/2037
वृशि	01/11/2037
तुला	11/10/2038
कंया	22/04/2039
कर्क	16/07/2040

मिथु
16/07/2040
17/07/2049

मिथु	29/06/2041
मक	01/12/2041
कुंभ	05/05/2042
मीन	27/05/2043
वृशि	21/02/2044
तुला	01/11/2045
कंया	15/10/2046
कर्क	04/01/2049
सिंह	17/07/2049

मक
17/07/2049
17/07/2053

मक	23/09/2049
कुंभ	01/12/2049
मीन	22/05/2050
वृशि	19/09/2050
तुला	21/06/2051
कंया	23/11/2051
कर्क	18/11/2052
सिंह	12/02/2053
मिथु	17/07/2053

कुंभ
17/07/2053
17/07/2057

कुंभ	23/09/2053
मीन	14/03/2054
वृशि	13/07/2054
तुला	14/04/2055
कंया	15/09/2055
कर्क	10/09/2056
सिंह	05/12/2056
मिथु	09/05/2057
मक	17/07/2057

मीन
17/07/2057
17/07/2067

मीन	19/09/2058
वृशि	17/07/2059
तुला	04/06/2061
कंया	25/06/2062
कर्क	14/12/2064
सिंह	17/07/2065
मिथु	07/08/2066
मक	26/01/2067
कुंभ	17/07/2067

वृशि
17/07/2067
17/07/2074

वृशि	13/02/2068
तुला	08/06/2069
कंया	06/03/2070
कर्क	27/11/2071
सिंह	26/04/2072
मिथु	21/01/2073
मक	22/05/2073
कुंभ	19/09/2073
मीन	17/07/2074

तुला
17/07/2074
17/07/2090

तुला	21/07/2077
कंया	01/04/2079
कर्क	14/03/2083
सिंह	21/02/2084
मिथु	01/11/2085
मक	03/08/2086
कुंभ	05/05/2087
मीन	23/03/2089
वृशि	17/07/2090

कंया
17/07/2090
00/00/0000

कंया	30/06/2091
कर्क	19/09/2093
सिंह	31/03/2094
मिथु	14/03/2095
मक	16/08/2095
कुंभ	18/01/2096
मीन	01/01/2097
वृशि	00/00/0000
तुला	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Sample

कालचक्र दशा-प्रत्यन्तर

कंया-मीन
01/01/2012
08/02/2012

मीन	00/00/0000
वृशि	00/00/0000
तुला	00/00/0000
कंया	00/00/0000
कर्क	00/00/0000
सिंह	01/01/2012
मिथु	03/01/2012
मक	21/01/2012
कुंभ	08/02/2012

कंया-वृशि
08/02/2012
05/11/2012

वृशि	02/03/2012
तुला	22/04/2012
कंया	20/05/2012
कर्क	26/07/2012
सिंह	11/08/2012
मिथु	09/09/2012
मक	21/09/2012
कुंभ	04/10/2012
मीन	05/11/2012

कंया-तुला
05/11/2012
17/07/2014

तुला	02/03/2013
कंया	06/05/2013
कर्क	06/10/2013
सिंह	11/11/2013
मिथु	16/01/2014
मक	14/02/2014
कुंभ	15/03/2014
मीन	27/05/2014
वृशि	17/07/2014

कर्क-कर्क
17/07/2014
24/09/2019

कर्क	28/10/2015
सिंह	16/02/2016
मिथु	04/09/2016
मक	02/12/2016
कुंभ	01/03/2017
मीन	10/10/2017
वृशि	15/03/2018
तुला	07/03/2019
कंया	24/09/2019

कर्क-सिंह
24/09/2019
18/12/2020

सिंह	20/10/2019
मिथु	07/12/2019
मक	28/12/2019
कुंभ	19/01/2020
मीन	12/03/2020
वृशि	18/04/2020
तुला	12/07/2020
कंया	29/08/2020
कर्क	18/12/2020

कर्क-मिथु
18/12/2020
10/03/2023

मिथु	14/03/2021
मक	21/04/2021
कुंभ	29/05/2021
मीन	02/09/2021
वृशि	08/11/2021
तुला	10/04/2022
कंया	05/07/2022
कर्क	21/01/2023
सिंह	10/03/2023

कर्क-मक
10/03/2023
05/03/2024

मक	27/03/2023
कुंभ	13/04/2023
मीन	26/05/2023
वृशि	24/06/2023
तुला	31/08/2023
कंया	08/10/2023
कर्क	06/01/2024
सिंह	27/01/2024
मिथु	05/03/2024

कर्क-कुंभ
05/03/2024
01/03/2025

कुंभ	22/03/2024
मीन	04/05/2024
वृशि	02/06/2024
तुला	09/08/2024
कंया	16/09/2024
कर्क	15/12/2024
सिंह	05/01/2025
मिथु	12/02/2025
मक	01/03/2025

कर्क-मीन
01/03/2025
20/08/2027

मीन	15/06/2025
वृशि	29/08/2025
तुला	14/02/2026
कंया	21/05/2026
कर्क	30/12/2026
सिंह	21/02/2027
मिथु	28/05/2027
मक	09/07/2027
कुंभ	20/08/2027

कर्क-वृशि
20/08/2027
13/05/2029

वृशि	11/10/2027
तुला	07/02/2028
कंया	14/04/2028
कर्क	17/09/2028
सिंह	24/10/2028
मिथु	30/12/2028
मक	29/01/2029
कुंभ	28/02/2029
मीन	13/05/2029

कर्क-तुला
13/05/2029
26/04/2033

तुला	09/02/2030
कंया	12/07/2030
कर्क	03/07/2031
सिंह	26/09/2031
मिथु	26/02/2032
मक	04/05/2032
कुंभ	11/07/2032
मीन	28/12/2032
वृशि	26/04/2033

कर्क-कंया
26/04/2033
17/07/2035

कंया	21/07/2033
कर्क	07/02/2034
सिंह	26/03/2034
मिथु	20/06/2034
मक	29/07/2034
कुंभ	05/09/2034
मीन	09/12/2034
वृशि	14/02/2035
तुला	17/07/2035

सिंह-सिंह
17/07/2035
02/11/2035

सिंह	23/07/2035
मिथु	04/08/2035
मक	09/08/2035
कुंभ	14/08/2035
मीन	27/08/2035
वृशि	04/09/2035
तुला	25/09/2035
कंया	06/10/2035
कर्क	02/11/2035

सिंह-मिथु
02/11/2035
13/05/2036

मिथु	22/11/2035
मक	01/12/2035
कुंभ	10/12/2035
मीन	02/01/2036
वृशि	18/01/2036
तुला	23/02/2036
कंया	15/03/2036
कर्क	02/05/2036
सिंह	13/05/2036

सिंह-मक
13/05/2036
07/08/2036

मक	17/05/2036
कुंभ	21/05/2036
मीन	31/05/2036
वृशि	07/06/2036
तुला	23/06/2036
कंया	02/07/2036
कर्क	24/07/2036
सिंह	29/07/2036
मिथु	07/08/2036

सिंह-कुंभ
07/08/2036
01/11/2036

कुंभ	11/08/2036
मीन	21/08/2036
वृशि	28/08/2036
तुला	13/09/2036
कंया	22/09/2036
कर्क	14/10/2036
सिंह	19/10/2036
मिथु	28/10/2036
मक	01/11/2036

Sample

चर दशा

भोग्य दशा काल : सिंह 8 वर्ष 0 मास 0 दिन

सिंह	कंया	तुला	वृशि
01/01/2012	01/01/2020	01/01/2030	01/01/2033
01/01/2020	01/01/2030	01/01/2033	01/01/2042
कंया 01/09/2012	तुला 01/11/2020	वृशि 02/04/2030	तुला 02/10/2033
तुला 02/05/2013	वृशि 01/09/2021	धनु 03/07/2030	कंया 03/07/2034
वृशि 01/01/2014	धनु 03/07/2022	मक 02/10/2030	सिंह 03/04/2035
धनु 01/09/2014	मक 03/05/2023	कुंभ 01/01/2031	कर्क 01/01/2036
मक 03/05/2015	कुंभ 02/03/2024	मीन 03/04/2031	मिथु 01/10/2036
कुंभ 01/01/2016	मीन 01/01/2025	मेष 03/07/2031	वृष 02/07/2037
मीन 01/09/2016	मेष 01/11/2025	वृष 02/10/2031	मेष 02/04/2038
मेष 02/05/2017	वृष 01/09/2026	मिथु 01/01/2032	मीन 01/01/2039
वृष 01/01/2018	मिथु 03/07/2027	कर्क 02/04/2032	कुंभ 02/10/2039
मिथु 01/09/2018	कर्क 02/05/2028	सिंह 02/07/2032	मक 02/07/2040
कर्क 03/05/2019	सिंह 03/03/2029	कंया 01/10/2032	धनु 02/04/2041
सिंह 01/01/2020	कंया 01/01/2030	तुला 01/01/2033	वृशि 01/01/2042

धनु	मक	कुंभ	मीन
01/01/2042	01/01/2046	01/01/2049	01/01/2052
01/01/2046	01/01/2049	01/01/2052	01/01/2063
वृशि 03/05/2042	धनु 02/04/2046	मीन 02/04/2049	मेष 01/12/2052
तुला 01/09/2042	वृशि 03/07/2046	मेष 02/07/2049	वृष 01/11/2053
कंया 01/01/2043	तुला 02/10/2046	वृष 02/10/2049	मिथु 02/10/2054
सिंह 03/05/2043	कंया 01/01/2047	मिथु 01/01/2050	कर्क 02/09/2055
कर्क 02/09/2043	सिंह 03/04/2047	कर्क 02/04/2050	सिंह 02/08/2056
मिथु 01/01/2044	कर्क 03/07/2047	सिंह 03/07/2050	कंया 02/07/2057
वृष 02/05/2044	मिथु 02/10/2047	कंया 02/10/2050	तुला 02/06/2058
मेष 01/09/2044	वृष 01/01/2048	तुला 01/01/2051	वृशि 03/05/2059
मीन 01/01/2045	मेष 02/04/2048	वृशि 03/04/2051	धनु 02/04/2060
कुंभ 02/05/2045	मीन 02/07/2048	धनु 03/07/2051	मक 03/03/2061
मक 01/09/2045	कुंभ 01/10/2048	मक 02/10/2051	कुंभ 31/01/2062
धनु 01/01/2046	मक 01/01/2049	कुंभ 01/01/2052	मीन 01/01/2063

मेष	वृष
01/01/2063	01/01/2067
01/01/2067	01/01/2075
वृष 03/05/2063	मेष 02/09/2067
मिथु 02/09/2063	मीन 02/05/2068
कर्क 01/01/2064	कुंभ 01/01/2069
सिंह 02/05/2064	मक 01/09/2069
कंया 01/09/2064	धनु 03/05/2070
तुला 01/01/2065	वृशि 01/01/2071
वृशि 02/05/2065	तुला 02/09/2071
धनु 01/09/2065	कंया 02/05/2072
मक 01/01/2066	सिंह 01/01/2073
कुंभ 03/05/2066	कर्क 01/09/2073
मीन 01/09/2066	मिथु 03/05/2074
मेष 01/01/2067	वृष 01/01/2075

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

चर दशा-प्रत्यन्तर

सिंह-तुला
01/09/2012
02/05/2013

वृशि	21/09/2012
धनु	12/10/2012
मक	01/11/2012
कुंभ	21/11/2012
मीन	11/12/2012
मेष	01/01/2013
वृष	21/01/2013
मिथु	10/02/2013
कर्क	03/03/2013
सिंह	23/03/2013
कंया	12/04/2013
तुला	02/05/2013

सिंह-वृशि
02/05/2013
01/01/2014

तुला	23/05/2013
कंया	12/06/2013
सिंह	02/07/2013
कर्क	23/07/2013
मिथु	12/08/2013
वृष	01/09/2013
मेष	22/09/2013
मीन	12/10/2013
कुंभ	01/11/2013
मक	21/11/2013
धनु	12/12/2013
वृशि	01/01/2014

सिंह-धनु
01/01/2014
01/09/2014

वृशि	21/01/2014
तुला	11/02/2014
कंया	03/03/2014
सिंह	23/03/2014
कर्क	12/04/2014
मिथु	03/05/2014
वृष	23/05/2014
मेष	12/06/2014
मीन	03/07/2014
कुंभ	23/07/2014
मक	12/08/2014
धनु	01/09/2014

सिंह-मक
01/09/2014
03/05/2015

धनु	22/09/2014
वृशि	12/10/2014
तुला	01/11/2014
कंया	22/11/2014
सिंह	12/12/2014
कर्क	01/01/2015
मिथु	22/01/2015
वृष	11/02/2015
मेष	03/03/2015
मीन	23/03/2015
कुंभ	13/04/2015
मक	03/05/2015

सिंह-कुंभ
03/05/2015
01/01/2016

मीन	23/05/2015
मेष	13/06/2015
वृष	03/07/2015
मिथु	23/07/2015
कर्क	12/08/2015
सिंह	02/09/2015
कंया	22/09/2015
तुला	12/10/2015
वृशि	02/11/2015
धनु	22/11/2015
मक	12/12/2015
कुंभ	01/01/2016

सिंह-मीन
01/01/2016
01/09/2016

मेष	22/01/2016
वृष	11/02/2016
मिथु	02/03/2016
कर्क	23/03/2016
सिंह	12/04/2016
कंया	02/05/2016
तुला	23/05/2016
वृशि	12/06/2016
धनु	02/07/2016
मक	22/07/2016
कुंभ	12/08/2016
मीन	01/09/2016

सिंह-मेष
01/09/2016
02/05/2017

वृष	21/09/2016
मिथु	12/10/2016
कर्क	01/11/2016
सिंह	21/11/2016
कंया	11/12/2016
तुला	01/01/2017
वृशि	21/01/2017
धनु	10/02/2017
मक	03/03/2017
कुंभ	23/03/2017
मीन	12/04/2017
मेष	02/05/2017

सिंह-वृष
02/05/2017
01/01/2018

मेष	23/05/2017
मीन	12/06/2017
कुंभ	02/07/2017
मक	23/07/2017
धनु	12/08/2017
वृशि	01/09/2017
तुला	22/09/2017
कंया	12/10/2017
सिंह	01/11/2017
कर्क	21/11/2017
मिथु	12/12/2017
वृष	01/01/2018

सिंह-मिथु
01/01/2018
01/09/2018

वृष	21/01/2018
मेष	11/02/2018
मीन	03/03/2018
कुंभ	23/03/2018
मक	12/04/2018
धनु	03/05/2018
वृशि	23/05/2018
तुला	12/06/2018
कंया	03/07/2018
सिंह	23/07/2018
कर्क	12/08/2018
मिथु	01/09/2018

सिंह-कर्क
01/09/2018
03/05/2019

मिथु	22/09/2018
वृष	12/10/2018
मेष	01/11/2018
मीन	22/11/2018
कुंभ	12/12/2018
मक	01/01/2019
धनु	22/01/2019
वृशि	11/02/2019
तुला	03/03/2019
कंया	23/03/2019
सिंह	13/04/2019
कर्क	03/05/2019

सिंह-सिंह
03/05/2019
01/01/2020

कंया	23/05/2019
तुला	13/06/2019
वृशि	03/07/2019
धनु	23/07/2019
मक	12/08/2019
कुंभ	02/09/2019
मीन	22/09/2019
मेष	12/10/2019
वृष	02/11/2019
मिथु	22/11/2019
कर्क	12/12/2019
सिंह	01/01/2020

कंया-तुला
01/01/2020
01/11/2020

वृशि	27/01/2020
धनु	21/02/2020
मक	18/03/2020
कुंभ	12/04/2020
मीन	07/05/2020
मेष	02/06/2020
वृष	27/06/2020
मिथु	22/07/2020
कर्क	17/08/2020
सिंह	11/09/2020
कंया	06/10/2020
तुला	01/11/2020

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

महादशा :- बुध

(01/01/2012 - 19/05/2022)

बुध की महादशा 01/01/2012 को आरम्भ होगी और 17 वर्ष की होकर 19/05/2022 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में बुध चतुर्थ भाव में स्थित हैं। बुध की दृष्टि दसवें भाव पर हैं। इसके पूर्व आपकी 19 वर्ष की शनि दशा चल रही थी। इसमें आपकी यात्रा, व्यय तथा लाभ हुए होंगे। बुध की वर्तमान दशा में आपको यश, ख्याति, सम्मान, जीवन–वृत्तिमें सफलता तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य : इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप सक्रिय तथा आशावादी होंगे और आप में स्फूर्ति तथा शक्ति प्रचुर मात्रा में होगी। अत्यधिक क्रियाशीलता के कारण ज्वर, संक्रामक बीमारी, चर्मरोग तथा स्नायविक थकावट आदि मामूली बीमारियाँ हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए सावधानी बरतें। इन सबको छोड़ कर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

अर्थ और व्यवसाय : आपकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त सुदृढ़ होगी। व्यवसाय तथा व्यापार में अच्छी आय होगी। आपको अपने माता–पिता से लाभ मिलेगा। सट्टा लाभदायक रहेगा। निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। आपको नौकरी में भी लाभ मिलेगा। जीविका तथा व्यवसाय के लिये लेखा, पत्रकारिता, ज्योतिष, शिक्षण अथवा कम्प्यूटर प्रोग्रैमर के कार्य का चयन कर सकते हैं। आप बौद्धिक कार्यों के लिए अत्यन्त उपयुक्त हैं। रत्न, पुस्तक लेखन–सामग्री, कम्प्यूटर तथा हस्तनिर्मित वस्तुओं का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपोशा लोगों को इस दशा में लाभ, आय में वृद्धि तथा पदोन्नति होगी जबकि व्यवसाय–व्यापार से जुड़े लोगों को साझेदारों से लाभ, व्यापार में सफलता प्रतिष्ठा मिलेगी। कार्य के सिलसिले में यात्रा की सम्भावना है।

वाहन, यात्रा, जमीन–जायदाद : बुध की वर्तमान दशा में आपको वाहन तथा जीवन का सारा सुख मिलेगा। आपको आराम तथा जमीन–जायदाद से लाभ मिलेगा आपका एक सुन्दर मकान होगा। जमीन–जायदाद के सभी मामलों के लिए यह दशा उत्तम है। आपकी शुक्र की अन्तर्दशा में छोटी तथा शनि की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा होगी।

शिक्षा : आपकी शिक्षा उत्तम होगी और शिक्षा के क्षेत्र में यश और ख्याति मिलेगी। अभी परीक्षाओं तथा प्रतियोगिताओं में सफल होंगे। लेखा, वाणिज्य, साहित्य, कम्प्यूटर विज्ञान, रचनात्मक पत्रकारिता, शिक्षण तथा शैक्षिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। आप प्रतिभावान, कूटनीतिक और बहुमुखी हैं और विभिन्न विषयों में रुचि रखते हैं। आपका दिमाग बौद्धिक और विश्लेषणात्मक है और आप सभी बौद्धिक कार्यों में अच्छा करेंगे।

परिवार : आपके बच्चों के साथ आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। उन पर आपका कुछ–व्यय होगा। उनसे आपको बहुत सुख मिलेगा। आपके जीवन साथी की जीवन–वृत्ति सफल होगी। उनकी उन्नति होगी

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

तथा यश, ख्याति, उत्तम आमदनी और सम्मान मिलेगा। जीवन साथी के साथ आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, उनके मित्र होंगे तथा जमीन–जायदाद में वृद्धि होगी जबकि आपके पिता स्फूर्तिवान होंगे कार्यों में रुचि होगी। आपके छोटे भाई–बहनों को हर प्रकार का लाभ तथा सुख मिलेगा जबकि बड़े भाई बहनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा उन्हें ननिहाल से लाभ और नौकरी में सफलता मिलेगी। आपका उनके साथ सम्बन्ध अत्यन्त मधुर रहेगा। बुध की इस दशा में आपको सुख और जमीन–जायदाद की प्राप्ति होगी, आप के अनेक मित्र होंगे तथा माता के साथ आपका सम्बन्ध मधुर रहेगा।

अन्तर्दशा : बुध की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में आपकी शिक्षा उत्तम होगी और वाहन तथा सुख की प्राप्ति होगी। केतु कुछ समस्या उत्पन्न कर सकता है। शुक्र की अन्तर्दशा में कुछ परिवर्तन, छोटी यात्रा तथा सम्बन्धियों से सहायता मिलेगी जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के फलस्वरूप विरोधियों पर विजय मिलेगी और स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। चन्द्र के कारण बच्चों से सुख मिलेगा जबकि मंगल की अन्तर्दशा के फलस्वरूप सम्पत्ति और समृद्धि की प्राप्ति, यात्रा और भाग्यादेय होगा। राहु कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। गुरु की अन्तर्दशा के फलस्वरूप, यश, ख्याति तथा कार्यों में सफलता मिलेगी। शनि की अन्तर्दशा के कारण व्यय, यात्रा और कुछ लाभ हो सकता है।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- बुध - शुक्र
(01/01/2012)

इस अवधि में आप स्पर्धियों पर विजयी रहेंगे। कर्ज़ का भुगतान कर सकेंगे। मुकदमे में जीत होगी। अधिक मसालेदार और गरिष्ठ भोजन से बचेंगे तो स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। किरायेदार सहयोग करेंगे। सहकर्मियों से संबंध अच्छे रहेंगे। धन संचित होगा। सुख के साधन क्रय करेंगे। विचार आध्यात्मिक और दया से पूर्ण होंगे। लोकप्रियता और साख में वृद्धि होगी। प्रसन्नता बढ़ेगी।
आपके जीवनसाथी के खर्चे बढ़ सकते हैं मगर बचत भी करेंगे। आपके पिता सफल और लोकप्रिय होंगे। माता की कला में रुचि होगी। आपके भाई–बहनों के लिए प्रसन्नता, अचानक परिवर्तन, अचल संपत्ति का लाभ, समृद्धि का संकेत है।
आपकी संतान सफल होगी, भाग्य साथ देगा। अगर वे कार्यरत हैं तो विभिन्न माध्यमों से धनागम होगा।
अगर आप सेवारत हैं तो कार्यालय सुविधासंपन्न होगा, शत्रुओं पर विजय होगी, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाता धनी और सौभाग्यशाली होंगे। व्यापारियों की यात्राएं हो सकती हैं, खर्चे बढ़ेंगे, स्पर्धियों पर विजय होगी।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पाचनतंत्र के रोगों से बचाव करें। शुभत्व में वृद्धि के लिए लक्ष्मीजी की आराधना करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- बुध - सूर्य

(01/01/2012 - 18/06/2012)

इस अवधि में आपकी आकांक्षाओं की पूर्ति होगी। प्रारंभ किया कार्य पूर्ण होगा। निवेश और सट्टेबाजी से लाभ हो सकता है। शिक्षा उत्तम होगी। उच्चपद मिल सकता है। बुद्धि का प्रयोग अच्छी तरह से करेंगे। दर्शनशास्त्र आदि का अध्ययन कर सकते हैं। सफलता सरलता से मिल जाएगी। सम्मान, सफलता और समृद्धि का योग है।

आपके जीवनसाथी धनी बनेंगे। आपके पिता का भाग्य चमकेगा। माता को धनलाभ, खुशी और व्यक्तित्व में निखार का संकेत है। आपके भाई–बहनों के पास सुविधाएं होंगी, विवेकशक्ति उत्तम होगी, साझेदारी से लाभ होगा, आकांक्षाएं पूर्ण होंगी, धनी बनेंगे।

आपकी संतान आत्मविश्वास से पूर्ण होगी। अगर वे सेवारत हैं तो धन, प्रसिद्धि, सफलता का संकेत है।

अगर आप सेवारत हैं तो परिवर्तन या तबादला हो सकता है। परामर्शदाताओं को अचानक लाभ हो सकता है; कुछ सुखकारी परिवर्तन हो सकते हैं। व्यापारी समृद्ध बनेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मामूली पित्त संबंधी शिकायत हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए गायत्री मंत्र का जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- बुध - चन्द्र

(18/06/2012 - 17/11/2013)

इस अवधि में अचानक अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। आप की अंतर्ज्ञान शक्ति प्रबल है। पराविद्या आदि में रुचि हो सकती है। आपकी माता सौभाग्यशाली रहेंगी। साझेदारों से लाभ हो सकता है। धनागम उत्तम होगा। आपकी मधुरवाणी से सब प्रभावित होंगे, लोकप्रियता और समाज में सफलता प्राप्त होंगी। सब सुख–सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। व्यक्तित्व प्रभावशाली होगा।
आपके जीवनसाथी को सब सुख–साधन उपलब्ध रहेंगे, धनार्जन होगा, घरेलू जीवन सुखी रहेगा। आपके पिता के खर्चे बढ़ेंगे; यात्राएं होंगी। माता को निवेश से लाभ होगा, कला में रुचि होगी।
आपके भाई–बहनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, मातहतों से संबंध उत्तम होंगे, मामापक्ष से लाभ होगा, शिक्षा उत्तम रहेगी, सफल और प्रसिद्ध बनेंगे। आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी; भविष्य के लिए नींव मजबूत होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं; स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।
अगर आप सेवारत हैं तो लघु यात्राएं होंगी; संचार साधनों से लाभ होगा। परामर्शदाताओं की आय में वृद्धि होगी। व्यापारियों को धन का लाभ होगा।
स्वास्थ्य का ध्यान रखना श्रेयस्कर होगा। श्वसनतंत्र के रोग और गठिया आदि से बचाव करें। अरिष्ट से बचाव के लिए भैरव मंदिर में दूध अर्पित करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- बुध - मंगल

(17/11/2013 - 14/11/2014)

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य और कार्यक्षमता उत्तम रहेंगे। शिक्षा उत्तम होगी, लक्ष्य प्राप्त होगा। स्पर्धा में सफल होंगे। साहस उत्तम रहेगा। विवाहित जीवन में कुछ तनाव हो सकता है। नीति और धैर्य से लाभ होगा। व्यापार में लाभ होगा। अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं, कार्यों में सफलता मिलेगी, विरासत में धन आ सकता है। पुरानी सुविधाएं बदल कर नया वातावरण निर्मित हो सकता है। तंत्र, मंत्र आदि में रुचि हो सकती है।

आपके जीवनसाथी को साझेदारी और व्यापार में लाभ होगा। आपके पिता की अध्यात्म में रुचि होगी। माता सफल और ऊर्जावान रहेंगी।

आपके भाई–बहनों के लिए धन, सफलता, लाभकारी निवेश, सुख, कला और साहित्य में रुचि का संकेत है। आपकी संतान सफल और प्रसिद्ध होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो धनी बनेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं की आय अच्छी होगी। व्यापारी धन कमाएंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। छोटी–मोटी चोट से बचाव करें। शुभत्व में वृद्धि के लिए शिवजी की आराधना करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- बुध - राहु

(14/11/2014 - 03/06/2017)

इस अवधि में आपकी भौतिक सुखों की इच्छा तीव्र रहेगी। राहु की दशम भाव पर दृष्टि के कारण आप प्रसिद्ध होंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। समाज की भलाई के कार्य करेंगे। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार में लाभ होगा, शत्रुओं पर विजय होगी। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।
आपके जीवनसाथी प्रसिद्ध बनेंगे, कार्य पूर्ण होंगे। आपके पिता को अचानक धनलाभ हो सकता है ; उनके जीवन में कोई अप्रत्याशित घटना घट सकती है। माता का स्वास्थ्य उत्तम होगा, शत्रुओं से उनकी रक्षा होगी। आपके भाई—बहनों के लिए निवेश में सफलता, संतान सुख या संतान का जन्म, उच्चपद, धन, स्पर्धियों पर विजय का संकेत है।
आपकी संतान को लक्ष्य पाने के लिए परिश्रम करना होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो तबादला हो सकता है, खर्चे बढ़ेंगे, विदेश यात्रा हो सकती है और नयी मित्रता से लाभ हो सकता है।
अगर आप सेवारत हैं तो आय बढ़ेगी; आकांक्षाएं पूर्ण होंगी। परामर्शदाताओं को साझेदारी से लाभ होगा। व्यापारी धन कमाएंगे।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। छाती की मामूली शिकायत हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए काले उड़द, नीले वस्त्र और सतनजा दान दें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- बुध - गुरु

(03/06/2017 - 09/09/2019)

इस अवधि में आप धनी और भाग्यशाली बनेंगे। शिक्षा उत्तम होगी। ज्ञान–विज्ञान, अध्ययन और धर्म में रुचि होगी। समाजसेवा और दान–धर्म में रुचि होगी। अध्यापन, लेखन और अध्ययन के लिए शुभ समय है। छोटे भाई या बहन का विवाह हो सकता है। आत्म–विश्वास में वृद्धि होगी, समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, कार्यों की पूर्ति और सौभाग्य का योग है।
आपके जीवनसाथी की लघुयात्राएं हो सकती हैं, सबसे संबंध सुधरेंगे। आपके पिता को सफलता मिलेगी, धनी बनेंगे, अरिष्ट से बचाव होगा। माता के मातहत, कर्मचारी वफ़ादार रहेंगे।
आपके भाई–बहनों के लिए साझेदारी से लाभ, विवाह, यात्रा, धन, प्रभावशाली मित्र और सफलता का संकेत है। आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो निवेश से लाभ होगा।
अगर आप सेवारत हैं तो सहकर्मियों से मधुर संबंध होंगे। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं के खर्चे बढ़ेंगे, यात्राएं हो सकती हैं। व्यापारी सामान बेचने में दक्षता द्वारा धन कमाएंगे।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए विष्णुजी की उपासना करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- बुध - शनि

(09/09/2019 - 19/05/2022)

इस अवधि में आप साहसी और दृढ़प्रतिज्ञ होंगे। सभी कार्य सुचारु रूप से दक्षता से करेंगे। लेखन, विज्ञान और संचार माध्यम से संबंधित कार्यों में लिए समय शुभ है। स्पर्धियों पर विजय होगी। पंचम भाव पर शनि की दृष्टि के कारण शिक्षा उत्तम होगी, प्रोन्नति होगी, उच्चपद मिलेगा, धनागम होगा, समृद्ध बनेंगे। निवेश से लाभ हो सकता है; संतान सुखकारी होगी।
आपके जीवनसाथी प्रसिद्ध होंगे, धनार्जन उत्तम होगा, यात्रा होगी, समाज में सफलता मिलेगी। आपके पिता को साझेदारी से लाभ होगा, धनागम होगा, समृद्ध बनेंगे। माता की यात्रा हो सकती है, खर्चे बढ ंगे। आपके भाई–बहनों के लिए कार्यों में सफलता, प्रोन्नति, प्रसिद्धि, निवेश से लाभ, प्रसन्नता और संतानजन्म आदि का संकेत है।
आपकी संतान को परीक्षा में सफलता मिलेगी, शिक्षा उत्तम होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो धनी बनेंगे, निवेश से लाभ होगा, प्रभावशाली मित्र होंगे।
अगर आप सेवारत हैं तो कार्यक्षेत्र में सफल होंगे, उच्चपद मिलेगा। परामर्शदाता स्पर्धियों पर विजय प्राप्त करेंगे, धनी बनेंगे। व्यापारी भाग्यशाली रहेंगे।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा; मामूली व्याधि हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए भोजन ग्रहण करने से पहले गाय को भोजन दें।

Sample

दशा विश्लेषण

महादशा :- केतु

(19/05/2022 - 18/05/2029)

केतु की महादशा 19/05/2022 को आरम्भ और 18/05/2029 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष है।
आपकी जन्मकुण्डली में केतु दशम भाव में स्थित है जहाँ से इसकी दृष्टि चतुर्थ भाव पर है। इसके पूर्व आपकी बुध की दशा चल रही थी जिसकी अवधि 17 वर्ष थी। बुध के कारण आपको सम्पत्ति, समृद्धि, विरोधियों पर विजय तथा कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्या हुई होगी। केतु की वर्तमान दशा में आपको यश ओर ख्याति मिलेगी और जीवन में प्रगति तथा लाभ होगा।
स्वास्थ्य : इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप खुश और आशावादी होंगे। केतु के कारण आपको संक्रामक बीमारी तथा विषाणुजन्य बुखार, चर्मरोग, हृदय–पीड़ा, निचले अंगों में पीड़ा बुखार फोड़ा तथा अल्सर आदि हो सकते हैं। समय पर उपाय करने से इनसे बचाव हो सकता है।
अर्थ तथा व्यवसाय : आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम होगी। व्यवसाय–व्यापार में उपार्जन अच्छा होगा। शत्रुओं–विरोधियों पर विजय मिलेगी। सट्टा–कार्य कम करें। पिता से कुछ लाभ होगा। जीविका–व्यवसाय के लिए कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी, परिष्कृत कला, इंजीनियरिंग, सम्पर्क अधिकारी का कार्य, न्यायिक सेवा, प्रबन्धन तथा भाषा के क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। रत्न, विलासिता–सामग्री, कम्प्यूटर, चमड़े के सामान, कपड़े, रबड़ तथा प्लास्टिक आदि का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्य स्थान में अनुकूल परिवर्तन आय में वृद्धि तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। आपको वरिष्ठ कर्मचारियों का अनुग्रह तथा सहकर्मियों–सहयोगियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार–व्यवसाय से जुड़े लोगों के जीवन में प्रगति, आय में वृद्धि तथा लाभ और व्यापार का विस्तार होगा। आर्थिक और व्यावसायिक उन्नति के लिए यह दशा उत्तम है।
वाहन, यात्रा, जायदाद : मंगल की अन्तर्दशा के दौरान आपको वाहन–सुख मिलेगा। आपकी जमीन–जायदाद में वृद्धि होगी और साझेदारी में लाभ होगा। गुरु की अन्तर्दशा में आपकी छोटी और बड़ी दोनों यात्राएं होंगी।
शिक्षा : आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आप अपने अध्ययन में अच्छा करेंगे। आपको परीक्षा तथा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। भाषा, दवा, प्रबन्धन, इन्जीनियरिंग तथा विधि के विषयों में आपकी रुचि होगी। आप कूटनीतिक और स्नेही हैं और आपके मित्रों की संख्या विशाल होगी। समाज सेवा में आपकी रुचि होगी।
परिवार : परिवार के सदस्यों के साथ आपका संबंध मधुर रहेगा। आपके बच्चों की विरोधियों पर विजय और कुछ स्वास्थ्य समस्या होगी। उन्हें आपकी सहायता की जरूरत हो सकती है। आपके जीवनसाथी को सुख, जमीन जायदाद में वृद्धि और कुछ परिवर्तन होगा। आपकी माता को साझेदारों

से लाभ, यात्रा और व्यापार में वृद्धि होगी जबकि पिता की आय तथा लाभ में वृद्धि होगी और उनके साथ अचानक कोई घटना घटेगी। आपके छोटे भाई–बहनों को अचानक लाभ और हानि और कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्या होगी जबकि बड़ों के आवास या व्यवसाय में परिवर्तन, यात्रा और व्यय होगा।
अन्तर्दशा : केतु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा के दौरान आपको यश, ख्याति और जीवन में प्रगति होगी। शुक्र की दशा में बच्चों से सुख, शिशु का जन्म, सफलता तथा यश और ख्याति की प्राप्ति होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के दौरान साझेदारों से लाभ, यात्रा और व्यवसाय में लाभ होगा। मंगल के कारण जमीन–जायदाद में वृद्धि होगी। राहु के कारण कुछ समस्या हो सकती है। गुरु की अन्तर्दशा के दौरान छोटी यात्रा और सगे–संबंधियों से सहायता मिलेगी। शनि की अन्तर्दशा में यश और ख्याति की प्राप्ति होगी, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और सफलता मिलेगी। बुध की अन्तर्दशा में स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और धन–समृद्धि, यश तथा सफलता मिलेगी।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- केतु - केतु
(19/05/2022 - 15/10/2022)

इस अवधि में आप सफल और प्रसन्न होंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी, लोकप्रियता बढ गी। प्रसन्नचित्त रहेंगे। कार्यक्षेत्र में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। घरेलू जीवन सुखी रहेगा, माता से मधुर संबंध होंगे। अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं, वाहन सुख हो सकता है। आपके बहुत से मित्र होंगे। आपके जीवनसाथी अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। आपके पिता प्रसन्न रहेंगे, उत्तम भोजन और साधन उपलब्ध होंगे। माता को साझेदारी से लाभ होगा। आपके भाई–बहनों के लिए अप्रत्याशित घ टना, यात्रा और परिवर्तन का संकेत है।

आपकी संतान लक्ष्य प्राप्त करेगी, शत्रुओं पर विजय होगी, मित्र सहयोग करेंगे। अगर वे कार्यरत हैं तो कार्यालय उत्तम होगा, मातहतों से उत्तम संबंध होंगे, स्वास्थ्य उत्तम होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो भाग्यशाली रहेंगे, आय बढ़ेगी। परामर्शदाता भाग्यशाली रहेंगे। व्यापारियों को पहले किये निवेश से लाभ होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए उड़द की दाल, तिल और कंबल दान करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- केतु - शुक्र

(15/10/2022 - 15/12/2023)

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्पर्धियों पर विजय मिलेगी। कार्यालय शांतिपूर्ण होगा। शत्रुओं पर विजय होगी। आप मितव्ययी होंगे और धन का संचय करेंगे। सुख–साधन उपलब्ध होंगे। धार्मिक और दयालु होंगे।

आपके जीवनसाथी के खर्चे बढ़ सकते हैं, यात्राएं हो सकती हैं। आपके पिता की आय उत्तम होगी। माता को सफलता प्राप्त होगी, उन्हें रिश्तेदारों से खुशी मिलेगी। आपके भाई–बहनों के लिए संपन्नता, व्यापार से लाभ और अचल संपत्ति की प्राप्ति का संकेत है।

आपकी संतान भाग्यशाली रहेगी, उनकी शिक्षा उत्तम होगी, आय अच्छी होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो विभिन्न माध्यमों से धनागम होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो उच्चपद और प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे, आय में वृद्धि होगी। परामर्शदाता भाग्यशाली रहेंगे। व्यापारियों के खर्चे बढ़ सकते हैं।

स्वास्थ्य का ध्यान रखना श्रेयस्कर रहेगा। अरिष्ट से बचाव के लिए शुक्र मंत्र का जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- केतु - सूर्य

(15/12/2023 - 21/04/2024)

इस अवधि में आपकी आकांक्षाओं की पूर्ति होगी, सब काम बन जाएंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निवेश या सट्टेबाजी से लाभ हो सकता है। वेदों के अध्ययन या मंत्रसिद्धि में रुचि हो सकती है। सरकार या पिता से लाभ हो सकता है। बड़े भाई–बहनों और चाचा से संबंध मधुर रहेंगे। सफल और धनी बनेंगे।

आपके जीवनसाथी को कार्यों में सफलता मिलेगी। पिता भाग्यशाली और धनी होंगे, उनकी अध्यात्म में रुचि होगी। आपकी माता प्रसन्न रहेंगी, व्यक्तित्व प्रभावशाली होगा।

आपके भाई–बहनों के लिए उच्चपद, प्रसिद्धि, वांछित कार्यों में सफलता, इच्छाओं की पूर्ति, उत्तम स्वास्थ्य और व्यापार में लाभ का संकेत है।

आपकी संतान सफल और धनी बनेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो उच्चपद पर आसीन होंगे, सफलता ओर प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो कार्यक्षेत्र में बाधाएं आ सकती हैं, मगर उन्हें पार करने में सफल रहेंगे। परामर्शदाताओं के जीवन में कुछ परिवर्तन आ सकते हैं, अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापारी भाग्यशाली रहेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए सूर्य मंत्र का जाप करें।

ॐ घृणि सूर्याय नमः

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- केतु - चन्द्र

(21/04/2024 - 20/11/2024)

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। जीवनसाथी के धन से धनार्जन हो सकता है। घरेलू जीवन सुखी रहेगा। आप धनी बनेंगे, सब सुख–साधन उपलब्ध रहेंगे। शिक्षा उत्तम होगी। मधुर वाणी के कारण लोकप्रिय बनेंगे। परिवार सुखी होगा। राजनीति या समाज सेवा में भाग ले सकते हैं। आपके जीवनसाथी धनी बनेंगे उन्हें सब सुख–साधन उपलब्ध रहेंगे। आपके पिता के खर्चे बढ़ सकते हैं। माता को संतान से सुख मिलेगा; निवेश से लाभ होगा।

आपके भाई–बहनों के लिए कार्यों में बाधा, स्पर्धा में वृद्धि, बहुत मित्र, धन और संतान से प्रसन्नता का संकेत है।

आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी, नींव सुदृढ़ बनेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो अचल संपत्ति क्रय करना उनके लिए लाभकारी हो सकता है।

अगर आप सेवारत हैं तो सफल रहेंगे। परामर्शदाताओं को विरोध का सामना करना पड़ सकता है। व्यापारी भाग्यशाली रहेंगे।

स्वास्थ्य का ध्याम रखना श्रेयस्कर रहेगा। श्वसन तंत्र के रोगों से बचाव करें। अरिष्ट से बचाव के लिए चंद्रमा के मंत्र का जाप करें।

ऊँ सों सोमाय नमः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- केतु - मंगल

(20/11/2024 - 18/04/2025)

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लक्ष्य प्राप्ति में सफल रहेंगे। विवाहित जीवन में कुछ तनाव हो सकता है मगर आप कूटनीति द्वारा बचाव कर सकते हैं। व्यापार द्वारा लाभ में वृद्धि होगी; व्यापार से संबंधित यात्राएं हो सकती हैं। शारीरिक क्षमता और ऊर्जा उत्तम होंगी। विरासत और जीवनसाथी के धन द्वारा लाभ हो सकता है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

आपके जीवनसाथी का धनार्जन उत्तम होगा; व्यापार या साझेदारी में कुछ तनाव हो सकता है। आपके पिता को निवेश से लाभ होगा। माता सफल रहेंगी, उनकी तीर्थयात्रा हो सकती है, निवेश से लाभ होगा, उत्साह पर्याप्त रहेगा। आपके भाई—बहनों के लिए स्पर्धियों पर विजय, धन, उत्तम स्वास्थ्य, सफलता और प्रसिद्धि का संकेत है।

आपकी संतान अगर कार्यरत है तो प्रसिद्ध होगी, कार्यों में सफलता मिलेगी, पिता से लाभ होगा, यात्रा हो सकती है।

अगर आप सेवारत हैं तो अचानक लाभ हो सकता है; सहकर्मियों से लाभ होगा। परामर्शदाताओं को पहले की साख और निवेश से लाभ होगा। व्यापारियों की आय बढ़ेगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, मगर अत्यधिक परिश्रम से बचाव करें। शुभत्व में वृद्धि के लिए लाल मसूर, लाल वस्त्र और लाल चंदन का दान करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- केतु - राहु
(18/04/2025 - 06/05/2026)

इस अवधि में आप अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। चिंताओं से मुक्ति मिलेगी। समाज, व्यापार या कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। समाज की भलाई का कार्य कर सकते हैं। प्रसिद्धि प्राप्त होगी। लंबी यात्रा या तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। विदेशियों से संबंध हो सकते हैं।
आपके जीवनसाथी कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे और प्रसिद्ध बनेंगे।
आपके पिता को अचानक लाभ हो सकता है। माता सफल होंगी, सुख–साधन उपलब्ध होंगे, अन्य लोगों से सहायता प्राप्त होगी। आपके भाई–बहनों के लिए धन, उत्तम शिक्षा, उत्तम पारिवारिक जीवन, शत्रुओं पर विजय, कर्ज़ से मुक्ति और सफलता का संकेत है।
आपकी संतान को सफलता के लिए परिश्रम करना होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो कुछ परिवर्तन हो सकता है।
अगर आप सेवारत हैं तो आय बढ़ेगी। परामर्शदाताओं को साझेदारी से लाभ होगा। व्यापारियों की सक्रियता बढ़ेगी, आय में वृद्धि होगी।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अरिष्ट से बचाव के लिए हनुमानजी की उपासना करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- केतु - गुरु

(06/05/2026 - 12/04/2027)

इस अवधि में आप धनी बनेंगे। मानवता की भलाई और दान धर्म के कार्य करेंगे। भाग्य साथ देगा। अध्यात्म में रुचि होगी। स्वास्थ्य उत्तम होगा। संतान सुखकारी होगी, निवेश से लाभ होगा। वेद और मंत्रों में रुचि हो सकती है।
आपके जीवनसाथी की लघु यात्राएं हो सकती हैं; उन्हें परिवारजनों से सुख मिलेगा। आपके पिता भाग्यशाली और धनी होंगे। माता का स्वास्थ्य उत्तम होगा; उन्हें शत्रुओं पर विजय मिलेगी। आपके भाई—बहनों के लिए साझेदारी से लाभ, धन में वृद्धि, प्रभावशाली मित्र आदि का संकेत है।
आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो यात्रा हो सकती है, धनी बनेंगे।
अगर आप सेवारत हैं तो भूतकाल की साख से लाभ होगा। परामर्शदाताओं के खर्चे बढ़ सकते हैं। व्यापारियों की आय अच्छी होगी।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए बृहस्पति के मंत्र का जाप करें।
ऊँ बृं वृहस्पतये नमः

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- केतु - शनि

(12/04/2027 - 21/05/2028)

इस अवधि में आप परिश्रम द्वारा सफलता प्राप्त करेंगे। लेखन, संचार माध्यम के कार्य और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उपयुक्त समय है। लघु यात्राएं हो सकती हैं। निवेश से लाभ हो सकता है। संतानपक्ष से कुछ चिंता हो सकती है। ज्ञानार्जन उत्तम होगा। खर्चे बढ़ सकते हैं, यात्राएं हो सकती हैं, धर्म और अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी।

आपके जीवनसाथी की लंबी यात्रा हो सकती है; उनके धन और सम्मान में वृद्धि होगी। आपके पिता को साझेदारी से लाभ होगा। माता की यात्राएं हो सकती हैं, खर्चे बढ़ेंगे, धर्म में रुचि होगी। आपके भाई–बहनों के लिए सफलता, समृद्धि, व्यापार में लाभ का संकेत है।

अगर आप सेवारत हैं तो आय बढ़ेगी; उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं को स्पर्धियों पर सफलता मिलेगी। व्यापारी भाग्यशाली रहेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए तेल, काले वस्त्र और काले जूते दान में दें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- केतु - बुध

(21/05/2028 - 18/05/2029)

आपकी शिक्षा उत्तम होगी। माता से संबंध उत्तम होंगे। धनार्जन उत्तम होगा। भूमि क्रय कर सकते है। परिवारजन और मित्र धनी बनेंगे। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, धनार्जन उत्तम होगा, प्रसिद्ध बनेंगे, शत्रुओं पर विजय होगी। विज्ञान, संचार माध्यम और व्यापार में सफल रहेंगे। प्रसिद्धि प्राप्त कर सकते हैं।
आपके जीवनसाथी कार्यक्षेत्र में सफल होंगे। आपके पिता के जीवन में कुछ परिवर्तन हो सकता है। माता का आत्मविश्वास उत्तम होगा, आध्यात्मिक कार्यों में रुचि होगी।
आपके भाई–बहनों के लिए विभिन्न माध्यमों से लाभ और स्पर्धियों पर विजय का संकेत है। आपकी संतान को लक्ष्य प्राप्ति के लिए परिश्रम करना होगा।
अगर आप सेवारत हैं तो धनार्जन उत्तम होगा; उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं को साझेदारी से लाभ होगा। व्यापारी खूब धन कमाएंगे।
आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए गाय को हरी घास खिलाएं।

Sample

दशा विश्लेषण

महादशा :- शुक्र

(18/05/2029 - 18/05/2049)

आपकी कुण्डली में शुक्र की महादशा 18/05/2029 को आरम्भ होकर 18/05/2049 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 20 वर्ष है।

शुक्र स्वभाव से एक शुभ ग्रह है जो भावनात्मक आनन्द, अच्छे स्वाद, मनोरंजन और सुखमय जीवन का द्योतक है। यह विवाह का कारक भी है। यह दो राशियों वृष और तुला का स्वामी है। यह मीन राशि में उच्च का जबकि कन्या में निम्न का होता है। आपकी जन्म कुण्डली में यह षष्ठ भाव में स्थित होकर द्वादश भाव को देख रहा है और इस भाव पर अपना शुभ प्रभाव डाल रहा है। भाव जिसमें यह स्थित है अर्थात् षष्ठ भाव, बीमारी, नौकरी, कर्मचारी, ऋण, शत्रु, मामा, कंजूसी तथा व्यथा का द्योतक है।

स्वास्थ्य : महादशा स्वामी शुक्र षष्ठ भाव में स्थित है और इस भाव को प्रबलित का रहा है। अतः इस दशा काल में आपको कोई दुर्घटना या बड़ी स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी तथा आप अपना जीवन सामान्य रूप से व्यतीत करेंगे।

अर्थ–संपत्ति : शुक्र षष्ठ भाव में स्थित है जो आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार लाएगा। आप मुकदमे से संपत्ति बना सकते हैं। आप आरामदेह जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

व्यवसाय : इस दशा काल में आप दिन–प्रतिदिन के व्यवसाय के लिए कोई नर्सिंग होम आरंभ कर सकते हैं। आप आरामदेह जीवन का आनन्द ले सकेंगे। आपके मामा आपके व्यवसाय में सहायक हो सकते हैं।

पारिवारिक जीवन : शुक्र षष्ठ भाव में स्त्री का अनुग्रह प्राप्त करने में अनुकूल है। आप इस दशा काल में अत्यंत स्त्री सुख प्राप्त करेंगे। आप इस तरह स्वेच्छाचरी हो जाएँगे और स्त्री के लिए कमजोरी अनुभव करेंगे जो निस्संदेह आपका पक्ष लेगी और आपके जीवन में सहायक होगी। किन्तु इसका आपके पारिवारिक जीवन पर असर पड़ेगा तथा उसे कुछ अव्यवस्थित करेगा। आपके जीवन साथी आपके सहायक होंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शुक्र - शुक्र

(18/05/2029 - 17/09/2032)

शुक्र आपकी जन्मपत्री में छठे भाव में स्थित है। छठा भाव बीमारी, सुश्रुषा, मातहत या सेवक, कर्ज़, शत्रु, कंजूसी और अतिकष्ट का द्योतक है। शुक्र शुभ ग्रह है और विवाह, प्रेम और रति का कारक है। छठे भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के 12वें भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में विपरीत लिंग के लोग आपकी ओर आकर्षित रहेंगे। चरित्र में गिरावट आ सकती है, जिससे स्वास्थ्य की हानि संभव है। आपका कोई शत्रु नहीं होगा।

शुभत्व में वृद्धि के लिए शुक्र के तांत्रिक मंत्र के 64000 जाप करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शुक्र - सूर्य

(17/09/2032 - 17/09/2033)

सूर्य आपकी जन्मपत्री में पंचम भाव में स्थित है। पंचम भाव संतान, मनोरंजन, सैर–सपाटे, प्रेम संबंध, स्पर्धा, अच्छे–बुरे चरित्र, धाार्मिकता, विवेक, धनाढ्यता और आत्मिक उत्थान का परिचायक है। सूर्य आत्मा और पिता का कारक है और एक शक्तिशाली ग्रह है। पंचम भाव में स्थित होकर सूर्य कुंडली के एकादश भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप घर से दूर कहीं भटक सकते हैं। उदर या हृदय रोग हो सकता है। सावधानी और बचाव आवश्यक हैं।

अरिष्ट से बचाव के लिए सूर्य के वैदिक मंत्र के 7000 जाप करें। प्रतिदिन सूर्योदय के समय सूर्य नमस्कार करते हुए सूर्य को जल अर्पित करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शुक्र - चन्द्र

(17/09/2033 - 19/05/2035)

चंद्रमा आपकी जन्मपत्री में अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है।
चंद्रमा मष्तिष्क और माता का कारक है।
अष्टम भाव में स्थित होकर चंद्रमा कुंडली के द्वितीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।
अष्टम भाव अशुभ समझा जाता है, इस कारण इसमें स्थित चंद्रमा भी अशुभ प्रभाव दिखाता है।
इस अवधि में आपको जल से संबंधित व्याधि से बचाव करना चाहिए। नदी, तालाब, समुद्र आदि में तैरने में भी सावधानी आवश्यक है। गंभीर बीमारियों से बचाव भी जरुरी है।
शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए चंद्र के वैदिक मंत्र के 11000 जाप करें। शाम को चंद्रोदय के समय चंद्रमा को कच्चा दूध चंद्र मंत्र का उच्चारण करते हुए अर्पित करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शुक्र - मंगल

(19/05/2035 - 18/07/2036)

मंगल आपकी जन्मपत्री में प्रथम भाव में स्थित है। प्रथम भाव शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है।
मंगल अग्निप्रधान ग्रह है और ऊर्जा का द्योतक है।
प्रथम भाव में स्थित होकर मंगल आपकी कुंडली के 4, 7 और 8 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।
इस अवधि में आप ऊर्जावान, महत्वाकांक्षी और दु:साहसी हो सकते हैं। दुर्घटना के विरुद्ध सावधानी आवश्यक है। विवेकपूर्ण व्यवहार आवश्यक है, अन्यथा घरेलू जीवन विचलित हो सकता है। जीवनसाथी या व्यापार में साझेदार का व्यवहार क्रोधपूर्ण हो सकता है।
प्रथम भाव में मंगल की स्थिति के कारण आप मंगली हैं अतः विवाह करते समय ध्यान रखें कि जीवनसाथी भी मांगलिक हो, अन्यथा विवाहित जीवन में सुख कम हो सकता है या जीवनसाथी की मृत्यु भी संभव है।
अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें और हनुमान मंदिर में दर्शन करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शुक्र - राहु

(18/07/2036 - 19/07/2039)

राहु आपकी जन्मपत्री में चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। राहु शुभ ग्रह है। चतुर्थ भाव में स्थित होकर राहु आपकी कुंडली के 10वें भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप घरेलू जीवन से असंतुष्ट, अप्रसन्न और विचलित रह सकते हैं। मित्रों का सहयोग प्राप्त करना कठिन होगा। माता–पिता से, विशेषकर माता से लाभ हो सकता है। अचल संपत्ति प्राप्त हो सकती है।

अरिष्ट से बचाव के लिए राहु के वैदिक मंत्र के 18000 जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शुक्र - गुरु

(19/07/2039 - 19/03/2042)

बृहस्पति आपकी जन्मपत्री में अष्टम भाव में स्थित है। नवम भाव श्रद्धा, भाग्य, धार्मिक और आध्यात्मिक विचार, अंतर्ज्ञान, भविष्यज्ञान, उपासनास्थल, पिता, धर्मगुरु, लंबी यात्राएं, हवाई यात्रा, उच्च शिक्षा और घुटनों का प्रतिनिधि है। बृहस्पति शुभ ग्रह है। नवम भाव में स्थित होकर बृहस्पति आपकी कुंडली के 1, 3, 5 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है। इस अवधि में आप सिद्धांत और परंपरावादी होंगे। दर्शनशास्त्र और कानून के विद्वान बन सकते हैं। संयमित जीवनयापन करेंगे, प्रभु के निकट पहुंचने का प्रयास रहेगा। व्याख्याता होकर देश-विदेश की यात्रा कर सकते हैं। अपने से बड़ों, पिता और भाइयों के आज्ञाकारी रहेंगे।
शुभत्व में वृद्धि के लिए बृहस्पति के वैदिक मंत्र के 19000 जाप करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शुक्र - शनि

(19/03/2042 - 18/05/2045)

शनि आपकी जन्मपत्री में तृतीय भाव में स्थित है। तृतीय भाव मष्तिष्क का रुझान, बुद्धि, साहस, छोटे भाई–बहन, लघु यात्राएं, विचार संचार, हाथ, कंधे आदि का परिचायक है।
तृतीय भाव में स्थित होकर शनि आपकी कुंडली के 5, 9, 12 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।
इस अवधि में आप निर्दयी मगर साहसी हो सकते हैं। धनी बनेंगे, सरकार से सम्मान मिलेगा। बहुत सारे लोगों को संरक्षण प्रदान करेंगे। सफलता मिलेगी, मगर बाधाओं को पार करने के बाद। मन उदास या चिंतित रहेगा। वक्त गुज़रने पर सुधार आएगा।
अरिष्ट से बचाव के लिए सोने या चांदी की अंगूठी में पूजा के उपरांत शनिवार के दिन रात्रिभोजन के बाद मध्यमा अंगुली में नीलम धारण करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शुक्र - बुध

(18/05/2045 - 18/03/2048)

बुध आपकी जन्मपत्री में चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है।

चतुर्थ भाव में स्थित होकर बुध आपकी कुंडली के 10वें भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप नीतिवान होंगे। शिक्षा में सफल रहेंगे। हाजिरजवाबी बढ़ेगी। सरकार के आलोचक होने के बावजूद समाज में सम्मान बढ़ेगा। कला ओर संगीत में रुचि हो सकती है। विदेश जा सकते हैं। वाहन सुख रहेगा।

शुभत्व में वृद्धि के लिए बुध के वैदिक मंत्र के 9000 जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शुक्र - केतु

(18/03/2048 - 18/05/2049)

आरम्भ और ढडक्ज्वझत्र दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान और जांघों का परिचायक है।
केतु छाया ग्रह है। इसकी कोई राशि नहीं होती और न ही यह किसी राशि का स्वामी होता है।
दशम भाव में स्थित होकर केतु आपकी कुंडली के 4थे भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।
इस अवधि में आपको कार्यों में बाधाएं आएंगी। यद्यपि आप साहसी होंगे, मगर पापकर्म में लिप्त हो सकते हैं। धर्म में रुचि होगी, तीर्थयात्रा कर सकते हैं। गरीबों और ज़रुरतमंदों की मदद करेंगे।
अरिष्ट के बचाव के लिए केतु के तांत्रिक मंत्र के 72000 जाप करें।

दशा विश्लेषण

महादशा :- सूर्य

(18/05/2049 - 19/05/2055)

सूर्य की महादशा 18/05/2049 को आरम्भ होगी और 6 वर्ष के बाद 19/05/2055 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में सूर्य पंचम भाव में स्थित है। सूर्य आत्मा, शासन, विद्युत और प्रकाश का प्रतिनिधित्व करता है और पंचम भाव शिक्षा, संतान तथा बुद्धि का सूचक है। अतः इस दशा में आपको संतान से सुख मिलेगा। आपकी मंत्र शास्त्र में रुचि रहेगी और आपको प्रतिष्ठा तथा सफलता प्राप्त होगी।

स्वास्थ्य : आज का ग्रह सूर्य आपको उत्तम स्वास्थ्य और शक्ति देगा। आपका स्वास्थ्य आम तौर से उत्तम रहेगा। सूर्य आपको कान्ति तथा जीवन–शक्ति देगा। आपकी इच्छा–शक्ति उत्तम होगी और आपका बल तथा व्यक्तित्व सुन्दर होंगे। मानसिक स्तर पर भी आप मजबूत होंगे और आप में आत्मविश्वास कूट–कूट कर भरा रहेगा। आप महत्वाकांक्षी तथा अन्तर्दर्शी होंगे। आपको ताप–संबंधी रोगों, मामूली पित्तदोष तथा पाचन–संबंधी पीड़ाओं के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए। शुद्ध भोजन तथा अन्य गतिविधियां आवश्यक हैं।

अर्थ : इस दशा के दौरान आपको सट्टे व निवेश से । धन तथा जीवन की सारी सुख–सुविधाओं की प्राप्ति हो सकती है। आप भाग्यशाली और समृद्ध होंगे। आपको अपने व्यवसाय या व्यापार में कुछ अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। एकादश भाव पर सूर्य की दृष्टि के कारण आपको पिता से धन प्राप्ति होगी।

व्यवसाय : आपको कोई शक्तिशाली तथा अधिकारिक पद मिल सकता है। आप सलाहकार का कार्य करेंगे। आपकी जीवन वृत्ति से संबद्ध अचानक कुछ घटनाएं घट सकती हैं। कोई भी घटना आपके लिये लाभदायक होगी। आपको अधिक प्रयास किये बगैर सफलता मिलेगी, आप उच्च पद प्राप्त करेंगे और आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी। नौकरीपेशा लोगों का स्थानान्तरण हो सकता है या वे यात्रा पर जा सकते हैं जो अन्ततः उनके लिये लाभदायक होंगे। व्यापार और व्यवसाय में अप्रत्याशित लाभ होगा। जहाँ तक आपकी नौकरी और कार्य का प्रश्न है, यह दशा आपके लिए अति उत्तम है जिसमें आपको लाभ और शक्ति की प्राप्ति होगी और आप प्रभावशाली होंगे।

पारिवारिक जीवन : आपके बच्चे समृद्धिशाली होंगे और आपको उनसे सुख प्राप्त होगा। आपकी क्रियाएं सुखकर होंगी,। आपके अनेक मित्र होंगे क्योंकि आप स्वाभाविक रूप से उदार हैं, आपका स्वाभाव अच्छा है ओर आप निष्कपट तथा समाज के प्रति निष्ठावान हैं। आपको अत्यधिक आनन्द की प्राप्ति होगी। आपके जीवन साथी को उच्च पद, सरकार से लाभ तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपके पिता के भाग्य में वृद्धि होगी। उनकी आध्यात्मिक तथा दान पुण्य के कार्यों में रुचि हो सकती है। आपके छोटे–भाई–बहनों को साहित्य अथवा संवादपटुता के क्षेत्र में लाभ हो सकता है और उन्हें

Sample

सारी सुख–सुविधाएं मिलेंगी। आपके बड़े भाई–बहनों को साझेदारी में लाभ मिलेगा और वे पारिवारिक मामलों में शामिल होंगे। उनके साथ आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे।
आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतनी होगी। शिशु–जन्म के अवसर पर भी सावधानी बरतनी चाहिए।
शिक्षा : आपकी शिक्षा, खासकर उच्चतर शिक्षा, उत्तम होगी। आपके लिये तकनीकी शिक्षा लाभदायक होगी। आपकी ज्ञानशक्ति उत्तम है और आपको इसका सुन्दर उपयोग करना चाहिए।
आपकी अध्यात्म तथा वेदान्त दर्शन में रुचि होगी। आपकी मंत्र शास्त्र तथा विज्ञान के विषयों में भी रुचि होगी।
परामर्श : शुभ फल में वृद्धि के लिये सोने की अंगूठी में माणिक अनामिका में पहनें।

दशा विश्लेषण

अंतर्दशा :- सूर्य - सूर्य

(18/05/2049 - 05/09/2049)

इस अंतर्दशा में आप सुख–सुविधाओं से परिपूर्ण होंगे। शेयर इत्यादि में भी लाभ संभव है। संतान पढ़ाई आदि में नाम कमाएगी। आपको उच्चपद की प्राप्ति हो सकती है या सलाहकार के पद पर कार्य कर सकते हैं। मंत्र, योग, धार्मिक प्रवचनों आदि में रुचि बढ़ेगी।
आपके पिता के लिए समय भाग्यशाली है। उनकी प्रसिद्धि बढ़ेगी। वे अध्यात्म में रुचि लेंगे। माता को जायदाद प्राप्त हो सकती है। आपके भाई–बहनों के लिए समय संतोषजनक है। जीवनसाथी की आय बढ़ेगी। मामा के परिवार में खर्चा बढ़ सकता है।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। छोटी–मोटी शिकायतें जैसे बुखार, पेट की खराबी आदि से बचाव करना हितकर रहेगा। भाग्यसंवर्धन के लिए रविवार के दिन सूर्योदय के समय गेहूं, लाल–पुष्प और चंदन आदि का दान करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- सूर्य - चन्द्र

(05/09/2049 - 07/03/2050)

इस अवधि में आपको अचानक बिना परिश्रम के धन प्राप्त हो सकता है। बीमे, ग्रेच्युटी, सेवानिवृति लाभ आदि से धन मिल सकता है। आप परिवारजनों के प्रिय रहेंगे और उत्तम भोजन, सुख–सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। अध्यात्म में रुचि ले सकते हैं। वैराग्य की भावना उदित हो सकती है। अप्रत्याशित प्रोन्नति हो सकती है।
बड़े भाई–बहनों के व्यवसाय/कार्य में उन्नति हो सकती है। छोटे भाई–बहनों से मनमुनाव से बचें। पिता का समय कठिन हो सकता है। माता भाग्यशाली रहेंगी।
जीवनसाथी या व्यापार में भागीदार के धन से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। साझेदारी का कार्य सफल रहेगा। बच्चों की शिक्षा–दीक्षा का आप ठीक से ध्यान रखेंगे।
मामा पक्ष के लोगों को अधिक परिश्रम करना होगा। शत्रु आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे। मामूली शिकायतों जैसे नेत्ररोग, सर्दी, ज्वर आदि से परेशानी संभव है। इन सब से बचने के लिए सोमवार का व्रत करें और श्वेत वस्त्रों का दान करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- सूर्य - मंगल

(07/03/2050 - 12/07/2050)

इस अवधि में आप उद्यमशील और सक्रिय रहेंगे। धन और भूमि प्राप्त करेंगे और सामान्यतः सफल रहेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सेवारत जातकों के लिए लाभकारी परिवर्तन हो सकता है। परामर्शदाताओं के लिए यह समय व्यस्त और क्रियात्मक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यापारियों के खर्चे बढ़ सकते हैं। साझेदारी में समस्याएं आ सकती हैं और अनुबंध फलान्वित नहीं भी हो सकते हैं। पिता के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। माता का व्यवहार सुखदायी रहेगा। आपकी संतान शिक्षा में प्रगति करेगी और प्रसन्नता का वातावरण निर्मित करेगी। विशेषतः विज्ञान और गणित के विद्यार्थी उत्तम अंक प्राप्त करेंगे। आपके भाई–बहन धनवान बनेंगे।
मामा पक्ष के लोग जायदाद क्रय कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी कभी–कभी कटुवचनों का प्रयोग का सकते हैं।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। ज्वर, फुंसी आदि मामूली शिकायतें हो सकती हैं। शुभत्व की वृद्धि हेतु हनुमान चालीसा का पाठ करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- सूर्य - राहु

(12/07/2050 - 06/06/2051)

इस अवधि में जायदाद से अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवास में परिवर्तन हो सकता है। विदेशियों से संपर्क/व्यापार संभव है। आपकी यात्रा होगी; विदेश भी जा सकते हैं। तीर्थयात्राएं होंगी। कार्य में व्यस्त रहेंगे और धन कमाएंगे।
जीवनसाथी के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। आपकी माता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। उनके साथ अच्छे संबंध बनाये रखने का प्रयास करें। पिता को स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहना चाहिए। भाई-बहनों को अचानक धन का लाभ होगा। आपकी संतान को अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए परिश्रम करना होगा। उन्हें ज्वर आदि मामूली बीमारी हो सकती है। उनके खर्चे बढ़ सकते हैं। यात्रा की संभावना है।
अगर आप सेवारत हैं तो वेतन में वृद्धि होगी। परामर्शदाताओं की साख बढ़ेगी। व्यापारियों को लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। आपके मामा पक्ष के लोग भाग्यशाली रहेंगे।
आपको छाती के मामूली रोग हो सकते हैं; स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शुभत्व में वृद्धि के लिए राहु मंत्र का जाप करें।
ऊँ रां राहवे नमः

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- सूर्य - गुरु

(06/06/2051 - 24/03/2052)

इस अवधि में आप सुख–समृद्धि और मान–सम्मान से युक्त रहेंगे। लंबी यात्रा, ज्ञान प्राप्ति या अध्यापन के अवसर मिलेंगे। किसी विशेष विषय में रुचि उत्पन्न हो सकती है। संतान से सुख, सहायता प्राप्त होंगे। सट्टेबाजी और निवेश से लाभ हो सकता है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। समाज और व्यापार जगत में सम्मान मिलेगा।
जीवनसाथी की इच्छाएं पूर्ण होंगी। आपके पिता का स्वास्थ्य उत्तम होगा, मुकदमे में विजय होगी। आपके पिता को स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। उन्हें शत्रुओं पर विजय मिलेगी। आपके भाई–बहनों को धनलाभ होगा, भागीदारी होगी और समृद्धि आएगी। आपकी संतान की कार्यशक्ति उत्तम रहेगी और शिक्षा उत्तम होगी।
अगर आप सेवारत हैं तो धनसंचय करेंगे। परामर्शदाताओं के खर्चे बढ़ेंगे और यात्राएं होंगी। व्यापारी भाग्यवान रहेंगे।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कूल्हे की व्याधि, ज्वर और बदहजमी से बचें। शुभत्व में वृद्धि के लिए बृहस्पति के मंत्र का जाप करें।
ऊँ बृं वृहस्पतये नमः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- सूर्य - शनि

(24/03/2052 - 06/03/2053)

इस अवधि में आपकी धर्म और सेवा कार्य में रुचि होगी। छोटे भाई–बहनों का विवाह हो सकता है। पिता के साथ मधुरता बनाये रखने के लिए प्रयास करना होगा। संतान के साथ भी संबंध बिगड़ सकते हैं। इस अवधि में किये निवेश की समीक्षा सावधानीपूर्वक करनी होगी। आपकी संन्यास और योग में रुचि होगी। खर्चे अधिक होंगे, मगर आय भी बनी रहेगी।
जीवनसाथी भाग्यशाली होंगे, धन प्रचुर होगा। आपके पिता को साझेदारों से लाभ होगा, उच्च पद प्राप्त करेंगे। माता को धन मिलेगा, लंबी यात्राएं होंगी। भाई–बहनों के विवाह हो सकते हैं या शिशु का जन्म संभव है। आपकी संतान की शिक्षा उत्तम रहेगी।
अगर आप सेवारत हैं तो वांछित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए परिश्रम करना होगा। परामर्शदाता स्पर्धा में विजयी रहेंगे। व्यापारियों को ठोस लाभ होगा।
कान और श्वसन तंत्र के रोगों से सावधान रहें। कष्ट से छुटकारे के लिए शनि मंत्र का जाप करें।
ऊँ शं शनैचराय नमः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- सूर्य - बुध

(06/03/2053 - 11/01/2054)

इस अवधि में आप भूमि प्राप्त करेंगे और सुख–समृद्धि से परिपूर्ण रहेंगे। सज्जन पुरुषों से आपकी मित्रता रहेगी और मामापक्ष के लोगों से संबंध मधुर रहेंगे। आपका निवास स्थान बदल सकता है। जमीन–जायदाद या विरासत से धन मिल सकता है। माता से सुख मिलेगा। जीवनसाथी के परिवार से जायदाद मिल सकती है। शत्रुओं पर विजय होगी। कार्यस्थल पर लाभकारी परिवर्तन हो सकते हैं। उद्योग, व्यापार, विज्ञान या संचार माध्यम से लाभ होगा। आपको उच्चपद प्राप्त हो सकता है।

जीवनसाथी या व्यापार में साझेदार को धन और नाम प्राप्त होंगे। आपके पिता को उपहार आदि द्वारा बिना परिश्रम का धन मिल सकता है। उनकी रुचि अध्यात्म में हो सकती है। आपकी माता के लिए समय भाग्यशाली है। आपके उनके साथ संबंध मधुर रहेंगे। छोटे भाई–बहन धन कमाएंगे, बड़े भाई–बहनों का स्तर अपरिवर्तित रहेगा। आपकी संतान को स्पर्धा में सफलता मिलेगी और कार्य में कोई बाधा नहीं आएगी।

अगर आप सेवारत हैं तो वेतन में बढ़ोत्तरी होगी। परामर्शदाताओं का समय सर्वोत्तम रहेगा। व्यापारियों को कठिन परिश्रम करना होगा।

छाती, हृदय और स्नायुतंत्र के रोगों से बचाव करें। अनिष्ट से बचने के लिए दुर्गाजी की आराधना करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंतर्दशा :- सूर्य - केतु

(11/01/2054 - 19/05/2054)

इस अंतर्दशा में आपको प्रसिद्धि मिलेगी; ऊर्जा और हिम्मत उत्तम होंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। कार्य–व्यवसाय में असंतोष हो सकता है। शत्रुओं पर विजय मिलेगी; महत्वपूर्ण कार्यभार प्राप्त होगा। विदेश में जीवनयापन हो सकता है। पिता के साथ संबंध उत्तम होंगे। वाहन और जायदाद से लाभ मिलेगा; पिता और रिश्तेदार सहयोग करेंगे।

आपके जीवनसाथी की अचल संपत्ति में वृद्धि होगी, भाग्य उत्तम रहेगा, अचल संपत्ति मिलेगी। पिता की आय में वृद्धि होगी; घरेलू जीवन सुखी होगा। माता को साझेदारी से लाभ होगा। भाई–बहनों के जीवन में परिवर्तन आ सकता है; अप्रत्याशित धन मिल सकता है, खर्चे बढ़ेंगे, लंबी यात्राएं होंगी।

आपकी संतान को खेलकूद में रुचि रहेगी, जानवर पालने का शौक होगा, शत्रुओं पर जीत होगी, कर्ज़ अगर हो तो उस से मुक्ति मिलेगी।

अगर आप सेवारत हैं तो सफलता मिलेगी, आय में वृद्धि होगी और उच्चाधिकारियों से सहयोग प्राप्त होगा। परामर्शदाता भाग्यशाली रहेंगे, धन संचित होगा। व्यापारीगणों के निवेश और लाभ में वृद्धि होगी।

आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। पैरों की बीमारी, खुजली और फोड़े आदि से बचें। कष्ट से बचने के लिए भूरा श्वान पालें या श्वान को भोजन दें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- सूर्य - शुक्र

(19/05/2054 - 19/05/2055)

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी। मामा और चचेरे–ममेरे भाई–बहनों से लाभ और खुशी प्राप्त होंगे। मुकदमें और अन्य विवाद में सफलता मिलेगी। आय से व्यय अधिक रहेगा। जीवन आनंदमय, चिंतारहित होगा। धन का संचय हो सकता है।
जीवनसाथी या व्यापार में भागीदार के खर्चे अधिक हो सकते हैं। पिता आराम से रहेंगे, साहित्य में रुचि होगी। माता की वाक्शक्ति उत्तम होगी। भाई–बहन अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं; उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है। आपकी संतान भाषण कला में प्रवीण होगी; उन्हें विभिन्न साधनों से धन मिल सकता है।
अगर आप सेवारत हैं तो समय भाग्यशाली रहेगा, आय में वृद्धि होगी, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं को उच्चपद और प्रसिद्धि का योग है। व्यापारियों को निवेश से लाभ होगा।
उत्सर्जन तंत्र, गुर्दो और जिगर के रोगों से बचें। शुभत्व में वृद्धि के लिए कन्याओं को खीर खिलाएं।

Sample

दशा विश्लेषण

महादशा :- चन्द्र

(19/05/2055 - 18/05/2065)

चन्द्र महादशा की अवधि दस वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 19/05/2055 को आरम्भ और 18/05/2065 को समाप्त होगी।

चन्द्र अष्टम भाव में अवस्थित है और अष्टम भाव लम्बी आयु या आयु–विस्तार, विरासत, इच्छाओं, बीमा, पेंशन, डूबने से मृत्यु, दुर्भाग्य, दुःख, अपमान, विषाद, असंतोष बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधित्व करता है। अतः दस वर्षों की यह अवधि आश्चर्य और उथल–पुथल की घटनाओं से भरी होगी और आपके जीवन में अनेक आश्चर्यजनक घटनाएं घटेंगी।

स्वास्थ्य : अष्टम महादशा का स्वामी चन्द्र अष्टम भाव में अवस्थित है। अष्टम भाव लंबी आयु का प्रतिनिधित्व करता है। फलस्वरूप आपकी आयु लम्बी होगी और आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। वैसे किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या अथवा दुर्घटना की संभावना नहीं है किन्तु इस अवधि में आपकी कुछ झड़पें हो सकती हैं।

अर्थ तथा संपत्ति : अर्थ की दृष्टि से यह दशा उत्तम है और आपको भूमि, वाहन, शक्ति या पूर्व में अर्जित शिक्षा के कारण पद की प्राप्ति हो सकती है। कुछ नुकसान भी हो सकता है। फिर भी आपको कुछ पैतृक सम्पत्तियों की प्राप्ति होगी।

व्यवसाय : एक व्यवसायी के रूप में आप संतुष्ट रहेंगे। यदि सेवारत हों तो आपकी पदोन्नति हो सकती है, यद्यपि आप कुछ मानसिक कष्ट और मनोवैज्ञानिक कुण्ठाओं के शिकार हो सकते हैं। आपका हृदय विशाल होगा और यदि व्यवसाय से जुड़े हैं तो कुछ उतार–चढ़ाव की संभावनाएं हैं जिनके फलस्वरूप आप का भाग्य उत्तम होगा और आप उन्नति करेंगे।

पारिवारिक जीवन : आपका पारिवारिक जीवन उत्तम होगा। आपके जीवनसाथी आपके सहायक व सहयोगी होंगे और पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। आपके बच्चे आपके आज्ञाकारी होंगे और सम्भव है कि आपके माता–पिता आपके जीवन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं जिससे आपका जीवन सुखमय व सौहार्द्रपूर्ण हो।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- चन्द्र - चन्द्र

(19/05/2055 - 18/03/2056)

चंद्रमा आपकी जन्मपत्रिका में अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है। अष्टम भाव को अशुभ समझा जाता है। अष्टम में चंद्र की स्थिति बहुत अशुभ मानी जाती है, परंतु चंद्र के बल के कम–अधिक होने का भी प्रभाव होता है।

आपको इस अवधि में समाज में सफलता मिलेगी। विवाह द्वारा आर्थिक स्थिति में सुधार संभव है। जल से संबंधित व्याधिओं से सावधान रहें। नदी, तालाब आदि के निकट सावधान रहें ओर डूबने से बचें। गंभीर बीमारियों से बचाव भी आवश्यक है। अगर कोई रोग होता है तो प्रारंभिक अवस्था में ही उसका निदान करा लें।

अरिष्ट से बचाव के लिए चंद्रमा के यंत्र को धारण करें।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- चन्द्र - मंगल

(18/03/2056 - 17/10/2056)

मंगल आपकी जन्मपत्रिका में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है। लग्न में स्थित होकर मंगल की जन्मपत्रिका के 4, 7, 8 भावों पर दृष्टि है। मंगल ऊर्जा का कारक और अग्नितत्व का ग्रह है।
इस अवधि में आप साहसी, अक्खड़, महत्वाकांक्षी होंगे। दुर्घटना से बचने के लिए सावधानी आवश्यक है। घरेलू जीवन क्रोध के कारण विचलित हो सकता है। आप मंगली हैं, अतः जीवनसाथी भी मंगली हो तो अच्छा रहेगा।
इस अवधि में अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। शुभत्व में वृद्धि के लिए मंगल के वैदिक मंत्र के 10, 000 जाप करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- चन्द्र - राहु

(17/10/2056 - 18/04/2058)

राहु आपकी जन्मपत्रिका के चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। राहु छायाग्रह है। इसकी स्वयं की कोई राशि नहीं होती। यह शुभ, अशुभ दोनों प्रकार से अपनी स्थिति के अनुसार प्रभावी होता है।

इस अवधि में आपका घरेलू जीवन खुशियों से रहित, विचलित हो सकता है। मित्र बहुत कम रहेंगे। आपकी बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है। कोई आपको धोखा दे सकता है। माता–पिता से लाभ हो सकता है। उनमें से एक के साथ आपके संबंधों में कुछ समस्या उत्पन्न हो सकती है।

अरिष्ट से बचाव के लिए 7 (रत्ती का गोमेद चांदी की अंगूठी में, कच्चे दूध या गंगाजल से धोकर, अपने इष्टदेव का ध्यान करते हुए, बायें हाथ की मध्यमा उंगली में रात्रि भोजन के बाद धारण करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- चन्द्र - गुरु

(18/04/2058 - 18/08/2059)

बृहस्पति आपकी जन्मपत्रिका के नवम भाव में स्थित है। नवम भाव श्रद्धा, भाग्य, धार्मिक और आध्यात्मिक विचार, अंतर्ज्ञान, भविष्यज्ञान, उपासनास्थल, पिता, धर्मगुरु, लंबी यात्राएं, हवाई यात्रा, उच्च शिक्षा और घुटनों का प्रतिनिधि है। नवम भाव में स्थित होकर बृहस्पति आपकी कुंडली के 1, 3, और 5 भावों पर दृष्टि डाल रहा है।

इस अवधि में आप ज्ञानवान, दार्शनिक ओर कानून विशेषज्ञ हो सकते हैं। सादगी का जीवनयापन कर ईश्वर का ध्यान करेंगे। सिद्धांतवादी और परंपराभक्त होंगे। आप प्रचारक या अध्यापक हो सकते हैं और विदेश भी जा सकते हैं।

आप पिता और अन्य बड़ों के आज्ञाकारी होंगे। शुभत्व में वृद्धि के लिए बृहस्पति के वैदिक मंत्र के 19000 जाप करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- चन्द्र - शनि

(18/08/2059 - 19/03/2061)

शनि आपकी जन्मपत्रिका के तृतीय भाव में स्थित है। तृतीय भाव मष्तिष्क का रुझान, बुद्धि, साहस, छोटे भाई–बहन, लघु यात्राएं, विचार संचार, हाथ, कंधे आदि का परिचायक है। तृतीय भाव में स्थित में स्थित होकर शनि आपकी कुंडली के 5, 9, 12 भावों पर दृष्टि डाल रहा है।
इस अवधि में आप साहसी और धनी होंगे, मगर कुछ एकांतप्रिय हो सकते हैं। उच्चाधिकारी आपको सम्मानित करेंगे। स्थानीय संस्थाओं के अध्यक्ष आदि बन सकते हैं। बहुत से व्यक्तियों को संरक्षण प्रदान करेंगे। सफलता बाधाओं को पार करने के बाद मिलेगी। मन उदास रह सकता है, पर कुछ समय बाद सुधार आएगा।
अरिष्ट से बचाव के लिए सोने या चांदी में जड़ा नीलम शनिवार के दिन पूजा के बाद दाहिने हाथ की मध्यमा उंगली में अंगूठी को कच्चे दूध या गंगाजल से धोने के बाद शनि का वैदिक मंत्र पढ़ते हुए धारण करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- चन्द्र - बुध

(19/03/2061 - 18/08/2062)

बुध आपकी जन्मपत्रिका के चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। चतुर्थ भाव में स्थित होकर बुध जन्मपत्रिका के दशम भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कार्यकत्व पर प्रभावी हो रहा है।

इस अवधि में आप शिक्षाशास्त्री हो सकते हैं। आप नीतिपूर्वक व्यवहार करेंगे और राजनैतिक विषयों पर अपने विचार निडर होकर सत्यता से व्यक्त करेंगे। सम्मान में वृद्धि होगी। संगीत और ललित कलाओं में रुचि रहेगी। विदेश यात्रा भी संभव है। वाहन सुख उत्तम होगा।

शुभत्व में वृद्धि के लिए 6 (रत्ती का मूंगा सोने की अंगूठी में बुधवार को प्रातःकाल, गंगाजल या दूध से धोकर बुध गायत्री मंत्र का जाप करते हुए धारण करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंतर्दशा :- चन्द्र - केतु

(18/08/2062 - 19/03/2063)

केतु आपकी जन्मपत्रिका के दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान और जांघों का परिचायक है। दशम में स्थित होकर केतु आपकी कुंडली के चतुर्थ भाव पर दृष्टि द्वारा प्रभाव डाल रहा है।

इस अंतर्दशा की अवधि में आप साहसी और प्रसिद्ध होंगे। आपकी प्रवृत्ति दुष्कर्मों में हो सकती है। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में बाधाएं आएंगी। इन सबके बावजूद आप प्रसन्न, धार्मिक रहेंगे और धर्मग्रंथों का अध्ययन करेंगे। गरीबों की सेवा करेंगे।

अरिष्ट से बचाव के लिए केतु के तांत्रिक मंत्र के 72,000 जाप करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- चन्द्र - शुक्र

(19/03/2063 - 17/11/2064)

शुक्र आपकी जन्मपत्रिका के छठे भाव में स्थित है। छठा भाव बीमारी, सुश्रुषा, मातहत या सेवक, कर्ज़, शत्रु, कंजूसी और अतिकष्ट का द्योतक है। शुक्र शुभ ग्रह है। छठे भाव में स्थित होकर यह आपकी कुंडली के द्वादश भाव पर दृष्टि डाल कर उसे शुभत्व प्रदान कर रहा है। इस अवधि में आपके मधुर व्यवहार के कारण आपका कोई शत्रु नहीं होगा। विपरीत लिंग के व्यक्ति आपकी ओर आकर्षित होंगे और लाभप्राप्ति में सहायक होंगे। उनसे संबंधों में अति से सावधान रहना चाहिए।

अरिष्ट से बचाव के लिए निम्न उपाय करें :

1. चींटियों को शक्कर और आटा दें।
2. कन्याओं को खीर खिलाएं।
3. भोजन से पहली चपाती निकालकर गाय को दें।
4. लक्ष्मीजी की उपासना करें।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- चन्द्र - सूर्य

(17/11/2064 - 18/05/2065)

सूर्य आपकी जन्मपत्रिका में पंचम भाव में स्थित है। पंचम भाव संतान, मनोरंजन, सैर–सपाटे, प्रेम संबंध, स्पर्धा, अच्छे–बुरे चरित्र, धार्मिकता, विवेक, धनाढ्यता और आत्मिक उत्थान का परिचायक है। सूर्य पिता और आत्मा का कारक है।
इस अवधि में आप चिंतित रह सकते हैं। हृदय रोगों से बचाव करें। अन्य कई परेशानियां आ सकती हैं। घर से बाहर जाकर इधर–उधर जंगल आदि में भटक सकते हैं। कुल मिला कर समय अशुभ रह सकता है।
कष्टों से निवारण और शुभत्व में वृद्धि के लिए 5 (से 7 (रत्ती के माणिक्य की सोने या तांबे में जड़ी अंगूठी दायें हाथ की अनामिका में रविवार को प्रातःकाल, अंगूठी को दूध में धोकर और सूर्य की उपासना के बाद धारण करें।

Sample

दशा विश्लेषण

महादशा :- मंगल

(18/05/2065 - 18/05/2072)

मंगल की महादशा 18/05/2065 को आरम्भ तथा 18/05/2072 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष होगी। आपकी जन्मकुण्डली में मंगल प्रथम भाव में अवथित है। अतः यह दशा आपके लिये भाग्यशाली और उत्तम होगी। इसके पूर्व आपकी 10 वर्षों की चन्द्रदशा चल रही थी। आप को माता से लाभ और सम्पत्ति तथा वाहन की प्राप्ति होगी। इस दशा में आपको शुभ फल मिलते रहेंगे। आपको यश, प्रतिष्ठा, उत्तम स्वास्थ्य तथा कार्यों में सफलता की प्राप्ति होगी।
स्वास्थ्य : इस दशा में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपको ऊर्जा तथा जीवन शक्ति की प्राप्ति होगी। आप अपने सारे कार्यों का पूरे उत्साह से सम्पादन करेंगे। इस दशा के दौरान आप आत्मविश्वासी और हठधर्मी होंगे और अपनी प्रशासनिक क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। सप्तम भाव पर मंगल की दृष्टि के कारण आपके जीवन साथी को कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सम्मान करना पड़ सकता है। आप सरदर्द, हृदय–रोग या पित्त–दोष से पीड़ित हो सकते है।
अर्थ और व्यवसाय : आपको अपने सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। यदि आप प्रशासनिक सेवा में हैं तो इस दशा में बहुत अच्छा करेंगे। आप सुर्खियों में रहेंगे और आपको यश और प्रसिद्धि की प्राप्ति होगी। व्यवसाय तथा व्यापार में लाभ में वृद्धि होगी। आपको अप्रत्याशित धन की प्राप्ति हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों का स्थानांतरण या परिवर्तन हो सकता है जो लाभदायक होगा। मुकदमें में विजय होगी। आप सैन्य सेवा, अभियन्त्रण, शल्य चिकित्सा या लौह–इस्पात उद्योग से सम्बद्ध व्यवसाय का चयन अपनी जीविका के लिये कर सकते हैं। आप योजना–कार्य या प्रशासनिक कार्यों का सम्पादन अति सुन्दर ढंग से कर सकते हैं। आप रसायन, सामुद्री उत्पाद, कुटीर–उद्योग आदि से संबंद्ध व्यापार कर सकते हैं। आप एक सफल दन्त चिकित्सक या शल्प चिकित्सक हो सकते हैं। आप तकनीकी अथवा कृषि से सम्बद्ध कार्यों में सफल होंगे।
सम्पत्ति, वाहन, यात्राएं : आप न केवल स्वयं धन अर्जित करेंगे बल्कि आपको विरासत की भू–सम्पत्ति भी मिलेगी। अचानक अप्रत्याशित स्रोतों से सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। पैतृक सम्पत्ति, दाय, सेवा–निवृत्ति से लाभ, बोनस, ग्रेच्यूइटी आदि की प्राप्ति हो सकती हैं जो लाभदायक होंगी। साझेदारों या पैतृक सम्पत्ति से लाभ भी हो सकते हैं। इस दशा में आप अपने मकान का निर्माण कर सकते हैं या आपको किसी मकान की प्राप्ति हो सकती है।
शिक्षा : इस अवधि में आप की शिक्षा उत्तम होगी और आप प्रगति करेंगे। आपको छात्रवृत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आप प्रतियोगिता परीक्षाओं, वाद–विवादों और अन्य प्रतिस्पर्धाओं में सफल होंगे। दृढ़ और आत्मविश्वासी होंगे तथा नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन करेंगे। खेलों, विज्ञान तथा तकनीकी विषयों में आपकी रुचि होगी। आप एक गम्भीर छात्र होंगे–हमेशा सक्रिय, सावधान और प्रतियोगी। आप नेतृत्व

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

करेंगे किन्तु किसी का अनुसरण नहीं करेंगे।

परिवार : आपको परिवार से सुख मिलेगा। जीवन साथी के साथ सम्बन्धों में कभी–कभी तनाव हो सकता है। आपको हठधर्मिता का परित्याग करना चाहिए और परिवार में अच्छे सम्बन्ध बनाए रखना चाहिए। आपके बच्चों के लिए समय भाग्यशाली होगा और उनके साथ आपके संबंध मधुर होंगे। उनके भाग्य की उन्नति होगी और वे अपनी शिक्षा में अच्छा करेंगे। आपके मित्रों की संख्या विशाल होगी और आप सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहेंगे। आपकी माता के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। उनका स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित होगा। आपके पिता को धन, समृद्धि, लाभ, यश, ख्याति आदि की प्राप्ति होगी। आपको उनके साथ मधुर संबंध रखना चाहिए। आप को उनसे लाभ मिल सकता है। आपके छोटे भाई–बहन भाग्यशाली होंगे और उन्हें धन की प्राप्ति होगी तथा आपके बड़े भाई–बहनों को प्रगति करने के लिए एक कठिन परिश्रम करना होगा और वे अपने कार्यों में सफल होंगे। उनके साथ आपके सम्बन्ध अच्छे होंगे।

अन्तर्दशा : मंगल की अन्तर्दशा आरम्भ से ही लाभदायक होगी। आपके घर में शुभ कार्य होंगे, आपको बच्चों से खुशी मिलेगी तथा आपकी शक्ति व पराक्रम में वृद्धि होगी। राहु की अन्तर्दशा अशुभ हो सकती है और स्वास्थ्य–समस्याओं तथा आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। गुरु की अन्तर दशा में आपको बच्चों तथा बड़ों से सुख तथा तीर्थाटन के अवसर की प्राप्ति होगी और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी रुचि होगी। दशम तथा एकादश भाव के स्वामी की अन्तर्दशा आपको व्यावसायिक सफलता तथा लाभ प्रदान करेगी। बुध की अन्तर्दशा के कारण आपकी शक्ति में कमी आएगी, असफल छोटी यात्राएँ होंगी और भाई–बहनों से कष्ट मिलेगा। केतु की अन्तर्दशा के कारण मानसिक समस्याओं और तनाव से सामना होगा। शुक्र की अन्तर्दशा के कारण आपको मानसिक तनाव होगा तथा पारिवारिक जीवन में संकट का सामना करना पड़ेगा। सूर्य की अन्तर्दशा आपके लिये समृद्धिशाली सिद्ध होगी और इस दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी और आप भाग्यशाली होंगे। चन्द्र की अन्तर्दशा के कारण आपको माता से लाभ होगा और भूमि और वाहन की प्राप्ति होगी।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- मंगल - मंगल

(18/05/2065 - 15/10/2065)

इस अवधि में आप प्रतिद्वंद्विता में विजय के लिए बेचैन रहेंगे और आगे बढ़ते जाएंगे, मगर आपको क्रोध और उतावलेपन से बचना चाहिए। सेवा और तकनीकी कार्यो में सफल हो सकते हैं। विवाहित जीवन में तनाव हो सकता है; नीतिपूर्वक व्यवहार आवश्यक है। साझेदार से संबंध भी तनावपूर्ण हो सकते हैं। अचल संपत्ति और वाहन प्राप्त कर सकते हैं। विरासत में या जीवनसाथी के माध्यम से धन मिल सकता है।

आपके जीवनसाथी धनी और सशक्त बनेंगे। आपके पिता समृद्ध होंगे; निवेश में सफलता अर्जित करेंगे। माता को उच्चपद प्राप्त हो सकता है, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, तीर्थयात्राएं करेंगी। आपके अपने भाई—बहनों से संबंध उत्तम रहेंगे।

आपकी संतान को सफलता और प्रसिद्धि प्राप्त होगी। अगर वे सेवारत हैं तो लंबी यात्राएं हो सकती हैं, वांछित स्थान पर तबादला हो सकता है।

अगर आप सेवारत हैं तो परिवर्तन की संभावना है। परामर्शदाता नये कार्य की योजना बनाएंगे। व्यापारीगण नये कार्यों, विशेषकर लोहे, धातु, अग्नि संबंधी कार्यों में सफल हो सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मामूली चोट या बीमारी हो सकती है। अरिष्ट से बचाव के लिए मंगल के गायत्री मंत्र का जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- मंगल - राहु

(15/10/2065 - 02/11/2066)

इस अवधि में आप भूमि या अन्य अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। माता के माध्यम से धनागम हो सकता है। घरेलू सुख मिलेगा। अचानक अप्रत्याशित घटनाएं हो सकती हैं। आप प्रसिद्ध हो सकते हैं; अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। विभिन्न धर्मों के लोगों से लाभ होगा।

आपके जीवनसाथी का जीवन सफल रहेगा। आपके पिता को साझेदारों से लाभ हो सकता है। माता भाग्यशाली रहेंगी, उन्हें सब सुख–सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी; शत्रुओं पर विजय होगी। आपके भाई–बहनों को अचानक लाभ हो सकता है; वे परिवार से थोड़े दिनों के लिए दूर जा सकते हैं। उनके व्यापार में प्रगति होगी, शत्रुओं पर विजय मिलेगी, खेलकूद में दिलचस्पी लेंगे।

आपकी संतान के स्थान में परिवर्तन हो सकता है। अगर वे कार्यरत हैं तो व्यापार में प्रगति होगी, विदेश जा सकते हैं।

अगर आप सेवारत हैं तो अप्रत्याशित स्थान से मदद मिल सकती है। परामर्शदाताओं को साझेदारी में लाभ होगा।

व्यापारी सफल रहेंगे, धनलाभ होगा।

आपका स्वास्थ्य सामान्यतः उत्तम रहेगा। छाती के रोगों से बचाव करें। अरिष्ट से बचाव के लिए शिवजी की पूजा शनिवार को भैरवजी के रूप में करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- मंगल - गुरु

(02/11/2066 - 09/10/2067)

इस अवधि में आप धनी और प्रसिद्ध होंगे। अध्यात्म में रुचि होगी। मष्तिष्क का उत्थान होगा और प्रगति के अवसर आएंगे। दूरस्थ स्थान की यात्रा हो सकती है। शिशु का जन्म हो सकता है। शिक्षण, लेखन और प्रकाशन के लिए समय उत्तम है। समस्याएं सुलझेंगी; शांति बहाल होगी। परीक्षा में सफलता मिलेगी। वेद, तंत्र मंत्र आदि में रुचि हो सकती है।

आपके जीवनसाथी के परिवार से मधुर संबंध रहेंगे। आपके पिता प्रगति करेंगे, स्वास्थ्य और आर्थिक स्तर उत्तम होंगे। आपके भाई–बहनों का विवाह हो सकता है, अनुबंध पर हस्ताक्षर कर सकते हैं, आय में वृद्धि होगी।

आपकी संतान को परीक्षा में सफलता मिलेगी।

अगर आप सेवारत हैं तो वांछित तबादला हो सकता है; साख में वृद्धि होगी। परामर्शदाताओं के खर्चे बढ़ सकते हैं। व्यापारियों को अधिक परिश्रम करना होगा।

आपका स्वास्थ्य सामान्यतः उत्तम रहेगा। शरीर के निचले अंगों में कोई व्याधि हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए विष्णुजी की अराधना करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- मंगल - शनि

(09/10/2067 - 17/11/2068)

इस अवधि में आप साहसी और दृढ़ इच्छाशक्ति वाले होंगे। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उत्साह भरपूर रहेगा। भाई–बहनों से सुख मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी, सब बाधाओं को पार कर लेंगे। सांसारिक मामलों में सफलता मिलेगी। शिशु का जन्म हो सकता है। संतान से सुख मिलेगा। योग और ध्यान में रुचि लेंगे।
आपके जीवनसाथी को भौतिक सुख–साधन उपलब्ध रहेंगे। यात्रा का संकेत भी है। आपके पिता को साझेदारी से लाभ होगा और उच्चपद मिलेगा। माता की योग और धर्म में रुचि होगी। भाई–बहनों को सफलता, प्रयास के बाद मिल सकती है; उन्हें संतान से सुख मिलेगा, निवेश से लाभ होगा।
आपकी संतान को गुरुजनों से पुरस्कार मिल सकता है। अगर वे सेवारत हैं तो निवेश से लाभ होगा, वांछित तबादला हो सकता है।
अगर आप सेवारत हैं तो उच्चपद प्राप्त करेंगे। परामर्शदाता स्पर्धियों पर विजयी होंगे। व्यापारी धनी बनेंगे।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रोगों से प्रतिरोध की शक्ति उत्तम रहेगी। अरिष्ट से बचाव के लिए शनिमंत्र का जाप करें।

ऊँ शं शनैचराय नमः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- मंगल - बुध

(17/11/2068 - 14/11/2069)

इस अवधि में घरेलू सुख और समृद्धि का योग है। आप जमीन, जायदाद प्राप्त कर सकते हैं; वाहन सुख मिलेगा। आपके बहुत से मित्र होंगे। घर में सब सुख–सुविधाएं रहेंगी, निवास उत्तम होगा। विरासत या पिता द्वारा लाभ मिलेगा। बहुत से मित्र होंगे। घर में सब सुख–सुविधाएं रहेंगी, निवास उत्तम होगा। विरासत या पिता द्वारा लाभ मिलेगा। ज्योतिष आदि पराविद्या से लाभ हो सकता है। कार्यों में सफलता मिलेगी, शत्रु परास्त होंगे, धन कमाएंगे, साख में वृद्धि होगी, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे; समाज में उच्च स्थान रहेगा।

आपके जीवनसाथी कार्य में सफल रहेंगे। पिता उच्चपद पर आसीन होंगे; धन प्राप्त करेंगे। माता धनी होंगी, घरेलू सुख मिलेगा। आपके भाई–बहन बुद्धि द्वारा धन कमाएंगे, घरेलू सुख प्राप्त करेंगे, सरकार से लाभ होगा, शत्रुओं पर विजय होगी, सम्मान मिलेगा।

आपकी संतान को स्पर्धियों पर विजय पाने के लिए परिश्रम करना होगा। अगर वे सेवारत हैं तो खर्चे अधिक होंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो धन कमाएंगे। परामर्शदाताओं को विदेश से लाभ हो सकता है। व्यापारी लाभ प्राप्त करेंगे, उनकी साख बढ़ेगी।

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। छाती के रोगों से बचाव करें। अरिष्ट से बचाव के लिए हरे वस्त्र, मिश्री, कपूर का दान करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- मंगल - केतु

(14/11/2069 - 12/04/2070)

इस अवधि में आप नेता बनेंगे। चुनाव में या मुकदमे में जीत सकते हैं। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रसिद्धि मिलेगी। अध्यात्म और दर्शन में रुचि हो सकती है। मितव्ययता द्वारा धन का संचय करेंगे। शत्रुओं पर विजय मिलेगी। आप साहसी, लोकप्रिय और बुद्धिमान होंगे। अचल संपत्ति, भूमि, वाहन आदि क्रय कर सकते हैं। प्रसन्नचित्त रहेंगे।

आपके जीवनसाथी अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं, परिवार में खुशी रहेगी। आपके पिता खुश रहेंगे, धनार्जन उत्तम होगा। आपकी माता को साझेदार के माध्यम से धनार्जन हो सकता है; यात्रा और धनलाभ का योग है। आपके भाई–बहनों के जीवन में अप्रत्याशित परिवर्तन हो सकते हैं; साझेदार के माध्यम से धनलाभ होगा, खर्चे बढ़ सकते हैं, यात्राएं होंगी।

आपकी संतान स्पर्धियों पर विजय प्राप्त करेगी, वाक्चातुर्य और बहस में उत्तम होंगे, शिक्षा में नाम कमाएंगे। अगर वे कार्यरत हैं तो धन कमाएंगे, सफल रहेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो भाग्यशाली रहेंगे। परामर्शदाताओं को धन का लाभ होगा जबकि व्यापारियों को पहले किये निवेश से लाभ मिलेगा।

आपका स्वास्थ्य सामान्यतः उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए कंबल, उड़द की दाल और सतनजा दान में दें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- मंगल - शुक्र

(12/04/2070 - 12/06/2071)

इस अवधि में आपकी कार्यक्षमता उत्तम रहेगी। शत्रुओं पर विजय मिलेगी। मामापक्ष से लाभ होगा। विलास के साधनों पर धन खर्च हो सकता है। कर्ज़ का भुगतान करने में सक्षम होंगे। विवाद या मुकदमे में विजय होगी। मातहत सहयोग करेंगे। जीवन में सब सुख होंगे। धन, अचल संपत्ति और वाहन का संकेत है।
आपके जीवनसाथी धन का संचय करेंगे, सब सुख उपलब्ध होंगे। आपके पिता की आय पर्याप्त होगी, लोकप्रिय बनेंगे। माता को धन और सफलता प्राप्त होंगे। भाई—बहनों की शिक्षा उत्तम होगी, परिवार से संबंध मधुर होंगे, उन्हें जीवनसाथी से लाभ मिल सकता है। आपकी संतान को कार्यों में सफलता मिलेगी। अगर वे सेवारत हैं तो विभिन्न माध्यमों से धन कमाएंगे।
अगर आप सेवारत हैं तो उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं का समय सौभाग्यशाली रहेगा, जबकि व्यापारियों के खर्चे बढ़ सकते हैं, यात्राएं हो सकती हैं।
स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है; विशेषकर चोट, उत्सर्जन तंत्र और उदर की व्याधियों से बचाव करें। अरिष्ट से बचाव के लिए शुक्र मंत्र का जाप करें।
ऊँ शुं शुक्राय नमः

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- मंगल - सूर्य

(12/06/2071 - 18/10/2071)

इस अवधि में आपकी संतान धनी होगी और आपके लिए सुखकारक होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप सब सुख–सुविधाओं से युक्त रहेंगे। दर्शनशास्त्र का अध्ययन कर सकते हैं। उच्चपद, उचाधिकारियों से सहयोग, कार्यों में सफलता, घरेलू सुख के योग हैं। विशिष्ट व्यक्तियों से मित्रता होगी। सफलता आसानी से मिल जाएगी।
आपके जीवनसाथी को उच्चपद प्राप्त होगा। आपके पिता के सौभाग्य में वृद्धि होगी और अध्यात्म में रुचि रहेगी। माता को धनलाभ होगा, मगर खर्चे भी बढ़ेंगे। भाई–बहनों को सुख मिलेगा, उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, साहित्य आदि से धन प्राप्त हो सकता है।
आपकी संतान को स्पर्धा में सफलता प्राप्त हो सकती है। अगर वे सेवारत हैं तो उच्चपद, सम्मान, प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।
अगर आप सेवारत हैं तो परिवर्तन संभव है, प्रतिद्वंद्वी परेशान करेंगे मगर बाद में परास्त होंगे। परामर्शदाताओं को अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापारी धन कमाएंगे।
शुभत्व में वृद्धि के लिए सूर्य की आराधना श्रेष्ठ रहेगी।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- मंगल - चन्द्र

(18/10/2071 - 18/05/2072)

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मानसिक शांति मिलेगी। पैतृक संपत्ति और विरासत से धन प्राप्त हो सकता है। उपहार, बीमे की रकम आदि से भी लाभ हो सकता है। साझेदारी से भी लाभ होगा। अंतर्चेतना और छठी इंद्री सक्रिय हो सकती हैं। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। जीवन में अप्रत्याशित उत्थान हो सकता है। जीवन सुख–चैन और समृद्धि से कटेगा। माता द्वारा लाभ संभव है।

आपके जीवनसाथी को साझेदारी से लाभ होगा; संपत्ति का संवर्धन होगा। पिता की यात्राएं, खर्चे और अध्यात्म में रुचि का संकेत है। माता का समय सौभाग्यशाली रहेगा। भाई–बहनों के स्पर्धी कमजोर रहेंगे, उनका स्वास्थ्य उत्तम होगा, मामा से लाभ होगा।

आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी, कार्यों में सफलता मिलेगी, माता से संबंध मधुर रहेंगे। अगर वे सेवारत हैं तो अचल संपत्ति, वाहन, संपत्ति से लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

अगर आप सेवारत हैं तो संचार साधनों में सफलता मिलेगी, लघु यात्राएं होंगी। परामर्शदाता उन्नति करेंगे; धन कमाएंगे। व्यापारियों का लाभ उत्तम रहेगा।

शुभत्व में वृद्धि के लिए चंद्र मंत्र का जाप करें।

ॐ सों सोमाय नमः

दशा विश्लेषण

महादशा :- राहु

(18/05/2072 - 19/05/2090)

राहु की महादशा 18/05/2072 को आरम्भ होकर 19/05/2090 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्म कुण्डली में राहु चतुर्थ भाव में स्थित है। इस स्थान से राहु की दृष्टि दशम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 7 वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। मंगल के कारण आपको यश, ख्याति, जीविका में प्रगति और समृद्धि की प्राप्ति होगी। राहु की इस दशा के दौरान आपको सम्पत्ति और लाभ की प्राप्ति, अचल सम्पत्ति तथा सुख में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य : इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शक्तिशाली होंगे। एक सन्तुलित जीवन के फलस्वरूप आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मौसम में परिवर्तन के फलस्वरूप चर्मरोग, पाचन–समस्या, हृदय संबंधी समस्या, विषाणुजन्य संक्रामक रोग आदि हो सकता है। थोड़ी सावधानी से इन रोगों से बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय : आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपको सभी भौतिक सुख मिलेंगे। आपको माता से लाभ मिल सकता है। आपको जहाँ तक सम्भव हो सट्टे से बचना चाहिए। व्यावसायिक उपार्जन, व्यापार से आय अच्छी होगी। जीविका तथा व्यवसाय के लिए विधि के क्षेत्र, विमान उड्डयन, विमान–चालन, कला, सम्पर्क–कार्य, कम्प्यूटर, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, व्यापार आदि का चयन कर सकते हैं। सूती कपड़ा, रत्न, दवा, चमड़ा, एण्टी–बायोटिक दवा, प्लास्टिक, रबड़ आदि का व्यापार लाभप्रद हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि, सम्मान, वरिष्ठ कर्मचारियों के अनुग्रह तथा वांछित लक्ष्य की प्राप्ति होगी। व्यवसाय–व्यापार से जुड़े लोगों को साझेदारों से लाभ, व्यापार में सफलता, विदेश यात्रा, आय में वृद्धि और उपार्जन होगा। जीविका में प्राप्ति के लिए यह दशा उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन–जायदाद : इस दशा के दौरान आपको सभी भौतिक समृद्धि मिलेगी और सुखों में वृद्धि होगी। आप अपना आवास परिवर्तित कर सकते हैं। इस दशा में आपको चल सम्पत्ति, जमीन–जायदाद की प्राप्ति हो सकती है। बुध की अन्तर्दशा में आपकी छोटी व दूर की यात्रा होगी। छोटी यात्रा में सम्भावित नुकसान से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।

शिक्षा : आपकी बुनियादी शिक्षा उत्तम होगी। उच्च शिक्षा के लिए आप अपनी संस्था में परिवर्तन कर सकते हैं। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आप कठिन परिश्रम करेंगे। दशा की प्रगति के साथ स्थिति में सुधार आएगा। विज्ञान, कला, कम्प्यूटर–विज्ञान, व्यापार आदि में आपकी रुचि हो सकती है। आपकी इच्छा शक्ति मजबूत है, आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपनी शिक्षा में अच्छा करेंगे।

परिवार : आपके बच्चों के जीवन में कुछ परिवर्तन होगा और उन्हें आपकी सहायता तथा मार्गदर्शन की आवश्यकता हो सकती है। आपका आपके जीवनसाथी के साथ संबंध सन्तोषजनक रहेगा। आपकी माता की सम्पत्ति में वृद्धि होगी, आर्थिक–समृद्धि की प्राप्ति होगी और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सावधानी

बरतनी होगी। आपके पिता की यात्रा, अचानक लाभ की प्राप्ति तथा आध्यात्मिक विकास होगा। आपके छोटे भाई–बहनों को अचानक धन–लाभ और जीवन का सुख मिलेगा जबकि बड़े भाई–बहनों को प्रतिद्वंद्वियों पर विजय और भौतिक समृद्धि की प्राप्ति होगी।

अन्तर्दशा : राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा के कारण आपको सुख, अचल सम्पत्ति की प्राप्ति तथा लाभ मिलेगा। गुरु की अन्तर्दशा भाग्यशाली सिद्ध होगी यद्यपि प्रतिद्वन्द्वियों के कारण कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। शनि की अन्तर्दशा कष्टकारक सिद्ध हो सकती है किन्तु, भौतिक कला व यात्रा का अवसर प्रदान करेगी। बुध की अन्तर्दशा छोटे भाई–बहनों के लिए सहायक होगी और इसके फलस्वरूप उनको यात्रा और व्यय होगा। केतु की अन्तर्दशा में कुछ समस्याएं हो सकती हैं। शुक्र की अन्तर दशा के फलस्रूप लाभ और सम्पत्ति में वृद्धि होगी जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के कारण पारिवारिक सुख मिलेगा और सम्पत्ति में वृद्धि होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और सम्पत्ति तथा सुख की प्राप्ति होगी जबकि योगकारक मंगल के कारण सुख की प्राप्ति, बच्चे का जन्म और जीविका में प्रगति होगी।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - राहु

(18/05/2072 - 29/01/2075)

राहु आपकी जन्मपत्री में चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। राहु छायाग्रह है। इसकी स्वयं की राशि नहीं होती। स्थिति के अनुसार यह शुभ या अशुभ हो सकता है। चतुर्थ भाव में स्थित होकर राहु आपकी कुंडली के दशम भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप विचलित, असंतुष्ट और अप्रसन्न हो सकते हैं। व्यवहार मूर्खतापूर्ण हो सकता है; धोखाधड़ी की भावना मन में आ सकती है। माता–पिता में से किसी एक से अलगाव हो सकता है।

अरिष्ट से बचाव के लिए राहु वैदिक मंत्र के 18000 जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - गुरु

(29/01/2075 - 24/06/2077)

बृहस्पति आपकी जन्मपत्री में नवम भाव में स्थित है। नवम भाव श्रद्धा, भाग्य, धार्मिक और आध्यात्मिक विचार, अंतर्ज्ञान, भविष्यज्ञान, उपासनास्थल, पिता, धर्मगुरु, लंबी यात्राएं, हवाई यात्रा, उच्च शिक्षा और घुटनों का प्रतिनिधि है। बृहस्पति शुभ ग्रह है। नवम भाव में स्थित होकर बृहस्पति आपकी कुंडली के 1, 3, 5 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।
इस अवधि में आप दार्शनिक, उपदेशक या अध्यापक हो सकते हैं। व्याख्यान के लिए देश—विदेश का भ्रमण कर सकते हैं। संयमित जीवन व्यतीत करेंगे; ईश्वर में ध्यान लगाएंगे। अपने से बड़ों के आज्ञाकारी होंगे।
शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए बृहस्पति के वैदिक मंत्र के 19000 जाप करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - शनि

(24/06/2077 - 30/04/2080)

शनि आपकी जन्मपत्री में तृतीय भाव में स्थित है। तृतीय भाव मष्तिष्क का रुझान, बुद्धि, साहस, छोटे भाई–बहन, लघु यात्राएं, विचार संचार, हाथ, कंधे आदि का परिचायक है। शनि शक्तिशाली ग्रह है। तृतीय भाव में स्थित होकर शनि आपकी कुंडली के 5, 9, 12 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। आप नगरपालिका, पंचायत आदि के अध्यक्ष बन सकते हैं। बहुत लोगों की मदद करेंगे। सफलता बाधाओं को पार करने के बाद ही मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

अगर नौकरी में हैं तो प्रोन्नति हो सकती हैं, भाइयों से विवाद हो सकता है। मन में निराशा की भावना रह सकती है जो समय गुजरने पर ठीक हो जाएगी।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए नीलम चांदी या सोने की अंगूठी में जड़वाकर शनिवार के दिन पूजा के बाद दायें हाथ की मध्यमा अंगुली में, अंगूठी को कच्चे दूध और गंगाजल में धोकर, शनि के वैदिक मंत्र का उच्चारण करते हुए धारण करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - बुध

(30/04/2080 - 17/11/2082)

बुध आपकी जन्मपत्री में चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। चतुर्थ भाव में स्थित होकर बुध कुंडली के दशम भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसे अपने कारकत्व से प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप हाजिर जवाब होंगे, व्यवहार नीतिपूर्ण होगा, शिक्षाशास्त्री के रूप में सफल हो सकते हैं। सरकार की नीतियों की आलोचना कर सकते हैं, मगर समाज में सम्मान होगा। विदेश जा सकते हैं; संगीत और कला में रुचि होगी। वाहन सुख संभव है।

अरिष्ट के बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए बुध के वैदिक मंत्र के 9000 जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - केतु

(17/11/2082 - 06/12/2083)

आरम्भ और ढडक्ज्वझत्र दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान, जांघों का परिचायक है। दशम भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के चतुर्थ भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

राहु और केतु छाया ग्रह हैं। इनकी स्वयं की कोई राशि नहीं होती। सामान्यतः इन्हें अशुभ समझा जाता है परंतु वास्तव में वे शुभ या अशुभ कुंडली में अपनी स्थिति के अनुसार होते हैं।

इस अवधि में आप साहसी, शक्तिशाली और प्रसिद्ध बनेंगे मगर पापकर्म में भी रुचि हो सकती है। इस कारण कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं। आप प्रसन्नचित्त और धार्मिक होंगे। तीर्थयात्राएं हो सकती हैं। समाजसेवा करेंगे, गरीबों की मदद करेंगे।

अरिष्ट से बचाव के लिए केतु के तांत्रिक मंत्र के 72,000 जाप करें।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - शुक्र

(06/12/2083 - 06/12/2086)

शुक्र आपकी जन्मपत्री में छठे भाव में स्थित है। छठा भाव बीमारी, सुश्रूषा, मातहत या सेवक, कर्ज़, शत्रु, कंजूसी और अतिकष्ट का द्योतक है। शुक्र शुभ ग्रह है। छठे भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के द्वादश भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में विपरीत लिंग के व्यक्ति आपसे रुष्ट रह सकते हैं। वे आपका चरित्र बर्बाद कर सकते हैं। शत्रु इस अवधि में समाप्त हो जाएंगे। विषय—वासना में अधिक रुचि के कारण स्वास्थ्य की हानि हो सकती है।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए शुक्र वैदिक मंत्र के 16000 जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - सूर्य

(06/12/2086 - 30/10/2087)

सूर्य आपकी जन्मपत्री में पंचम भाव में स्थित है। पंचम भाव संतान, मनोरंजन, सैर–सपाटे, प्रेम संबंध, स्पर्धा, अच्छे–बुरे चरित्र, धार्मिकता, विवेक, धनाढ्यता और आत्मिक उत्थान का परिचायक है। सूर्य आत्मा और पिता का कारक है। सूर्य शक्तिशाली ग्रह है। पंचम भाव में स्थित होकर सूर्य आपकी कुंडली के एकादश भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप घर से दूर जाकर रह सकते हैं। जंगल आदि में निवास हो सकता है। अप्रसन्न हो सकते हैं। हृदय रोग हो सकता है। सावधान रहना श्रेयस्कर रहेगा।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए :

- दूध और शहद का सेवन करें; अग्नि को दूध अर्पित करें।
- आटा, गुड़ और तांबे के सिक्के दान करें।
- बहते पानी (नदी आदि) में तांबे के सिक्के डालें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - चन्द्र

(30/10/2087 - 30/04/2089)

चंद्रमा आपकी जन्मपत्री में अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है। चंद्रमा मन का कारक है। अष्टम भाव में स्थित होकर चंद्रमा आपकी कुंडली के द्वितीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।
अष्टम भाव में चंद्रमा की स्थिति अशुभ मानी जाती है।
इस अवधि में आपके लिए जल में डूबने और जल से संबंधित बीमारी से सावधान रहना श्रेयस्कर रहेगा। कोई गंभीर बीमारी हो सकती है; अतः अगर आप कभी बीमार पड़ते हैं, तो प्रारंभ में ही उसका उचित इलाज करवाएं।
अरिष्ट से बचाव के लिए चंद्रमा के वैदिक मंत्र के 11000 जाप करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- राहु - मंगल

(30/04/2089 - 19/05/2090)

मंगल आपकी जन्मपत्री में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है। मंगल अग्निप्रधान ग्रह है; सामान्यतः इसे अशुभ समझा जाता है। लग्न में स्थित होकर मंगल आपकी कुंडली के 4, 7, 8 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप जल्दबाज, साहसी और महत्वाकांक्षी होंगे। घरेलू जीवन में तनाव हो सकता है, अतः सावधानी आवश्यक है। अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं। दुर्घटना से बचाव करना श्रेयस्कर रहेगा। आपके जीवनसाथी भी साहसी और क्रोधी हो सकते हैं। आप मंगली हैं; इसके लिए आवश्यक सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा।

अरिष्ट से बचाव के लिए प्रतिदिन हनुमान मंदिर में दर्शन करें और हनुमानजी के समक्ष हनुमान चालीसा का पाठ करें।

Sample

दशा विश्लेषण

महादशा :- गुरु

(19/05/2090 - 20/05/2106)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा को 19/05/2090 आरम्भ और 20/05/2106 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।
आपकी जन्म कुण्डली में गुरु नवम् भाव में स्थित है तथा नवम भाव विश्वास, भाग्य, अन्तर्ज्ञान, त्याग और दान, पिता, गुरु, दूर की यात्रा, उच्च शिक्षा तथा विदेश यात्रा का द्योतक है। गुरु स्वभावतः एक शुभ ग्रह है तथा जन्म कुण्डली में नवम् भाव में स्थित होकर प्रथम, तृतीय एवं पंचम् भाव को देख रहा है और इन भावों पर अच्छा प्रभाव डाल रहा है। सोलह वर्ष का यह दशा काल आपके लिए बहुत अच्छा होगा।
स्वास्थ्य : नवम भाव में स्थित होकर प्रथम भाव पर गुरु की दृष्टि के फलस्वरूप आप एक स्वस्थ जीवन व्यतीत करेंगे तथा दैनिक कार्य और उत्सव का भरपूर आनन्द उठाएंगे। आपके साथ कोई बड ी घटना या दुर्घटना नहीं होगी।
व्यवसाय : आपको नौकरी में पदोन्नति के अच्छे अवसर मिलेंगे जिससे आपकी आर्थिक तथा कार्यालयीय स्तर में वृद्धि होगी। व्यवसाय के प्रति आपके दिमाग में कुछ नवीन विचार आएंगे जिन्हें कार्यान्वित करने में आप सक्षम होंगे। आपको विदेश–गमन का अवसर मिलेगा और आप वहाँ अच्छा धनोपार्जन कर सकते हैं।
पारिवारिक जीवन : गुरु पंचम भाव को देखते हुए नवम भाव में स्थित है जिससे आपका पारिवारिक जीवन उत्साहपूर्ण तथा आनंदमय होगा। आपके जीवन साथी पूर्ण सहयोग करेंगे और बच्चे आज्ञाकारी होंगे जिनसे आपको आनंद मिलेगा।
शिक्षा/प्रशिक्षण : धाार्मिक स्वभाव होने के कारण आप साहित्य तथा सहयोगी विषयों का अध्ययन जारी रखेंगे। आपका झुकाव पुराणों तथा धर्मिक पुस्तकों की ओर होगा तथा अपना अधिकतर समय आप इन्हीं विषयों के अध्ययन में लगाएंगे।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - गुरु

(19/05/2090 - 06/07/2092)

इस अवधि में आप धनी बनेंगे। सब कार्यों में सफलता मिलेगी। मानसिक क्षमता की वृद्धि होगी; सफलता के अवसर मिलेंगे। तीर्थयात्रा हो सकती है। अध्यात्म में रुचि होगी; शिक्षा पूर्ण होगी, रोज़गार मिलेगा। तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। दान–धर्म में रुचि होगी। ध्यान, पूजा–पाठ आदि में समय व्यतीत कर सकते हैं। नये मित्र बनेंगे; सब कार्य पूर्ण होंगे।

आपके जीवनसाथी को कला में रुचि से लाभ होगा। आपके पिता सफल और धनी बनेंगे। माता को स्पर्धियों पर विजय मिलेगी। आपके भाई–बहनों के लिए साझेदारी से लाभ, हर प्रकार से धनार्जन और प्रभावशाली मित्रों का संकेत है।

आपकी संतान को परीक्षा में सफलता मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो निवेश से लाभ हो सकता है ; धनी और भाग्यशाली होंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो प्रोन्नति होगी, वांछित स्थान पर तबादला हो सकता है, प्रसिद्धि मिलेगी। परामर्शदाताओं के खर्चे बढ़ सकते हैं; यात्राएं होंगी। व्यापारियों का लाभ बढ़ेगा; लघु यात्राएं हो सकती हैं।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए विष्णुजी की उपासना करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - शनि

(06/07/2092 - 17/01/2095)

इस अवधि में आपकी प्रोन्नति हो सकती है, धन का लाभ होगा, सेवक प्राप्त होंगे। भाइयों और मित्रों से लाभ होगा; शत्रुओं पर विजय होगी। धर्म और अध्यात्म में रुचि होगी। शिशु का जन्म हो सकता है। परीक्षा में सफलता मिलेगी। सट्टेबाजी से लाभ हो सकता है। बुद्धि उत्तम रहेगी। दान धर्म में रुचि होगी। पर्दे के पीछे कार्य करने से लाभ होगा।

आपके जीवनसाथी धनी और भाग्यशाली होंगे। आपके पिता को साझेदारों से लाभ होगा। माता के खर्चे बढ़ सकते हैं; यात्रा हो सकती है। धनी बनेंगी। आपके भाई–बहनों के लिए शिक्षा, धन, उच्चपद, निवेश से लाभ का संकेत है।

आपकी संतान को परीक्षा में सफलता मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो धनलाभ उत्तम होगा, सम्मान मिलेगा, अध्ययन में सफल होंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो प्रोन्नति होगी, उच्चपद मिलेगा, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाता स्पर्धियों पर सफल रहेंगे, लाभ उत्तम होगा, कार्यालय सुविधासंपन्न रहेगा। व्यापारी भाग्यशाली रहेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए भोजन से पूर्व गाय को रोटी दें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - बुध

(17/01/2095 - 24/04/2097)

इस अवधि में आप धनी बनेंगे और प्रसन्न रहेंगे। भूमि आदि अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। बहुत से मित्र होंगे जो सहायक सिद्ध होंगे। परिवारजन और संबंधी समृद्ध बनेंगे। शिक्षा उत्तम होगी। कार्यों में सफलता मिलेगी। साख में वृद्धि होगी; ज्ञान के लिए प्रसिद्ध होंगे। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। लक्ष्य की ओर एकाग्रचित्त रहेंगे।
आपके जीवनसाथी कार्यक्षेत्र में सफल रहेंगे। आपके पिता उच्चपद प्राप्त करेंगे। माता को साझेदारी से लाभ होगा। आपके भाई–बहनों के लिए धनलाभ, स्पर्धियों पर विजय, उत्तम शिक्षा का संकेत है।
आपकी संतान को परिश्रम अधिक करना चाहिए। अगर वे कार्यरत हैं तो खर्चे बढ़ेंगे।
अगर आप सेवारत हैं तो सफल होंगे। परामर्शदाताओं को साझेदारी से लाभ होगा। व्यापारी खूब धन कमाएंगे।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्नायविक थकान से बचें। शुभत्व में वृद्धि के लिए हरे वस्त्र, कपूर और मूंग की दाल दान करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - केतु

(24/04/2097 - 31/03/2098)

इस अवधि में आप सफल और प्रसन्न होंगे। समाज और कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। माता–पिता और आयु में बड़े लोगों से लाभ होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे जिससे सम्मान मिलेगा।
माता से संबंध मधुर रहेंगे। अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। बहुत से मित्र होंगे जो सहायता करेंगे। माता के माध्यम से लाभ हो सकता है। अचल संपत्ति से आय में वृद्धि हो सकती है।
आपके जीवनसाथी सुखसाधनसंपन्न होंगे। आपके पिता की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। माता को साझेदारी से लाभ होगा, यात्राएं होंगी। आपके भाई–बहनों के लिए अप्रत्याशित लाभ, अचानक घटना, परिवर्तन, यात्रा और अधिक खर्च का संकेत है।
आपकी संतान को स्पर्धियों पर विजय मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो सहकर्मियों से मधुर संबंध होंगे।
अगर आप सेवारत हैं तो भाग्यशाली रहेंगे। परामर्शदाताओं की आय अच्छी होगी। व्यापारी निवेश कर सकते हैं।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई मामूली व्याधि हो सकती है। अरिष्ट से बचाव के लिए उड़द, कंबल, सतनजा और तिल दान करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - शुक्र

(31/03/2098 - 30/11/2100)

इस अवधि में आप स्पर्धियों पर सफलता प्राप्त करेंगे। मुकदमे में जीत होगी। मामापक्ष के लोगों से लाभ होगा। घरेलू जीवन सुखी रहेगा। कर्ज़ अदा कर सकेंगे। खानपान का ध्यान रखें ; गरिष्ठ भोजन न लें। सुख के साधन उपलब्ध रहेंगे। अध्यात्म और दया-धर्म में रुचि होगी। साख और सम्मान में वृद्धि होगी।

आपके जीवनसाथी के खर्चे बढ़ सकते हैं। आपके पिता लोकप्रिय और सफल होंगे। माता की आकांक्षाओं की पूर्ति होगी। आपके भाई-बहनों के लिए उत्तम शिक्षा, अप्रत्याशित परिवर्तन, उपहार, वसीयत या साझेदार से लाभ का संकेत है।

आपकी संतान की विभिन्न क्षेत्रों में प्रशंसा होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो विभिन्न माध्यमों से धनार्जन होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो प्रसिद्धि और सम्मान प्राप्त करेंगे। परामर्शदाता धनी बनेंगे, भाग्यशाली होंगे। व्यापारियों को आय-व्यय दोनों का योग है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए महिलाओं या गरीबों की सेवासंस्था में कार्य करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - सूर्य

(30/11/2100 - 18/09/2101)

इस अवधि में आप धनी बनेंगे और सुख–सुविधाओं से संपन्न होंगे। सट्टेबाजी में धनार्जन हो सकता है। हाथ में लिये सब काम पूर्ण होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर में शिशु का जन्म हो सकता है। उच्चपद मिल सकता है; सरकार से लाभ होगा। विशिष्ट व्यक्तियों से मित्रता हो सकती है। कार्यों में सफलता मिलेगी, धनागम होगा।

आपके जीवनसाथी की इच्छाएं पूर्ण होंगी, धनार्जन होगा। आपके पिता भाग्यशाली रहेंगे। माता को धन का लाभ होगा; घरेलू जीवन सुखी रहेगा। आपके भाई–बहनों के लिए इच्छाओं की पूर्ति, साहित्य या संचार माध्यम से लाभ, प्रोन्नति, वांछित स्थान पर तबादला, व्यापार में लाभ और उच्चाधिकारियों की कृपा का संकेत है।

आपकी संतान में आत्म–विश्वास उत्तम होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो तरक्की करेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो कुछ परिवर्तन हो सकता है। परामर्शदाताओं के कार्य में भी कुछ परिवर्तन होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मामूली उदर रोग हो सकता है। शुभत्व में वृद्धि के लिए लाल गाय, वस्त्र, लाल चंदन और गुड़ का दान दें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - चन्द्र

(18/09/2101 - 18/01/2103)

इस अवधि में आपको जीवनसाथी या साझेदार के माध्यम से लाभ हो सकता है। अध्यात्म और धर्म में रुचि हो सकती है। यात्रा हो सकती है। बीमे से धनागम हो सकता है। सब सुख–साधन उपलब्ध रहेंगे। व्यक्तित्व प्रखर रहेगा। परिवार को प्रसन्न और संतुष्ट रखेंगे। राजनीति में भाग ले सकते हैं। मृदुवाणी के लिए प्रशंसा होगी।
आपके जीवनसाथी को धन का लाभ होगा, पारिवारिक जीवन सुखी होगा, धनी बनेंगे। आपके पिता के खर्चे बढ़ेंगे, यात्राएं होंगी, अध्यात्म में रुचि लेंगे। माता को निवेश से लाभ होगा। आपके भाई–बहनों के लिए विस्तृत, बारीकी के काम में लाभ, मामा से लाभ और कार्यक्षेत्र में सफलता का संकेत है।
आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो अचल संपत्ति से लाभ, वाहनसुख, कार्य क्षेत्र में सफलता और सुख–सुविधाओं का संकेत है।
अगर आप सेवारत हैं तो अधिक परिश्रम करना होगा। परामर्शदाता और व्यापारी खूब धन कमाएंगे।
आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सर्दी–खांसी, मूत्र संबंधी शिकायतों में लापरवाही न करें। शुभत्व में वृद्धि के लिए चंद्र मंत्र का जाप करें।
ऊँ सों सोमाय नमः

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - मंगल

(18/01/2103 - 25/12/2103)

इस अवधि में आप सफल, सम्मानित और प्रसिद्ध होंगे। शिक्षा उत्तम होगी; नेतृत्व क्षमता उत्तम होगी। अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। विवाहित जीवन में मामूली तनाव हो सकता है; इसे नीतिपूर्ण व्यवहार से दूर किया जा सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। व्यापार और साझेदारी से लाभ हो सकता है। विरासत में भी धनागम हो सकता है। स्वास्थ्य और कार्यक्षमता उत्तम रहेंगे। तंत्र–मंत्र में रुचि हो सकती है।

आपके जीवनसाथी को व्यापार में लाभ हो सकता है। आपके पिता को निवेश से लाभ हो सकता है। माता सफल और प्रसिद्ध होंगी और स्पर्धियों पर विजय प्राप्त करेंगी। आपके भाई–बहनों के लिए धन, सफलता, उच्चपद और लघु यात्राओं का संकेत है।

आपकी संतान को उत्साह और महत्वाकांक्षाओं के कारण सफलता मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो यात्राएं होंगी, कार्यों में सफलता मिलेगी, अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं, पिता से लाभ होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो स्थान में परिवर्तन हो सकता है। परामर्शदाताओं को पहले किये निवेश से लाभ होगा। व्यापारियों का लाभ उत्तम होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- गुरु - राहु
(25/12/2103 - 20/05/2106)

इस अवधि में आप जायदाद या वाहन खरीद सकते हैं। घरेलू सुख उत्तम होगा। आप बली और निडर होंगे। ज्ञानार्जन उत्तम होगा; प्रसिद्ध बनेंगे। विभिन्न धर्मों के लोगों से लाभ होगा। तीर्थयात्रा हो सकती है। समाज, कार्यक्षेत्र और व्यवसाय से लाभ होगा। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रसिद्धि मिलेगी। धर्म और अध्यात्म में रुचि होगी। दान-धर्म में मन लगेगा।

आपके जीवनसाथी कार्यक्षेत्र में तरक्की करेंगे। आपके पिता को अप्रत्याशित लाभ होगा। माता का धनार्जन उत्तम होगा। आपके भाई-बहनों के लिए धन, उत्तम शिक्षा, इच्छाओं की पूर्ति, सम्मान का संकेत है।

आपकी संतान को वांछित परिणाम के लिए परिश्रम करना होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो यात्राएं हो सकती हैं।

अगर आप सेवारत हैं तो समृद्धि बढ़ेगी आय अच्छी होगी, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं को साझेदारी से लाभ होगा। व्यापारियों का लाभ बढ़ेगा; व्यस्त रहेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। छाती की मामूली शिकायतों को अनदेखा न करें। अरिष्ट से बचाव के लिए राहु मंत्र का जाप करें।

ऊँ रां राहवे नमः

Sample

दशा विश्लेषण

महादशा :- शनि

(20/05/2106 - 19/05/2125)

शनि की महादशा की अवधि 19 वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 20/05/2106 को आरम्भ और 19/05/2125 को समाप्त होगी।

शनि आपकी कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है। यह स्वभाव से एक अशुभ ग्रह है और फल की प्राप्ति में विलम्ब और बाधा करता है। फल प्राप्ति की दिशा में यह जातक को कठिन परिश्रम के लिए प्रेरित कर उसके धैर्य की परीक्षा लेता है, किन्तु जातक को अन्ततः लक्ष्य की प्राप्ति होती है। अत : यह एक 'कार्मिक' ग्रह है। तृतीय भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि आपकी जन्मकुण्डली के पांचवें, नवें और बारहवें भाव पर है और इन भावों पर इसका प्रभाव है। तृतीय भाव, जिसमें यह स्थित है, मानसिक अमिरुचि, बुद्धि, साहस, पराक्रम, छोटी यात्रा, संप्रेषण, हाथ, गले, बाँह तथा स्नायु–तंत्र का द्योतक है।

स्वास्थ्य : साहस तथा पराक्रम के तृतीय भाव में स्थित महादशा स्वामी शनि अपने भाव को शक्ति प्रदान करता है। इसलिए इस दशा के दौरान आप स्वयं को साहसी और बहादुर अनुभव करेंगे और आपको कोई गम्भीर बीमारी अथवा स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी।

धन–सम्पत्ति : शनि तृतीय अर्थात साहस, बुद्धि और अभिरुचि के भाव में स्थित है। फलतः आपको चल–अचल सम्पत्ति में वृद्धि करने के अनेक अवसर मिलेंगे। आपके ऋणों का भुगतान होगा और आप आराम व विलास की वस्तुओं पर व्यय करेंगे।

व्यवसाय : बहादूर तथा साहसी होने के कारण आप तरंगी तथा निर्मम होंगे। आप स्थानीय बोर्ड, नगर निगम आदि के प्रधान या अध्यक्ष हो सकते हैं। आपको सफलता मिलने में कठिनाई होगी और लक्ष्य प्राप्ति में बाधाएं आएंगी।

पारिवारिक जीवन : आपका पारिवारिक जीवन उत्तम और सद्भाव पूर्ण होगा। आपके जीवनसाथी आपका सहयोग करेंगे। किन्तु, आपके भाई–बहन समस्याएं और कठिनाइयाँ खड़ी करेंगे जिनका सामना आप साहसपूर्वक करेंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण : उच्च शिक्षा तथा साहित्यिक वृत्ति के विकास के लिए दशा अनुकूल है।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शनि - शनि

(20/05/2106 - 22/05/2109)

शनि आपकी जन्मपत्री में तृतीय भाव में स्थित है। तृतीय भाव मष्तिष्क का रुझान, बुद्धि, साहस, छोटे भाई–बहन, लघु यात्राएं, विचार संचार, हाथ, कंधे आदि का परिचायक है। शनि शक्तिशाली और अशुभ ग्रह है। तृतीय भाव में स्थित होकर शनि आपकी कुंडली के 5, 9, 12 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम होगी। जीवनस्तर सुधरेगा। नौकरी में प्रोन्नति हो सकती है। इस सब के बावजूद मन चिंतित, निराश रह सकता है। सफलता के मार्ग में बाधाएं आएंगी। आप बहुत सारे लोगों की मदद करेंगे और उन्हें सुरक्षा प्रदान करेंगे। सब सुख–साधन उपलब्ध होंगे और आभूषण, सुंदर वस्त्रों से युक्त रहेंगे।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए निम्न उपाय करें :

- मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं।
- शिवजी की उपासना करें।
- भोजन की पहली चपाती गाय को दें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शनि - बुध

(22/05/2109 - 31/01/2112)

बुध आपकी जन्मपत्री में चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। चतुर्थ भाव में स्थित होकर बुध आपकी कुंडली के दशम भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपकी संगीत में रुचि होगी। विदेश जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान होगा। शिक्षाविद बन सकते हैं। व्यवहार नीतिपूर्ण रहेगा। उच्चपद पर आसीन होंगे।

बुध बुद्धि का कारक है और आपके लिए शुभ है।

शुभत्व में वृद्धि के लिए बुध के वैदिक मंत्र के 9000 जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंतर्दशा :- शनि - केतु

(31/01/2112 - 10/03/2113)

आरम्भ और ढडक्ज्वझत्र दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान और जांघों का परिचायक है। दशम भाव में स्थित होकर केतु आपकी कुंडली के चतुर्थ भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपके कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं, फिर भी आप साहसी और प्रसन्न रहेंगे। धर्म में रुचि होगी, तीर्थों की यात्राएं करेंगे। गरीबों की मदद करेंगे।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए केतु के तांत्रिक मंत्र के 72000 जाप करें।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शनि - शुक्र

(10/03/2113 - 10/05/2116)

शुक्र आपकी जन्मपत्री में छठे भाव में स्थित है। छठा भाव बीमारी, सुश्रूषा, मातहत या सेवक, कर्ज़, शत्रु, कंजूसी और अतिकष्ट का द्योतक है। शुक्र शुभ ग्रह है। छठे भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के द्वादश भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपका कोई शत्रु नहीं होगा। विपरीत लिंग के व्यक्तियों से उत्तम संबंध होंगे। वासनाओं पर नियंत्रण रखना आवश्यक है, वर्ना बदनाम हो सकते हैं।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए शुक्र के वैदिक मंत्र के 16000 जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंतर्दशा :- शनि - सूर्य

(10/05/2116 - 22/04/2117)

सूर्य आपकी जन्मपत्री में पंचम भाव में स्थित है। पंचम भाव संतान, मनोरंजन, सैर–सपाटे, प्रेम संबंध, स्पर्धा, अच्छे–बुरे चरित्र, धाार्मिकता, विवेक, धनाढ्यता और आत्मिक उत्थान का परिचायक है।

पंचम भाव में स्थित होकर सूर्य आपकी कुंडली के 11वें भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप घर से दूर रह सकते हैं, अप्रसन्न हो सकते हैं। हृदय रोग से बचाव करना श्रेयस्कर रहेगा। यह अंतर्दशा अधिक शुभ नहीं रहेगी। धर्म और अध्यात्म में रुचि हो सकती है।

अरिष्ट से बचाव के लिए निम्न उपाय करें :

- शहद और दूध का सेवन करें; अग्नि को दूध अर्पित करें।
- गरीबों को आटा, गुड़, तांबा दान करें।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शनि - चन्द्र

(22/04/2117 - 21/11/2118)

चंद्रमा आपकी जन्मपत्री में अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है। अष्टम भाव में स्थित होकर चंद्र आपकी कुंडली के दूसरे भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है। अष्टम भाव में स्थित चंद्र अशुभ माना जाता है।

इस अवधि में आप समाज में लोकप्रिय बनेंगे। विवाह के बाद व्यापार आदि में लाभ बढ़ेगा। जल से संबंधित रोगों से बचाव करना श्रेयस्कर रहेगा। नदी, झील आदि के निकट सावधान रहें, क्योंकि डूबने का खतरा रहेगा।

अरिष्ट से बचाव के लिए चंद्रमा का यंत्र धारण करें।

Sample

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शनि - मंगल

(21/11/2118 - 31/12/2119)

मंगल आपकी जन्मपत्री में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है।

इस अवधि में आप जल्दबाज, ऊर्जावान, साहसी और महत्वाकांक्षी होंगे मगर दुर्घटना का खतरा होगा। घरेलू जीवन में थोड़ी अशांति हो सकती है। आपके जीवनसाथी साहसी मगर क्रोधी स्वभाव के हो सकते हैं। आप अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। आप मंगली हैं, अतः आपके जीवनसाथी भी मंगली हों, तो उत्तम रहेगा।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए प्रतिदिन हनुमान मंदिर में जाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शनि - राहु

(31/12/2119 - 06/11/2122)

राहु आपकी जन्मपत्री में चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। राहु छाया ग्रह है। इसकी स्वयं की राशि नहीं होती है। इसे अशुभ समझा जाता है पर यह स्थिति के अनुसार शुभ/अशुभ होता है।
इस अवधि में आपको माता–पिता (संभवतः माता) के माध्यम से अचल संपत्ति आदि का लाभ हो सकता है। आप असंतुष्ट, अप्रसन्न और विचलित रह सकते हैं। मित्र कम होंगे, ईमानदारी में कमी हो सकती है। बुद्धिमत्ता कम हो सकती है, कोई धोखा दे सकता है। माता–पिता में से एक आप से अप्रसन्न होकर दूर रह सकता है।
अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए राहु के वैदिक मंत्र के 18000 जाप करें।

दशा विश्लेषण

अंर्तदशा :- शनि - गुरु

(06/11/2122 - 19/05/2125)

बृहस्पति आपकी जन्मपत्री में नवम भाव में स्थित है। नवम भाव श्रद्धा, भाग्य, धार्मिक और आध्यात्मिक विचार, अंतर्ज्ञान, भविष्यज्ञान, उपासनास्थल, पिता, धर्मगुरु, लंबी यात्राएं, हवाई यात्रा, उच्च शिक्षा और घुटनों का प्रतिनिधि है। बृहस्पति शुभ ग्रह है। नवम भाव में स्थित होकर बृहस्पति आपकी कुंडली के 1, 3, 5 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।
इस अवधि में आप दार्शनिक विचारों के और कानून विशेषज्ञ हो सकते हैं। जीवन संयमपूर्ण होगा, ईश्वर में ध्यान लगाएंगे। सिद्धांतवादी होंगे। व्याख्याता हो सकते हैं, विदेश में जाकर भी प्रचार कर सकते हैं। पिता और सहकर्मियों का आदर करेंगे।
शुभत्व में वृद्धि के लिए बृहस्पति के वैदिक मंत्र के 19000 जाप करें।

Sample

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती ह। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	1
भाग्यांक	7
मित्र अंक	1, 4, 8, 9, 7
शत्रु अंक	3, 5, 6
शुभ वर्ष	19,28,37,46,55
शुभ दिन	मंगल, रवि, गुरु
शुभ ग्रह	मंग, सूर्य, गुरु
मित्र राशि	वृश्चि, धनु
मित्र लग्न	वृश्चि, मेष, मिथु
अनुकूल देवता	जगदम्बा
शुभ रत्न	माणिक्य
शुभ उपरत्न	सूर्य मणि, लाल तुर्मली
भाग्य रत्न	मूंगा
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	नारंगी
शुभ दिशा	पूर्व
शुभ समय	सूर्योदय
दान पदार्थ	मूंगा, केसर, रक्तचन्दन
दान अन्न	गेहुं
दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सौंपकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है। सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

शुभ रत्न

जीवन रत्नः	माणिक्य	सन्तति सुख,स्वास्थ्य,
भाग्य रत्नः	मूंगा	स्वास्थ्य,भाग्योदय,सुख
कारक रत्नः	पुखराज	भाग्योदय,सन्तति सुख,दुर्घटना से बचाव

दशा	रत्न	क्षमता	मंत्र-जप/व्रत/दान/लाभ
बुध	माणिक्य	81%	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः (9000)
01/01/2012	मूंगा	74%	बुधवार,मूँग, हाथी दांत, कपूर, फल, घी
19/05/2022	पुखराज	54%	सुख, धनार्जन, धन
केतु	माणिक्य	77%	ऊँ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः (17000)
19/05/2022	मूंगा	77%	मंगलवार,तिल, सप्तधान्य, नारियल, शस्त्र, तेल
18/05/2029	पुखराज	54%	व्यावसायिक उन्नति, धनार्जन, धन
शुक्र	मूंगा	82%	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः (16000)
18/05/2029	माणिक्य	77%	शुक्रवार,चावल, मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन, दूध
18/05/2049	पुखराज	45%	शत्रु व रोग मुक्ति, व्यावसायिक उन्नति, पराक्रम
सूर्य	माणिक्य	94%	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः (7000)
18/05/2049	मूंगा	77%	रविवार,गेहुँ, मूंगा, केसर, रक्तचन्दन, घी
19/05/2055	पुखराज	49%	सन्तति सुख, स्वास्थ्य, पराक्रम
चन्द्र	मूंगा	82%	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः (11000)
19/05/2055	माणिक्य	76%	सोमवार,चावल, शंख, कपूर, श्वेतचन्दन, दही
18/05/2065	पुखराज	50%	दुर्घटना से बचाव, कम खर्च, पराक्रम
मंगल	मूंगा	96%	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः (10000)
18/05/2065	माणिक्य	76%	मंगलवार,मल्का, केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन, घी
18/05/2072	पुखराज	49%	स्वास्थ्य, भाग्योदय, सुख
राहु	माणिक्य	74%	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः (18000)
18/05/2072	मूंगा	71%	शनिवार,तिल, सरसों, खड्ग, कम्बल, घी
19/05/2090	पुखराज	54%	सुख, भाग्योदय, सुख
गुरु	मूंगा	77%	ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः वृहस्पतये नमः (19000)
19/05/2090	माणिक्य	76%	गुरुवार,दाल चना, हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प, घी
20/05/2106	पुखराज	67%	भाग्योदय, सन्तति सुख, दुर्घटना से बचाव
शनि	मूंगा	72%	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः (23000)
20/05/2106	माणिक्य	71%	शनिवार,उड़द, कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह, तेल
19/05/2125	पुखराज	50%	पराक्रम, शत्रु व रोग मुक्ति, दम्पति

रत्न धारण

भाग्य रत्न

"रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिए इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करना चाहिए। निर्दिष्ट नक्षत्र में धारण करने से रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिये गये भार या उससे अधिक भार का लेकर जो किवाया हो एवं पौना न हो जैसे 4-1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएं कि रत्न नीचे से अंगुली को स्पर्श करे।

धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धापूर्वक ध्यान करना चाहिए। तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए एवं धूप दीप जलाकर संबंधित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। स्त्रियों को बाएं एवं पुरुषों को दाएं हाथ में अंगुली धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथाशक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए।

यदि आप अन्य कोई रत्न पहले से पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एकसाथ न पहनें। उपरोक्त विधि से रत्न को पहनने से रत्न के शुभ फल प्रचुर मात्रा में शीघ्र मिलते हैं।"

रत्न	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	ग्रह	नक्षत्र
माणिक्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	सूर्य	कृतिका, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	चन्द्र	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मंगल	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	बुध	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	गुरु	पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वाभाद्रपद
हीरा	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	शुक्र	भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	शनि	पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद
गोमेद	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	राहु	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	केतु	अश्विनी, मघा, मूल

रत्न	मंत्र	निषेध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ॐ घृणि सूर्याय नमः	हीरा, नीलम, गोमेद	गेहूँ,चंदन,घी,लाल वस्त्र
मोती	ॐ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल,चीनी,घी,श्वेत वस्त्र
मूंगा	ॐ अं अंगारकाय नमः	हीरा, गोमेद, नीलम	गेहूँ,ताम्र,गुड़,लाल वस्त्र
पन्ना	ॐ बुं बुधाय नमः	---	मूंग,कांसा,हरित वस्त्र
पुखराज	ॐ वृं वृहस्पतये नमः	हीरा, गोमेद	चने की दाल,गुड़,पीला वस्त्र
हीरा	ॐ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल,चांदी,श्वेत वस्त्र
नीलम	ॐ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	काला तिल,तेल,काला वस्त्र
गोमेद	ॐ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल,तेल,कंबल,नीला वस्त्र
लहसुनिया	ॐ कें केतवे नमः	---	सप्तधान्य,नारियल,धूम्र वस्त्र

Sample

साढ़ेसाती के उपाय

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है । शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	01/01/2012-02/11/2014
साढेसाती प्रथम ढैया	21/07/2022-24/03/2025
साढेसाती द्वितीय ढैया	24/03/2025-26/10/2027
साढेसाती तृतीय ढैया	26/10/2027-11/04/2030
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	25/05/2032-06/07/2034

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/03/2041-02/12/2043
साढेसाती प्रथम ढैया	17/02/2052-09/09/2054
साढेसाती द्वितीय ढैया	09/09/2054-01/04/2057
साढेसाती तृतीय ढैया	01/04/2057-22/05/2059
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/07/2061-15/02/2064

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	25/10/2070-20/04/2073
साढेसाती प्रथम ढैया	18/08/2081-09/03/2084
साढेसाती द्वितीय ढैया	09/03/2084-11/05/2086
साढेसाती तृतीय ढैया	11/05/2086-11/11/2088
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	10/05/2091-22/06/2093

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	पराक्रम
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	दम्पति
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	दुर्घटना से बचाव
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	बदनामी
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	धनार्जन

Sample

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपमुा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उमुद की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि

के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

योग कारक

किसी भी जन्मकुंडली में ग्रह, अपने स्वामित्व तथा स्थिति के अनुसार, सकारात्मक या नकारात्मक फल देते हैं। ये ग्रह विभिन्न दशा काल में भिन्न-भिन्न प्रकार से आचरण करते हैं, जो दशा स्वामी की स्थिति तथा उससे ग्रह के संबंध पर आधारित है। सुविधा के लिए हमने ग्रह के शुभ तत्वों की संगणना प्रतिशत में की है। 50 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्रहों को लाभकारक तथा उससे नीचे हानिकारक समझना चाहिए। इस सूचना को आधार बनाकर आप अपनी जन्मकुंडली में दशा के प्रभावों का अध्ययन स्वयं ही कर सकते हैं। इसी तरह इन आंकड़ों द्वारा गोचर के प्रभाव का भी अध्ययन किया जा सकता है।

योग कारक एवं मारक

लग्न के लिए	:	योग कारक	-	बुध, शनि, शुक्र
		मारक	-	सूर्य, चंद्र, मंग
जन्मकुंडली के लिए	:	योग कारक	-	मंग, बुध, केतु
		मारक	-	चंद्र, राहु, शुक्र

जन्मकुंडली में ग्रह बल

सूर्य	51%	सन्तति सुख, स्वास्थ्य
चन्द्र	43%	दुर्घटना से बचाव, कम खर्च
मंगल	71%	स्वास्थ्य, भाग्योदय, सुख
बुध	70%	सुख, धनार्जन, धन
गुरु	51%	भाग्योदय, सन्तति सुख, दुर्घटना से बचाव
शुक्र	49%	शत्रु व रोग मुक्ति, व्यावसायिक उन्नति, पराक्रम
शनि	59%	पराक्रम, शत्रु व रोग मुक्ति, दम्पति
राहु	48%	सुख, स्वास्थ्य
केतु	61%	व्यावसायिक उन्नति, शत्रु व रोग मुक्ति

दशा काल में ग्रह बल

दशा	समाप्ति	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
बुध	19/05/2022	56	44	68	97	44	55	48	74	49
केतु	18/05/2029	31	27	79	53	44	72	35	30	93
शुक्र	18/05/2049	31	27	54	66	56	87	74	55	78
सूर्य	19/05/2055	88	65	83	53	73	30	35	30	36
चंद्र	18/05/2065	70	84	54	82	44	43	48	46	36
मंग	18/05/2072	73	52	98	53	73	43	48	42	75
राहु	19/05/2090	31	44	55	85	44	55	60	86	36
गुरु	20/05/2106	73	52	83	41	88	44	48	42	49
शनि	19/05/2125	31	27	41	66	44	68	92	55	36

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

आपकी जन्म कुंडली में मंगल लग्न में स्थित है। अतः आप एक मांगलिक पुरुष है इस मंगल के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा पित या गर्मी से किंचित परेशानी हो सकती है लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। आप स्वभाव से तेजस्वी रहेंगे तथा स्वपराक्रम के द्वारा अपने सांसारिक महत्व के कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इस मंगल के प्रभाव से आपके विवाह में न्यूनाधिक मात्रा में विलम्ब होगा तथा विवाह संबंधी कोई वार्ता भी असफल हो सकती है लेकिन विवाह अवश्य होगा तथा विवाहोपरांत आपकी पत्नी का स्वास्थ्य भी सामान्यतया अनुकूल ही रहेगा तथा सुखी दाम्पत्य जीवन पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आपकी कुंडली के प्रथम भाव में स्थित मंगल की चतुर्थ भाव पर दृष्टि होने से जीवन में आपको आवश्यक सुख संसाधनों की प्राप्ति में किंचित परिश्रम करना पड़ेगा साथ ही जमीन जायदाद तथा वाहन आदि से भी आप युक्त रहेंगे। सप्तम भाव पर पूर्ण दृष्टि के प्रभाव से जीवन साथी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं परस्पर मधुरता के संबंध बने रहेंगे। मंगल की दृष्टि अष्टम भाव पर होने के कारण सांसारिक कार्यों में यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु उनका सामना तथा समाधान करने में आप समर्थ रहेंगे। उर्पयुक्त योग के प्रभाव से यदा कदा पित जनित कष्ट की भी संभावना रहेगी लेकिन इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा।

अतः मंगल के दुष्प्रभाव को कम करने तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि करने के लिए आपको किसी मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए जिससे मांगलिक दोष परस्पर भंग हो सके । इसके लिए कन्या की कुंडली में मांगलिक भावों अर्थात प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम

एवं द्वादश भाव में शनि राहु या अन्य पाप ग्रह की स्थिति होनी चाहिए। यदि इस प्रकार मांगलिक दोष भंग होने के पश्चात आप विवाह करेंगे तो आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा जीवन में समस्त सुखोपभोग की सामग्री को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही धन ऐश्वर्य से युक्त होकर आप सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत
2. कुलिक
3. वासुकि
4 शङ्खपाल
5. पद्म
6. महापद्म
7. तक्षक
8. कर्कोटक
9. शङ्खचूड
10. घातक
11. विषधर एवं
12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु–केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु–केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब–जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु–केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्णरूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

नक्षत्रफल

आप रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में पैदा हुए हैं। अतः आपकी जन्मराशि मीन तथा राशिस्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका वर्ण ब्राहमण, गण देव, योनि गज, नाड़ी अन्त्य तथा वर्ग सर्प होगा। नक्षत्र के द्वितीय चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "दो" या "दौ" अक्षर से होगा। यथा- दौलत सिंह आदि

आप में स्वाभाविक रूप से सज्जनता का भाव विद्यमान रहेगा एवं समाज में दूसरे लोगों से आपके प्रिय एवं मधुर संबंध रहेंगे। धन वैभव आदि से आप हमेशा युक्त रहेंगे एवं सुख पूर्वक जीवन में इसका उपभोग करेंगे। इन्द्रियों पर आप पूर्ण नियंत्रण रखने में सक्षम रहेंगे तथा संयमपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे। आप नैसर्गिक रूप से ईमानदार रहेंगे एवं अपने इसी गुण से व्यापारादि में धनार्जन करेंगे तथा किसी भी अनैतिक कार्य से धन लाभ प्राप्त नहीं करना चाहेंगे। इसके अतिरिक्त आप कुशाग्र बुद्धि के पुरूष होंगे एवं बुद्धिमता से अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

चारूशीलविभवो जितेन्द्रियः सद्धनानुभवनैकमानसः।
मानवो ननु भवेन्महामती रेवती भवति यस्य जन्मभम्।।
जातकाभरणम्

आप शरीर के सुन्दर सर्वाङ्गों से परिपूर्ण रहेंगे। आप समाज में सभी वर्गो के मध्य प्रिय एवं आदरणीय रहेंगे तथा सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आप शौर्य गुणों से सर्वदा युक्त रहेंगे एवं पराक्रमी तथा साहसिक कार्यों को सम्पन्न करने के लिए सर्वथा तत्पर रहेंगे। आपके इस साहसी स्वभाव से सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आप मन से स्वच्छ रहेंगे एवं सबके साथ विश्वास पूर्वक कार्य सम्पन्न करेंगे तथा धोखा किसी के भी साथ नहीं करेंगे। इसके अतिरिक्त धन सम्पति से सुशोभित रहकर समाज में आप एक धनवान पुरूष के रूप में भी यशार्जन करने में सफल रहेंगे।

सम्पूर्णाङ्गः सुभगः शूरः शुचिरर्थवान्पौष्णे।।
बृहज्जातकम्

आपके सभी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न होंगे एवं अन्य सामाजिक जनों से आपका व्यवहार अत्यन्त ही सुशील एवं प्रशंसनीय रहेगा। आप एक विद्वान पुरूष होंगे तथा नाना प्रकार के शास्त्रों का परिश्रम पूर्वक विस्तृत ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी। साथ ही विविध प्रकार के ऐश्वर्य से भी आप सुशोभित रहेंगे तथा सुखपूर्वक जीवन यापन करेंगे।

सम्पूर्णाङ्गः शुचिर्दक्षः साधुः शूरो विचक्षणः।
रेवती सम्भवे लोके धनधान्यैरलंकृतः।।
मानसागरी

काम भावना की प्रवलता से आप यदा कदा व्याकुलता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके जानुभाग में कोई निशान या चिन्ह भी हो सकता हैं। आप देखने में सुन्दर होंगे तथा सलाह या मंत्रणा आदि के कार्यों में दक्ष रहेंगे। आप सुशील पत्नी एवं गुणवान पुत्रों से युक्त रहेंगे एवं आपके सभी मित्र भी शिक्षित एवं सद्गुणों से सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे। आप दृढ विचारों के व्यक्ति होंगे तथा सभी आवश्यक कार्यों को दृढता से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त स्थिर धन सम्पति से आप सुशोभित रहेंगे एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

रेवत्या मुरूलांच्छनोपगतनुः कामातुरः सुन्दरो।
मंत्री पुत्रकलत्रमित्रसहितो जातः स्थिरः श्रीरतः।।
जातकपरिजातः

आप लौहपाद में उत्पन्न हुए है। यद्यपि लौहपाद में उत्पन्न जातक सामान्य रूप से रोगी, दुःखी, धनाभाव से व्याकुल, सुखसंसाधनों से हीन तथा अन्य प्रकार के कष्टों से नित्य पीडि्त रहता हैं। किन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा शुभराशि में स्थित हैं। अतः आपके

Sample

लिए यह लौहपाद अशुभ की अपेक्षा शुभ ही अधिक रहेगा तथा विभिन्न प्रकार के शुभ फलों की आपको आजीवन प्राप्ति होती रहेगी। आप एक तेजस्वी तथा बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा धन सम्पत्ति से प्रायः सुसम्पन्न रहेंगे। आपकी आयु भी पूर्ण होगी तथा जीवन में आवश्यक सुख साधनों को अर्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा सुखपूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे। लेकिन स्वास्थ्य की दृष्टि से आप मध्यम रहेंगे तथा यदा कदा श्वास आदि रोगों से व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। इस प्रकार आपका सांसारिक जीवन सामान्यतया प्रसन्नतापूर्वक ही व्यतीत होगा।

मीन राशि में उत्पन्न होने के कारण आप सुन्दर आकर्षक शरीर एवं व्यक्तित्व से युक्त रहेंगे। आपका ललाट विस्तृत एवं नासिका उन्नत होगी। साथ ही आप की कमर भी पतली होगी। शिल्प एवं चित्रकारी में आप निपुण होंगे एवं परिश्रम पूर्वक इस क्षेत्र में सफलता तथा यशार्जन करने में सफल हो सकेंगे। आप शत्रुओं को पराजित करने में सक्षम होगे तथा वे भी आपसे सर्वदा भयभीत एवं प्रभावित रहेंगे। साथ ही वे आपका विरोध करने में हमेशा असमर्थ रहेंगे। आपको विभिन्न शास्त्रों का भी ज्ञान होगा एवं एक विद्वान के रूप में समाज में सम्मान प्राप्त करेंगे। गीत शास्त्र के प्रति भी आप रूचिशील रहेंगे एवं यत्नपूर्वक इसका भी ज्ञान करने में आप उत्सुक रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं निष्ठा का भाव रहेगा एवं नियम पूर्वक आप धर्माचरण में प्रायः तत्पर रहेंगे स्त्री वर्ग में भी आप प्रिय एवं आदरणीय रहेंगे तथा कई लोगों से आपके मधुर एवं मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे। आप हमेशा मधुर एवं प्रियवाणी का उपयोग करेंगे जिससे अन्य सभी लोग आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही जीवन में आवश्यक भौतिक सुखसंसाधनो की भी आपको प्राप्ति होगी जिसका आप उपभोग करने में प्रसन्नता की अनुभूति प्राप्त करेंगे। आप में क्रोध के भाव की अल्पता भी रहेगी एवं राजकीय सेवा में भी आप नियुक्त रहेंगे। आप जमीन के अन्दर से निकाले गए पदार्थो से विशेष रूप से लाभ भी अर्जित करेंगे। स्त्री के आप पूर्ण रूप से नियंत्रण में रहेंगे तथा सभी आवश्यक कार्यों को उसके कथनानुसार ही सम्पन्न करेंगे। आपका स्वभाव अच्छा रहेगा तथा सभी सामाजिक लोगों से आपके मधुर संबंध रहेंगे। इसके अतिरिक्त समुद्री जहाज में यात्रा करने या नाव आदि में सैर करने में भी आप की प्रवृति रहेगी एवं इससे आपको प्रसन्नानुभूति प्राप्त होगी। साथ ही दानशीलता के भाव से भी आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में यथाशक्ति इसका अनुपालन करते रहेंगे।

शिल्पोत्पन्नाधिकरोळहितजयनिपुणः शास्त्रविच्चारूदेहो।
गेयज्ञो धर्मनिष्ठो बहुयुवतिरतः सौख्यभाक् भूपसेवी।।
ईष्टत्कोपो महत्कः सुखनिधिधनभाक् स्त्रीजितः सत्स्वभावो।
यानासक्तः समुद्रे तिमियुगलगते शीतगौ दानशीलः।।
सारावली

आपको जल या समुद्र से उत्पन्न पदार्थो तथा मोती शंखादि रत्नों से विशेष लाभ प्राप्त होगा तथा इनसे आप युक्त भी हो सकते हैं। साथ ही जीवन में किसी अन्य व्यक्ति संबंधी या मित्र की धन सम्पति भी आपको प्राप्त हो सकेगी तथा सुख पूर्वक आप उसका उपभोग कर सकेंगे। स्त्रियोचित परिधानों के प्रति आपके मन में विशेष आकर्षण रहेगा। इसके साथ ही आप शारीरिक रूप से मध्यम कद के पुरूष होंगे।

जलपरधनभोक्ता दारवासोऽनुरक्तः।
समरूचिरशरीरस्तुङ्गनासो बृहत्कः।।
अभिभवति सपत्नान् स्त्रीजितश्चारूदृष्टिः।
द्युतिनिधि धनभोगी पंडितश्चान्त्यराशौ।।
बृहज्जातकम्

आप दिन में कई बार जल पीने की इच्छा प्रकट करेंगे तथा जल को अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे। आपका अपनी पत्नी के ऊपर पूर्ण विश्वास रहेगा तथा उससे हमेशा प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आपका सांसारिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। आप में विद्धता के गुण भी रहेंगे एवं कृतज्ञता के भाव से भी सर्वथा युक्त रहेंगे तथा अन्य मनुष्यों के द्वारा उपकृत होने पर उनके प्रति हार्दिक आभार प्रकट करेंगे। इसके साथ ही आप भाग्यबल से युक्त पुरूष होंगे तथा आपके अधिकांश महत्वपूर्ण कार्य भाग्यबल से ही सिद्ध होंगे।

अत्यम्बुपानः समचारूदेहः स्वदारगस्तोयजवित्तभोक्ता।
विद्धान्कृतज्ञो ऽभिभवत्यऽमित्रान् शुभेक्षणो भाग्ययुतोऽन्त्यराशौ।।
फलदीपिका

आप एक संयमी पुरूष होंगे एवं इन्द्रियों पर पूर्ण रूप से नियंत्रण रखकर जीवन व्यतीत करेंगे इससे आपके लिए अनावश्यक परेशानियां अल्प मात्रा में ही उत्पन्न होंगी। आप के अधिकांश कार्य चतुराई तथा बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा सभी लोग आपके इस गुण से प्रभावित रहेंगे। जल क्रीड़ा करने में आप अत्यन्त ही आनन्दानुभूति प्राप्त करेंगे तथा इसके

Sample

लिए नित्य प्रयत्नशील भी रहेंगे। आप का मन सर्वदा शुद्ध रहेगा अतः अन्य लोगों से आप कभी भी धोखा नहीं करेंगे तथा शुद्ध मन से अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

शशिनि मीनगते विजितेन्द्रियो बहुगुणः कुशलो जललालसः।
विमलधीः किल शस्त्रकलादरस्त्व बलताबलताकलितो नरः।।
जातकाभरणम्

जीवन में आप सामान्यतया उदर पोषण आदि के कार्यों में ही अधिकांश समय व्यतीत करेंगे। साथ ही यदा कदा लाभमार्ग भी अवरूद्ध होंगे। इससे आपको आर्थिक परेशानियों का सामना भी करना पड़ेगा। शारीरिक कान्ति से आप सुशोभित रहेंगे एवं इससे आपके सौन्दर्य आकर्षण में निरन्तर वृद्धि होगी। पिता से आप पूर्ण रूपेण धन सम्पति प्राप्त करेंगे तथा जीवन में सुख पूर्वक उसका उपभोग करेंगे। आप साहसी एवं पराक्रमी व्यक्ति भी होंगे तथा साहसिक एवं शौर्योचित कार्यों को करने में नित्य तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सन्तोषी स्वभाव के व्यक्ति होंगे एवं जो कुछ भी उपलब्ध हो उसी में सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।

जलचरधनभोक्ता मोहयुक्तोऽप्रशस्तः।
उदरभरणदेहस्तुङ्गमांसो ऽध्यः।।
अभिलषति सपत्नी स्त्रीजितश्च चारूकान्तिः।
पितृधनजनभोगी पीडितो मीनराशिः।
तुष्टः साहसी क्रोधयुक्तः मीनराशिर्मनुष्यः।।
जातकदीपिका

आप में गम्भीरता का भाव नित्य विद्यमान रहेगा तथा वीरता के गुणों से भी आप युक्त रहेंगे। समाज में आप एक गणमान्य तथा प्रधान पुरूष के रूप में श्रद्धेय तथा सम्माननीय समझे जाएंगे। साथ ही आपका स्वभाव कृपणता से भी युक्त रहेगा एवं धन संचय के प्रति आपकी विशेष रूचि रहेगी। आप परिवार तथा कुल में भी प्रिय तथा श्रेष्ठ रहेंगे तथा सभी परिवारिक जनों से यथा योग्य स्नेह तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। सेवा कार्यों में भी आप तत्पर रहेंगे एवं इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी। आप शीघ्र गति से गमन करना पसन्द करेंगे। शनैः शनैः चलना आपको उचित नही लगेगा। इसके अतिरिक्त आप उत्तम

आचरण के व्यक्ति होंगे तथा आपका आचरण अन्य लोगों के लिए प्रशंसनीय तथा अनुकरणीय रहेगा। इसके साण ही बन्धु जनों के मध्य आप अत्यन्त ही प्रिय रहेंगे।

गम्भीरचेष्टितः शूरः पटुवाक्यो नरोत्तमः।
कोपनः कृपणो ज्ञानी गुणश्रेष्ठः कुल प्रियः।।
नित्यसेवी शीघ्रगामी गाधंर्वकुशलः शुभः।।
मीन राशौ समुत्पन्नौ जायते बन्धुवत्सलः।।
मानसागरी

इस प्रकार अपने आकर्षक सौन्दर्य एवं विद्वता से आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा समाज में पूर्ण आदर तथा सम्मान अर्जित करेंगे।

मीनस्थे मृगलाञछने वरतनुर्विद्वान बहुस्त्रीपतिः।।
जातक परिजातः

देवगण में पैदा होने के कारण आपकी वाणी अत्यन्त ही प्रिय एवं श्रेष्ठ रहेगी जिससे अन्य लोग आपसे नित्य प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आप की बुद्धि सरल रहेगी तथा सब कुछ सादगी से ग्रहण करने की क्षमता से आप सुशोभित रहेंगे। आप थोड़ी मात्रा में शुद्ध एवं सात्विक भोजन करने में रूचिशील रहेंगे एवं इसको प्राप्त करके आत्मिक सन्तुष्टि प्राप्त करेंगे। अन्य लोगों के गुणों का आपको पूर्ण ज्ञान रहेगा तथा अच्छे बुरे की पहचान करने में नित्य समर्थ रहेंगे तथा स्वयं भी उत्तम विद्वानों द्वारा प्रतिपादित श्रेष्ठ गुणों से सम्पन्न रहेंगे। इसके अतिरिक्त जीवन में सर्वप्रकार के धन ऐश्वर्य एवं वैभव की आपकी पास प्रधानता रहेगी तथा प्रसन्नतापूर्वक आप जीवन व्यतीत करेंगे।

आप देखने में सुन्दर होंगे तथा दानशीलता की भावना से सर्वथा सुशोभित रहेंगे। साथ ही आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा सादगी पूर्ण जीवन व्यतीत करने में नित्य रूचिशील रहेंगे। आप अनावश्यक भौतिकता तथा दिखावे के भी विरूद्ध रहेंगे। इसके

अतिरिक्त आप एक उच्च कोटि के विद्वान होंगे एवं समाज में एक विद्वान के रूप में आपकी पूर्ण प्रतिष्ठा तथा ख्याति रहेगी।

सुस्वरः सरलोक्तमतिः स्यादल्पभोजन करो हि नरश्च।
जायते सुरगणे डणज्ञः सुज्ञवर्णितगुणो द्रविणाढ्यः।।
जातकाभरणम्

गज योनि में जन्म होने के कारण आप उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग के सदैव प्रिय रहेंगे एवं इनसे पूर्ण सहयोग तथा आदर भी प्राप्त करेंगे। इससे आपके अधिकांश महत्वपूर्ण कार्य सुगमता पूर्वक सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही शारीरिक बल से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने अधिकांश कार्यों को स्वभुजबल से ही सम्पन्न करेंगे। जीवन में विविध प्रकार के भौतिक सुखों को प्राप्त करने में भी आप सौभाग्यशाली रहेंगे। जीवन में आप किसी उच्चाधिकारी के सहयोगी या स्वयं भी उच्चाधिकारी बन सकते हैं। आप एक उत्साही पुरूष होंगे एवं उत्साह पूर्वक कार्य करने से सामान्यतया सफलता प्राप्त करने में सफल रहेंगे एवं आनन्द पूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

राजमान्यो बली भोगी भूपस्थान विभूषणः।
आत्मोत्साही नरो जातः गजयोनौ न संशयः।।
मानसागरी

आपके जन्मकाल में चन्द्रमा की स्थिति अष्टम भाव में है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। आपके प्रति उनके मन में सामान्य प्रेम विद्यमान रहेगा एवं जीवन में समस्त महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको सहयोग तथा प्रोत्साहन प्रदान करती रहेंगी। आपके स्वास्थ्य के प्रति वे चिन्तनशील रहेगी एवं सर्वदा आर्थिक तथा अन्य सहायता करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त उनसे आप कभी कभी विशेष धनार्जन करने में भी सफल हो सकेंगे।

आप का भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रहेगा एवं उनकी सेवा तथा आज्ञा का पालन करने के लिए प्रायः तत्पर ही रहेंगे। आपके परस्पर संबंध अच्छे रहेंगे परन्तु यदा कदा आपसी मतभेदों के कारण इनमें कटुता भी आयेगी लेकिन कुछ समयोपरान्त स्वतः सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इसके साथ ही आपके परस्पर संबंध भी सामान्य ही रहेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपके जन्म समय में सूर्य की स्थिति पंचम भाव में है। अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे एवं उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। साथ ही उनकी आयु भी दीर्घ होगी। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपकी यथाशक्ति सहायता करते रहेंगे। आपकी सन्तति के प्रति भी वे स्नेहशील रहेंगे तथा उनके पालन में अपनी पूर्ण रूचि प्रदर्शित करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं आदर का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा का पालन भी आप करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध भी मधुर रहेंगे लेकिन यदा कदा आपसी मतभेदों में विभिन्नता होने से संबंधों में कटुता भी आएगी परन्तु कुछ समय बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। साथ ही जीवन में आप उनका पूरा ध्यान रखेंगे एवं उनकी आर्थिक तथा अन्य सहायता करने के लिए भी उद्यत रहेंगे एवं उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे।

आपके जन्म काल में मंगल प्रथम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता उनमें परिलक्षित होगी। धन धान्य से वे प्रायः सुसम्पन्न ही रहेंगे तथा आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा एवं जीवन में आपको प्रायः अपना आथिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

आप भी उनको हृदय से चाहेंगे तथा उनकी वांछित सहायता एवं सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर ही होंगे परन्तु यदा कदा मतभेद के कारण संबंधों में कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा लेकिन यह अल्प समय के लिए ही रहेगा उसके बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस प्रकार मध्यम रूप से आप एक दूसरे का परस्पर सहयोग करते रहेंगे।

आपके लिए फाल्गुन मास, पंचमी, दशमी तथा पूर्णमासी तिथियां, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग, विष्टिकरण, शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फलदायक रहेंगे। अतः आप 15 फरवरी से 14 मार्च के मध्य 5,10,15 तिथियों, आश्लेषा नक्षत्र, व्रजयोग तथा विष्टि करण में कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न न करें। अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित ही रखें। इसके साथ ही इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति भी विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

यदि आपके लिए समय प्रतिकूल चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में असफलता तथा अन्य शुभ कार्यों में बाधाएं उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी जगदम्बा की उपासना करनी चाहिए तथा नियमित रूप से वृहस्पतिवार के उपवास भी करने चाहिए। साथ ही सोना, पीत पुखराज,

Sample

पीत वस्त्र, पीत चन्दन हल्दी तथा चने की दाल आदि पदार्थो का किसी योग्य पात्र को श्रद्धापूर्वक दान देना चाहिए। इससे आपकी चिन्ताएं दूर होगी तथा समस्त अशुभ फल दूर होंगे तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी एवं सर्वत्र लाभमार्ग प्रशस्त होंगे। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 16000 जप किसी सुयोग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए।

ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

Sample

भाव फल

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपका जन्म सिंह लग्न में हुआ है। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया उत्तम रहेगा तथा शरीर में बल की प्रधानता रहेगी। आपके व्यक्तित्व की एक विशेषता यह रहेगी आप एक निडर पुरूष होंगे तथा बिना किसी झिझक के किसी उच्च नेता या अधिकारी से बात करेंगे। आपके स्वर में थोड़ा भारीपन रहेगा तथा गम्भीरता पूर्वक आप अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगे। भोजन में आप सामान्यतया अल्पाहार ही करेंगे। जीवन में आप स्वपराक्रम से इच्छित भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को पराजित करने में आप हमेशा सफल रहेंगे तथा शत्रु की मानहानि करके आपको अत्यंत ही गौरव की अनुभूति होगी। उत्साह के भाव की भी आप में प्रबलता रहेगी तथा सांसारिक महत्व के समस्त कार्यो को उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा इनमें पुरूषार्थ से आपको सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता के क्षेत्र में आप हमेशा सफल रहेंगे तथा आपके विरोधी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपकी पुत्र सन्नति भी अल्प ही रहेगी। यथोक्तम्

.ए01.ॊ05.

यदा कदा आपके स्वभाव में उग्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा तथा क्रूरकर्म करने के लिए भी आप उद्यत रहेंगे। आप एक आत्म विश्वासी पुरूष होंगे तथा अपनी बुद्धि पराक्रम एवं कार्य पर पूर्ण भरोसा रखेंगे परन्तु इसी परिपेक्ष्य में आप कभी कभी दूसरों को तुच्छ समझने लगेंगे इससे आपके मान सम्मान तथा छवि में न्यूनता आएगी साथ ही आप अपने से किसी को श्रेष्ठ नहीं समझेंगे। आप एक सिद्धांतवादी पुरूष होंगे तथा अपने सिद्धांतों की रक्षा करने के लिए कुछ भी करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपके हृदय में उदारता के भाव की भी प्रधानता रहेगी तथा अन्य लोगों स्नेह तथा सहानुभूति का भी आप समय समय पर प्रदर्शन करते रहेंगे। इससे आपके सामाजिक मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे।

आप अपने गुणों तथा पुरूषार्थ के द्वारा किसी भी कार्य में उन्नति प्राप्त कर सकते है साथ ही आप एक धार्मक पुरूष दानी तथा विश्वास के योग्य भी रहेंगे फलतः आप उच्चाधिकारी या किसी संस्था आदि के अध्यक्ष आदि बन सकते है। आप में नेतृत्व की भी क्षमता रहेगी तथा आपके अनुयायी आपको अपना आश्रयदाता समझकर ईमानदारी से आपकी आज्ञा का अनुपालन करेंगे। साथ ही धन सम्पति को भी आप अर्जित करेंगे परन्तु नौकर, खानदानी कार्यो या मुकदद्में अथवा विवाद आदि से परेशानी रहेगी अतः बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए। साथ ही यदि आप अन्य योग्य जनों को उचित सम्मान प्रदान कर सकेंगे तो आप एक सम्माननीय व्यक्ति हो सकते हैं। यथोक्तम्

.छछ. कृशोदरश्चारूपराक्रमश्च भोगी भवेदल्पसुतोल्प भक्षः। सुञजातबुद्धिर्मनुजोभिमाने पञचानने सञजनने विलग्ने।।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

.ऊछ.

जातकाभरणम्

अर्थात् सिंह लग्न का जातक स्वस्थ पराक्रमी भोगी अल्पहारी अल्पयुत युक्त तथा अन्य को अपने समक्ष तुच्छ समझनेवाला होता है।

भाव फल

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपकी जन्म कुंडली में द्वितीय भाव में कन्या राशि स्थित है जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप धन संग्रह के प्रति हमेशा यत्नशील रहेंगे तथा आपात्काल के लिए आपके पास कुछ न कुछ अवश्य रहेगा। आतिथ्य सत्कार की भावना की आप में प्रबलता रहेगी तथा इससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। फलतः समय समय पर आप अपने घर में अन्य जनों को आंमत्रित करते रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन शांत तथा प्रसन्नता से युक्त रहेगा तथा परिवार में समृद्धि बनी रहेगी। साथ ही परस्पर सेवा तथा सहयोग का भाव भी विद्यमान रहेगा। लेकिन पैतृक सम्पति की प्राप्ति आप अल्प मात्रा में ही करेंगे तथा जो कुछ अर्जित करेंगे अपने परिश्रम एवं पराक्रम से करेंगे।

यह स्थान वाणी का प्रतिनिधि भाव है तथा इसका स्वामी बुध वाणी का प्रतिनिधि है अतः इसके प्रभाव से आपकी वाणी में धुरता रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही अपने विचारों को भी आप सरल एवं स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने में सफल होंगे। इसके साथ ही आप अपनी विद्वता से धनार्जन करेंगे तथा स्वर्ण आदि बहुमूल्य धातुओं को भी अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इस प्रकार आप धन वैभव से युक्त होकर आनन्द पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Sample

भाव फल

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन, लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है अतः इसके प्रभाव से आप एक प्रसन्नचित व्यक्ति होंगे तथा आपकी स्मरण शक्ति भी तीव्र होगी। साथ ही दीर्घकाल तक किसी वस्तु को याद रख सकेंगे तथा शीघ्र ही ज्ञान अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगे। जीवन में भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगे तथा इनका पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही आप भी उनको अपनी ओर से पूर्ण सुख सुविधाएं एवं आधुनिक उपकरणों से युक्त करने में हमेशा तत्पर रहेंगे परन्तु यदि वे आपकी अपेक्षा अनुसार व्यवहार नहीं करते है या कोई कार्य नहीं करते हैं तो आप शीघ्र उनपर उत्तेजित हो जाएंगे परन्तु पारिवारिक शान्ति तथा समृद्धि के लिए अपने पर नियंत्रण रखने में भी सफल रहेंगे।

आप एक साहसी तथा पराक्रमी व्यक्ति होंगे तथा उत्तेजना में कभी भी कोई महत्वपूर्ण निर्णय नहीं लेंगे। अपनी इसी बुद्धिमता के कारण आप धनवान होंगे तथा समाज में आदरणीय भी समझें जाएंगे। अपने सुख एवं वैभव पूर्ण जीवन के लिए आपको संचार संबधी उपकरण यथा दूर भाष दूरदर्शन या अन्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी तथा आनन्द पूर्वक आप इनका उपभोग भी करेंगे। आप रोमाटिक संगीत के प्रिय रहेंगे तथा समय समय पर संगीत से अपना तथा अन्य जनों का मनोरंजन करेंगे। आपकी आनन्ददायक यात्राएं होती रहेंगी तथा दूर समीप की यात्राओं से इच्छित लाभ एवं ख्याति प्राप्त करेंगे। साथ ही यात्रा के मध्य नवीन मित्रों को बनाने में सफल रहेंगे तथा संबधियों से भी आप सहयोग प्राप्त करेंगे। आप सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर अपना जीवन सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे साथ ही अध्ययन में भी रूचिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वभाव चंचलता से युक्त रहेगा तथा संतति अल्प मात्रा में ही होगी। परन्तु नौकरों तथा सेवकों की बहुलता रहेगी।

भाव फल

माता, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, जायदाद एवं शिक्षा

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपकी माता जी एक भद्र महिला होंगी तथा घर की व्यवस्था करने में वे पूर्ण रूप से समर्थ रहेंगी। परस्पर सामंजस्य स्थापित करने में वे कुशल रहेंगी। अतः परिवार में सुख शान्ति तथा समृद्धि रहेगी तथा परिवार पर उनका पूर्ण नियंत्रण रहेगा एवं सभी पारिवारिक जन उनकी आज्ञा का पालन करेंगे। वे एक परिश्रम शील महिला होंगी परन्तु यदा कदा शीघ्र ही उत्तेजित हो जाएंगी लेकिन शीघ्र ही शांत भी हो जाएंगी।

आपके पास सुन्दर आवास स्थल रहेगा तथा घर में रहकर आपको शान्ति की अनुभूति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में अत्यधिक व्यस्तता के कारण गृह कार्यो में अल्प मात्रा में ही ध्यान दें सकेंगे। साथ ही आधुनिक भौतिक सुख सुविधाओं से सुसम्पन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। यद्यपि आपका आवास स्थल विशेष बड़ा नहीं होगा तथापि सुंदर सजावट से इसकी सुन्दरता तथा आकर्षण दर्शनीय रहेगी तथा सभी भौतिक उपकरण इसमें विद्यमान रहेंगे। लेकिन अपना घर युवास्था में प्राप्त करने में सफल होंगे। आपके पास अपना वाहन रहेगा तथा आयु के साथ साथ इसके स्तर में भी वृद्धि होगी। पैतृक सम्पति से आप युक्त रहेंगे। आप की उच्च शिक्षा, व्यापार प्रबन्ध या विज्ञान के विषयों में रहेगी लेकिन उच्च शिक्षा में कोई व्यवधान भी हो सकता है। आपके लिए तकनीकी शिक्षा उत्तम एवं लाभप्रद रहेगी साथ ही परिश्रम एवं लगन से अपनी शिक्षा को पूर्ण करेंगे। आपको गुप्त धन या अन्तर्प्रज्ञा तथा ज्योतिष संबधी विशिष्ट ज्ञान की प्राप्ति भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त आप पराक्रमी एवं शत्रु को पराजित करने में समर्थ रहेंगे तथा अन्य जनों की भी समय समय पर सेवा करेंगे।

Sample

भाव फल

बुद्धि, सन्तान एवं प्रणय सम्बन्ध

आपके जन्म समय में पंचम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप उद्यमी साहसी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे। उच्चशिक्षा प्राप्त करने के लिए आप हमेशा रूचिशील रहेंगे तथा इसके लिए प्रयत्न भी करेंगे जिसमें आपको न्यूनाधिक सफलता प्राप्त होगी। आप उच्च श्रेणी के धार्मिक दार्शनिक तथा ईश्वर को मानने वाले व्यक्ति होंगे तथा धर्म तथा शास्त्र के अनुसार ही अपने अधिकांश सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। बृहस्पति के प्रभाव से आप मुक्त विचार धारा के व्यक्ति आत्म विश्वासी तथा धार्मिक क्षेत्र में उन्नति करने वाले होंगे तथा इसमें आपको श्रखयाति तथा मान सम्मान भी प्राप्त होगा। आपकी सीखने की शक्ति अत्यंत ही तीव्र होगी तथा शीघ्र ही आप नवीन विचारों का सृजन करने में भी समर्थ रहेंगे। साथ ही आपका अन्तर्ज्ञान हमेशा सही रहेगा।

आपकी पत्नी बुद्धिमान होगी तथा वे शांत स्वभाव की चतुर महिला होंगी। आपकी ईश्वर के प्रति श्रद्धा तथा समता के भाव की उत्पति वृद्धावस्था में होगी जिससे आप वांछित आदर एवं श्रखयाति प्राप्त करेंगे। आपके साथ में वह स्थितियों को अनुकूल बनाने में समर्थ रहेंगी। आपकी संतति संख्या सीमित रहेगी तथा उनका स्वभाव भी उत्तम रहेगा। साथ ही वे बुद्धिमान होंगे एवं अपने अपने क्षेत्र में वांछित सफलता अर्जित करेंगे। वृद्धावस्था में आपकी वे श्रद्धा पूर्वक सेवा करेंगे वे सभी उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे वैदिक ज्ञान या ज्योतिष पर भी आपकी श्रद्धा रहेगी इसके अतिरिक्त आप वाहन आदि से सुसम्पन्न, शत्रुनाशक, सज्जनों की सेवा करने वाले तथा भाग्यशाली पुत्रों से युक्त रहेंगे।

भाव फल

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से कार्य क्षेत्र में आपको मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ेगा। यदि आप किसी के साथ कार्य कर रहें हो या अपने व्यवसाय के कार्य में किसी साझेदार का चुनाव कर रहें हो तो इससे साझेदार या जिसके लिए कार्य कर रहे है शत्रुता का भाव आरंभ हो सकता है। वैसे आप एक व्यावहारिक व्यक्ति है तथा यत्नपूर्वक शत्रुता के भाव की उपेक्षा करने के लिए तत्पर रहेंगे परन्तु आपके कार्य कलापों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अन्य जन प्रभावित होंगे जिससे वे आपका विरोध करेंगे तथा इसी सन्दर्भ में कोई मुकद्दमेबाजी पारंभ हो सकती है। आप अपने धैर्य शान्ति तथा प्रतिभा से अपने शत्रु या विरोधी पक्ष पर विजय प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही कभी भी शत्रुपक्ष की गतिविधियों से विचलित नहीं होंगे।

आपकी उचित सेवा करने के लिए आपके पास अच्छे नौकर होंगे लेकिन अधिक होने पर उनमें से कोई एक यदा कदा आपके लिए परेशानी पैदा कर सकता है। अतः सेवकों का चुनाव करते समय सावधान तथा सतर्क रहें। आपके संबन्धी कार्य क्षेत्र में आपके लिए हानि कारक रहेंगे तथा वास्तव में वे ही आपके मुख्य शत्रु होंगे अतः सोच समझकर अपने कार्यो को सम्पन्न करें। आप सीमित एवं आवश्यकता के अनुसार ही व्यय करेंगे। अतः ऋण आदि की आवश्यकता के अवसर बहुत कम आएंगे लेकिन युवास्था में यदा कदा ऐसी स्थिति आएगी परन्तु उसको संभालने में आप समर्थ रहेंगे। आपके मामा मामियों के प्रति पूर्ण अपनत्व का भाव रहेगा परन्तु आर्थिक या अन्य सहयोग अल्प मात्रा में ही प्रदान करेंगे। साथ ही मामियों का मामाओं पर प्रभाव रहेगा।

आर्थिक मुकद्दमे आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगे यद्यपि आप मुकद्दमे बाजी की उपेक्षा करेंगे तथा कोर्ट से बाहर ही उसका समाधान चाहेंगे। यदि ऐसा नहीं होता तो तभी आप कोर्ट में जाएंगे। इस प्रकार स्वपराक्रम एवं प्रभाव से शत्रु एवं विरोधी पक्ष पर विजय प्राप्त करके अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे।

Sample

भाव फल

दम्पति, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुन्दर सुशील तथा अच्छे स्वभाव वाली होगी। साथ ही धर्म के प्रति भी उनकी रूचि रहेगी। सत्य का वे अनुपालन करेंगी एवं आपके प्रति पूर्ण निष्ठावान रहेगी जिससे आपका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। आप एक भाग्यशाली पुरूष होंगे तथा लाभमार्ग हमेशा प्रशस्त रहेंगे परन्तु प्रौढ़ावस्था में यदा कदा आर्थिक परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। आप स्वभाव से आदर्श प्रेमी होंगे। यद्यपि आप कभी कभी शीघ्र ही उत्तेजित भी हो जाएंगे परन्तु पत्नी के प्रति ईमानदार तथा विश्वासपात्र रहेंगे लेकिन अपने प्रेम का प्रत्यक्ष रूप में प्रदर्शन अल्प मात्रा में ही करेंगे।

समाज में आपका सामाजिक क्षेत्र विस्तृत रहेगा। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपके मित्र वर्ग के प्रति ईर्ष्यालु न हो बल्कि वह ऐसे क्षणों में प्रसन्नता पूर्वक आप लोगों को सहयोग प्रदान करें तथा मन में किसी प्रकार का शक अथवा भ्रान्ति न रखे। पारिवारिक शान्ति तथा समृद्धि रखने में भी आप सफल रहेंगे। बच्चों के प्रति आपका पूर्ण लगाव रहेगा तथा उन से गौरवान्वित होंगे। आप कभी भी किसी अन्य के द्वारा चाहे वह पारिवारिक सदस्य क्यों न हो अपनी पत्नी का अपमान सहन नहीं कर सकते। मेष धनु मिथुन तुला तथा कुम्भ राशि या लग्न के जातक आपके लिए उपयुक्त रहेंगे। अतः आप दाम्पत्य जीवन के लिए इन्हीं से संबध स्थापित करें। व्यवसाय के क्षेत्र में आप किसी संस्था या उद्यम में सम्मानित पद पर कार्यरत हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपकी पत्नी धार्मिक प्रवृति युक्त, प्रसिद्ध सत्यवादी तथा दयालु स्वभाव की होंगी जिससे आपका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

भाव फल

दहेज, बीमा आयु एवं दुर्घटना

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आप में अंतर्प्रज्ञा शक्ति विद्यमान रहेगी तथा ज्यौतिष या तंत्र मंत्र का ज्ञान भी रहेगा। इस क्षेत्र में आपको इच्छित मान सम्मान एवं सफलता भी प्राप्त होगी तथा समय समय पर आप इससे लाभान्वित होते रहेंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति की अवश्य प्राप्ति होगी या किसी वृद्ध संबन्धी की जमीन जायदाद भी आपको मिल सकती है। आप सर्वप्रकार से खुशहाल रहेंगे तथा चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामी बनेंगे। साथ ही आपके एक से अधिक आवास स्थल हो सकते हैं। शादी से आपको लाभ होगा तथा आपकी पत्नी किसी धनाढ्य परिवार से सम्बन्धित होगी अथवा वे किसी कार्य क्षेत्र में रत हो सकती है। साथ ही आपके ससुराल वाले आपको अपेक्षा से अधिक धन एवं अन्य कीमती वस्तुएं प्रदान करेंगे ।

बीमा आदि करवाने से भी आपको समय समय पर लाभ हो सकता है लेकिन दीर्घावधि की अपेक्षा यदि आप लधुअवधि के बीमे करवाएं तो इसमें आपको शीघ्र एवं प्रचुर मात्रा में लाभ होगा तथा सम्बधित वस्तु या प्राणी की पूर्ण सुरक्षा रहेगी। अतः आपको बीमा अवश्य करवाना चाहिए। आपकी कुंडली में चोरी आदि के द्वारा कोई हानि नहीं है यद्यपि जीवन में एक बार चोर अवश्य आपके यहां आएंगे लेकिन वे कोई कीमती वस्तु को चुराने में असफल रहेंगे क्योंकि आप पूर्व ही सतर्क हो जाएंगे तथा बहुमूल्य वस्तुओं की विशेष सुरक्षा करेंगे। आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक ही व्यतीत होगा।

भाव फल

सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में मेष राशि उदित हो रही जिसका स्वामी मंगल है अतः इसके प्रभाव से आप ईश्वर की सत्ता पर विश्वास करेंगे तथा धार्मिक एवं पारिवारिक रीति रिवाजों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। आप प्रतिदिन भगवान का ध्यान अवश्य करेंगे परन्तु पूजा पाठ आदि में आपकी कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी । क्योंकि आपके विचार से ह पद्धति कुछ लोगों के द्वारा अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए बनाई गई है। धार्मिक कार्यों पर व्यय करने में भी आप अत्यधिक सतर्कता का पालन करेंगे जिससे ऐसे मामलों में अन्य लोग आपको धोखा न दे सकें। आप ध्यान समाधि या योगादि के भी इच्छुक रहेंगे तथा तंत्र मंत्र में भी यदा कदा रूचि का प्रदर्शन करेंगे। तीर्थ स्थानों की यात्रा आदि करने में भी आपकी कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी। दूसरे शब्दों में आप भीड़ से तथा पूजा आदि संस्कारों से घबराहट की अनुभूति करते है। आपको शान्ति पूर्ण स्थान अच्छा लगेगा। साथ ही धार्मिक आध्यात्मिक, तंत्र मंत्र, ज्योतिष तथा इनसे सम्बन्धित शास्त्रों का अध्ययन करने में रूचिशील रहेंगे।

आप में अन्तर्प्रज्ञा शक्ति रहेगी तथा भविष्यवाणी आदि करने में भी आप समर्थ रहेंगे। आप उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति होंगे तथा इससे समाज में आपको आदर तथा ख्याति प्राप्त होगी । यदि आप कहीं विकट परिस्थितियों में फंसेंगे तो भाग्य बल से इससे सुरक्षित हो जाएंगे। लम्बी दूरी की यात्राओं से आप लाभ तथा विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करेंगे। पौत्रों से आपको खुशी एवं सुख प्राप्त होगा साथ ही समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। आपके पूर्वजन्म के पुण्य इस जन्म में आपको खुशहाली प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मन में सेवा प्रवृति रहेगी तथा प्राणिमात्र की सेवा करके अपनी दयालुता का परिचय देंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

भाव फल

पिता, व्यवसाय एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशम भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आपके पिताजी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। उनका स्वभाव संवेदनशील रहेगा तथा आनन्द दायक जीवन व्यतीत करना उनको रूचिकर लगेगा। वे एक अच्छे पद पर अपने कार्य क्षेत्र में नियुक्त हो सकते है। साथ ही उनसे आपको पूर्ण स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनकी सेवा में तत्पर रहेंगे।

आपके लिए किसी प्रतिष्ठित उद्यम में प्रबन्धक,निदेशक या विक्रय प्रबन्धक का पद अनुकूल रहेगा तथा इस क्षेत्र में आपको इच्छित उन्नति एवं सफलताएं प्राप्त होगी। साथ ही व्यापार या सरकारी क्षेत्र में किसी उच्च या सम्मानीय पद भी अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आपके पास प्रशासनिक क्षमता विद्यमान रहेगी तथा बिना विश्राम किए हुए काफी समय तक कार्य करने में भी सक्षम रहेंगे।

राजनीति के क्षेत्र में आपकी कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी लेकिन यदि आप राजनीति में प्रवेश करेंगे तो इसमें आप उचित सम्मान ख्याति तथा राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही आप भौतिक उपकरण निविडा संबधी विभाग ,वीडियो या कम्पूटर आदि के क्षेत्र मेथ भी सफलता को प्राप्त करेंगे। विद्यालय व्यवस्था, आर्थिक क्षेत्र में कृषि भूमि एवं जायदाद तथा वित संस्थाओं से भी आप उचित लाभ अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त आप स्वभाव से कार्यशील, सज्जनों पर दयालु, सत्कर्म- कर्ता, ज्ञानवान तथा अच्छे आचरण के व्यक्ति होंगे तथा समाज से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

Sample

भाव फल

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ भ्राता एवं आकांक्षाएं

आपके जन्म के समय में एकादश भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। इसके प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा मन हमेशा उमंगो से युक्त रहेगा तथा आपकी मानसिक इच्छाएं समय समय पर आपके परिश्रम तथा योग्यता से पूर्ण होती रहेंगी। आप एक चतुर व्यक्ति होंगे तथा उन्नति के मार्ग पर हमेशा अग्रसर रहेंगे। आप सक्रिय व्यक्ति होंगे तथा विभिन्न प्रकार के कार्यो को करने में आप तत्पर रहेंगे। साथ ही लेखन कमीशन संवाददाता, ज्यौतिष तथा व्यापार से इच्छित धन लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे तथा इन्हीं क्षेत्रों में आपको लाभ होगा। आपका बड़ी बहनों के प्रति पूर्ण लगाव रहेगा तथा उनसे पूर्ण सुख सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। साथ ही भाइयों से भी नैतिक सहयोग मिलता रहेगा।

आपके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी तथा मित्र मंडली के आप सम्मानीय सदस्य समझे जाएंगे तथा आपके सभी मित्र शिक्षित चतुर एवं विद्वान होंगे। मित्रों के बीच में आपको नवीन आनन्द की प्राप्ति होगी तथा आपस में विषय विशेष के प्रति भी तर्क होंगे जिससे आपके ज्ञान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक जनों के विषय में भी आप चिन्तित रहेंगे तथा उनके परोपकार संबन्धी कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे एवं मानवता के आदर्श गुणों से भी युक्त रहेंगे। आप जिस क्षेत्र में रहते है वहां के लोगों तथा पड़ोसियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा सभी लोगों के मध्य आप की प्रतिष्ठा तथा ख्याति रहेगी। आपको समय समय पर विशेष सम्मान भी मिलते रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप बुद्धिजीवी वर्ग से हमेशा प्रभावित रहेंगे तथा उनसे संबध स्थापित करके आनन्द की अनुभूति करेंगे। इस प्रकार आप सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

भाव फल

हानि, बन्धन, कर्ज, आवास परिवर्तन एवं मोक्ष

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप सामान्यतया भाग्यशाली होंगे तथा आर्थिक दृष्टि से आपके कई स्रोत होंगे जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। आप किसी संस्था या सरकार में किसी उच्च्च पद को भी प्राप्त कर सकते हैं। आपको महत्वपूर्ण कार्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा कम महत्वपूर्ण कार्यों को अपने सहायकों के लिए छोड़ देना चाहिए जिससे वे अपने आपको आपसे उपेक्षित न समझें।

आपका व्यय अधिक मात्रा में रहेगा फलतः अवस्था के साथ साथ यदा कदा आर्थिक परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं आप एक स्वच्छंद प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा उन्मुक्त रूप से व्यय करेंगे तथा बिना अपनी स्थिति देखे हुए कई बार अन्य जनों की सहायता के लिए तत्पर हो जाएंगे। इससे आपके मान सम्मान में वृद्धि तो अवश्य होगी लेकिन आर्थिक स्थिति पर इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा अतः आपको इस आदत पर नियंत्रण रखना चाहिए। अपने मान सम्मान की रक्षा के लिए आप कभी कभी अनावश्यक व्यय करने के लिए तैयार हो जाएंगे। इससे भी आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी अतः आपको ऐसे व्ययों पर अंकुश रखना चाहिए। युवावस्था में आपको कई प्रकार के उतार चढ़ाव देखने पड़ेगें लेकिन व्यय आप जो भी तथा जहां भी करेंगे वह अच्छे कार्य के लिए ही होगा।

आपकी दूर समीप की यात्राएं प्रायः सम्पन्न होती रहेंगी। साथ ही इनसे आपको लाभ एवं सम्मान प्राप्त होगा। आपकी सामान्य यात्राएं व्यापार या विभागीय के कार्य से होंगी साथ ही विदेश भ्रमण के भी योग बनते है तथा काफी समय तक आपका प्रवास हो सकता है। इस प्रकार आपका सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

फलादेश - 2012

बृहस्पति का इस वर्ष में गोचरवश तृतीय भाव में परिभ्रमण होगा। अतः इसके प्रभाव से आप दूर समीप की यात्राएं करेंगे तथा इनसे आपको न्यूनाधिक लाभ की प्राप्ति होगी। साहित्य एवं दर्शन के प्रति इस समय आपके मन में अध्ययन की रुचि भी उत्पन्न हो सकती हैं। पुराने मित्रवर्ग से इस वर्ष आपको लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अवीन नवीन मित्रों की भी प्राप्ति होगी जिनसे भविष्य में आपको लाभ एवं सहयोग की संभावना रहेंगी। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा मानसिक संकीर्णता को छोड़कर आप विशाल हृदयता का प्रदर्शन करेंगे। फलतः समाज में भी मान सम्मान में वृद्धि होगी। परन्तु आय गोचरफल इस समय अच्छा नहीं रहेगा लेकिन दशा फल शुभ रहेगा अतः उपर्युक्त शुभ फलों में आपको यदा कदा न्यूनता दृष्टिगोचर होगी परन्तु अतिरिक्त परिश्रम एवं संघर्ष से आप शुभ फल अर्जित कर सकेंगे।

गोचर वश शनि की स्थिति इस वर्ष सप्तम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय व्यापार या कार्य क्षेत्र में आप पराक्रम एवं परिश्रम से उन्नति करेंगे तथा नौकरी या राजनीति में भी कोई सफलता मिल सकती है। इस समय माता तथा पत्नी का स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा साथ ही यदा कदा दाम्पत्य संबंधों में भी तनाव की भी संभावना रहेगी। मानसिक रूप से आप परेशान से रहेंगे लेकिन अपने सांसारिक महत्व के कार्य कलापों को परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे तथा इनमें आपको न्यूनाधिक सफलता मिलती रहेगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी परन्तु भविष्य में लाभदायक स्रोतों में वृद्धि होगी साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी होगी लेकिन इसमें व्यय अधिक तथा लाभ कम होगा।

इसके साथ ही अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशाफल विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे फलतः यदा कदा आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों में व्यवधानों का सामना करना प ड़ सकता है परन्तु आप इनका समाधान करने में समर्थ रहेंगे तथा परिश्रम पूर्वक सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही आप आवास या जायदाद संबंधी कार्य के विषय में भी कोई योजना बना सकते है।

गोचरीय भ्रमण के अनुसार इस वर्ष में राहु की स्थिति नवम एवं केतु की स्थिति तृतीय भाव में रहेगी इसके प्रभाव से यह वर्ष अधिकांशतया शुभ ही रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा में न्यूनता आएगी तथा महत्वपूर्ण कार्यों में समस्याओं एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु स्वपराक्रम एवं परिश्रम से आप इनमें सफलता प्राप्त करेंगे साथ ही भाग्य बल में अल्पता होने से मानसिक रूप से आप चिन्तित रहेंगे। परिवारिक वातावरण में भी इस समय शान्ति तथा सदभावना कम ही दृष्टिगोचर होगी। लेकिन केतु के

Sample

प्रभाव से आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इस समय कार्यक्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके साथ ही इस समय गोचरफल अशुभ एवं दशा फल शुभ रहेगा। अतः इस वर्ष में अशुभ फलों के साथ सामान्यतया शुभ फलों की भी आपको प्राप्ति होगी।

फलादेश - 2013

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति का भ्रमण चतुर्थ भाव में रहेगा। अतःयह वर्ष आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। इस वर्ष आप शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से स्वस्थ तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी उत्तम रहेगी तथा सभी लोग परस्पर स्नेहपूर्वक रहेंगे। इस वर्ष आपकी विगत सोचे हुए योजनाएँ तथा महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे। व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र में भी इस समय आपकी उन्नति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ भी होगा। साथ ही समाज से आपको यथोचित मान सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आप आवास, जायदाद या वाहन संबन्धी सुख भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस वर्ष माता तथा ससुराल से भी लाभ के योग बनेंगे। साथ ही इस वर्ष में आयगोचरफल तथा दशा भी अनुकूल फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष में गोचर वश शनि की स्थिति अष्टम भाव में रहेगी। अतः सामान्य रूप से यह समय आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह एवं पराक्रम से सम्पन्न करेंगे। पत्नी का स्वास्थ्य भी इस समय ठीक ही रहेगा तथा दाम्पत्य सुख भी अनुकूल रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस समय पारिवारिक जनों बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे। साथ ही परिश्रम पूर्वक कार्य क्षेत्र की उन्नति भी होती रहेगी ।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल भी शुभफलदायक रहेंगे अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होते रहेंगे तथा मानसिक सन्तुष्टि आपको प्राप्त होगी। लेकिन शनि की दशा का भी न्यूनाधिक प्रभाव दृष्टि गोचर होगा यद्यपि इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा तथापि इसको अनुकूल करने के लिए आपको शनि का पूजन तथा दान नियमित रूप से करना चाहिए एवं शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए इससे इसकी शुभता बनी रहेगी।

इस वर्ष गोचर वश राहु की स्थिति अष्टम भाव तथा केतु की द्वितीय भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा। इस समय शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में शान्ति तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी समयानुकूल शुभ रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह एवं सहयोग का भाव रखेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा। इस वर्ष आपको विशिष्ट या आकस्मिक धन लाभ भी हो सकता

है। लाटरी सट्टे या जुए आदि से भी आप लाभान्वित हो सकते हैं। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए समय उन्नतिशील रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आपके लाभ तथा सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

इसके साथ ही इस वर्ष में अन्य गोचर फल तथा दशा भी शुभ रहेगी। अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर सम्पन्न करेंगे तथा आय स्रोतों की वृद्धि करने में भी समर्थ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक ही अधिक रहेगा।

Sample

फलादेश - 2014

गोचरवश इस वर्ष बृहस्पति का भ्रमण पंचम भाव में होगा। अतः यह समय आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। इस समय ज्योतिष साहित्य एवं संगीत आदि के प्रति आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा परिश्रम पूर्वक आप इनका ज्ञान अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय सन्तोषजनक रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा। इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। यदि अविवाहित हैं तो किसी प्रेम प्रसंग का शुभारम्भ होगा। व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के लिए भी यह वर्ष आपके लिए उन्नतिकारक रहेगा एवं आवश्यक मात्रा में धनार्जन भी होगा। इस वर्ष महत्वपूर्ण राजनेताओं तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्पर्क बनेंगे एवं आपको उनसे मनोवांछित सहयोग तथा लाभ मिलेगा। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण रूप से सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग मिलता रहेगा। परन्तु अन्यगोचर फल इस समय शुभ फल प्रदान नहीं करेंगे लेकिन दशा अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भाव दृष्टिगोचर होगा।

गोचर वश शनि की स्थिति इस समय अष्टम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा आपके सांसारिक महत्व के शुभ कार्य भी उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे। पत्नी का स्वास्थ्य इस वर्ष प्रभावित रहेगा। फलतः दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी तथा संबंधों में भी यदा कदा तनाव रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी समय सामान्य रहेगा तथा धन एवं लाभार्जन आवश्यकता के अनुसार ही रहेगा तथा सन्तुष्टि अल्प ही रहेगी। आय स्रोतों की वृद्धि में भी समस्याएं उत्पन्न होंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में भी आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही न्यूनाधिक सफलता अर्जित कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशाफल अनुकूल नहीं रहेगी। अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही शनि की दशा का भी प्रभाव न्यूनाधिक रहेगा। अतः इसके लिए आपको शनि का नियमित पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शरीर की बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव कम होंगे एवं शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

गोचर वश इस वर्ष राहु की स्थिति अष्टम तथा केतु की द्वितीय भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी यदा कदा आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम ही रहेगी तथा यदा कदा पारिवारिक जनों के मध्य परस्पर मतभेद एवं तनाव रहेगा लेकिन यह अल्पकालीन होगा। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सामान्य रहेगी तथा

आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। साथ ही व्यय भी अधिक होगा। इस वर्ष आप कोई विशिष्ट या अचानक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। लाटरी जुए या सट्टे आदि से भी किंचित लाभ की संभावना रहेगी। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए वर्ष अनुकूल रहेगा तथा सामान्यतया परिश्रम एवं पराक्रम से सफलताएं मिलती रहेंगी।

इसके साथ ही इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी। अतः सांसारिक महत्व के कार्यों को सम्पन्न करने में आपको समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा आय स्रोतों की वृद्धि में भी विलम्ब होगा। अतः अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको राहु केतु की नियमित पूजा जप तथा दानादि कार्य सम्पन्न करने चाहिए।

फलादेश - 2015

गोचरवश इस वर्ष बृहस्पति का भ्रमण पंचम भाव में होगा। अतः यह समय आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। इस समय ज्योतिष साहित्य एवं संगीत आदि के प्रति आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा परिश्रम पूर्वक आप इनका ज्ञान अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय सन्तोषजनक रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा। इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। यदि अविवाहित हैं तो किसी प्रेम प्रसंग का शुभारम्भ होगा। व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के लिए भी यह वर्ष आपके लिए उन्नतिकारक रहेगा एवं आवश्यक मात्रा में धनार्जन भी होगा। इस वर्ष महत्वपूर्ण राजनेताओं तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्पर्क बनेंगे एवं आपको उनसे मनोवांछित सहयोग तथा लाभ मिलेगा। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण रूप से सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग मिलता रहेगा। परन्तु अन्यगोचर फल इस समय शुभ फल प्रदान नहीं करेंगे लेकिन दशा अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भाव दृष्टिगोचर होगा।

गोचरवश इस वर्ष में शनि नवम भाव में संक्रमण करेगा अतः यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा मैं वृद्धि होगी तथा एक प्रभावी व्यक्ति के रूप में आपका सम्मान करेंगे। शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों पर विजय प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही धर्म एवं धार्मिक कृत्यों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा यत्नपूर्वक आप इनको करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा एवं इच्छित मात्रा में धन तथा लाभ की प्राप्ति वर्ष भर होती रहेगी। परन्तु पिता का स्वास्थ्य इस समय अच्छानहीं रहेगा तथा शारीरकि रूप से वे परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त आय गोचर फल इस समय अशुभ रहेंगे। परन्तु दशाफल शुभ फल प्रदान करेगी। अतः यदा कदा आपको मानसिक या अन्य परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परन्तु सामान्य समय अच्छा ही व्यतीत होगा।

इस वर्ष में गोचरवश राहु सप्तम तथा केतु की स्थिति राशि पर रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको मानसिक अशान्ति एवं असन्तुष्टि का सामना करना पड़ेगा। शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफलता प्राप्त होगी। साथ ही कार्य क्षेत्र की उन्नति में भी व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका समाधान करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय पत्नी का स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं परस्पर संबंध भी मध्यम रहेंगे। साथ ही व्यापार या कार्य क्षेत्र में साझेदार या सहयोगियों से भी कोई समस्या हो सकती है। अतः सतर्क रहना चाहिए। इस समय सामाजिक मान प्रतिष

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

ठा भी सामान्य रहेगी तथा आर्थिक दृष्टि से भी आपका अत्यधिक परिश्रम के उपरांत ही आवश्यक धनार्जन होगा लेकिन व्यय की भी अधिकता रहेगी। फलतः वर्ष सामान्य रहेगा।

इसके साथ ही अन्य गोचर फल शुभ एवं दशा मध्यम रहेगी। अतः सांसारिक महत्व के कार्यों में परिश्रम पूर्वक सफलता मिलेगी तथा अन्यत्र भी समस्याएं उत्पन्न होगी। अतः शुभ फलों की वृद्धि तथा अशुभ फलों में कमी करने के लिए आपको नियमित रूप से राहु केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

फलादेश - 2016

गोचरवश बृहस्पति की स्थिति इस वर्ष षष्ठ भाव में रहेंगी अतः यह समय आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं मानसिक रूप से भी यदा कदा असन्तुष्टि बनी रहेंगी। अतः सांसारिक कार्य में परिश्रम पूर्वक ही आप उन्नति या सफलता अर्जित कर सकेंगे। व्यापार या नौकरी आदि में भी उन्नति के लिए अधिक पराक्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा तभी सफलता प्राप्त हो सकेंगी। साथ ही समय समय पर शत्रु या विरोधी भी आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे लेकिन उनका सामना करने में आप समर्थ होंगे। इस समय आपका यदा कदा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा लेकिन धन एवं लाभ की प्राप्ति आवश्यकतानुसार होती रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि की संभावनाएं बढ़ेगी।

इसके साथ ही अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा अच्छी नहीं रहेंगी अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में प्रारंभ में व्यवधान होंगे लेकिन बाद में स्वपराक्रम परिश्रम एवं बुद्धि से आप उनको सिद्ध करने में समर्थ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा परन्तु परिश्रम एवं पराक्रम से आपको शुभ फलों की प्राप्ति भी होती रहेंगी अतः अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको बृहस्पति का उपवाश, पूजन तथा दान नियमित रूप से करना चाहिए।

गोचरवश इस वर्ष में शनि नवम भाव में संक्रमण करेगा अतः यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा मैं वृद्धि होगी तथा एक प्रभावी व्यक्ति के रूप में आपका सम्मान करेंगे। शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों पर विजय प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही धर्म एवं धार्मिक कृत्यों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा यत्नपूर्वक आप इनको करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा एवं इच्छित मात्रा में धन तथा लाभ की प्राप्ति वर्ष भर होती रहेगी। परन्तु पिता का स्वास्थ्य इस समय अच्छानहीं रहेगा तथा शारीरकि रूप से वे परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त आय गोचर फल इस समय अशुभ रहेंगे। परन्तु दशाफल शुभ फल प्रदान करेगी। अतः यदा कदा आपको मानसिक या अन्य परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परन्तु सामान्य समय अच्छा ही व्यतीत होगा।

गोचरवश इस वर्ष में राहु षष्ठ तथा केतु द्वादश भाव में रहेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपके पराक्रम तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा समाज में सभी लोग आपका यथोचित सम्मान करेंगे। साथ ही शत्रुपक्ष तथा प्रतिद्वन्दियों पर भी आप विजय प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। अतःइस वर्ष आप कोई महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षा में या मुकददमे आदि में आपको सफलता प्राप्त हो सकती

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आवश्यक मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा जिससे आर्थिक सुदृढता बनी रहेगी। परन्तु शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह समय अच्छा नहीं रहेगा तथा उदर सम्बन्धी कष्ट अथवा कब्ज या गैस आदि से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही इस समय आपके मन में इच्छाओं की भी वृद्धि होगी जिनमें आप यदा कदा व्यय अधिक करेंगे। इस वर्ष में आय गोचरफल आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता आएगी परन्तु शुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

फलादेश - 2017

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति की स्थिति सप्तम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा कोई अचानक सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही बेरोजगारों को रोजगार मिलने की भी प्रबल संभावनाएँ बनेंगी। इस वर्ष अविवाहितों का विवाह भी हो सकता है। दाम्पत्य सुख इस वर्ष आपका उत्तम रहेगा तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा परस्पर संबन्धों में भी मधुरता रहेगी। समाज में इस समय आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी समय शुभ रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन होगा एवं अतिरिक्त आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन व्यय भी यदा कदा अधिक ही होगा। इसके साथ ही अन्य गोचरफल तथा दशाफल भी उत्तम रहेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण तथा भाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष में गोचरवश शनि नवम भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को परास्त करने में आप सफल होंगे तथा समाज में एक प्रभावी एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में आपकी छवि बनेगी। धर्म एवं धार्मिक कर्मो के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं यत्नपूर्वक आप इनमें अपनी श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। परन्तु मानसिक स्थिति इस समय विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अधिकांशतया आप किंकर्तव्यविमूढ़ से बने रहेंगे। अतः महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष उत्तम रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। लेकिन इस वर्ष में पिता का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता हैं अतः उनका पूर्ण ध्यान रखें। साथ ही इस वर्ष में आय गोचरफल तथा दशा फल भी शुभ फल प्रदान करेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए सौभाग्यपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष में गोचरवश राहु षष्ठ तथा केतु द्वादश भाव में रहेगा। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए साान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को परास्त करने में आप समर्थ रहेंगे। अतः कोई प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में आपको इस वर्ष में सफलता प्राप्त हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अनुकूल रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि होगी। जिससे प्रचुर मात्रा में आप धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय मन में इच्छाओं की वृद्धि होगी फलतः मानसिक उद्विग्नता रहेगी परन्तु इस वर्ष में आय गोचरफल तथा दशा शुभ रहेगी। अतः सामान्यतया आपको शुभ फल ही अधिक प्राप्त होंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2018

इस वर्ष में गोचर वश बृहस्पति की स्थिति अष्टम भाव में रहेगी अतः यह समय आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। शत्रु तथा विरोधी पक्ष इस समय निर्बल रहेंगे अतः व्यापार नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको सफलता या उन्नति प्राप्त हो सकती है। धन मान एवं सम्मान से सामान्यतया आप युक्त रहेंगे तथा इच्छित मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे इस समय आपको कोई विशिष्ट या अचानक लाभ की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष या तंत्र मंत्र आदि के प्रति भी इस समय आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा इनके प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा न्यूनाधिक रूप से इसका ज्ञान अर्जित करने में भी आप समर्थ रहेंगे।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल भी शुभ ही रहेंगे अतः आपके सर्वत्र उन्नति एवं लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा मानसिक शान्ति भी बनी रहेगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी इस समय आप अनुकूल लाभ एवं सहयोग प्राप्त कर सकते है। अतः वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा।

इस वर्ष शनि गोचरवश दशम भाव में परिभ्रमण करेगा। अतः यह समय आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापारिक क्षेत्र में इस समय आपकी महत्वपूर्ण उन्नति होगी तथा उन्नतिकारक किसी परिवर्तन की भी संभावना रहेगी तथा राजनैतिक क्षेत्र के लिए यह समय अत्यन्त ही महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आपको इस क्षेत्र में आपको किसी उच्च पद की भी प्राप्ति हो सकती है। नौकरी या अन्य क्षेत्र में भी आपके उन्नति मार्ग प्रशस्त होंगे तथा किसी महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति की संभावना रहेगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष शुभ रहेगा। इस समय सर्वत्र आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी तथा इच्छित मात्रा में धन का लाभ अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आय गोचरफल एवं दशाफल भी शुभ फल प्रदान करेगी अतः समय अत्यन्त ही उन्नतिकारक एवं शुभ रहेगा।

इस वर्ष में गोचरवश राहु पंचम तथा केतु एकादश भाव में भ्रमण करेगा। इनके प्रभाव से इस वर्ष आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। इस समय आपकी मानसिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में अनावश्यक चिन्ता तथा परेशानियों का अभाव रहेगा। इस समय आपके प्रेम प्रसंग स्थापित होने की संभावना रहेगी। साथ ही सन्तति पक्ष से आपको संतुष्टि मिलेगी तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष अनुकूल रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन तथा लाभ की प्राप्ति होती रहेगी। साथ ही अनायास

Sample

ही धन या लाभ प्राप्ति के योग भी बनेंगे। कार्यक्षेत्र में इस समय उन्नति होती रहेगी एवं किसी राजनैतिक महत्व के व्यक्ति या उच्चाधिकारी वर्ग से आपका सम्बन्ध होगा जिससे भविष्य में आपको इचिछत लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आय गोचरफल तथा दशाफल भी शुभ ही रहेंगे। अतः वर्ष अच्छा व्यतीत होगा।

फलादेश - 2019

गोचरवश इस वर्ष में बृहस्पति की स्थिति नवम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा अन्य जनों के परोपकार सम्बन्धी कार्य भी सम्पन्न करेंगे। शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी आप स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। इस वर्ष में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण रुके हुए कार्य बन जाएँगे तथा व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी नवीन लाभदायक योजनाओं का प्रारम्भ होगा। साथ ही नौकरी या राजनैतिक क्षेत्र में भी आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। समाज में इस समय आप एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभर सकेंगे तथा मान प्रतिष्ठा एवं प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा। गोचरफल इस वर्ष अशुभ फल प्रदान करेंगे परन्तु दशा फल शुभ रहेगी अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा अल्पता का आभास होगा परन्तु सामान्यतया परिणाम सुखद ही रहेंगे।

इस वर्ष में गोचरवश स्थिति दशम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं उन्नतिकारक रहेगा। इस समय व्यापारिक क्षेत्र में आप उन्नति या कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन कर सकते हैं। साथ ही राजनीति में संलग्न हों तो उसमें आप किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे या राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से आपका संबन्ध बढ़ेगा। नौकरी या अन्य कार्य क्षेत्र में भी पदोन्नति की संभावनाएं प्रबल होंगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। इस समय रक्तचाप सम्बन्धी परेशानी उत्पन्न हो सकती हैं। इसके साथ ही आय गोचर फल अशुभ रहेगा परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करेगी अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा विलम्ब तथा न्यूनता परिलक्षित होगी परन्तु अंतिम परिणाम सन्तोषजनक रहेगा।

गोचरवश इस वर्ष में आपकी कुळँली में राहु की स्थिति चतुर्थ तथा केतु की दशम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा। शारीरिक तथा मानसिक रूप से इस समय आप प्रसन्न तथा स्वस्थ रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक अपने समय को व्यतीत करेंगे। इस वर्ष में जमीन जायदाद सम्बन्धी कोई क्रय विक्रय कर सकते हैं या वाहन आदि के भी क्रय विक्रय की भी संभावना रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आपकी स्थिति सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में परिश्रमपूर्वक सफल रहेंगे। आपके आय स्रोतों में भी इस समय वृद्धि होगी। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी आप सामान्यतया उन्नतिशील रहेंगे एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। परन्तु माता पिता

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

के लिए यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा वे शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। इस वर्ष में आपकी दूर समीप की यात्राएँ समय समय पर हो सकती हैं। लेकिन गोचरफल आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथापि दशा शुभ फल प्रदान करेगी । अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भी आभास होगा परन्तु अन्ततोगत्वा शुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे।

फलादेश - 2020

गोचरवश इस वर्ष में बृहस्पति दशम भाव में भ्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए काफी महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से भी आपके मधुर सम्बन्ध बनेंगे। फलतः इनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपको राज्यस्तर पर किसी सम्मान से सम्मानित भी किया जा सकता हैं। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा तथा सभी लोग प्रेमपूर्वक रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा एवं आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। लेकिन इस समय विश्राम का अभाव रहेगा तथा सांसारिक कार्यों को संपन्न करने में आप तत्पर रहेंगे। इस समय अन्य लोगो से आपको शालीनता का व्यवहार भी करना चाहिए। इसके अतिरिक्त गोचरफल अशुभ परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ रहेगा।

गोचरवश शनि इस वर्ष एकादश भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके शुभ प्रभाव से यह समय आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में उन्नति करेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ भी अर्जित होगा। साथ ही समाज में आपकी कीर्ति तथा प्रतिभा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित आदर प्रदान करेंगे। राजनीति या नौकरी आदि में इस समय आप कोई पद भी प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष उत्तम रहेगा एवं सर्वत्र लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे साथ ही प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इस वर्ष में आपको स्वयं तथा सन्तति पक्ष के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इसके साथ ही इस वर्ष आय गोचरफल अशुभ रहेंगे परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करने वाली होगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों को यदा कदा आप अल्पता की भी अनुभूति करेंगे तथा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कई बार परिश्रम एवं संघर्ष भी अधिक करना पड़ा परन्तु सामान्यतया यह समय आपके लिए उत्तम एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

गोचरवश इस वर्ष में आपकी कुळँली में राहु की स्थिति चतुर्थ तथा केतु की दशम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा। शारीरिक तथा मानसिक रूप से इस समय आप प्रसन्न तथा स्वस्थ रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक अपने समय को व्यतीत करेंगे। इस वर्ष में जमीन जायदाद सम्बन्धी कोई क्रय विक्रय कर सकते हैं या वाहन आदि के भी क्रय विक्रय की भी संभावना रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आपकी स्थिति सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में परिश्रमपूर्वक सफल रहेंगे। आपके आय स्रोतों में भी इस समय वृद्धि होगी। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आप सामान्यतया उन्नतिशील रहेंगे एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। परन्तु माता पिता के लिए यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा वे शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। इस वर्ष में आपकी दूर समीप की यात्राएँ समय समय पर हो सकती हैं। लेकिन गोचरफल आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथापि दशा शुभ फल प्रदान करेगी । अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भी आभास होगा परन्तु अन्ततोगत्वा शुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे।

Sample

फलादेश - 2021

इस वर्ष में गोचर वश बृहस्पति द्वादश भाव में भ्रमण करेगा अतः इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा परन्तु मानसिक रूप से यदा कदा आप उद्विग्नता की अनुभूति कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अच्छा रहेगा परन्तु व्यय की अधिकता रहेगी। इस वर्ष में आप किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय कर सकते है। कार्य क्षेत्र के लिए वर्ष परिश्रमशील रहेगा परन्तु उन्नति एवं सफलताएं प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय आपकी दूर समीप की कोई यात्रा भी होगी यद्यपि इसमें व्यय अधिक होगा परन्तु भविष्य के लिए लाभ दायक सम्पर्क बनेंगे जिससे लाभ एवं सम्मान की प्राप्ति होगी।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल अनुकूल रहेंगे जिससे आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में परिश्रम एवं पराक्रम से सफलता मिलती रहेगी तथा व्यय के साथ साथ उचित धनार्जन भी होगा अतः आप किंचित शान्ति की अनुभूति अवश्य करेंगे।

इस वर्ष में शनि गोचरवश एकादश भाव में भ्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय आपके व्यापारिक, राजनैतिक या अन्य कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी तथा इसमे कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय आपके आय स्रोतों में सर्वत्र वृद्धि होगी तथा प्रचुरमात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय आपकी समाज में आपकी कीर्ति बढेगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं प्रतिभा के अनुरूप ही आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त प्रगति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा इनमें उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगे परन्तु सन्तति पक्ष एवं स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति आपको सतर्क रहना चाहिए साथ ही आय गोचर तथा दशा फल भी आपके लिए शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं भाग्यशाली सिद्ध होगा।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचरवश तृतीय भाव में तथा केतु की नवम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस वर्ष में आपके मान प्रतिष्ठा एवं पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु एवं प्रतिद्वन्दी भी परास्त होंगे तथा आपके समक्ष समर्पण करेंगे। मानसिक रूप से आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा सभी चिन्ताएँ समाप्त हो जाएँगी। आर्थिक दृष्टि से भी इस समय आपकी उन्नति होगी। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में इस समय स्वपरिश्रम से कोई विशिष्ट उन्नति या सफलता अर्जित करेंगे साथ ही मित्रवर्ग से भी

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपको यथोचित सुख एवं सहयोग मिलेगा। परन्तु बन्धुवर्ग से यदा कदा चिन्ता उत्पन्न हो सकती है। साथ ही नवमस्थ केतु के प्रभाव से आपको यदा कदा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। लेकिन आय गोचरफल तथा दशाफल अनुकूल होने के कारण यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा।

फलादेश – 2022

बृहस्पति इस वर्ष में गोचरवश प्रथम भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा सामाजिक क्षेत्र में भी आपको किचिंत मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। इस वर्ष व्यापार या अन्य कार्य क्षेत्र में आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय अविवाहितों के विवाह की भी संभावना बढ़ेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा। एवं यत्नपूर्वक आर्थिक कार्यों को सम्पन्न करने में आप तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी। साथ ही विगत रुके हुए कार्यों को पूर्ण करने में भी आपको सफलता मिलेगी। आप स्वतन्त्र प्रवृति का अनुपालन करेंगे एवं अपने को अत्यन्त ही अनुभवी समझने लगेंगे। अतः यह समय आपके लिए महत्वपूर्ण परन्तु विश्रामरहित रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य गोचरफल अशुभ होने से परन्तु दशा फल अनुकूल रहने से उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा आपको न्यूनता का आभास होगा। परन्तु परिश्रम करने के उपरान्त आप सकरात्मक फल प्राप्त करने में सफल होंगे।

इस वर्ष शनि का भ्रमण द्वादश भाव में रहेगा। अतः इसके प्रभाव से आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं अधिक होंगी साथ ही कोई विदेश सम्बन्धी यात्रा भी होने की संभावना रहेगी। इस समय आप अपने स्तर पर योजनाएं तैयार करेंगे तथा उनको पूर्ण करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। परन्तु ऐसे समय में आप शारीरिक दृष्टि से या मानसिक दृष्टि से परेशानी भी होगी तथा कभी कभी अत्यन्त ही उद्विग्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही समाज में अन्य जनों से यदा कदा वाद विवाद भी हो सकता है। इस वर्ष में आप अपने बन्धु, मित्र तथा अन्य शुभ चिन्तकों से कोई विशेष सहयोग या सहायता पाने में असफल रहेंगे तथा अपने ही बल पर अपने कार्यों को पूर्ण करने में तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आय गोचर फल आपको अशुभ फल प्रदान करेंगे लेकिन दशा फल शुभ फल प्रदन करेगी। अतः उपर्युक्त फलों न्यूनाधिक अशुभ फल समय समय पर प्रदर्शित होते रहेंगे। अतः यदा कदा आप मानसिक रूप से कष्ट की अनुभूति करेंगे। अतः अनुकूल एवं शुभ फलो की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन तथा दान करना चाहिए।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचर वश द्वितीय तथा केतु की अष्टम भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक उद्विग्नता भी उत्पन्न होगी। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी सामान्य ही रहेगी परन्तु पारिवारिक जनों के परस्पर संबंधों में यदा कदा मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा न्यूनाधिक

सफलता भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा आवश्यक धनार्जन होता रहेगा परन्तु व्यय भी अधिक होगा लेकिन इसका दुष्प्रभाव अल्प रहेगा। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आप जायदाद संबंधी लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं ।

इस समय आपके लिए अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः कार्य क्षेत्र की उन्नति में समस्याएं आएंगी परन्तु आप अपने पराक्रम एवं परिश्रम से उनका समाधान करने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही अधिक मात्रा में शुभ फल की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से राहु एवं केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

Sample

फलादेश - 2023

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति आपकी कुँडली में द्वितीय भाव में संक्रमण करेगा।अतः इसके शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी तथा आय स्रोतों में वृद्धि करके प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी पारिवारिक शान्ति एवं समृद्धि बनी रहेगी तथा पुत्र संतति की भी प्राप्ति की संभावना रहेगी। परन्तु यदा कदा व्यय की अधिकता से मन में उद्विग्नता उत्पन्न होगी तथा समाज में आपकी इस समय मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में आप समाज में आदरणीय समझे जाएंगे। इस समय धर्म सम्बन्धी कर्मो में भी आप रुचिशील रहेंगे। साथ ही वाणी की ओजस्विता में भी वृद्धि होगी तथा लोग आपकी बातों को ध्यानपूर्वक सुनेंगे। इसके साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में आपके उत्तम संयोग बनेंगे। साथ ही गोचरफल तथा दशाफल भी अनुकूल फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष में आपकी कुँडली में शनि द्वादश भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से इस समय आपकी लम्बी दूरी की यात्राएँ अधिक मात्रा में होंगी साथ ही कोई विदेश संबंधी यात्रा भी सम्पन्न हो सकती हैं। इस समय आपके मन में बडी बडी योजनाएं उत्पन्न होंगी तथा स्थिति अत्यन्त ही संघर्षपूर्ण होगी। इस समय अन्य जनों से आपके सम्बन्ध अच्छे रहेंगे। साथ ही शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। इस समय बन्धु मित्र या किसी भी अन्य शुभचिन्तक से आपको कोई विशेष सहयोग एवं सहायता नहीं मिलेगी तथा अपने बुद्धि एवं पराक्रम के बल पर ही आप संघर्ष करते रहेंगे तथा अन्ततोगत्वा उनमें सफलता प्राप्त कर सकेंगे। इस समय अन्य गोचर फल तथा दशाफल भी अनुकूल ही रहेंगे। अतः आपको उपर्युक्त फलों में शुभता अधिक प्राप्त होगी। शुभ एवं अच्छे फलों की प्राप्ति के लिए नियमित रूप से शनि का पूजन एवं दान आवश्य करें।

इस वर्ष में गोचर वश राहु की स्थिति द्वितीय भाव तथा केतु की अष्टम भाव में रहेगी। अतः आपके लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। इस समय पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि अनुकूल रहेगी तथा सभी लोग एक दूसरे को अपना यथोचित सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक उद्विग्नता भी बनी रहेगी। सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे तथापि इसमें अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धनार्जन होगा परन्तु व्यय भी यदा कदा अधिक होगा। इससे कोई खास परेशानी नहीं होगी। साथ ही जायदाद संबंधी लाभ की भी संभावना बनेंगी।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशा भी शुभ फल प्रदान करेगी। अतः आपके महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कार्य क्षेत्र में भी उन्नति की संभावना रहेंगी। इस प्रकार आपके लिए यह समय सामान्यतया अच्छा ही रहेगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

फलादेश - 2024

इस वर्ष बृहस्पति गोचरवश तृतीय भाव में परिभ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से आपकी दूर समीप की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। ये यात्राएँ आपके लिए शुभ रहेगी तथा इनसे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होगा जिससे आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। साहित्य एवं दर्शन के प्रति आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा इसके अध्ययन में आप तत्पर रहेंगे। इस वर्ष पुराने मित्रों से आपको लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन मित्रों की भी प्राप्ति होगी। साथ ही इस मित्रता से भविष्य में आपके कई महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे एवं लाभ स्रोतों में भी वृद्धि की संभावना रहेगी। शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप सामान्य स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे तथा संकीर्णता की भावना भी दूर होगी एवं विशाल हृदय का आप प्रदर्शन करेंगे फलतः सामाजिक स्तर में भी वृद्धि होगी। परन्तु आय गोचरफल तथा दशा फल शुभ फल प्रदान करेंगे अतः उपर्युक्त शुभ फलों में न्यूनता रहेगी तथा आपको परिश्रम अधिक करना पड़ेगा।

इस वर्ष में गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं अधिक होंगी तथा कोई विदेश सम्बन्धी यात्रा भी हो सकती है। इस समय आप अपने स्तर पर किसी बडी योजना का कार्य भी प्रारम्भ कर सकते हैं। इस वर्ष आपको अपने कार्यों को पूर्ण करने में कई प्रकार की बाधाओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से वाद विवाद आदि के भी योग बनेंगे। मित्र बन्धुओं तथा अन्य शुभचिन्तकों से भी आपको इस समय कोई विशेष सहयोग नहीं मिलेगा एवं स्वपरिश्रम तथा बुद्धिबल से ही आप अपने कार्यों को पूर्ण करने में सफल हो सकते हैं। इसके साथ ही आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में उद्विग्नता तथा अशान्ति बनी रहेगी। इस वर्ष मेंआपके आय गोचरफल तथा दशाभी अशुभ फल ही प्रदान करेंगी। अतः यह समय आपके लिए काफी संघर्षपूर्ण रहेगा। शनि की साढेसाती के प्रभाव को दूर करने के लिए आपको शनि का पूजन एवं दान करना चाहिए। इससे आपको अशुभ फलों में निश्चित रूप से न्यूनता की अनुभूति होगी।

इस वर्ष में गोचर वश राहु की स्थिति राशि तथा केतु की सप्तम भाव में रहेगी। अतः इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से यदा कदा कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता की अल्पता रहेंगी तथा यदा कदा मतभेद एवं तनाव रहेगा। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक आवश्यक मात्रा में धनार्जन होगा। परन्तु व्यय की अधिकता के कारण आप को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। कार्य क्षेत्र में भी उन्नति एवं सफलता के लिए अत्यधिक परिश्रम एवं

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

संघर्ष करना पड़ेगा तथा इसमें भी अल्प मात्रा में ही लाभ एवं सुख की प्राप्ति होगी। इस समय आपके नवीन सम्पर्क बनेंगे परन्तु पुराने सम्पर्कों में न्यूनता रहेगी परन्तु नवीन सम्पर्कों में आपको भविष्य में लाभ की संभावना रहेगी।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल अच्छे नहीं रहेंगे। अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको कठिनाइयों एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से ही आपको न्यूनाधिक सफलता मिलेगी। अतः शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से राहु केतु का पूजन तथा दान करना चाहिए। इससे परिस्थितियों में अनुकूलता आएगी तथा मन में शान्ति भी बनी रहेगी।

फलादेश - 2025

गोचरवश इस वर्ष बृहस्पति चतुर्थ भाव में भ्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा। शारीरिक रूप से इस समय आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि में भी वृद्धि होगी। एवं सभी लोग परस्पर मिलजुल कर रहेंगे। इस समय आपकी योजनाएं भी पूर्ण होंगी। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए यह वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष मध्यम रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। सम्पर्क के लोगो से इस समय आपको प्रसंशा मिलेगी तथा उनके मध्य आपकी मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। इस वर्ष में जायदाद या आवास सम्बन्धी सुख एवं लाभ की भी प्राप्ति के योग बनेंगे। साथ ही माता एवं ससुराल पक्ष से सहयोग तथा लाभ भी प्राप्त हो सकता है। लेकिन गोचरफल इस समय अशुभ फल प्रदान करेंगे परन्तु दशा शुभ फलदायक रहेगी। अतः उपर्युक्त फलों में यदा कदा विलम्ब या न्यूनता रहेगी परन्तु परिश्रमपूर्वक सफलता मिल सकेगी।

गोचरवश शनि की स्थिति इस समय आपकी राशि में रहेंगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा परन्तु मानसिक रूप से यदा कदा आप अशान्ति तथा असन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी शनि के विशेष अनुकूल न होने के कारण परिश्रम एवं संघर्ष से ही सम्पन्न होंगे तथा इसमें आपको आंशिक सफलता प्राप्त होगी। स्त्री का स्वास्थ्य भी इस समय मध्यम रहेगा परन्तु संबंधों में मधुरता रहेगी। इसके साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति भी मध्यम रहेगी परन्तु कार्य क्षेत्र में परिश्रम पूर्वक सफलता मिल सकेगी। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति में विलम्ब की भी संभावना रहेगी। साथ ही आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम ही रहेगी।

इसके साथ ही अन्य दशा एवं गोचर फल भी सामान्य फलदायक रहेंगे अतः इच्छित सफलता अर्जित करने के लिए आपको परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा तभी लाभ एवं धन की प्राप्ति होगी। साथ ही शनि के साढ़ेसाती के प्रभाव को भी अल्प करने के लिए नियमित रूप से शनि का पूजन तथा दान करें तथा शनिवार को बाएं हाथ की मध्यम अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करें। इससे आप मानसिक शान्ति तथा अन्यत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इस वर्ष में राहु को गोचरीय भ्रमण द्वादश भाव में तथा केतु का षष्ठ भाव में रहेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक रूप से भी आप या कदा अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपकी लम्बी दूरी की यात्राएँ तथा विदेश सम्बन्धी कोई यात्रा हो सकती है। इनमें

आपका व्यय अधिक होगा। साथ ही मनोरंजन सम्बन्धी कार्यों में भी आप अधिक व्यय करेंगे। फलतः इस वर्ष में आपको यदा कदा आर्थिक परेशानी हो सकती है। लेकिन षष्ठ भाव में स्थित केतु के प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे।। इस समय शत्रु तथा प्रतिद्वन्दियों को पराजित करने में आपको सफलता प्राप्त होगी। लेकिन इस समय आप नेत्र सम्बन्धी कष्ट से परेशान हो सकते हैं। साथ ही इस वर्ष में गोचरफल अशुभ रहेगा परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा अल्प मात्रा में प्राप्त होंगे परन्तु अशुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे।

फलादेश - 2026

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति पंचम भाव में भ्रमण करेगा अतः इसके प्रभाव से यह समय आपके लिए सामान्य शुभ रहेगा। इस समय ज्योतिष, संगीत एवं साहित्य के प्रति आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा प्रयत्नपूर्वक आप इसका ज्ञानार्जन करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सन्तोषप्रद रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा। राजनैतिक महत्व के लोगो तथा सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपके सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा उनसे आपको न्यूनाधिक लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपकी अभिलाषाएं भी न्यूनाधिक पूर्ण करेंगे। साथ ही आपकी कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी परन्तु आयगोचर तथा दशाफल इस वर्ष में अशुभ फल प्रदान करेंगे तथा उपर्युक्त शुभ फल यदा कदा अल्प मात्रा में ही घटित होंगे।

इस वर्ष में गोचर वश शनि आपकी राशि पर भ्रमण करेगा अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी उद्विग्नता तथा अशान्ति बनी रहेगी पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा परस्पर विवाद एवं तनाव का भाव विद्यमान रहेगा। पत्नी का स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा परन्तु दाम्पत्य जीवन सामान्य रूप से व्यतीत होगा। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष संघर्ष एवं परिश्रम पूर्ण रहेगा तथा अत्यधिक पराक्रम एवं संघर्ष से ही आपको लाभ एवं सफलता प्राप्त होगी। नौकरी या राजनीति में पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा आय स्रोतों में भी न्यूनता रहेंगी जिससे आर्थिक रूप से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशा फल भी अनुकूल नहीं रहेंगे फलतः आप सर्वत्र परिश्रम संघर्ष एवं पराक्रम से ही सफलता प्राप्त करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा साथ ही शनि की साढ़े साती के दुष्प्रभाव से भी आप परेशान रहेंगे अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आपको शनि का पूजन तथा दान नियमित रूप से करना चाहिए। साथ ही शनिवार को मध्यम अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे आपको सुख शान्ति तथा प्रसन्नता प्राप्त हो सकती है।

इस वर्ष में गोचरीय भ्रमणवश राहु की स्थिति द्वादश तथा केतु की स्थिति षष्ठ भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए शुभाशुभ फल प्रदान करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा परन्तु मानसिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। मन में वैचेनी तथा असंतुष्टि का भाव रहेगा। इस वर्ष में आपकी लम्बी दूरी की यात्राएँ होंगी तथा इनमें व्यय भी अधिक होगा। साथ ही मनोरंजन सम्बन्धी कार्यों पर भी आप अधिक व्यय

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

करेंगे। अतः यदा कदा आप आर्थिक रूप से परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। लेकिन षष्ठ भाव में केतु के प्रभाव से इस समय आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा समाज में भी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। शत्रु एवं विपक्ष को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे। परन्तु नेत्र कष्ट से आपको परेशानी होगी इसके अतिरिक्त अन्य गोचरफल तथा दशा फल अशुभ ही रहेंगे। शुभ फल अल्प ही रहेंगे तथा अशुभ फलों की अधिकता रहेगी। अतः संयमपूर्वक अपने समय को व्यतीत करें तथा शीघ्रता से कोई निर्णय न लें।

Sample

फलादेश - 2027

गोचरवश बृहस्पति की स्थिति इस वर्ष षष्ठ भाव में रहेंगी अतः यह समय आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं मानसिक रूप से भी यदा कदा असन्तुष्टि बनी रहेंगी। अतः सांसारिक कार्य में परिश्रम पूर्वक ही आप उन्नति या सफलता अर्जित कर सकेंगे। व्यापार या नौकरी आदि में भी उन्नति के लिए अधिक पराक्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा तभी सफलता प्राप्त हो सकेंगी। साथ ही समय समय पर शत्रु या विरोधी भी आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे लेकिन उनका सामना करने में आप समर्थ होंगे। इस समय आपका यदा कदा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा लेकिन धन एवं लाभ की प्राप्ति आवश्यकतानुसार होती रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि की संभावनाएं बढ़ेगी।

इसके साथ ही अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा अच्छी नहीं रहेंगी अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में प्रारंभ में व्यवधान होंगे लेकिन बाद में स्वपराक्रम परिश्रम एवं बुद्धि से आप उनको सिद्ध करने में समर्थ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा परन्तु परिश्रम एवं पराक्रम से आपको शुभ फलों की प्राप्ति भी होती रहेंगी अतः अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको बृहस्पति का उपवाश, पूजन तथा दान नियमित रूप से करना चाहिए।

इस वर्ष में शनि गोचर वश द्वितीय भाव में स्थित रहेगा। अतः इसके प्रभाव से पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि मध्यम रहेगी परन्तु पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। भौतिक एवं आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। मानसिक रूप से भी आप शान्त रहेंगे एवं शान्ति पूर्वक सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय विरोधी के निर्बल होने के कारण व्यापार या नौकरी आदि में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता भी प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशा सामान्य रहेगी। साथ ही शनि की साढ़ेसाती का अन्तिम दशा का भी प्रभाव रहेगा जिससे यदा कदा आपको उन्नति में व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका आप पराक्रम एवं परिश्रम से समाधान करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शनि के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन करना चाहिए तथा शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए इससे आपके शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

गोचरवश इस वर्ष में राहु की स्थिति एकादश भाव तथा केतु की स्थिति पंचम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए शुभ फल प्रदान करेगा।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

यदा कदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप परिश्रम से सफलता प्राप्त करेंगे। लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा बढेगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए शुभ ही रहेगा एवं आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। लेकिन इस समय आप यदा कदा क्रोधाधिक्य का प्रदर्शन करेंगे। तथा सन्तति पक्ष से अप्रसन्न तथा असंतुष्ट रहेंगे। इस समय उनका स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। साथ ही गोचरफल प्रतिकूल रहेंगे तथा दशा फल शुभ फल प्रदान करेंगी। अतः आप इस वर्ष शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे।

फलादेश - 2028

गोचरवश बृहस्पति की स्थिति इस वर्ष षष्ठ भाव में रहेंगी अतः यह समय आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं मानसिक रूप से भी यदा कदा असन्तुष्टि बनी रहेंगी। अतः सांसारिक कार्य में परिश्रम पूर्वक ही आप उन्नति या सफलता अर्जित कर सकेंगे। व्यापार या नौकरी आदि में भी उन्नति के लिए अधिक पराक्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा तभी सफलता प्राप्त हो सकेंगी। साथ ही समय समय पर शत्रु या विरोधी भी आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे लेकिन उनका सामना करने में आप समर्थ होंगे। इस समय आपका यदा कदा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा लेकिन धन एवं लाभ की प्राप्ति आवश्यकतानुसार होती रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि की संभावनाएं बढ़ेगी।

इसके साथ ही अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा अच्छी नहीं रहेंगी अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में प्रारंभ में व्यवधान होंगे लेकिन बाद में स्वपराक्रम परिश्रम एवं बुद्धि से आप उनको सिद्ध करने में समर्थ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा परन्तु परिश्रम एवं पराक्रम से आपको शुभ फलों की प्राप्ति भी होती रहेंगी अतः अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको बृहस्पति का उपवाश, पूजन तथा दान नियमित रूप से करना चाहिए।

इस वर्ष में शनि गोचर वश द्वितीय भाव में स्थित रहेगा। अतः इसके प्रभाव से पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि मध्यम रहेगी परन्तु पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। भौतिक एवं आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। मानसिक रूप से भी आप शान्त रहेंगे एवं शान्ति पूर्वक सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय विरोधी के निर्बल होने के कारण व्यापार या नौकरी आदि में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता भी प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशा सामान्य रहेगी। साथ ही शनि की साढ़ेसाती का अन्तिम दशा का भी प्रभाव रहेगा जिससे यदा कदा आपको उन्नति में व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका आप पराक्रम एवं परिश्रम से समाधान करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शनि के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन करना चाहिए तथा शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए इससे आपके शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

गोचरीय परिभ्रमण के फलस्वरूप इस वर्ष राहु दशम तथा केतु चतुर्थ भाव मे रहेगा इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा। तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण

कार्यों को सफल करने में आप समर्थ रहेंगे। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे तथा अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपकी पदोन्नति की संभावना रहेगी समाज में आपका प्रभाव रहेगा। इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा भविष्य में उनसे लाभ तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। माता पिता के स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। यदा कदा वे शारीरिक तथा मानसिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। वाहन सुख में भी इस वर्ष अल्पता रहेगी। इस समय आयगोचरफल आपके लिए अशुभ रहेंगे परन्तु दशा अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः आप अधिकांशतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे।

फलादेश - 2029

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति की स्थिति सप्तम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा कोई अचानक सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही बेरोजगारों को रोजगार मिलने की भी प्रबल संभावनाएँ बनेंगी। इस वर्ष अविवाहितों का विवाह भी हो सकता है। दाम्पत्य सुख इस वर्ष आपका उत्तम रहेगा तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा परस्पर संबन्धों में भी मधुरता रहेगी। समाज में इस समय आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी समय शुभ रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन होगा एवं अतिरिक्त आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन व्यय भी यदा कदा अधिक ही होगा। इसके साथ ही अन्य गोचरफल तथा दशाफल भी उत्तम रहेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण तथा भाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष में गोचर वश शनि का परिभ्रमण द्वितीय भाव में रहेगा अतः इसके प्रभाव से आपकी पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि अच्छी रहेंगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। साथ ही परिवार की भौतिक तथा आर्थिक स्थिति भी अनुकूल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष इस समय आपसे पराजित तथा भयभीत रहेगा फलतः नौकरी या व्यापार के क्षेत्र में कमजोर विपक्ष के कारण आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा सभी सांसारिक कार्य कलाप शान्ति पूर्वक सम्पन्न होंगे।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल भी आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेंगे अतः सर्वत्र सफलता अर्जित करने में आप समर्थ होंगे साथ ही उत्साह एवं पराक्रम का भाव मन में बना रहेगा परन्तु शनि की साढ़े साती की अन्तिम दशा होने के कारण यदा कदा न्यूनाधिक परेशानियां भी हो सकती हैं लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा इसके प्रभाव को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन तथा दान करना चाहिए। साथ ही शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे आपको सर्वत्र शुभ परिणाम प्राप्त होंगे।

इस वर्ष में गोचरवश राहु दशम तथा केतु चतुर्थ भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी इस समय आपको वांछित सफलता मिलेगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आप किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति कर सकते हैं। इस

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

समय राजनैतिक व्यक्तियों से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा उनसे आप इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। सामाजिक रूप से इस समय आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपका यथोचित सम्मान करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष उत्तम रहेगा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। माता पिता के स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष अच्छा रहेगा। शारीरिक एवं मानसिक रूप से वे स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आय गोचरफल तथा दशा फल की अनुकूलता के कारण इस वर्ष में आपको शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे।

Sample

फलादेश - 2030

इस वर्ष में गोचर वश बृहस्पति की स्थिति अष्टम भाव में रहेगी अतः यह समय आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। शत्रु तथा विरोधी पक्ष इस समय निर्बल रहेंगे अतः व्यापार नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको सफलता या उन्नति प्राप्त हो सकती है। धन मान एवं सम्मान से सामान्यतया आप युक्त रहेंगे तथा इच्छित मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे इस समय आपको कोई विशिष्ट या अचानक लाभ की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष या तंत्र मंत्र आदि के प्रति भी इस समय आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा इनके प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा न्यूनाधिक रूप से इसका ज्ञान अर्जित करने में भी आप समर्थ रहेंगे।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल भी शुभ ही रहेंगे अतः आपके सर्वत्र उन्नति एवं लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा मानसिक शान्ति भी बनी रहेगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी इस समय आप अनुकूल लाभ एवं सहयोग प्राप्त कर सकते है। अतः वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा।

इस वर्ष में शनि तृतीय भाव में परिभ्रमण करेगा अतः यह समय आपके लिए अत्यन्त ही शुभ रहेगा। इस समय आपको समस्त रूके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी तथा व्यापारिक एवं आर्थिक क्षेत्र में उन्नति कारक परिवर्तन होगा। इस वर्ष में आपकी लम्बी दूरी के शुभ एवं महत्वपूर्ण यात्रा भी सम्पन्न होगी। जिससे आपको वर्तमान तथा भविष्य में आशातीत लाभ तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति पथ पर अग्रसर होंगे एवं किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल भी आपके लिए शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा तथा धन ऐश्वर्य एवं समृद्धि को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे।

द्यरूद्धत्र रलभहरम्ल% पत्रक्षह% ळषत्रट फम्;रूक्षल% रूद्धभल% आ

;लत्ररूल७;द पलद्वळयलटठ;लत्र ’लम?लद्धद क्षद क्षह बषश्रल’ल;आआ

द्यलरूत्र रलभह भलत्र ,षद श्रमसत्र पत्रक्षह फम्; फत्रद ळएलम‸ळलक्षलत्रद़ रूद्धभ बष।फलश्र भलत्र क्षलत्र पलद्वळयट ;लत्ररू नश्रक्षल भघआ द्यक्ष% धळ ;लत्ररू ळत्र रूद्धबळक्ष ज्ञलक्षपलत्रद पत्र बद्व, द्यलष’;प भघ बप षत्र धळ पलद्व ळयट ;लत्ररू पल बश्रशलश्र परल

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

द्वत्रदआ बज्ञळळत्र बप पहदऔद्वम पत्र ’लहएल ;लत्ररूलत्रद पत्र खद्व यरु.लट;क्षल बफद्वक्षत्र रभत्रदआ

}लशल’ल एललषलत्रद फत्रद रलभह पम बऔऋलबक्ष पत्र द्यश्रहळलर पलद्व ळयट ;लत्ररू फहठ;क्ष% }लश’ल यद्धपलर पत्र भलत्रक्षत्र भघदआ षत्र भघद‘

1– द्यश्रदक्ष
2– पहबद्वप
3– षलळहबप
4 ’लऋऊँठलयलद्व
5– यद्द
6– फभलयद्द
7– क्ष{लप
8– पपलत्रटछप
9– ’लऋऊँठलसरुऔ
10– ?ललक्षप
11– बष”लम्लर ,षद
12– ’लत्र”लश्रलरूआ

;भ ;लत्ररू वबशक्ष द्यश्रहबशक्ष एलत्रश ळत्र शलत्र यद्धपलर पत्र भलत्रक्षत्र भघद रलभह पत्र फहठल फत्रद ळएलम ळलक्षलत्रद रूद्धभ रूद्धबळक्ष भलत्र ज्ञल,द क्षलत्र वबशक्ष रूलत्रद्वल)ट श्रलफप ;लत्ररू नश्रक्षल भघ ,षद रलभह पम यथ”इ फत्रद ;बश ळएलम रूद्धभ भलत्रद क्षलत्र द्यश्रहबशक्षश्र रूलत्रद्वल)ट श्रलफप ;लत्ररू नश्रक्षल भघआ

;बश द्वझश्र पहदऔद्वम फत्रद ळएलम ळलक्षलत्रद रूद्धभ रलभह ळत्र पत्रक्षह पत्र फम्; फत्रद भलत्र द्वत्रबपश्र द्यद’ललश्रहळलर पहं रूद्धभ रलभह पत्रक्षह पम म्लहरम ळत्र नलभर भलत्रद क्षलत्र द्यलदब’लप पलद्व ळयट ;लत्ररू पभद्वलक्षल भघआ ;बश पलत्रधट ,प रूद्धभ रलभह‘पत्रक्षह पम म्लहरम ळत्र नलभर भलत्र क्षलत्र एलम द्यलदब’लप पलद्व ळयट ;लत्ररू नश्रक्षल भघआ

;बश रलभह ळत्र पत्रक्षह क्षप ळएलम एललषलत्रद फत्रद पलत्रधट श्र पलत्रधट रूद्धभ बऔऋलक्ष भलत्र क्षलत्र ;भ ;लत्ररू यरु.लट :य ळत्र खबद्वक्ष भलत्रक्षल भघआ ;बश रलभह‘पत्रक्षह पत्र ळलऋल ळरु;ट ;ल सदशद्ध भलत्र क्षलत्र ;भ ;लत्ररू द्यबम्लप यद्धएललष’ललद्वम भलत्रक्षल भघआ ;बश रलभहढ ळरु;ट ष सदशद्व क्षमश्रलत्रद ,प ळलऋल भलत्र क्षलत्र रूद्धभ.लपलद्व ळयट ;लत्ररू नश्रक्षल भघआ धळपल खद्व भज्ञलर रूहश्रल द्यबम्लप भलत्र ज्ञलक्षल भघआ ,त्रळत्र ज्ञलक्षप पलत्र पलद्व ळयट ;लत्ररू पम ’ललदबक्ष परषलश्रल द्यबक्ष द्यलष’;प भलत्रक्षल भघआ

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

पलद्व ळयट ;लत्ररू पल यद्धएललष

धळ ;लत्ररू फत्रद वगयर् ज्ञलक्षप पलत्र फलश्रबळप द्य’ललदबक्षढ म्लश्रयद्धलबऐक्ष फत्रद नलम्ललढ ळदक्षलश्र द्यषरलत्रम्ल ,षद रूथभऔत्रलम फत्रद यद्धबक्षयद्व पद्वभ पत्र :य फत्रद यद्धपछ भलत्रक्षल भघआ यद्धल;% ज्ञलक्षप पलत्र नहरत्र औषऐश्र द्यलक्षत्र भघद आ पहं श्र पहं द्य’लहएल भलत्रश्रत्र पम द्यल’लदपल फश्र फत्रद नश्रम रभक्षम भघआ ज्ञलक्षप पलत्र द्ययश्रम {लफक्षल ,षद पल;टपह’लद्वक्षल पल यरु.लट खद्व यद्धलऐक्ष श्रभमद भलत्रक्षल भघढ पल;ट द्यउळर शत्रर ळत्र ळखद्व भलत्रक्षत्र भघदआ द्यसलश्रप श्रहपळलश्र ,षद यद्धबक्ष”इल पम {लबक्ष धळ ;लत्ररू पत्र द्व{ल.ल भघदआ

ज्ञलक्षप पत्र ’लरमर फत्रद षलक्ष बयञल ब=शलत्र”लज्ञच; द्यळलम्; रलत्ररू द्यपलर.ल वगयर् भलत्रक्षत्र भघआ ,त्रळत्र रलत्ररू ज्ञलत्र यद्धबक्षबशश्र उद्वत्र’ल‸यमऔल् शत्रक्षत्र भघद क्षत्रलल द्यलघ”लबम्ल द्वत्रश्रत्र यर एलम इमप श्रभमद भलत्रक्षत्र भलत्रदढ पलद्व ळयट ;लत्ररू पत्र पलर.ल भलत्रक्षत्र भघदआ

पलद्व ळयट ;लत्ररू पत्र द्यलघयसलबरप वयल; पत्र }लरल धश्र प”छलत्रद ळत्र रलभक्ष ,षद ्हछपलरल यद्धलऐक्ष बप;ल ज्ञल ळपक्षल भघआ ज्ञचफयब=पल पत्र द्यश्रहळलर ज्ञन‘ज्ञन रलभह ,षद पत्रक्षह पम फभलश’ललढ द्यदक्षशट’लल द्यलबश द्यलक्षम भघ क्षन क्षन ;भ ;लत्ररू द्यळर बशठललक्षल भघआ रूलत्रसर फत्रद रलभह ष पत्रक्षह पल ज्ञचफपलबद्वप रलभह‘पत्रक्षह ष सदशद्ध यर एलद्धफ.ल एलम धळ ;लत्ररू पलत्र ळबइ; पर शत्रक्षल भघआ वळ ळफ; बष’लत्र”ल म्;लश्र शत्रपर यरुज्ञल द्यसटश्रलबश ऐ)ल बष’षलळ पत्र ळलत्रल परत्रदढ द्यष’; द्वलएल भलत्ररूलआ पलद्वळयट ;द्रझल ;द= पत्र ळऊफहठल 43 बशश्र क्षप ळरळलत्रद पत्र क्षत्रद्व पल शम;ल ज्ञद्वलश्रत्र ळत्र एलम धश्र प”छलत्रद ळत्र रलभक्ष ,षद ्हछपलरल यद्धलऐक्ष बप;ल ज्ञल ळपक्षल भघआ

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

फलादेश – 2031

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति की स्थिति नवम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से यह समय आपके लिए अत्यन्त सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा परोपकार संबन्धी कार्यों को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके विगत सभी रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। तथा नवीन व्यापारिक या अन्य लाभदायी योजनाएँ भी बनेंगी साथ ही कार्य क्षेत्र में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा मान सम्मान की वृद्धि होगी तथा प्रसिद्धि भी दूर दूर तक फैलेगी। आर्थिक दृष्टि सेभी यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में आप धन तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही कोई भाग्योदय संबन्धी कार्य भी सम्पन्न होगा। इसके अतिरिक्त आय दशाफल तथा गोचरफल भी आपके लिए अनुकूल रहेंगे। अतः वर्ष अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष में शनि तृतीय भाव में परिभ्रमण करेगा अतः यह समय आपके लिए अत्यन्त ही शुभ रहेगा। इस समय आपको समस्त रूके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी तथा व्यापारिक एवं आर्थिक क्षेत्र में उन्नति कारक परिवर्तन होगा। इस वर्ष में आपकी लम्बी दूरी के शुभ एवं महत्वपूर्ण यात्रा भी सम्पन्न होगी। जिससे आपको वर्तमान तथा भविष्य में आशातीत लाभ तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति पथ पर अग्रसर होंगे एवं किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा फल भी आपके लिए शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा तथा धन ऐश्वर्य एवं समृद्धि को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे।

द्यरूद्धत्र रलभहरम्ल% पत्रक्षह% ळषत्रट फम्;रूक्षल% रूद्धभल% आ

;लत्ररूल७;द पलद्बळयलटठ;लत्र ’लम?लद्धद क्षद क्षह बषश्रल’ल;आआ

द्यलरूत्र रलभह भलत्र ,षद श्रमसत्र पत्रक्षह फम्; फत्रद ळएलम‸ळलक्षलत्रद़ रूद्धभ बष।फलश्र भलत्र क्षलत्र पलद्बळयट ;लत्ररू नश्रक्षल भघआ द्यक्ष% धळ ;लत्ररू ळत्र रूद्धबळक्ष ज्ञलक्षपलत्रद पत्र बद्ब, द्यलष’;प भघ बप षत्र धळ पलद्ब ळयट ;लत्ररू पल बश्रशलश्र परल द्वत्रदआ बज्ञळळत्र बप पहदऔद्वम पत्र ’लहएल ;लत्ररूलत्रद पत्र खद्ब यरु.लट;क्षल बफद्वक्षत्र रभत्रदआ

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

}लशल'ल एललषलत्रद फत्रद रलभह पम बऔऋलबक्ष पत्र द्यश्रहळलर पलद्व ळयट ;लत्ररू फहठ;क्ष% }लश'ल यद्धपलर पत्र भलत्रक्षत्र भघदआ षत्र भघद'

1– द्यश्रदक्ष
2– पहबद्वप
3– षलळहबप
4 'लइऊँठलयलद्व
5– यद्द
6– फभलयद्द
7– क्ष{लप
8– पपलत्रटछप
9– 'लइऊँठलसरुऔ
10– ?ललक्षप
11– बष"लम्लर ,षद
12– 'लत्र"लश्रलरूआ

;भ ;लत्ररू वबशक्ष द्यश्रहबशक्ष एलत्रश ळत्र शलत्र यद्धपलर पत्र भलत्रक्षत्र भघद रलभह पत्र फहठल फत्रद ळएलम ळलक्षलत्रद रूद्धभ रूद्धबळक्ष भलत्र ज्ञल,द क्षलत्र वबशक्ष रूलत्रद्वल)ट श्रलफप ;लत्ररू नश्रक्षल भघ ,षद रलभह पम यथ"इ फत्रद ;बश ळएलम रूद्धभ भलत्रद क्षलत्र द्यश्रहबशक्षश्र रूलत्रद्वल)ट श्रलफप ;लत्ररू नश्रक्षल भघआ

;बश द्वझश्र पहदऔद्वम फत्रद ळएलम ळलक्षलत्रद रूद्धभ रलभह ळत्र पत्रक्षह पत्र फम्; फत्रद भलत्र द्वत्रबपश्र द्यद'ललश्रहळलर पहं रूद्धभ रलभह पत्रक्षह पम म्लहरम ळत्र नलभर भलत्रद क्षलत्र द्यलदब'लप पलद्व ळयट ;लत्ररू पभद्वलक्षल भघआ ;बश पलत्रधट ,प रूद्धभ रलभह'पत्रक्षह पम म्लहरम ळत्र नलभर भलत्र क्षलत्र एलम द्यलदब'लप पलद्व ळयट ;लत्ररू नश्रक्षल भघआ

;बश रलभह ळत्र पत्रक्षह क्षप ळएलम एललषलत्रद फत्रद पलत्रधट श्र पलत्रधट रूद्धभ बऔऋलक्ष भलत्र क्षलत्र ;भ ;लत्ररू यरु.लट :य ळत्र खबद्वक्ष भलत्रक्षल भघआ ;बश रलभह'पत्रक्षह पत्र ळलऋल ळरु;ट ;ल सदशद्ध भलत्र क्षलत्र ;भ ;लत्ररू द्यबम्लप यद्धएललष'ललद्वम भलत्रक्षल भघआ ;बश रलभहढ ळरु;ट ष सदशद्ध क्षमश्रलत्रद ,प ळलऋल भलत्र क्षलत्र रूद्धभ.लपलद्व ळयट ;लत्ररू नश्रक्षल भघआ धळपल खद्व भज्ञलर रूहश्रल द्यबम्लप भलत्र ज्ञलक्षल भघआ ,त्रळत्र ज्ञलक्षप पलत्र पलद्व ळयट ;लत्ररू पम 'ललदबक्ष परषलश्रल द्यबक्ष द्यलष';प भलत्रक्षल भघआ

पलद्व ळयट ;लत्ररू पल यद्धएललष

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

धळ ;लत्ररू फत्रद वगयय़ ज्ञलक्षप पलत्र फलश्रबळप द्य’ललदबक्षढ म्लश्रयद्धलबऐक्ष फत्रद नलम्ललढ ळदक्षलश्र द्यषरलत्रम्ल ,षद रूथभऔऋलम फत्रद यद्धबक्षयद्व पद्वभ पत्र ़य फत्रद यद्धपछ भलत्रक्षल भघआ यद्धल;% ज्ञलक्षप पलत्र नहरत्र औषऐश्र द्यलक्षत्र भघद आ पहं श्र पहं द्य’लहएल भलत्रश्रत्र पम द्यल’लदपल फश्र फत्रद नश्रम रभक्षम भघआ ज्ञलक्षप पलत्र द्ययश्रम {लफक्षल ,षद पल;टपह’लद्वक्षल पल यरु.लट खद्व यद्धलऐक्ष श्रभमद भलत्रक्षल भघढ पल;ट द्यउळर शत्रर ळत्र ळखद्व भलत्रक्षत्र भघदआ द्यसलश्रप श्रहपळलश्र ,षद यद्धबक्ष”इल पम {लबक्ष धळ ;लत्ररू पत्र द्व{ल.ल भघदआ

ज्ञलक्षप पत्र ’लरमर फत्रद षलक्ष बयञल ब=शलत्र”लज्ञच; द्यळलम्; रलत्ररू द्यपलर.ल वगयय़ भलत्रक्षत्र भघआ ,त्रळत्र रलत्ररू ज्ञलत्र यद्धबक्षबशश्र उद्वत्र’ल‸यमऔल़ शत्रक्षत्र भघद क्षत्रऋलल द्यलघ”लबम्ल द्वत्रश्रत्र यर एलम इमप श्रभमद भलत्रक्षत्र भलत्रदढ पलद्व ळयट ;लत्ररू पत्र पलर.ल भलत्रक्षत्र भघदआ

पलद्व ळयट ;लत्ररू पत्र द्यलघयसलबरप वयल; पत्र }लरल धश्र प”छलत्रद ळत्र रलभक्ष ,षद ॅहछपलरल यद्धलऐक्ष बप;ल ज्ञल ळपक्षल भघआ ज्ञचफयब=पल पत्र द्यश्रहळलर ज्ञन‘ज्ञन रलभह ,षद पत्रक्षह पम फभलश’ललढ द्यदक्षशट’लल द्यलबश द्यलक्षम भघ क्षन क्षन ;भ ;लत्ररू द्यळर बशठललक्षल भघआ रूलत्रसर फत्रद रलभह ष पत्रक्षह पल ज्ञचफपलबद्वप रलभह‘पत्रक्षह ष सदशद्ध यर एलद्धफ.ल एलम धळ ;लत्ररू पलत्र ळबङ; पर शत्रक्षल भघआ वळ ळफ; बष’लत्र”ल म्;लश्र शत्रपर यरुज्ञल द्यसटश्रलबश ऐ)ल बष’षलळ पत्र ळलऋल परत्रदढ द्यष’; द्वलएल भलत्ररूलआ पलद्वळयट ;द्रझल ;द= पत्र ळऊफहठल 43 बशश्र क्षप ळरळलत्रद पत्र क्षत्रद्व पल शम;ल ज्ञद्वलश्रत्र ळत्र एलम धश्र प”छलत्रद ळत्र रलभक्ष ,षद ॅहछपलरल यद्धलऐक्ष बप;ल ज्ञल ळपक्षल भघआ

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2032

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति एकादश भाव में संक्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय आपके नवीन आय साधनों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी। अतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी आपको वांछित उन्नति तथा सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति आदि में पदोन्नति की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष शास्त्र में आप इस समय पूर्ण श्रद्धा व्यक्त करेंगे तथा व्यस्तता के उपरान्त भी मानसिक प्रसन्नता एवं संतुष्टि से युक्त रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में भी इस वर्ष आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि फैलेगी। जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही आय गोचर तथा दशाफल भी इस समय शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आप का अत्यन्त ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

इस वर्ष में शनि का संक्रमण चतुर्थ भाव में रहेगा। अतः इसके प्रभाव से आपका समय सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र में विस्तार तथा उन्नति की संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। बन्धु एवं पारिवारिक जनों से आपको सहयोग मिलता रहेगा तथा माता का स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अच्छा रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय आप नवीन कार्य अथवा आवास या जमीन जायदाद संबंधी कार्य भी प्रारंभ कर सकते हैं। यद्यपि प्रारंभ में किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी परन्तु भविष्य में इससे लाभ होगा।

इसके साथ ही इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल भी अनुकूल रहेंगे अतः आपको सफलताएं समय समय पर मिलती रहेंगी। परन्तु शनि की दशा के प्रभाव से यदा कदा मानसिक तनाव उत्पन्न हो सकता है एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान या विलम्ब की संभावना बनेंगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शनिवार को बाएं हाथ की मध्यम अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे समस्त बाधाएं दूर होगी एवं आप मानसिक रूप से सन्तुष्टि तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

इस वर्ष गोचर वश राहु की स्थिति अष्टम भाव तथा केतु की द्वितीय भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा। इस समय शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में शान्ति तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी समयानुकूल शुभ रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

एवं सहयोग का भाव रखेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा। इस वर्ष आपको विशिष्ट या आकस्मिक धन लाभ भी हो सकता है। लाटरी सट्टे या जुए आदि से भी आप लाभान्वित हो सकते हैं। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए समय उन्नतिशील रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आपके लाभ तथा सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

इसके साथ ही इस वर्ष में अन्य गोचर फल तथा दशा भी शुभ रहेगी। अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर सम्पन्न करेंगे तथा आय स्रोतों की वृद्धि करने में भी समर्थ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक ही अधिक रहेगा।

Sample

फलादेश - 2033

इस वर्ष में गोचरीय परिभ्रमण से बृहस्पति की स्थिति द्वादश भाव में रहेगी। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा परन्तु मानसिक रूप से यदा कदा आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी सामान्य रहेगी तथा व्यय अधिक होगा जिससे आप अल्प मात्रा में परेशानी की अनुभूति करेंगे। इस वर्ष में आप किसी शुभ एवं मांगलिक कार्य पर व्यय भी कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए आपको अधिक पराक्रम एवं परिश्रम करना पड़ेगा तभी न्यूनाधिक सफलता प्राप्त हो सकती है। इस वर्ष में आपकी दूर समीप की कोई यात्रा सम्पन्न होगी साथ ही इसमें व्यय की भी अधिकता रहेगी जिससे आर्थिक विषमता उत्पन्न होगी परन्तु भविष्य में आपकी लाभ की संभावनाएं बन सकती हैं।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको पराक्रम एवं परिश्रम से ही लाभ एवं सुख की प्राप्ति होगी। साथ ही यत्न पूर्वक आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से बृहस्पति का पूजन व्रत तथा दानादि करना चाहिए।

इस वर्ष में गोचर वश शनि चतुर्थ भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से समय मध्यम रहेगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही सम्पन्न करेंगे। बन्धु एवं परिवार से इस समय न्यूनाधिक सहयोग प्राप्त होगा तथा माता का स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्य रहेगी तथा धनार्जन के साथ साथ व्यय भी होता रहेगा लेकिन आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा ऋण लेकर आपका कोई आवास या जायदाद संबंधी कार्य भी प्रारंभ हो सकता है जिसमें वर्तमान में समस्याएं परन्तु भविष्य में इच्छित लाभ की संभावनाएं बनेंगी।

इस समय यद्यपि अन्य गोचर फल शुभ रहेंगे परन्तु दशाफल विशेष अनुकूल नहीं रहेगी तथा शनि की दशा का भी प्रभाव रहेगा फलतः यदा कदा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अनावश्यक समस्याएं तथा मानसिक तनाव हो सकता है अतः इन अशुभ फलों को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी।

इस वर्ष में गोचरवश राहु सप्तम तथा केतु की स्थिति राशि पर रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय आपका शारीरिक एवं मानसिक

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको मानसिक अशान्ति एवं असन्तुष्टि का सामना करना पड़ेगा। शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफलता प्राप्त होगी। साथ ही कार्य क्षेत्र की उन्नति में भी व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका समाधान करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय पत्नी का स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं परस्पर संबंध भी मध्यम रहेंगे। साथ ही व्यापार या कार्य क्षेत्र में साझेदार या सहयोगियों से भी कोई समस्या हो सकती है। अतः सतर्क रहना चाहिए। इस समय सामाजिक मान प्रतिष ठा भी सामान्य रहेगी तथा आर्थिक दृष्टि से भी आपका अत्यधिक परिश्रम के उपरांत ही आवश्यक धनार्जन होगा लेकिन व्यय की भी अधिकता रहेगी। फलतः वर्ष सामान्य रहेगा।

इसके साथ ही अन्य गोचर फल शुभ एवं दशा मध्यम रहेगी। अतः सांसारिक महत्व के कार्यों में परिश्रम पूर्वक सफलता मिलेगी तथा अन्यत्र भी समस्याएं उत्पन्न होगी। अतः शुभ फलों की वृद्धि तथा अशुभ फलों में कमी करने के लिए आपको नियमित रूप से राहु केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश – 2034

बृहस्पति इस वर्ष में गोचरवश प्रथम भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा सामाजिक क्षेत्र में भी आपको किचिंत मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। इस वर्ष व्यापार या अन्य कार्य क्षेत्र में आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय अविवाहितों के विवाह की भी संभावना बढ़ेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा। एवं यत्नपूर्वक आर्थिक कार्यों को सम्पन्न करने में आप तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आवश्यक मात्रा में धन अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी। साथ ही विगत रुके हुए कार्यों को पूर्ण करने में भी आपको सफलता मिलेगी। आप स्वतन्त्र प्रवृति का अनुपालन करेंगे एवं अपने को अत्यन्त ही अनुभवी समझने लगेंगे। अतः यह समय आपके लिए महत्वपूर्ण परन्तु विश्रामरहित रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य गोचरफल अशुभ होने से परन्तु दशा फल अनुकूल रहने से उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा आपको न्यूनता का आभास होगा। परन्तु परिश्रम करने के उपरान्त आप सकरात्मक फल प्राप्त करने में सफल होंगे।

इस वर्ष में गोचर वश शनि चतुर्थ भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से समय मध्यम रहेगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही सम्पन्न करेंगे। बन्धु एवं परिवार से इस समय न्यूनाधिक सहयोग प्राप्त होगा तथा माता का स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्य रहेगी तथा धनार्जन के साथ साथ व्यय भी होता रहेगा लेकिन आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा ऋण लेकर आपका कोई आवास या जायदाद संबंधी कार्य भी प्रारंभ हो सकता है जिसमें वर्तमान में समस्याएं परन्तु भविष्य में इच्छित लाभ की संभावनाएं बनेंगी।

इस समय यद्यपि अन्य गोचर फल शुभ रहेंगे परन्तु दशाफल विशेष अनुकूल नहीं रहेगी तथा शनि की दशा का भी प्रभाव रहेगा फलतः यदा कदा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अनावश्यक समस्याएं तथा मानसिक तनाव हो सकता है अतः इन अशुभ फलों को कम करने के लिए आपको नियमित रूप से शनि का पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी।

इस वर्ष में गोचरवश राहु सप्तम तथा केतु की स्थिति राशि पर रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको मानसिक अशान्ति एवं असन्तुष्टि का सामना

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

करना पड़ेगा। शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफलता प्राप्त होगी। साथ ही कार्य क्षेत्र की उन्नति में भी व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका समाधान करने में आप समर्थ रहेंगे। इस समय पत्नी का स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं परस्पर संबंध भी मध्यम रहेंगे। साथ ही व्यापार या कार्य क्षेत्र में साझेदार या सहयोगियों से भी कोई समस्या हो सकती है। अतः सतर्क रहना चाहिए। इस समय सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी सामान्य रहेगी तथा आर्थिक दृष्टि से भी आपका अत्यधिक परिश्रम के उपरांत ही आवश्यक धनार्जन होगा लेकिन व्यय की भी अधिकता रहेगी। फलतः वर्ष सामान्य रहेगा।

इसके साथ ही अन्य गोचर फल शुभ एवं दशा मध्यम रहेगी। अतः सांसारिक महत्व के कार्यों में परिश्रम पूर्वक सफलता मिलेगी तथा अन्यत्र भी समस्याएं उत्पन्न होगी। अतः शुभ फलों की वृद्धि तथा अशुभ फलों में कमी करने के लिए आपको नियमित रूप से राहु केतु का पूजन जप तथा दानादि कार्य करने चाहिए।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2035

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति आपकी कुँडली में द्वितीय भाव में संक्रमण करेगा।अतः इसके शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी तथा आय स्रोतों में वृद्धि करके प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी पारिवारिक शान्ति एवं समृद्धि बनी रहेगी तथा पुत्र संतति की भी प्राप्ति की संभावना रहेगी। परन्तु यदा कदा व्यय की अधिकता से मन में उद्विग्नता उत्पन्न होगी तथा समाज में आपकी इस समय मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में आप समाज में आदरणीय समझे जाएंगे। इस समय धर्म सम्बन्धी कर्मो में भी आप रुचिशील रहेंगे। साथ ही वाणी की ओजस्विता में भी वृद्धि होगी तथा लोग आपकी बातों को ध्यानपूर्वक सुनेंगे। इसके साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में आपके उत्तम संयोग बनेंगे। साथ ही गोचरफल तथा दशाफल भी अनुकूल फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष में गोचर वश शनि की स्थिति पंचम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। इस समय आपकी मानसिकता में परिवर्तन की संभावना रहेगी। सामाजिक जनों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे मान सम्मान प्राप्त होता रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही आय स्रोतों में वृद्धि होगी। संतति पक्ष से आपको सन्तुष्टि रहेगी तथा अपने क्षेत्र में वे उन्नतिशील रहेंगे। इस समय स्त्री का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनसे सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष अन्य गोचर तथा दशाफल भी शुभ एवं अनुकूल रहेंगे। अतः आपको प्रत्येक क्षेत्र में सफलता की प्राप्ति होगी। साथ ही राजनैतिक व्यक्तियों से भी आप संबंध स्थापित करेंगे एवं उनसे उचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस वर्ष में आपको किसी विशिष्ट लाभ की भी प्राप्ति हो सकती है अतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सिद्ध करने में तत्पर रहेंगे तथा समय का सदुपयोग करें।

इस वर्ष में गोचरवश राहु षष्ठ तथा केतु द्वादश भाव में रहेगा। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए साान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को परास्त करने में आप समर्थ रहेंगे। अतः कोई प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में आपको इस वर्ष में सफलता प्राप्त हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अनुकूल रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि होगी। जिससे प्रचुर मात्रा में आप धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा

Sample

रहेगा। इस समय मन में इच्छाओं की वृद्धि होगी फलतः मानसिक उद्विग्नता रहेगी परन्तु इस वर्ष में आय गोचरफल तथा दशा शुभ रहेगी। अतः सामान्यतया आपको शुभ फल ही अधिक प्राप्त होंगे।

Sample

फलादेश - 2036

इस वर्ष में बृहस्पति तृतीय भाव में गोचरवश भ्रमण करेगा अतः इसके प्रभाव से आपकी दूर समीप की लाभदायक यात्राएं सम्पन्न होंगी। इससे आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा। इस समय साहित्य और दर्शन की ओर आपकी रुचि उत्पन्न होगी। पुराने मित्रों से इस वर्ष में आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन मित्रों की भी प्राप्ति होगी। साथ ही मित्रवर्ग के द्वारा भविष्य में लाभ के मार्ग भी प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं कार्यक्षेत्र में भी उन्नति करते रहेंगे। साथ ही इस समय मानसिक संकीर्णता को छोड़कर आप विशालहृदयी के रूप में अन्य जनों के सम्मुख अपने आप को प्रस्तुत करेंगे। अतःसमाज से आप को इच्छित आदर एवं सम्मान की प्राप्ति होगी। इस समय आय गोचर तथा दशा फल भी अनुकूल रहेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए उत्तम एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष में गोचर वश शनि की स्थिति पंचम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। इस समय आपकी मानसिकता में परिवर्तन की संभावना रहेगी। सामाजिक जनों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे मान सम्मान प्राप्त होता रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही आय स्रोतों में वृद्धि होगी। संतति पक्ष से आपको सन्तुष्टि रहेगी तथा अपने क्षेत्र में वे उन्नतिशील रहेंगे। इस समय स्त्री का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनसे सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।
इस वर्ष अन्य गोचर तथा दशाफल भी शुभ एवं अनुकूल रहेंगे। अतः आपको प्रत्येक क्षेत्र में सफलता की प्राप्ति होगी। साथ ही राजनैतिक व्यक्तियों से भी आप संबंध स्थापित करेंगे एवं उनसे उचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस वर्ष में आपको किसी विशिष्ट लाभ की भी प्राप्ति हो सकती है अतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सिद्ध करने में तत्पर रहेंगे तथा समय का सदुपयोग करें।

इस वर्ष में गोचरवश राहु पंचम तथा केतु एकादश भाव में भ्रमण करेगा। इनके प्रभाव से इस वर्ष आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। इस समय आपकी मानसिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में अनावश्यक चिन्ता तथा परेशानियों का अभाव रहेगा। इस समय आपके प्रेम प्रसंग स्थापित होने की संभावना रहेगी। साथ ही सन्तति पक्ष से आपको संतुष्टि मिलेगी तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष अनुकूल रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन तथा लाभ की प्राप्ति होती रहेगी। साथ ही अनायास ही धन या लाभ प्राप्ति के योग भी बनेंगे। कार्यक्षेत्र में इस समय उन्नति होती रहेगी एवं

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

किसी राजनैतिक महत्व के व्यक्ति या उच्चाधिकारी वर्ग से आपका सम्बन्ध होगा जिससे भविष्य में आपको इचिछत लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आय गोचरफल तथा दशाफल भी शुभ ही रहेंगे। अतः वर्ष अच्छा व्यतीत होगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

फलादेश - 2037

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति का भ्रमण चतुर्थ भाव में रहेगा। अतःयह वर्ष आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। इस वर्ष आप शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से स्वस्थ तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी उत्तम रहेगी तथा सभी लोग परस्पर स्नेहपूर्वक रहेंगे। इस वर्ष आपकी विगत सोचे हुए योजनाएँ तथा महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे। व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र में भी इस समय आपकी उन्नति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ भी होगा। साथ ही समाज से आपको यथोचित मान सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आप आवास, जायदाद या वाहन संबन्धी सुख भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस वर्ष माता तथा ससुराल से भी लाभ के योग बनेंगे। साथ ही इस वर्ष में आयगोचरफल तथा दशा भी अनुकूल फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष में शनि षष्ठ भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण होगा। इस समय आपकी महत्वपूर्ण यात्राएँ सम्पन्न होंगी तथा व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से भी आप सुदृढ़ रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में भी आप सफल होंगे। व्यापार में आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। शत्रु पक्ष आपसे भयभीत रहेगा तथा किसी प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही अन्य गोचर एवं दशा फल भी शुभ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही सौभाग्यशाली रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

इस वर्ष में गोचरवश राहु पंचम तथा केतु एकादश भाव में भ्रमण करेगा। इनके प्रभाव से इस वर्ष आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। इस समय आपकी मानसिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में अनावश्यक चिन्ता तथा परेशानियों का अभाव रहेगा। इस समय आपके प्रेम प्रसंग स्थापित होने की संभावना रहेगी। साथ ही सन्तति पक्ष से आपको संतुष्टि मिलेगी तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष अनुकूल रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन तथा लाभ की प्राप्ति होती रहेगी। साथ ही अनायास ही धन या लाभ प्राप्ति के योग भी बनेंगे। कार्यक्षेत्र में इस समय उन्नति होती रहेगी एवं किसी राजनैतिक महत्व के व्यक्ति या उच्चाधिकारी वर्ग से आपका सम्बन्ध होगा जिससे भविष्य में आपको इचिछत लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आय गोचरफल तथा दशाफल भी शुभ ही रहेंगे। अतः वर्ष अच्छा व्यतीत होगा।

फलादेश - 2038

गोचरवश इस वर्ष बृहस्पति का भ्रमण पंचम भाव में होगा। अतः यह समय आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। इस समय ज्योतिष साहित्य एवं संगीत आदि के प्रति आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा परिश्रम पूर्वक आप इनका ज्ञान अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय सन्तोषजनक रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा। इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। यदि अविवाहित हैं तो किसी प्रेम प्रसंग का शुभारम्भ होगा। व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के लिए भी यह वर्ष आपके लिए उन्नतिकारक रहेगा एवं आवश्यक मात्रा में धनार्जन भी होगा। इस वर्ष महत्वपूर्ण राजनेताओं तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्पर्क बनेंगे एवं आपको उनसे मनोवांछित सहयोग तथा लाभ मिलेगा। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण रूप से सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग मिलता रहेगा। परन्तु अन्यगोचर फल इस समय शुभ फल प्रदान नहीं करेंगे लेकिन दशा अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भाव दृष्टिगोचर होगा।

गोचरवश शनि इस वर्ष में षष्ठ भाव में भ्रमण करेगा अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस वर्ष में आप व्यापार अथवा कार्य क्षेत्र में इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही आर्थिक दृष्टि से भी आपकी स्थिति सुदृढ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी आश्चर्यजनक एवं उन्नति कारक परिवर्तन की संभावना रहेगी। साथ ही नौकरी आदि में आप किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करेंगे। इस समय आप शत्रु को पराजित करेंगे तथा किसी प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में भी सफल रहेंगे। इस समय आपकी लाभ एवं सम्मानित यात्राओं का भी योग बनता है। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में अन्य गोचर फल अशुभ रहेगा परन्तु दशाफल शुभ रहेगा। इसके प्रभाव से यदा कदा आपको उपर्युक्त शुभ फलों में अल्पता का आभास होगा परन्तु स्वयं के परिश्रम एवं बुद्धिबल से आप इच्छित सफलता प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

गोचरवश इस वर्ष में आपकी कुळँली में राहु की स्थिति चतुर्थ तथा केतु की दशम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा। शारीरिक तथा मानसिक रूप से इस समय आप प्रसन्न तथा स्वस्थ रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक अपने समय को व्यतीत करेंगे। इस वर्ष में जमीन जायदाद सम्बन्धी कोई क्रय विक्रय कर सकते हैं या वाहन आदि के भी क्रय विक्रय की भी संभावना रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आपकी स्थिति सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में परिश्रमपूर्वक सफल रहेंगे। आपके आय स्रोतों में भी इस समय वृद्धि होगी। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी

आप सामान्यतया उन्नतिशील रहेंगे एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। परन्तु माता पिता के लिए यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा वे शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। इस वर्ष में आपकी दूर समीप की यात्राएँ समय समय पर हो सकती हैं। लेकिन गोचरफल आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथापि दशा शुभ फल प्रदान करेगी । अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता का भी आभास होगा परन्तु अन्ततोगत्वा शुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे।

Sample

फलादेश - 2039

इस वर्ष गोचरवश बृहस्पति की स्थिति षष्ठ भाव में रहेगी। अतः यह समय आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा। शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे। व्यापारिक अथवा कार्य क्षेत्र की स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक उन्नति के मार्ग पर आप अग्रसर रहेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष इस समय निर्बल रहेगा तथा आप उनको पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आप किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय भी करेंगे। आर्थिक रूप से आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेंगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सफल होंगे साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे ।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर तथा दशा भी शुभ फल प्रदान करेंगी। अतः आपके उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप यथा समय पूर्ण करेंगे। अतः यह समय आपके लिए सामान्यतया शुभ ही समझा जाएगा ।

इस वर्ष में शनि षष्ठ भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण होगा। इस समय आपकी महत्वपूर्ण यात्राएँ सम्पन्न होंगी तथा व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से भी आप सुदृढ़ रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में भी आप सफल होंगे। व्यापार में आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। शत्रु पक्ष आपसे भयभीत रहेगा तथा किसी प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही अन्य गोचर एवं दशा फल भी शुभ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही सौभाग्यशाली रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचरवश तृतीय भाव में तथा केतु की नवम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस वर्ष में आपके मान प्रतिष्ठा एवं पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु एवं प्रतिद्वन्दी भी परास्त होंगे तथा आपके समक्ष समर्पण करेंगे। मानसिक रूप से आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा सभी चिन्ताएँ समाप्त हो जाएँगी। आर्थिक दृष्टि से भी इस समय आपकी उन्नति होगी। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में इस समय स्वपरिश्रम से कोई विशिष्ट उन्नति या सफलता अर्जित करेंगे साथ ही मित्रवर्ग से भी

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपको यथोचित सुख एवं सहयोग मिलेगा। परन्तु बन्धुवर्ग से यदा कदा चिन्ता उत्पन्न हो सकती है। साथ ही नवमस्थ केतु के प्रभाव से आपको यदा कदा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। लेकिन आय गोचरफल तथा दशाफल अनुकूल होने के कारण यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

फलादेश – 2040

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति की स्थिति सप्तम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा कोई अचानक सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही बेरोजगारों को रोजगार मिलने की भी प्रबल संभावनाएँ बनेंगी। इस वर्ष अविवाहितों का विवाह भी हो सकता है। दाम्पत्य सुख इस वर्ष आपका उत्तम रहेगा तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा परस्पर संबन्धों में भी मधुरता रहेगी। समाज में इस समय आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी समय शुभ रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन होगा एवं अतिरिक्त आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन व्यय भी यदा कदा अधिक ही होगा। इसके साथ ही अन्य गोचरफल तथा दशाफल भी उत्तम रहेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण तथा भाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष गोचर वश शनि सप्तम भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से वर्ष सामान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में भी आप सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। लेकिन माता तथा पत्नी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। साथ ही यदा कदा आप मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे परन्तु इसका सामान्य कार्य कलापों पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा उत्साह एवं पराक्रम से आप अपने कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा साथ ही किसी लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल आपके लिए अनुकूल रहेंगे अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी एवं आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आवास या जायदाद संबंधी कोई कार्य भी आप सम्पन्न कर सकते हैं। अतः वर्ष सामान्यतया शुभ फल ही प्रदान करेगा।

इस वर्ष में राहु की स्थिति गोचरवश तृतीय भाव में तथा केतु की नवम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस वर्ष में आपके मान प्रतिष्ठा एवं पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु एवं प्रतिद्वन्दी भी परास्त होंगे तथा आपके समक्ष समर्पण करेंगे। मानसिक रूप से आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा सभी चिन्ताएँ समाप्त हो जाएँगी। आर्थिक दृष्टि से भी इस समय आपकी उन्नति होगी। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में इस

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

समय स्वपरिश्रम से कोई विशिष्ट उन्नति या सफलता अर्जित करेंगे साथ ही मित्रवर्ग से भी आपको यथोचित सुख एवं सहयोग मिलेगा। परन्तु बन्धुवर्ग से यदा कदा चिन्ता उत्पन्न हो सकती है। साथ ही नवमस्थ केतु के प्रभाव से आपको यदा कदा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। लेकिन आय गोचरफल तथा दशाफल अनुकूल होने के कारण यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा।

Sample

फलादेश - 2041

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति की स्थिति सप्तम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा कोई अचानक सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही बेरोजगारों को रोजगार मिलने की भी प्रबल संभावनाएँ बनेंगी। इस वर्ष अविवाहितों का विवाह भी हो सकता है। दाम्पत्य सुख इस वर्ष आपका उत्तम रहेगा तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा परस्पर संबन्धों में भी मधुरता रहेगी। समाज में इस समय आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी समय शुभ रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन होगा एवं अतिरिक्त आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन व्यय भी यदा कदा अधिक ही होगा। इसके साथ ही अन्य गोचरफल तथा दशाफल भी उत्तम रहेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण तथा भाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष गोचर वश शनि सप्तम भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से वर्ष सामान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में भी आप सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। लेकिन माता तथा पत्नी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। साथ ही यदा कदा आप मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे परन्तु इसका सामान्य कार्य कलापों पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा उत्साह एवं पराक्रम से आप अपने कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा साथ ही किसी लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल आपके लिए अनुकूल रहेंगे अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी एवं आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आवास या जायदाद संबंधी कोई कार्य भी आप सम्पन्न कर सकते हैं। अतः वर्ष सामान्यतया शुभ फल ही प्रदान करेगा।

इस वर्ष में गोचर वश राहु की स्थिति द्वितीय भाव तथा केतु की अष्टम भाव में रहेगी। अतः आपके लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। इस समय पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि अनुकूल रहेगी तथा सभी लोग एक दूसरे को अपना यथोचित सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक उद्विग्नता भी बनी रहेगी। सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे तथापि इसमें अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धनार्जन होगा परन्तु व्यय भी यदा कदा अधिक होगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

इससे कोई खास परेशानी नहीं होगी। साथ ही जायदाद संबंधी लाभ की भी संभावना बनेंगी।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशा भी शुभ फल प्रदान करेगी। अतः आपके महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कार्य क्षेत्र में भी उन्नति की संभावना रहेंगी। इस प्रकार आपके लिए यह समय सामान्यतया अच्छा ही रहेगा।

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/2012**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:10:00 घंटे**
इष्ट	39:46:25 घटी
स्थान	
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उ	चैत्रादि संवत्-शक संवत	2068 / 1933
रेखांश	77:13:00 पू	माह	पौष
मध्य रेखांश	82:30:00 पू	पक्ष	शुक्ल
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे	सूर्योदय कालीन तिथि	8
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे	तिथि समाप्ति काल	24:58:29
वेलान्तर	-00:03:13 घंटे	जन्म तिथि	8
साम्पातिक काल	05:32:00 घंटे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	उत्तराभाद्रपद
सूर्योदय	07:15:25 घंटे	नक्षत्र समाप्ति काल	12:41:36 घंटे
सूर्यास्त	17:33:35 घंटे	जन्म नक्षत्र	रेवती
दिनमान	10:18:10 घंटे	सूर्योदय कालीन योग	वरियान
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण	योग समाप्ति काल	07:19:23 घंटे
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण	जन्म योग	परिघ
ऋतु	शिशिर	सूर्योदय कालीन करण	विष्टि
सूर्य के अंश	16:40:45 धनु	करण समाप्ति काल	11:44:34 घंटे
लग्न के अंश	29:48:36 सिंह	जन्म करण	बव
भोग्य दशा काल	बुध 10 वर्ष 4 मा 15 ि		

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	सिंह	29:48:36	---	--	--	--	नेक
सूर्य	धनु	16:40:45	मित्र राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	मीन	21:51:40	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	सिंह	26:15:35	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	वृश्चिक	26:47:40	सम राशि	--	--	--	नेक
गुरु	मेष	06:24:58	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	मकर	20:41:47	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
शनि	तुला	04:18:21	उच्च राशि	--	--	--	नेक
राहु	वृश्चिक	19:56:38	शत्रु राशि	--	--	हाँ	नेक
केतु	वृष	19:56:38	सम राशि	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंग	सूर्य	मंग	--	--	--
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	सूर्य	शनि
3	बुध	मंग	बुध	--	चंद्र	--
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	राहु	केतु
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	गुरु	मंग
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	--	--
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
8	मंग	मंग,शनि	चंद्र	--	शनि	सूर्य
9	गुरु	गुरु	शनि	--	--	चंद्र
10	शनि	शनि	शनि	--	केतु	राहु
11	शनि	शनि	गुरु	--	मंग	गुरु
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	--	--

लग्न कुंडली

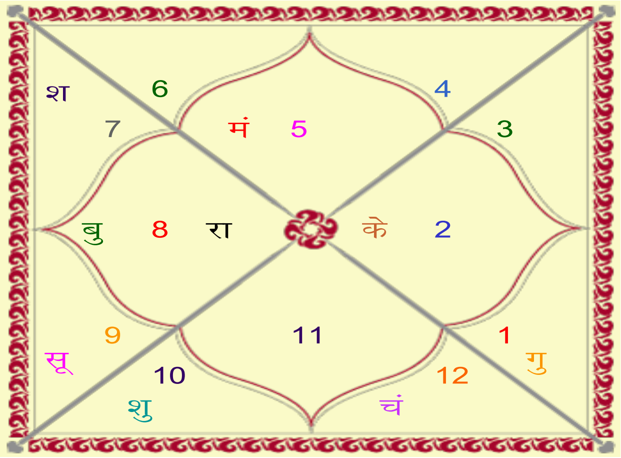

लालकिताब कुंडली

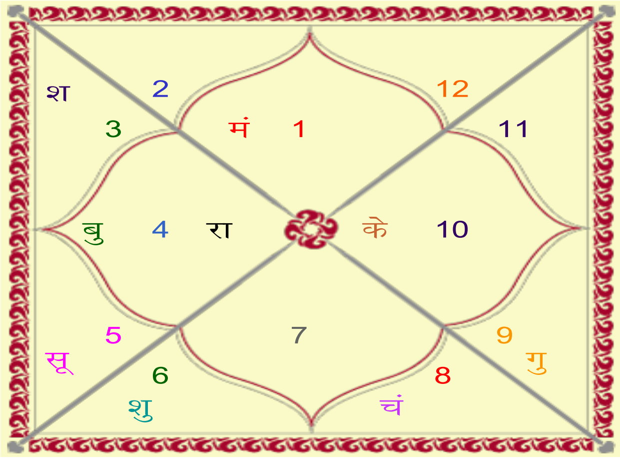

मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंग	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	परिवार उन्नति का मालिक।	ग्रह
चंद्र	मुर्दा माता, जला दूध।	--
मंग	मैदान जंग और इंसाफ की तलवार	ग्रह
बुध	राजयोग या हुनरमंद	--
गुरु	धन का त्यागी।	ग्रह
शुक्र	लल्लू करे कव्वालियां रब्ब सिद्धियां पावे।	--
शनि	अगर हुआ तो दो गुणा मंद होगा।	ग्रह
राहु	धर्मी	--
केतु	चुपचाप अपने रास्ते चलने वाला मौकाबाज।	राशि

चन्द्र कुंडली

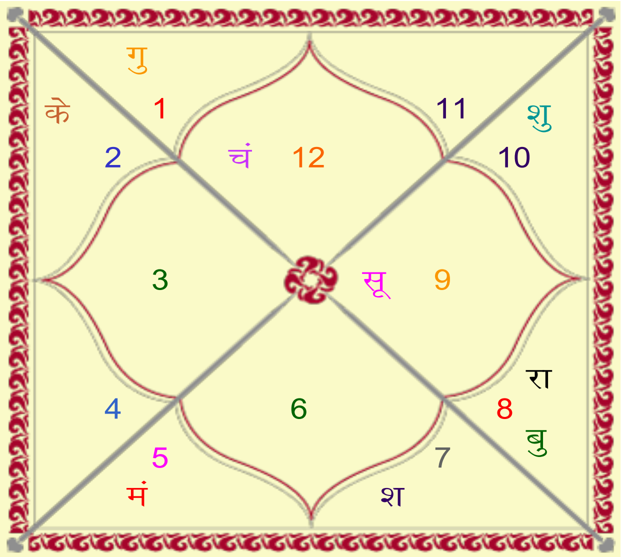

लालकिताब चन्द्र

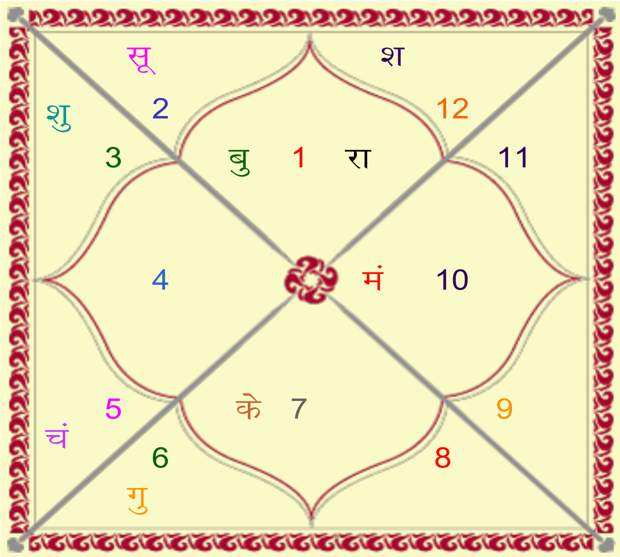

Sample

लालकिताब दशा

शनि	**राहु**	**केतु**	**गुरु**
01/01/2012	01/01/2018	01/01/2024	01/01/2027
01/01/2018	01/01/2024	01/01/2027	01/01/2033
राहु 01/01/2014	मंग 01/01/2020	शनि 01/01/2025	केतु 01/01/2029
बुध 01/01/2016	केतु 01/01/2022	राहु 01/01/2026	गुरु 01/01/2031
शनि 01/01/2018	राहु 01/01/2024	केतु 01/01/2027	सूर्य 01/01/2033
सूर्य	**चंद्र**	**शुक्र**	**मंग**
01/01/2033	01/01/2035	01/01/2036	01/01/2039
01/01/2035	01/01/2036	01/01/2039	01/01/2045
सूर्य 01/09/2033	गुरु 03/05/2035	मंग 01/01/2037	मंग 01/01/2041
चंद्र 03/05/2034	सूर्य 02/09/2035	शुक्र 01/01/2038	शनि 01/01/2043
मंग 01/01/2035	चंद्र 01/01/2036	बुध 01/01/2039	शुक्र 01/01/2045
बुध	**शनि**	**राहु**	**केतु**
01/01/2045	01/01/2047	01/01/2053	01/01/2059
01/01/2047	01/01/2053	01/01/2059	01/01/2062
चंद्र 01/09/2045	राहु 01/01/2049	मंग 01/01/2055	शनि 01/01/2060
मंग 03/05/2046	बुध 01/01/2051	केतु 01/01/2057	राहु 01/01/2061
गुरु 01/01/2047	शनि 01/01/2053	राहु 01/01/2059	केतु 01/01/2062
गुरु	**सूर्य**	**चंद्र**	**शुक्र**
01/01/2062	01/01/2068	01/01/2070	01/01/2071
01/01/2068	01/01/2070	01/01/2071	01/01/2074
केतु 01/01/2064	सूर्य 01/09/2068	गुरु 03/05/2070	मंग 01/01/2072
गुरु 01/01/2066	चंद्र 02/05/2069	सूर्य 01/09/2070	शुक्र 01/01/2073
सूर्य 01/01/2068	मंग 01/01/2070	चंद्र 01/01/2071	बुध 01/01/2074
मंग	**बुध**	**शनि**	**राहु**
01/01/2074	01/01/2080	01/01/2082	01/01/2088
01/01/2080	01/01/2082	01/01/2088	01/01/2094
मंग 01/01/2076	चंद्र 01/09/2080	राहु 01/01/2084	मंग 01/01/2090
शनि 01/01/2078	मंग 02/05/2081	बुध 01/01/2086	केतु 01/01/2092
शुक्र 01/01/2080	गुरु 01/01/2082	शनि 01/01/2088	राहु 01/01/2094
केतु	**गुरु**	**सूर्य**	**चंद्र**
01/01/2094	01/01/2097	02/01/2103	02/01/2105
01/01/2097	02/01/2103	02/01/2105	02/01/2106
शनि 01/01/2095	केतु 01/01/2099	सूर्य 03/09/2103	गुरु 03/05/2105
राहु 01/01/2096	गुरु 02/01/2101	चंद्र 03/05/2104	सूर्य 02/09/2105
केतु 01/01/2097	सूर्य 02/01/2103	मंग 02/01/2105	चंद्र 02/01/2106

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Sample

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

निष्कर्ष

आपकी पत्री धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1,4,7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुंडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुंडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :
जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :
आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :
जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :
जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते है। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते है।

घटनाएं :
मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता हैं। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्री मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :
किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

घटनाएं :
जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :
जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :
जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्मय आदि काम करना।

घटनाएं :
जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षांत में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :
कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :
परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री पितृऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :
परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

घटनाएं :
नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :
जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :
मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :
संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :
बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढ़ेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :
मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :
जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :
कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो

जाना आदि।

घटनाएं :
किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

Sample

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पांचवे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप पढ़ाई में तेज, उच्चशिक्षित, सत्ता पक्ष से लाभ–प्राप्त करेंगे। सुखी माता–पिता से युक्त, अपने घर का भाग्य जगाने वाले, संतान सुख मिलेगा। आप सेवक पुत्र के पिता होंगे। पुत्र प्राप्ति के बाद परिवार में तरक्की होगी। आप सबको साथ लेकर आगे बढ़ने वाले और शूरवीर होंगे, बुढ़ापा सुख से बीतेगा। सरकारी अधिकारियों से मधुर संबंध रखेंगे। यदि राजा सहायक न हो तो फकीर से आपका भला होगा। पारिवारिक उन्नति होगी। पौत्र के जन्म के बाद माली हालात अच्छी हो जाएगी। औलाद की वृद्धि होगी, बुढ़ापे में हर तरह का आराम मिलेगा। मां–बाप का सुख लंबे समय तक मिलेगा। जिंदगी आराम से गुजरेगी। 42 से 47 साल की आयु तक शुभ फल होगा। ज्यों–ज्यों आयु बढ़ेगी, आप का रुतबा अच्छा होता जायेगा। आपको सरकारी विभाग से मान–सम्मान मिलेगा, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी, अचानक धन प्राप्ति के भी योग हैं।

यदि आपने चाल–चलन खराब किया या बुरे काम किये, संतान से झगड़ा किया सरकारी विभाग से बेईमानी की या झूठ बोलने की आदत होगी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य का मंदा असर पेट पर पड़ेगा और आपका स्वभाव क्रोधी होगा। पत्नी छोड़े या मर जाए या दूसरी शादी भी हो सकती है, ऐसा शक है। स्त्री की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। स्त्री द्वारा अपमानित भी होना पड़ सकता है। लड़के पर भी बुरा असर हो सकता है। काफी दुःखों का सामना करना पड़ सकता है। औलाद की आर्थिक हालात पर बुरा असर होगा। ननिहाल के लिए अशुभ फल रहेगा। झूठ और बेईमानी से धन हानि का भय और दीर्घ रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. झूठ से दूर रहें।
2. किसी के प्रति मन में ईर्ष्या न रखें।

उपाय :1. बुजुर्गी रस्मों–रिवाज बन्द न करें।
2. साला, जीजा, दोहते या भांजे में से तीन की सेवा करें।

चन्द्र

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा आठवें घर में पड़ा है। इसकी वजह से आपकी औलाद पर अच्छा असर पड़ेगा। आपको पुत्र सुख निश्चय प्राप्त होगा। कृषि कार्य तथा आपकी पत्नी से विशेष मदद की आशा है। बहुत सी मुश्किलों को आप आसान कर सकते हैं, आपके जीवन के 34 साल तक समय साधारण रहेगा। विवाह के बाद आपका भाग्य चमक सकता है या 34 वर्ष के बाद भाग्य चमकेगा। आप ईर्ष्यालु, रोगी, पिता या माता दोनों में से किसी एक के सुख से वंचित रहेंगे। धन कमाने में माहिर होंगे। ननिहाल–ससुराल का सुख मिलेगा। आप माता–पिता की सेवा करेंगे। आपको बुजुर्गों की संपत्ति मिलेगी।

यदि आपने दिल में छल–कपट रखा, सट्टा–जुआ आदि खेला, बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध बन्द किया, ननिहाल/ससुराल में झगड़ा किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी सोच निराशाजनक या निराशात्मक भी हो सकती है। मन की शक्ति कमजोर या क्षीण होगी। आपके जन्म समय में माता को बहुत कष्ट हुआ होगा या माता का आप्रेशन हो, ऐसी संभावना है। आप कर्म–धर्म हीन हो जाएंगे, बाधाएं बढ ेंगी। घर से बेघर होना पड़ सकता है। चरित्रहीन औरतों की संगति से आप बर्बाद हो सकते हैं। परिवार में दमे या मिरगी की बीमारी होने का भय है, पितृदोष से पुत्र का सुख नहीं मिल पाएगा। आप यदि जौहरी का काम करेंगे तो बुरा असर होगा। अकारण लोगों से शत्रुता हो सकती है। झूठ–जूठ आपकी आयु को कम कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. रात्रि के समय दूध न पीयें।
2. छल कपट न करें।

उपाय :1. मीठा भोजन या केसर–दाल चना या गुड़–गेहूं धर्मस्थान में देवें।
2. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें या अमावस्या के दिन दूध–खीर दान करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में पहले खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से आप अंदर–बाहर एक जैसे, संतान सुख से युक्त, और प्रसन्न रहेंगे। आप विद्वान, शूरवीर, एवं साहसी है। आप बुरे के साथ भी नेकी करेंगे। आप नेकी छोड़ने से कलंकी बन जाएंगे। आप परिवार के भाग्य को जगाने वाले हैं। आप साधू–सन्यासी की सेवा करेंगे। 18 वर्ष के बाद सरकारी सेवा में या सलाहकार के कामों में रुचि लेंगे। शत्रु से आप बचते रहेंगे। आप अगर नौकरी करते हैं तो 35–40 वर्ष की आयु

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

तक ही नौकरी करेंगे। राज्य सरकार से लाभ मिलेगा। आप पलट कर आक्रमण करने वाले हैं। आपको छोटे बहन–भाई का सुख मिलेगा। आप 28 साल के बाद जीवन में उन्नति करेंगे। आप किसी की सच्चाई या नेकी को सदा याद रखेंगे। आपके उच्च पदाधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे। लोहा, लकड़ी तथा मकान के कामों में लाभ पाएंगे। परिवार के लोगों के साथ मिल कर काम करें तो बहुत अच्छा रहेगा। आपके मुंह से निकली बुरी बात का दूसरों पर बुरा असर होगा। आपका आर्शीवाद लोगों को फलेगा।

यदि आपने मुफ्त माल या दान लिया, जूठन खाया और झूठ बोला, माता को कष्ट दिया या माता का विरोध किया, अपशब्द बोलने की आदत हो तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से शारीरिक कष्ट की आशंका है। मुफ्त की चीजें नहीं फलेंगी। आलस्य से कई बार आप अपने बने–बनाये काम बिगाड़ सकते हैं। मानसिक रोग या तनाव हो सकता है। दुर्घटना का भय है, अतः वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। आपकी माता को आप्रेशन का भय है। भाई को परेशानी या आपको बहन के सुख का अभाव रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. मुफ्त का माल या दान न लेवें।
2. हाथी दांत घर में न रखें।

उपाय : 1. बड़ा भाई जीवित हो तो लाल रुमाल रखें।
2. भाई और साले की सेवा करें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से सुख प्राप्त होगा। सरकार द्वारा मान–सम्मान भी प्राप्त होगा। राजसुख प्राप्त होगा। आप लेखक संपादक या एक कुशल व्यवसायी भी होंगे। आप अपने जन्म स्थान के आस–पास ही नौकरी–व्यापार करेंगे। आप भाग्यवान हैं। आपके परिवार, दौलत तथा आपकी उम्र तीनों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। राजयोग के प्रभाव से आप सरकारी नौकरी में रहेंगे या सरकार से लाभ प्राप्त करेंगे। जीवन व्यस्त परंतु पूर्ण सुखी रहेगा। सुख के सभी साधन उपलब्ध होंगे। निजी भवन और वाहन की प्राप्ति के योग हैं। आप हुनरमंद और कलाकार होंगे। जीवन में बुद्धिमत्ता से काम लेना पड़ेगा। विदेश की यात्रा या आयात–निर्यात के कामों से अधिक लाभ होगा। बुआ–मौसी से लाभ होगा।

यदि आपने विधवा या अविवाहिता स्त्री से संबंध रखा, लड़की, बुआ, बहन–साली के धन का उपयोग किया, माता का विरोध किया या कष्ट दिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से सब प्रकार से आपको मां का प्यार कम मिलेगा। माता के लिए अरिष्ट सूचक योग है। यदा–कदा आपका मनोबल क्षीण हो जाया करेगा। परंतु आपको घबराना नहीं चाहिए। आपको किसी से गलत मंत्रणा मिल सकती है। पत्नी सुख, ध ान–दौलत और गृहस्थ सुख पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. बुआ–मौसी से झगड़ा न करें।
2. विधवा या अविवाहित स्त्री से संबंध न रखें।

उपाय : 1. तांबे का पैसा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करे।
2. केसर का तिलक करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनी होंगे अर्थात् बड़े भाग्यशाली होंगे। आप अपने धर्म पर अडिग और वचन के पक्के होंगे परंतु आपके जीवन में कभी भी धन की कमी महसूस नहीं होगी। आपको जौहरी या सर्राफी के काम करने से बहुत लाभ होगा। आपके घर की प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आप तीर्थ स्थान की यात्रा के शौकीन होंगे। आप धर्मात्मा, ज्योतिषी, वैद्य, सिद्ध पुरुष होंगे। आप अपने पूर्वजों के माध्यम से प्रगति के पथ पर अग्रसर होंगे। भाग्य का श्रेष्ठ प्रभाव आपके ऊपर पड़ेगा यानि 36 वर्ष की उम्र में धन की प्राप्ति होगी। आप अच्छे, सम्मानित एवं अमीर खानदान में जन्म लेंगे। आप अपनी मेहनत से भी धन कमाएंगे। आपकी आदतें राजाओं जैसी होंगी। आप आध्यात्मिक तौर पर योगी स्वभाव के होंगे। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आपकी आयु के साढ़े सोलह वर्ष, 19, 33, 49 विशेष और धन प्राप्त करने वाले होंगे। आप तमाम दुनिया से लड़ कर अपनी किस्मत बना लेंगे अर्थात् आप स्वयं अपने भाग्य के निर्माता होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति को शुभ करने के लिए भाग्य पूरा साथ देगा। आपके गृहस्थ जीवन में सुख बढ़ेंगे। इसका शुभ असर पूरे परिवार पर अच्छा रहेगा।

यदि आपने धर्म छोड़ दिया या धर्म विरोधी कार्य किये, पिता से झगड़ा या विरोध किया, किया हुआ वायदा पूरा न किया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपके जीवन में बुरा समय आए उससे पहले आप

दुनिया से कूच कर जाएंगे। आप अपनी औलाद से कई बार दुःखी होंगे। आपको दिल की बीमारी की आशंका है। आपका सोना गिर जाये, चोरी हो, लूटा जाये, गिरवी पड़े या बिक जाएगा, यह बहुत अशुभ लक्षण है। आलस्य करने से आपके महत्वपूर्ण कार्य अधूरे रह जाएंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. दिया हुआ वचन पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें, गुम होने से बचायें।

उपाय :1. गंगा स्नान करें (हर महीने में एक बार 9 महीने लगातार)।
2. धर्म की पालना करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र छठे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप बहुत धन कमा पाएंगे। आप अपनी कामवासना की पूर्ति के लिए स्त्रियों की प्रशंसा और प्रेम भी करेंगे। आपके जीवन में पुत्र की अपेक्षा अधिक कन्याओं के सुख की संभावना है। आपको अधिक संख्या में संतान के सुख प्राप्ति की संभावना है। आप स्वस्थ रहेंगे। आपकी नेत्र की शक्ति बरकरार रहेगी। आप रुचिपूर्ण भोजन पसंद करेंगे। आपको वृद्धावस्था में अधिक सुख प्राप्त होगा। आप अपनी प्राप्त शिक्षा से हट कर काम करेंगे। आपके पिता के साथ–साथ आपकी किस्मत भी अच्छी है।

यदि आपकी पुत्रियां अधिक हुई, स्त्री से झगड़ा किया या आपकी स्त्री को नंगे पैर घूमने की आदत हुई, बहन–बुआ–साली–बेटी से धन लिया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विद्या अध्ययन में रुकावट, पिता सुख का अभाव रहेगा। काम शक्ति में नुक्स होने की शंका है। विलंब से पुत्र का सुख मिलेगा। धन–संपत्ति की हानि भी हो सकती है। आपके सामने लड़ाई–झगड़े की भी समस्याएं पेश आती रहेंगी। लड़ाई–झगड़े से परेशान रहेंगे। आपकी बुद्धि भ्रमित रहेगी। आपके पशु की चोरी या धन–दौलत के गुम हो जाने भी संभावना है। आपका कारोबार अच्छा नहीं रहे। राज पक्ष से भी कोई समस्या पैदा होगी, ऐसी आशंका है। लोग आपको कई बार बदनाम भी कर देंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. स्त्री का अपमान न करें।
2. पत्नी को नंगे पैर न चलने देवें।

उपाय :1. पत्नी लाल दवाई से गुप्तांग धोयें।
2. ठोस चांदी घर में रखें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि तीसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप स्वस्थ, विद्वान, विवेकी और खर्चीले स्वभाव के होंगे। धन की कमी नहीं रहेगी। आपके पास बहुत धन आएगा। आप पराए लोगों की मदद करेंगे। आपको चोरी और धन नाश की तरफ से सतर्क रहना चाहिए। आप सबकी मदद करेंगे मगर वह व्यक्ति दूसरों का काम बिगाड़ेगा, और खुद आराम पाएगा। आपके जीवन में अड़चने भी पैदा हो सकती हैं। आप साहसी होंगे। भाई–बहन से सामान्य सुख के आसार हैं। आप दु:साहस करने में भी बाज नही आएंगे। लोहा/मशीनरी से संबंधित कामों से धन लाभ होगा।

यदि आपने चोरी–ठगी की, घर का मुख्य दरवाजा पूर्व या दक्षिण दिशा में हुआ, दूसरे लोगों के काम बिगाड़े तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से शराब पीना, मांस खाना अच्छा फल नहीं देगा। नगद धन का अभाव रह सकता है। नर संतान को कष्ट की आशंका है। आपकी आंखों की नज़र कमजोर हो सकती है। छोटे भाई से दूरी या उसका सुख न होगा। भाई–बंधु आपकी नेकी को भूल जाएंगे। चोरी–ठगी करने पर भी धन की कमी रहेगी। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। मकान बनाने में बहुत संघर्ष करना पड़ेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. शराब–मछली का सेवन न करें। मछली का शिकार न करें।
2. कीकर–बेरी का वृक्ष घर में न लगावें।

उपाय :1. तीन कुत्तों को भोजन का हिस्सा देवें।
2. मकान के अंत में अंधेरी कोठरी बनावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सर्वगुण संपन्न, धनवान, और आयुवान होंगे। आप तीर्थ यात्रा करेंगे। आप एक सज्जन पुरुष होंगे तथा अपना जीवन

सुख से बितायेंगे। आप अपार धन–संपत्ति के मालिक बनेंगे। आपको अपने सगे संबंधियों से भी धन–दौलत प्राप्त होगी। आप दूसरों की भलाई करेंगे आप भले लोगों की गिनती में गिने जाएंगे। आप धर्मात्मा, वाहन सुख से युक्त होंगे। आप अपनी बहन और पुत्री पर धन खर्च करेंगे। आपको ससुराल से भी धनागम होता रहेगा। आपको सरकार पक्ष से पूरा लाभ होगा तथा अपने बुजुर्गों का घर भर देंगे। ससुराल में भी धन की वृद्धि होगी। आप के पास 24 वर्ष की उम्र के बाद धन एकत्र होगा, गरीबी दूर हो जाएगी और धन की वर्षा होगी। आपके पिता और आपके पुत्र पर अच्छा असर पड़ेगा परंतु माता के लिए अशुभ होगा। आपके पास भूमि, भवन, वाहन सभी प्रकार के सुख–संसाधन उपलब्ध होंगे। यदि आप सरकारी महकमे में कार्यरत होंगे तो सरकारी महकमे में बड़े अफसर होकर अच्छा ओहदा प्राप्त करेंगे। आप जन्म भर सुखी रहेंगे। बंदूक–पिस्तौल आदि रखने का शौक होगा।

यदि आपने पाखाने की जगह बदली, घर की छत पर लकड़ी के कोयले रखे, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनाई, माता की आयु की स्त्रियों से संबंध रखे तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके जीवन का 34वां वर्ष कष्टकारी होगा। माता को कष्ट की आशंका है। आप माता का विरोध करेंगे। ससुराल, ननिहाल के लिये अशुभ रहेगा, राजदरबार में हानि, दो विवाह योग या पत्नी के साथ रखैल रखें, ऐसी शंका है। र खैल पर धन बर्बाद करके अपना जीवन नष्ट कर लेंगे। आपको वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। दिन में स्वप्न देखने वाले होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. माता की आयु की स्त्री से अवैध संबंध स्थापित न करें।
2. गंगा नदी में स्नान न करें।

उपाय :1. घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2. सूखा धनिया जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान, नौकर–चाकरों से युक्त, उत्तम सुख से परिपूर्ण तथा अपने पथ पर अग्रसर रहने वाले होंगे। आप इतने अच्छे मुकद्दर के हैं कि आप मिट्टी छुएं तो सोना हो जाता है। 24 वर्ष की उम्र के बाद संतान प्राप्ति योग होगा। आपको कन्या संतान से सुख और पुत्र संतान से मध्यम सुख संभव है। आपको पुत्र का सुख प्राप्त होने की आशा है। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते

हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। निर्धनता कभी भी नहीं आएगी। आप शक्की स्वभाव के हैं। आपके जीवन में 48 वर्ष आयु तक समय तो मिला–जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिला–जुला कर आपका जीवन सुखमय ही रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पर स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखें तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपका चाल–चलन ढीला हो तो पुत्रियां अधिक होने, नपुंसक होने की संभावना रहती है। निःसंतान या संतान गोद लेने का योग होता है और जिससे आपको बहुत ही पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। आपके भाई आपको गढ्ढे में धकेल सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग करेंगे। पराई औरत से संबंध आपके दांपत्य सुख में बाधा पहुंचा सकते है। आपके जीवन के लिए घातक और मौत का कारण सिद्ध हो सकता है। 48 वर्ष के लगभग पुत्र सुख मिलेगा या माता की आंखें खराब होने पर या माता की मौत के बाद पुत्र जन्म हो ऐसी संभावना है। धन का अपव्यय या अवनति होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :1. चाल–चलन ठीक रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

उपाय :1. मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लाल किताब - वर्ष कुंडली

2012

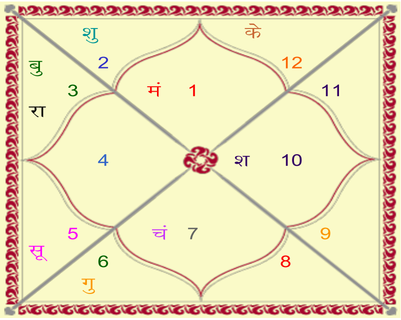

2013

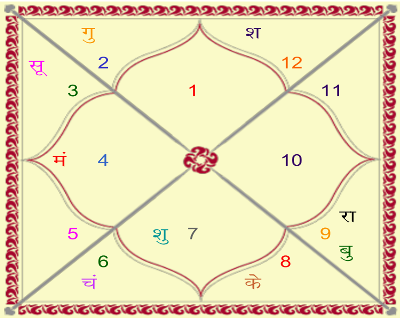

2014

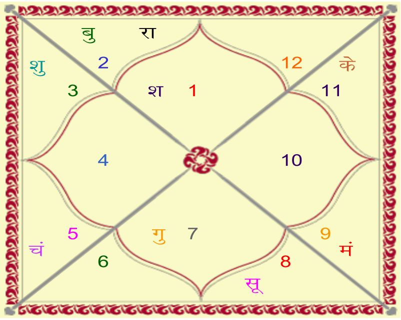

2015

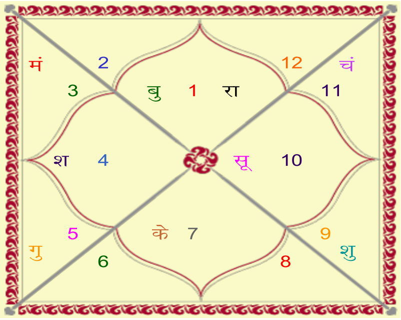

2016

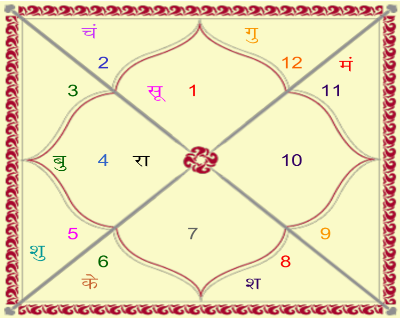

2017

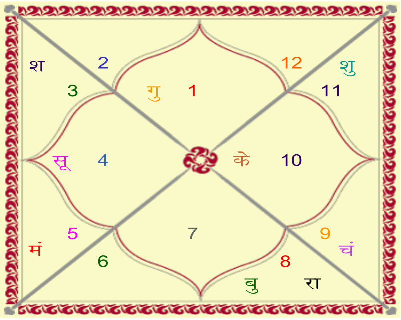

2018

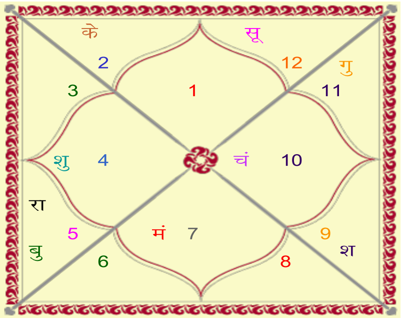

2019

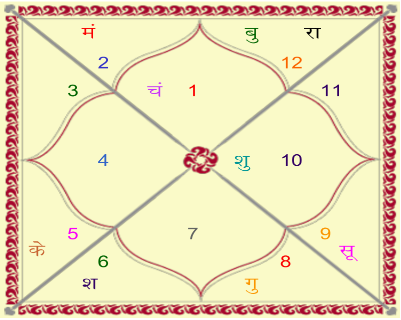

2020

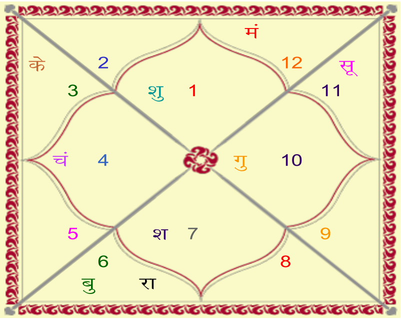

2021

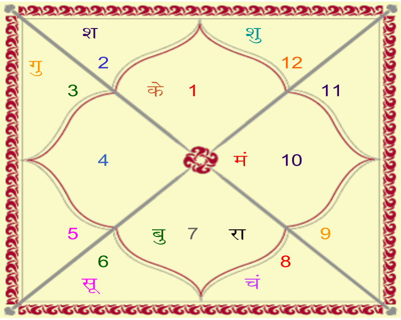

2022

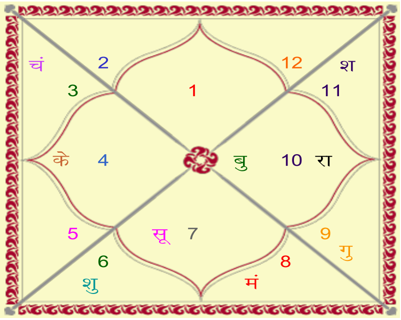

2023

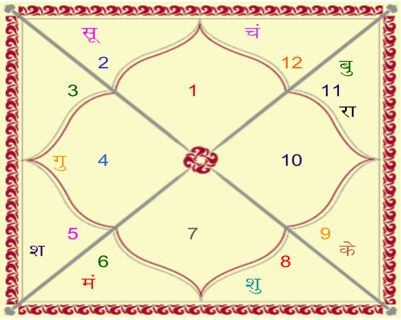

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लाल किताब वर्षफल 2012-2013

वर्त्तमान आयु - 0
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंग	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2012 - 2013

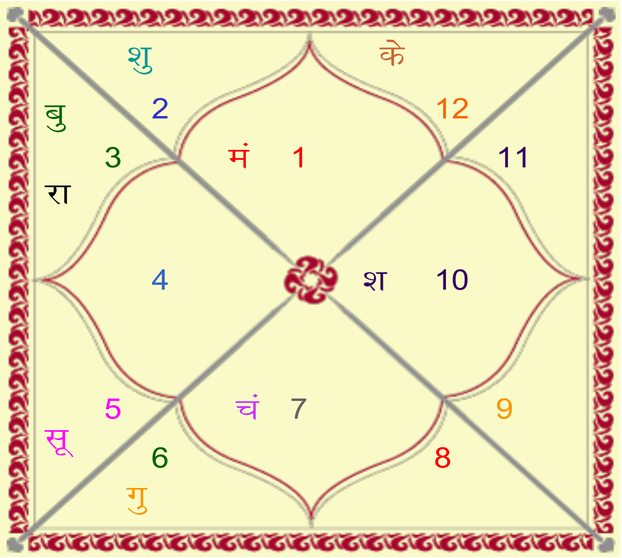

वर्ष चन्द्र कुंडली 2012 - 2013

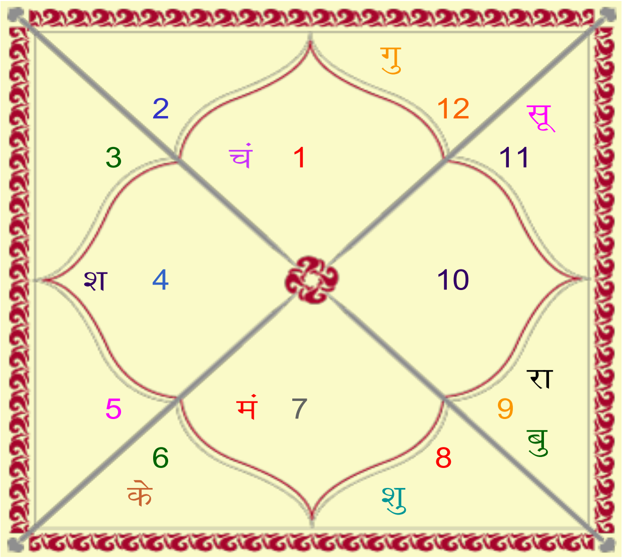

लाल किताब वर्षफल 2012–2013

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 5 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार का भाग्य चमकेगा, यदि राजा आपका भला न करे तो फकीर से आपका भला होगा, सरकारी अधिकारियों से मधुर संबंध बनेंगे, परिवार की उन्नति होगी। गुप्त विद्या या ज्योतिष में रूचि रहेगी, अचानक धन प्राप्ति के भी योग हैं या सरकारी विभाग से लाभ मिलेगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. ईष्यालु वृत्ति न रखें।
2. झूठ न बोलें, जूठा भोजन न करें/न करावें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके माता-पिता को अधिक धन लाभ होगा। आपको किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना प ड़ेगा। ज्योतिष विद्या, योगाभ्यास तथा शायरी में आपका शौक रहेगा। जल से संबंधित कामों से लाभ होगा। नये विषयों की खोज भी कर सकते हैं, विदेश यात्रा या विदेश से संबंधित कामों से लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 1 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष साहसी और शूरवीर बनेंगे, बुरे व्यि के साथ भी नेकी का सलूक करेंगे, बड़े बहन-भाई से लाभ मिल सकता है। दूसरे व्यि द्वारा की गई नेकी को सदा याद रखेंगे। परिवार और समाज को सच्चाई और नेकी की राह पर चलने की सलाह देंगे, लोहा/लकड़ी, मशीनरी आदि के कामों से लाभ मिलेगा।
मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

परहेज :
1. बिना मेहनत का माल, दान या गिफ्ट न लेवें।
2. हाथी दांत कायम करें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 3 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बहन-लड़की, साली-बुआ से धन लेकर कोई कार्य किया तो कार्य में हानि हो सकती है। आपके भाग्योदय में रूकावट आ सकती है या आप कर्जदार हो सकते हैं। जबान के रोग होने का भय है। भाई-बहन की चिंता या उनसे झगड़ा करने पर हानि हो सकती है। नाड़ियों चमड़ी रोग का भय रहेगा।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. दुर्गा पूजन या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. तोता पाले या तोते को चूरी खिलायें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज़ बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएगें या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगे या धर्मार्थ चीज़े बनवायेंगे। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगे।
2. आवारा न घूमें।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधू वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के

चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं0 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकारी विभाग या सरकार द्वारा लाभ मिलेगा। इस वर्ष का हर दसवां दिन और दसवां महीना आपके लिये शुभ और लाभकारी है। धर्मात्मा होना आपके लिये ठीक नहीं रहेगा। स्थायी कामों अर्थात एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से मान-सम्मान बढ़ेगा और अधिक धन लाभ मिलेगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. मादक द्रव्यों/चीजों का प्रयोग न करें और मछली न खायें।
2. भाग-दौड़ के काम न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तबदीली और तरक्की संभव है। आपका अय्याशी स्वभाव होगा तो आपको लाभ होगा। पुत्र संतान का सुख मिलेगा। अध्यात्मिक विचार रहेंगे, लोक-परलोक में होने वाली बातें आपके दिमाग में पहले से आयेंगी। दोहता/भांजा, जमाई/साले, जीजा से आपके नेक संबंध रहेंगे।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कुत्तों को चोट न मारें।
2. ठगी-धोखेबाजी से दूर रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

कन्याओं को हलवा/बिस्कुट देकर आशीर्वाद लेवे या मूंग रात को भिगो कर सुबह पक्षियों को डालें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

Sample

लाल किताब वर्षफल 2013-2014

वर्त्तमान आयु - 1
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंग	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2013 - 2014

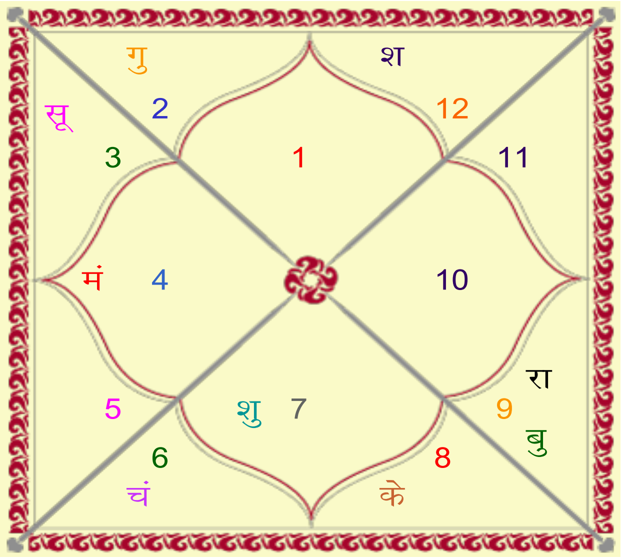

वर्ष चन्द्र कुंडली 2013 - 2014

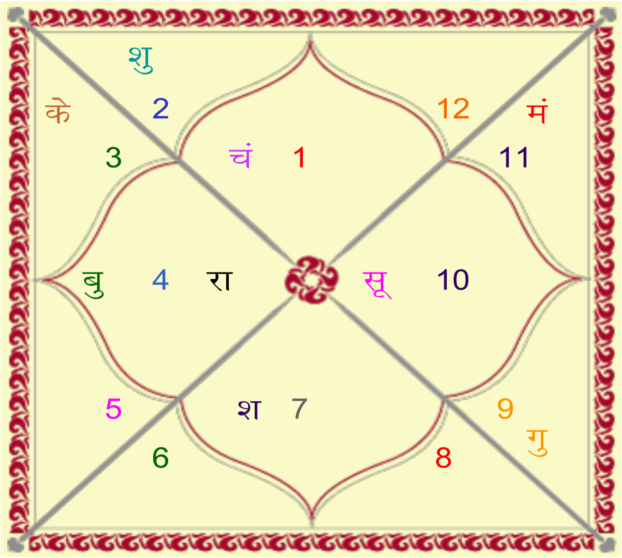

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लाल किताब वर्षफल 2013-2014

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप दूसरों की सहायता करेंगे और बहादुरी के कार्य करेंगे, उत्साह और फुर्तीलापन रहेगा, आपको लड़ाई-झगड़ों से दूर रहना चाहिए, गणित और ज्योतिष विद्या में रूचि रहेगी। सरकारी विभाग से लाभ, मुकददमे में जीत होगी, भाई-बंधुओं से प्यार बढ़ेगा। बहन-बेटी द्वारा लाभ मिल सकता है।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बुरे कामों से दूर रहें।
2. चोरी न करें, चोरी के माल से दूर रहें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता को शरीर कष्ट रहेगा। आप के परिवार को माता की चिंता रहेगी या विद्या संबंधी परेशानी भी आ सकती है। आम जनता के लिये पानी पिलाने का पानी का स्रोत लगाना, आपको और आपकी संतान को कष्ट तथा परेशानी ही देगा। बिना सोचे-समझे किये गये कामों में आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है, समझदारी से काम लें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. चंद्र ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
2. माता को कष्ट हो तो खरगोश पालें।
3. नाश्ते में कच्चा पनीर खायें। रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पीयें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुख के साधनों से सुख नहीं मिलेगा। माता, नानी-सास और पत्नी से लाभ मिलेगा, गृहस्थ जीवन सुखमयी व्यतीत होगा, संतान की चिंता रहेगी, मेहमानों का आपके घर में आना-जाना लगा रहेगा। मकान/वाहन का सुख मिलेगा। दूसरों को नसीहत दे कर उनको सन्मार्ग पर लाने के लिए प्रत्यनशील रहेंगे।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार के मकान में रिहाईश न करें।
2. काले-काने, अंगहीन, निःसंतान व्यि से संबंध न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता से दूरी या पिता की चिंता रहेगी, पिता का धन नाश हो सकता है । आपको जुबान से सम्बन्धित बीमारी हो ऐसी आशंका है। गृहस्थ और संतान के सम्बन्ध में कुछ खराबियां भी हो सकती हैं। हर काम में कदम-कदम पर आपको विचार करके चलना चाहिये। यात्रा से हानि का भय है, सर्तक रहें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. गऊ ग्रास देवें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपको कुछ भी होने वाला हो उसकी खबर पहले हो जाएगी, शिाा और ज्ञान से लोगों का मार्ग दर्शन कराएंगे। आपके सभी कार्य अपने आप बनते चले जाएंगे मगर आपको व्यर्थ की चिंता रहेगी। स्त्री और शासन या सरकारी विभाग की तरफ से लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. सर्राफी या जौहरी का काम न करें।
2. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

Sample

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मकान-वाहन का सुख मिलेगा। काले रंग की स्त्री का साथ, आपका भाग्य को जगाने और आपकी तरक्की में सहायक हो सकती है। विवाह से संबंधित चीजों के कारोबार से लाभ मिले। जदद्दी घर से दूर जाना पड़ सकता है। पत्नी-माता में मां-बेटी जैसा संबंध रहेगा। पत्नी सुशीला और सेवा करेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं0 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकददमें में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रूचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुलिस/कोर्ट का भय या चोरी का माल खरीदने का लांछन लग सकता है। पिता और ससुर को कष्ट या उनके द्वारा आपको हानि का भय है। साधू-फकीर का साथ फिजूल खर्ची ही बढ ायेगा। तीर्थ यात्रा में रूकावट आ सकती है। धार्मिक कामों में रूचि रहेगी जो आपके लिये ठीक नहीं।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. धर्म मंदिर में सिर झुकावें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 8 में है जिसकी वजह से आपके लिए इस वर्ष शराब-मीट का सेवन हानिकारक है। खराब चाल चलन या अनैतिक संबंध गुप्त रोग देगा। संतान सुख चाहते हैं तो चाल-चलन ठीक रखें। संतान की चिंता रहे ऐसी आशंका है। कारोबार में हानि और यात्रा में परेशानी या अपव्यय होगा। किसी को अपना भेद न बतायें, कारण आपका भेदी तबाह करेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले-सफेद कंबल धर्म स्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिए)।
2. काले-सफेद कंबल के टुकड़े में केतु के साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (जब बच्चे जीवित न रहते हों)।
(1) सूर्य-गेहूँ, (2) चंद्र-चावल, (3) मंगल-दाल मसूर, (4) बुध-मूंग, (5) गुरू-चने की दाल,
(6) शुक्र-चरी, (7) शनि-काली उड़द, (8) राहु-जौं, (9) केतु-काले-सफेद तिल।
3. कुत्ते को भोजन का हिस्सा देवें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

6 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2014-2015

वर्त्तमान आयु - 2
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंग	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--	--

वर्ष कुंडली 2014 - 2015

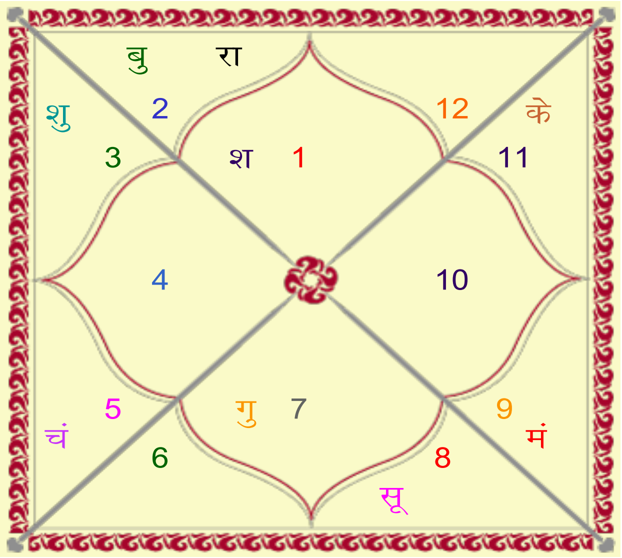

वर्ष चन्द्र कुंडली 2014 - 2015

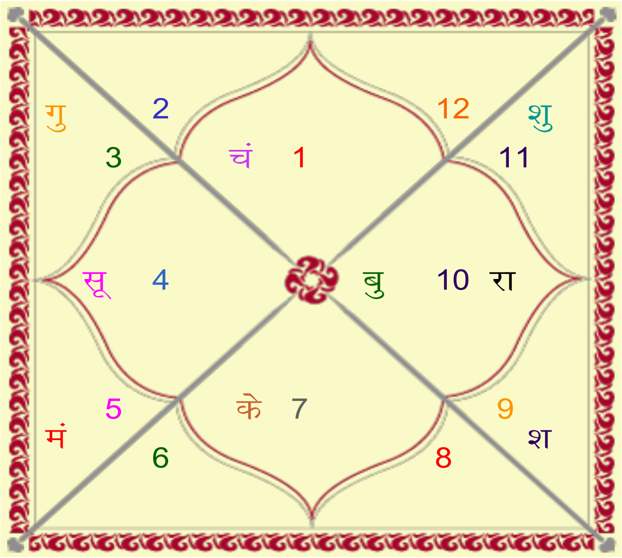

लाल किताब वर्षफल 2014-2015

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप मृत्यु शैय्या पर पड़े किसी व्यक्ति के पास जब तक बैठें रहेगे तब तक उसकी मृत्यु नहीं होगी। हर काम को जिम्मेदारी के साथ निभाने में प्रत्यनशील रहेंगे, स्वभाव साधु जैसा होगा। आप अपने लिये किये गये कार्यों को लोगों को समर्पित करेंगे। सच्चाई से अधिक तरक्की करेंगे।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. रसोई को अपवित्र न रखें।
2. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 5 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार वालों को सोने-चांदी का लाभ होगा, विद्या का लाभ होगा, आप दूसरों के कष्ट अपने पर झेलेंगे, दूसरों पर परोपकार करेंगे, लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगे उस व्यक्ति की जीत होगी। आपकी बहुत प्रसिद्धि होगी और समाज में आपका मान-सम्मान बढ गा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. हर कार्य में किसी की सलाह जरूर लेवें।
2. पाप के कामों में अपना हस्तोप न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति में वृद्धि और उसका लाभ मिलेगा, परिवार में धार्मिक उत्सव भी हो सकता है। नौकरी-व्यापार में अधिक धन लाभ मिलेगा। विवाहित भाई के साथ रहेंगे या उसकी पत्नी की सेवा करेंगे तो आप समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति की हैसियत से उभरेंगे और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

परहेज :
1. परदेश में रिहाईश न करें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता-दादा से धन लाभ होगा, आपको ज्ञान की बातों में अधिक रुचि रहेगी, बातें करते-करते बात बदलना आप की आदत हो सकती है। अपने भाग्य को चमकाने के लिये आपको अधिक मेहनत भी करनी पड़ सकती है। इस वर्ष हाजिर जबावी की कला आप में विद्यमान रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. हरा रंग निषेध।
2. धागा-ताबीज, जल, भभूतियों से दूर रहें।
3. तोता, भेड़-बकरी न पाले।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकते हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो स्त्री मायके से कुछ न कुछ सामान लावें।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष स्त्रियों द्वारा धन लाभ होगा। स्त्री आपके कामों में हाथ बटाएंगी या पत्नी के साथ शुरू

किये कामों से लाभ मिलेगा। आप पर कोई न कोई स्त्री मोहित रह सकती है। कम मेहनत से अधिक लाभ मिले ऐसी संभावना है। पत्नी से घर में रहते कभी चोरी नहीं होगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बुजुर्गी घर की दहलीज को ठीक रखें।
2. राग-रंग में रूचि न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं0 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कैमिस्ट या डाक्टर, इंजीनियरिंग, से संबंधित कामों से लाभ हो सकता है। लोहा-लकड़ी के काम भी लाभ देंगे, माता-पिता के पास धन की बढ़ोत्तरी होगी। आपकी जायदाद बढ़ने की आशा है। सरकारी विभाग से लाभ मिलेगा और उच्चाधिकारियों से अच्छे संबंध बनेंगे।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. परिवार में कोई खुशी का समय हो तो बाजे न बजवायें।
2. शराब आदि पीना, मांस-मछली खाने और इश्कबाजी से दूर रहें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष ननिहाल या ससुराल से लाभ मिलेगा। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे चलने वाला होगा जो कि अच्छा या बुरा दोनों ही तरह का हो सकता है। चोरी के माल से सावधान रहें चोरी का इल्जाम लगने का भय होगा, धन कोष में वृद्धि होगी। दान और मुफ्त माल से परहेज करेंगें।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. सा-जुआ आदि न खेलें।
2. धर्म स्थान में रिहाईश न करें या धर्म स्थान में न जायें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कभी हिम्मत नहीं हारेगें। भाग्य आपका साथ देगा। धन-दौलत का अधिक लाभ होगा। आपको पुत्र संतान का सुख मिलेगा तो माता/सास को शारीरिक कष्ट हो सकता है खासकर आंखों में। चाल-चलन ठीक रखें वरना शारीरिक कमजोरी हो सकती है। आने वाले समय की अधिक सोच रहेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो काम पर न जायें क्योकि आगे काम नहीं बनेगा।

2. व्यतीत समय की बातें करके को याद कर लोगों को न सुनायें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

शुद्ध सोना पीले कपड़े में बांध कर रखें/धारण करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2015-2016

वर्त्तमान आयु - 3
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंग	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2015 - 2016

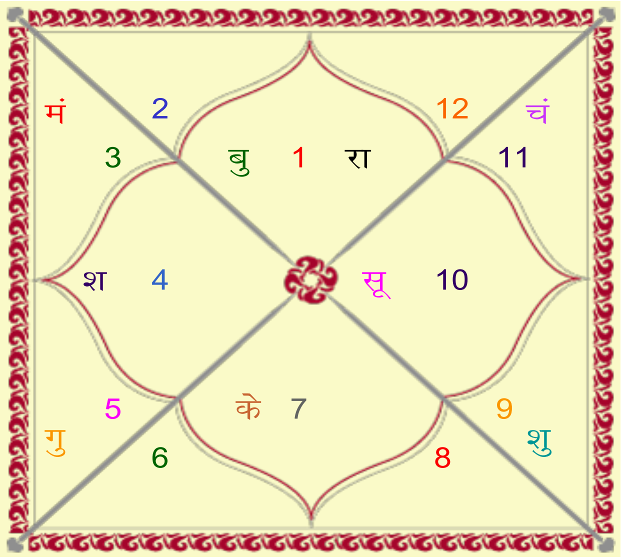

वर्ष चन्द्र कुंडली 2015 - 2016

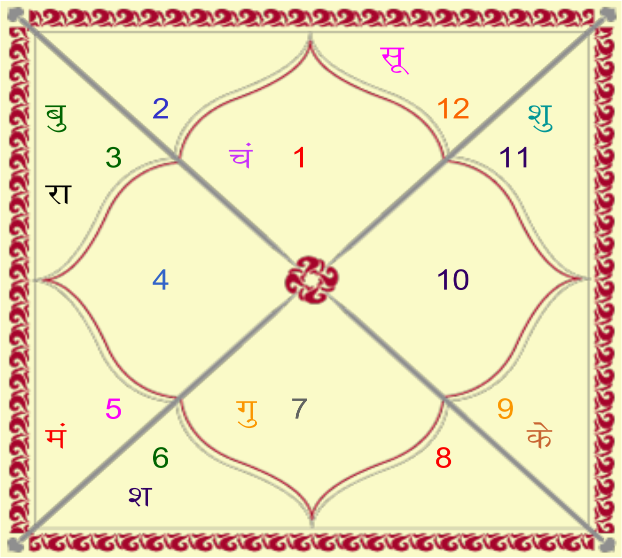

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लाल किताब वर्षफल 2015-2016

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता का सुख कम या पिता से लाभ न मिलेगा। आंखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, टोपी पहनें या पगड़ी/स्कार्फ बांधें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से लाभ होगा, सुख के साधन मिलेगें, आपको स्त्रियों द्वारा सहयोग प्राप्त होगा, माता-संतान का सुख मिलेगा, कोर्ट, इंजीनियरिंग, डाक्टरी से संबंधित कामों से लाभ मिलेगा, कारोबार में बरकत होगी। रात्रि समय विद्या पढ़ने या रात्रि समय विद्या से संबंधित कामों से लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. विद्या पढ़ने में अरूचि न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दूसरों की सहायता कर के प्रसन्नता प्राप्त होगी मगर जरूरी नहीं कि दूसरों की सहायता के बदले में आपको सम्मान मिलेगा, आपको कसरत करने या जिम आदि जाने का शौक रहेगा, मुकाबले की विद्या (प्रतियोगी परीक्षा) में आपकी जीत होगी, नर्म स्वभाव रखेंगे तो आपको लाभ मिलेगा। धन-परिवार/संतान का सुख मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

Sample

परहेज :
1. पेट का विशेष ध्यान रखें।
2. हाथी दांत न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ हो सकता है। आपके मुंह से निकली हुई बात में दम होगा, आप दूसरों की परवाह नहीं करेंगे। मधुर भाषा बोलेंगे, कल्पनाशील विचार होंगे। आप पर दूसरे लोगों का प्रभाव रहेगा। आप परिवार के झगड़ों में सुलह करने में भूमिका निभाएंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. अण्डा-पेस्ट्री आदि अण्डे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-बीयर न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तरक्की हो या मान-सम्मान मिलेगा। इस वर्ष अगर आपके परिवार में लड़का पैदा होता है तो परिवार की अथाह तरक्की होना शुरु हो जाएगी। पिता-दादा की मदद शक्की हो सकती है। वर्ष शुरू होते ही आपकी तरक्की होगी। वंश वृद्धि/संतान सुख प्राप्त होगा। लेखन द्वारा लाभ मिलेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. नाव के कामों से सम्बन्ध न रखें।
2. नास्तिक न बनें।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 9 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष एल्युमिनियम के बर्तनों का प्रयोग करेंगे तो वह आपको हानिकारक हो सकते है। मादक द्रव्यों और चीजों का कुसंगति के कारण प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं इससे बच कर रहें। स्त्री, धन, संतान पर समय मध्यम रहेगा। चाल-चलन ठीक रखें कारण गुप्त रोग का भय है। भाई-

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

बंधुओं से सावधान रहें।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. मकान बनाएं तो नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. नीम के पेड़ के तने में चांदी के 9 चौरस टुकड़े दबायें (अगर आपके पुत्र संतान है तो)।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं0 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर से दूर विद्या अध्ययन करने या कारोबार करने से लाभ होगा। विदेश संबंधित काम या विदेश यात्रा भी हो सकती है। नौकरी-व्यापार में बदली, चाल-चलन ठीक रखेंगे। खराब स्वास्थ्य के समय अल्कोहल से लाभ होगा मगर ठीक स्वास्थ्य के समय अल्कोहल का प्रयोग हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. शराब न पियें, मछली न खावें
2. काला कपड़ा न पहनें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकार या सरकारी विभाग द्वारा लाभ, ननिहाल के लिये समय ठीक, नया कारोबार भी शुरू हो सकता है। आप में कुछ रिश्वत लेना या करप्शन सोच आपके दिलो-दिमाग में आ सकती है। आपको हर समय बोलते रहने की आदत या बीमारी भी हो सकती है, इसका ध्यान रखें।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. आंगंन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिनों-दिन आपके धन की बढ़ोत्तरी होती रहेगी, ऐसी संभावना है। आजीविका के नये साधन बनेंगे। आप अपनी धुन के पक्के रहेंगे। जिसके कारण आप बड़े से बड़े व्यि के सामने अपना झंडा गाड़ लेंगे। आपकी संतान आपकी सहायता में रहेगी और संतान मुसीबत में दुश्मन को मार आयेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. कलम से लिखने का काम न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

43 दिन सिर पर सफेद-शरबती टोपी/पगड़ी/रूमाल/स्कार्फ से ढाप कर रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लाल किताब वर्षफल 2016-2017

वर्त्तमान आयु - 4
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंग	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	हाँ	नेक
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2016 - 2017

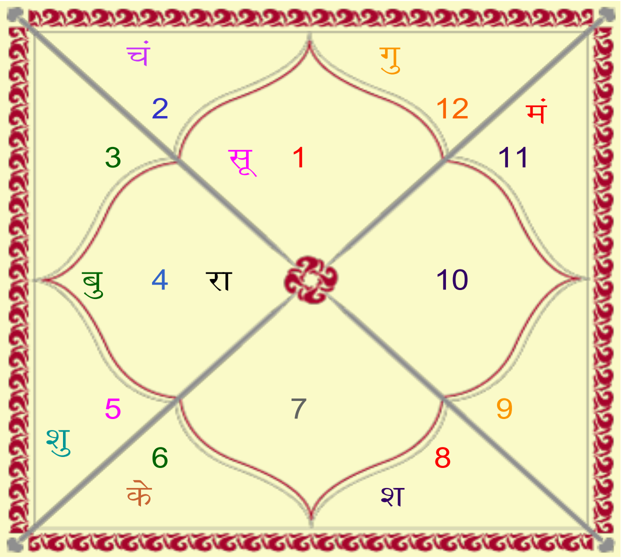

वर्ष चन्द्र कुंडली 2016 - 2017

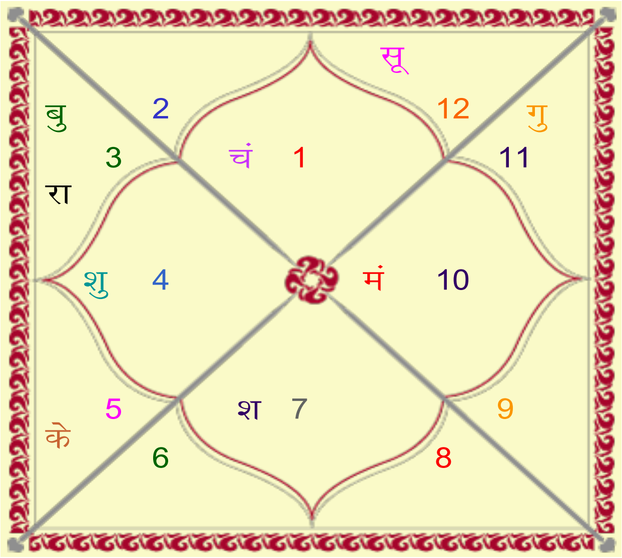

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2016–2017

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका तेज व प्रताप बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी, परोपकार की भावना रहेगी, आप दृढ़ निश्चयी, नशों से दूर रहेंगे। अधिक मेहनत करके आप अपना भाग्य चमकाएंगे। सरकारी विभाग में रूके काम बनेंगे। सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे और उनसे लाभ मिलेगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब आदि न पियें, मांस–मछली का भोजन न करें।
2. सूर्योदय से सूर्यास्त तक स्त्री से शारीरिक संबंध न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक सुख और सुख के साधन मिलेंगे, जददी विरास्त से जायदाद का हिस्सा या लाभ मिलेगा। सफेद चीजों के कारोबार से अधिक लाभ मिलेगा। भाई–बंधुओं का सुख अवश्य मिलेगा। विद्या संबंधी कामों में सफलता मिलेगी। यात्रा करने या पहाड़ी प्रदेश से लाभ मिलेगा। चाल–चलन ठीक रखें।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. घर में मूर्तियां न रखें और घंटी, घड़ियाल आदि न बजायें (संतान सुख हेतु)। परंतु दीवार पर तस्वीरें लगाकर पूजा–पाठ कर सकते हैं।
2. शराब आदि मादक वस्तुओं का इस्तेमाल न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएगें, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन–जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख–सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र–पौत्र का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. किसी पर भी भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन मिलेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी, बुआ-साली से भी लाभ हो सकता है। माता से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बेटी-बहन, बुआ-साली से झगड़ा न करें।
2. विधवा स्त्री से सम्बन्ध न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको धन से अधिक लगाव नहीं होगा। ध्यान-समाधि लगाने से धन की वर्षा होगी। आपका आशीर्वाद लेने वाला तर जाएगा और आपको सताने वाल बर्बाद हो जाएगा। खर्च अधिक जो परिवार के शुभ कामों पर होगा। त्याग की भावना भी आपके मन में रहेगी। आपको किसी का दुर्वचन नहीं लगेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
2. किसी से धोखा-फरेब न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस

Sample

वर्ष सफेद वस्तुओं से अधिक प्रेम रहेगा। आप अपने देश और जाति से प्रेम करेंगे, माता-पिता का कहना मानेंगे। दुनियावी बातों से अपने को मु रखेंगे। पत्नी वफादार होगी, पत्नी के साथ अच्छे संबंध रखेंगे परंतु किसी चीज का अभाव नहीं होगा और कारोबार में रूकावट नहीं आयेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. स्त्रियों के रसिया न बनें।
2. प्रेम विवाह या अंतर्जातीय विवाह या माता-पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं0 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके मकान के साथ बंद गली हो उस मकान में आप रिहाइश नहीं रखेंगे तो लाभ होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके बुजुर्गों को बहुत लाभ होगा, पिछला समय आपको आर्थिक तंगी का रहा हो तो इस वर्ष धन लाभ होगा। माता/सास से लाभ होगा। मकान वाहन सुख और सभी प्रकार के सुख के साधन उपलब्ध होंगे। सरकारी विभाग में या किसी संस्था में उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/अपनी आयु से बड़ी स्त्री से अवैध संबंध स्थापित न करें।
2. गंगा नदी में स्नान न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 6 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष सोना न बिके और न ही गुम हो, खासकर विवाह समय मिली सोने की अंगूठी। यात्रा से हानि हो ऐसी आंशका है। चमड़ी, पांव में कष्ट हो सकता है। फिजूल खर्च बढ़ने की संभावना है। मामा को कष्ट का भय, संतान सुख की चिंता। शत्रु अकारण उभरेंगे और उनसे हानि का भय रहेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. शुद्ध सोने की अंगूठी बांये हाथ की अनामिका अंगुली में पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

शुद्ध सोना शरीर पर पहनें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लाल किताब वर्षफल 2017-2018

वर्त्तमान आयु - 5
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंग	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2017 - 2018

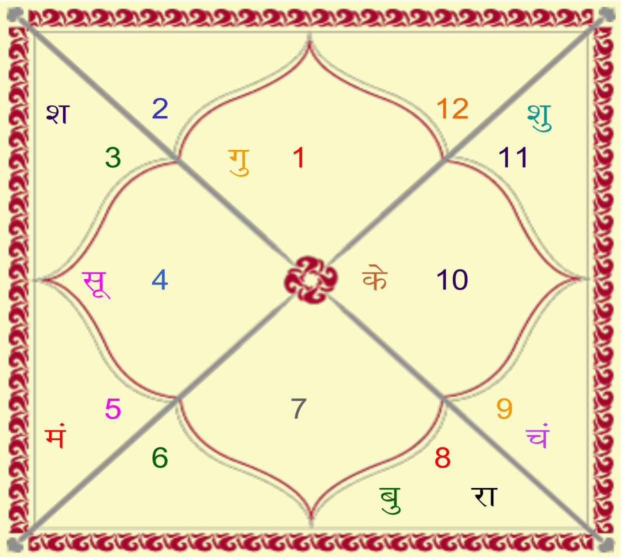

वर्ष चन्द्र कुंडली 2017 - 2018

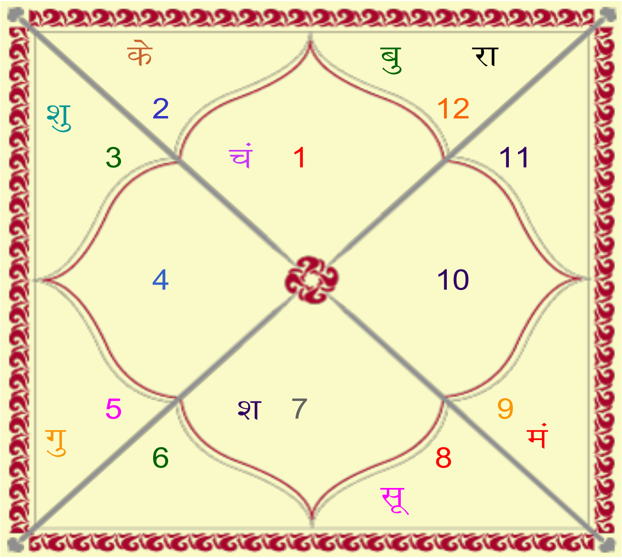

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2017–2018

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके धन का उपयोग दूसरे लोग करेंगे मगर आप उनसे लाभ उठायेंगे। परिवार में नये कार्य शुरू हो सकते हैं जो लाभदायक रहेंगे। वस्त्रों के काम से लाभ मिलेगा, रात्रि समय किये कार्यों से अधिक लाभ मिलेगा, सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से भी लाभ मिलेगा। माता/सास से झगड़ा न करें।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चोरी न करें बल्कि चोरी की सोच मन में न लायें।
2. किसी भी स्त्री से झगड़ा न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष समाज के लोगों से हमर्ददी होगी। आपको पैतृक जायदाद का लाभ मिलेगा। तीर्थ यात्रा का अच्छा फल मिलेगा। आपकी संगीत विद्या में रूचि, धार्मिक विचार या धर्म-कर्म में रूचि अधिक रहेगी। आपको विनम्र स्वभाव रखना ही शुभ है जिससे आप तरक्की के शिखर पर पहुंच जाएंगे, धन-दौलत में बरकत होगी।

चंद्र की शुभा बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ न बोलें, झूठा भोजन न खिलाये और न खायें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 5 में शुभ है। जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गृहस्थ/संतान का सुख मिलेगा, परिवार में उन्नति होगी, यात्रा बहुत होगी। इस जन्म दिन के बाद धन दिनों-दिन बढ़ता जाएगा, पिता-दादा की हैसियत भी बढ़ेगी, चाल-चलन आपको उम्दा रखना होगा, शत्रु को भी मित्र बनाने में प्रयत्नशील रहेंगे और शत्रु आपका सहायक बन जाएगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

परहेज :
1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।
2. शराब-बीयर न पिये, मांस-मछली का भोजन न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जादू-टोना आदि विद्याओं में रुचि या इनका प्रभाव रहेगा जो आपको लाभ न देगी। अन्दर ही अन्दर गुप्त रूप से आपको शरीर कष्ट या धन हानि का सामना करना पड़ सकता हैं। गृहस्थ में कुछ समस्याएं उभर सकती हैं। आलस्य आपके पतन का कारण बनेगा। खराब चाल-चलन और अनैतिक संबंध हार और हानि देंगे।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. इस वर्ष विवाह हो तो तांबे का बर्तन (गागर) मूंग साबित भरकर संकल्प करके पति/पत्नी दोनों जल प्रवाह करें। यदि विवाह हो चुका हो तो भी यह उपाय करना लाभ देगा।
3. गुदा पर सुरमा लगावें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पढ़ने-पढ़ाने में रुचि या विद्या सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा। पिता, दादा का रुतवा बढ़ेगा और उनका नाम रोशन होगा। नशों से दूर रहेंगे, सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। गुरु-साधू की सेवा करेंगे, सरकारी विभाग या शासन द्वारा भी आपको लाभ मिल सकता हैं।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बिना मेहनत का माल, गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखना शुभ रहेगा।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कन्या संतान का सुख मिल सकता है। आप अकारण पैसे के पीछे भागते रहेंगे। आपमें अच्छे गुण बढ़ेंगे मगर आपकी गुप्त कार्य करने की आदत हो जाएगी। विचारधारा को शीघ्र बदल देंगे, ससुराल पा के लोग सहायक होंगे। बहन-साली से भी लाभ मिलेगा स्त्री आपके कार्यों में साथ निभायेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. माता/पत्नी को घर की खजांची न बनाएं।
2. नौकरी-व्यापार में बार-बार बदला-बदली न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं0 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके हाथों से खर्च अधिक होगा या धन की कमी रहेगी। आप सबकी मदद करेंगे मगर लोग आपका कार्य बिगाड़ सकते हैं। लोहा, मशीनरी से संबंधित कार्यों से लाभ होगा। आप साहसपूर्ण कार्य करेंगे जिसके कारण आपको जोखिम भी उठाना पड़ सकता है।

शनि की शुभता बढ़ाने निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. मछली का शिकार न करें, मछली न खायें। शराब न पिये।
2. कीकर या बेरी का वृक्ष घर में न लगायें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 8 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अंगहीन, निःसंतान, काने, गंजे व्यि से दूर रहें। जन्म दिन के बाद आठवें मास से उलझनें बढ़ सकती हैं। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे होता रहेगा, बिजली विभाग, जंगल विभाग, पुलिस विभाग से संबंधित कामों में परेशानी या धन और समय नाश हो सकता है। बंधन और कैद में न रहेंगे।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।

2. 8 चौरस सिक्के (औफदप) के टुकड़े जल प्रवाह करें।

3. जिस दिन इस वर्ष का 8वां मास शुरू हो उस दिन 43-43 बादाम मंदिर में ले जाकर वहां रखें, उसमें से 43 बादाम उठा कर घर पर लाकर सफेद थैली में रख लें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मिी के कामों से सोना बनेगा, शहर/गोव/देश/विश्व प्रसिद्ध हो सकते हैं। समाज में आपकी ख्याति बढ़ेगी, धन का अभाव नहीं रहेगा। आपका स्वभाव कुछ शक्की बन सकता है। संतान सुख का योग भी इस वर्ष है मगर माता को कष्ट हो सकता है सास/माता की सेहत खराब या उनसे जुदाई हो सकती है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध न रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

तांबे की बर्तन मूँग भरकर जल प्रवाह करें ।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

Sample

लाल किताब वर्षफल 2018-2019

वर्त्तमान आयु - 6
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंग	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2018 - 2019

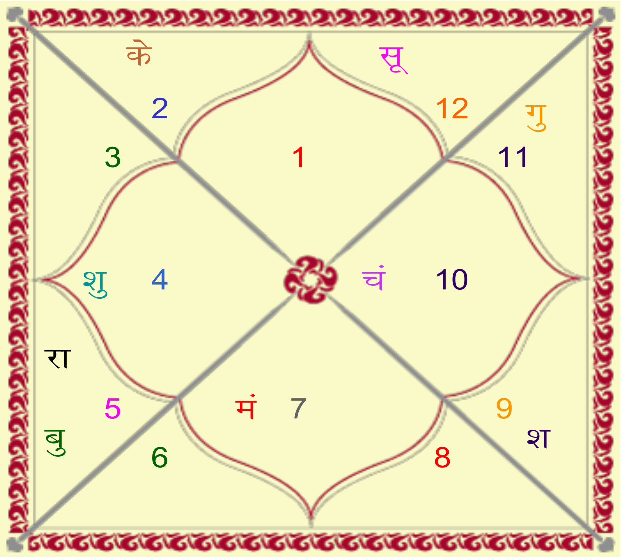

वर्ष चन्द्र कुंडली 2018 - 2019

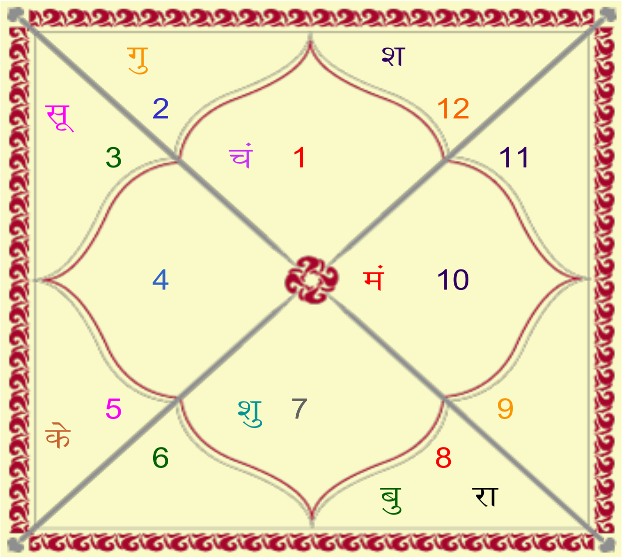

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लाल किताब वर्षफल 2018-2019

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप साधू न बन कर जागीरदार बनेंगे, बड़े-बड़े कामों से धन लाभ मिलेगा, गुप्त विद्या, आध्यात्म में रूचि रहेगी। विदेश संबंधी कामों से भी लाभ मिलेगा या विदेश यात्रा भी हो सकती है। सुख की नींद मिलेगी, बुजुर्गों का आपके ऊपर आशीर्वाद रहेगा। आपके परिवार में चहल-पहल रहेगी।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिजली का सामान मुफ्त न लेवें।
2. आपके पास किसी के द्वारा रखी चीज़ पर नियत खराब न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय या वैसे ही रात के समय लिक्वड दवाई का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोरों-जुआरियों, शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी स्त्री या प्रेमिका द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें अर्थात पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए व्यक्ति को हंसाना और उसको ढांढस देकर मदद करना अपना कर्त्तव्य समझेंगे, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, विष्णु भगवान की तरह संसार के पालक सिद्ध हो सकते हैं। जज, सरपंच, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।
2. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ होगा और सुख के साधन मिलेंगे, ज्योतिष विद्या और धर्म-अध्यात्म के प्रति रुचि, आप जो बात मुंह से कहेंगे वह सच हो सकती है अर्थात् आपके मुंह से निकला वाक्य ब्र वाक्य माना जा सकता है। अचानक धन लाभ होगा और बहुत अच्छे दिन देखने को मिलेंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. गऊ मुख घर में रिहाईश न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 11 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चाल-चलन खराब हो सकता है। चाल-चलन संभालना आप के लिये एक जरूरी चीज़ है। दादा-पिता को कष्ट, सोने के आभूषणों की हानि, आंखों की नजर कमज़ोर हो सकती है। किस्मत का फल कुछ मध्यम रहेगा। परिवार के लोगों की हिफाजत करना आपके लिए एक जरूरी कर्म होगा।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. पीला रूमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान देवें।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप में काम वासना की अधिकता के लक्षण है। दूसरी स्त्री आप पर मोहित हो सकते हैं। मामा-मौसी से लाभ मिलेगा, उत्तम भवन-वाहन का सुख मिलेगा, उत्तम भोजन-शयन का शौक रहेगा। आप अपने परिवार या शहर/गांव/देश में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे, यात्रा अधिक होगी और यात्रा से लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज ठीक रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं0 9 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी, भाई-बंधुओं का सहयोग मिलेगा। कर्ज का बोझ आप में नहीं रहेगा। पैसे के प्रति आप की दौड़ नहीं रहेगी। पत्नी के नाम पर काम शुरू करने से लाभ होगा, मकान-वाहन का सुख मिलेगा। तीसरा रिहाइशी मकान न बनावें वरना स्वास्थ्य को खतरा होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दूसरों के माल पर बदनीयत न रखें।
2. घर की छत पर ईंधन-चौगाठ आदि न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों में परेशानी, पत्नी से झगड़ा-तलाक या जुदाई तक हो सकती है जो आगे चल कर आपको कष्टकारी बनेगी। दूसरी पत्नी से संतान सुख नहीं मिलेगा इसलिये पत्नी से संबंध विच्छेद न करें। पहली संतान (लड़के) का सुख शक्की है, भाई अमीर निःसंतान या उसे संतान की चिंता रहेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

1. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट पर खड़ा करके घर में रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें (पुत्र सुख के लिए)

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष यात्रा करने से धन लाभ व मान-सम्मान बढ़ेगा, दलाली या कमीशन एजेंट के कार्य से लाभ होगा। आई-चलाई चाहे लाखों-करोड़ों रूपयों की हो मगर हिस्से में दलाल की दलाली की तरह धन लाभ होगा। सरकार से वजीफा या सरकारी विभाग से धन लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चान चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. नकली सोना न पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

10 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2019-2020

वर्त्तमान आयु - 7
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंग	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2019 - 2020

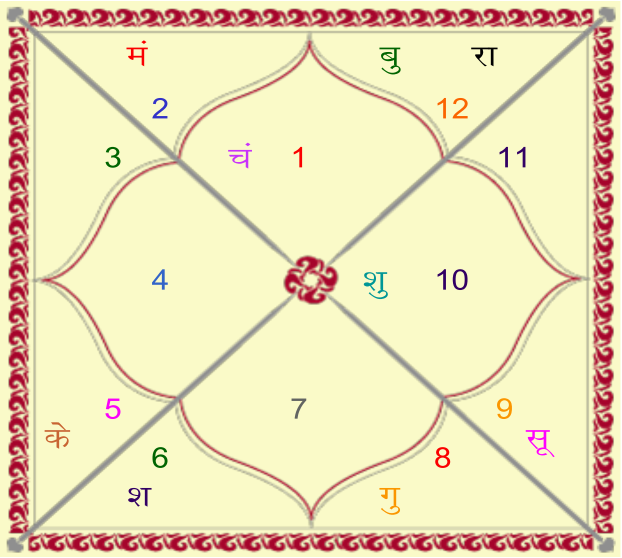

वर्ष चन्द्र कुंडली 2019 - 2020

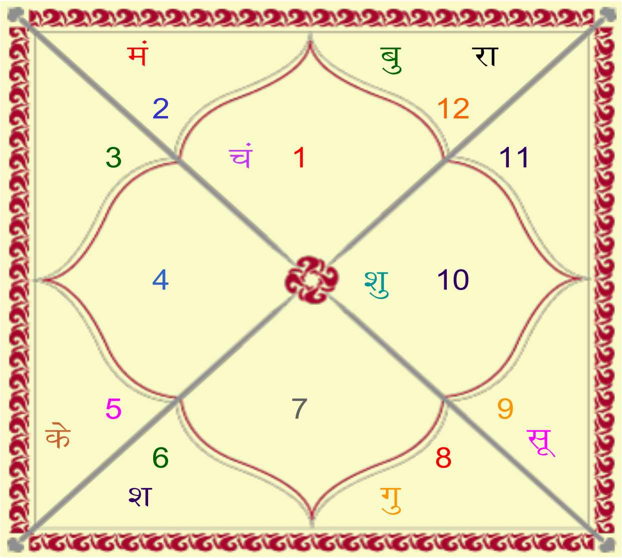

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2019-2020

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष उत्तम वाहन का सुख मिलेगा, तीर्थ यात्रा का लाभ व शुभ फल मिलेगा। समाज और परिवार के लिये आपके मन में त्याग और परोपकार की भावनाएं भी रहेगी, परिवार के व्यियों के पालन का अतिरि भार आप पर हो सकता है। स्वपराक्रम से किस्मत का सितारा और भी बुलंद होगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बिना मेहनत का माल, दान/गिफ्ट आदि न लेवें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुंदर और सफेद कपड़े पहनने का शौक रहेगा, विद्या से लाभ, किसी की अमानत आपके पास रह सकती है माता-पिता की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, कभी यात्रा पर जायें तो यात्रा से वापस आकर माता के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेने से लाभ होगा। परिवार में बहुत देर बाद किसी के पुत्र संतान होगी।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल-चलन ठीक और अनैतिक संबंध न रखें।
2. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आपके परिवार में अन्न-धन की कोई कमी नहीं रहेगी। आप भाई-बंधुओं के दुःख में हर समय साथ देगें, आप नेक और इरादे के पक्के रहेंगे जो बात ठान ली वह पूरी कर दिखायेंगे। अगर बड़ा भाई जीवित हो तो उससे अधिक धन, मान आपको मिलेगा। परिवार के लोगों से भी लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

परहेज :
1. लड़ाई-झगड़ों से दूर रहें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा में कमी न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष मादक द्रव्यों या चीज़ों का प्रयोग आपको बदजुबान बना सकता है जो आपके लिये हानिकारक होगा, ख्याली कारोबार (सोच-विचार कर करने वाले काम) या सा/जुआं, लाटरी, शेयर आदि आपके लिये अनुकूल नहीं है। भ्रम या अज्ञानता के कारण आपका नुकसान हो सकता है।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. स्टील की बेजोड़ अंगूठी बांये हाथ की कनिष्ठिका या मध्यमा अंगुली में पहनें।
2. खाली घड़ा ढक्कन लगाकर जल प्रवाह करें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अगर कोई शारीरिक कष्ट होता है तो अपने आप टल जायेगा, पिता-दादा का सुख मिलेगा, भाई-बंधु आपके धन का उपभोग करेंगे। धन, आयु की वृद्धि होगी। गुप्त विद्याओं में रूचि रहेगी। आपके कामों मे कोई रूकावट नहीं आएगी। यदि आप साधू भी बन जाये तो दुःखी न रहेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. पीले वस्त्र पहनने वाले साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी घंटी, ठाकुर न रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 10 में है जिसकी वजह से यदि आपने इस वर्ष मांस खाना और बीयर-शराब पीना शुरू किया, मछली का शिकार किया तो आपको बहुत हानि हो सकती है। खराब चाल-चलन हो तो संतान की चिंता रहेगी और पत्नी का स्वास्थ्य खराब रह सकता है। पत्नी से दब कर रहना पड़ सकता है। पेशाब की बीमारी का भय है

स्वास्थ्य के प्रति सर्तक रहें।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. कपिला गाय का दान करें।
2. पत्नी दूध या दही से गुप्तांग धोयें।

आपकी वर्ष कुडली में शनि खाना नं0 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें इससे आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका धन शुभ कामों या विवाह आदि पर खर्च हो सकता है। यदि आप पर ऋण का बोझ हो जाये तो वह उतर जायेगा, शत्रु दबे रहेंगे। अध्यात्म विचार आपको शायद ही लाभ देंगे। अपने बलबुते पर सभी कार्य सिद्ध कर लेंगे। रात को सुख की नींद मिलेगी और सुख के साधन बढ़ेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. रसोई से बाहर बैठ कर खाना न खावें।
2. घर के आंगन में धुंआ न करें।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष गुरु भ‍ि में रूचि रहेगी। चाल-चलन ठीक रहेगा। धर्म-ईमान की स्थिति शुभ होने के कारण संतान का सुख मिलेगा। पुत्र के द्वारा आपका भाग्योदय होगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग है तो पुत्र लाभ होगा। यात्रा से तरक्की होगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुरे चलन के लोगों की संगति न करें।

2. लोहे के संदूक/ट्रंक/अलमारी को हमेशा ताला न लगा रहें। ताले को कभी-कभी खोलते रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

खाली घड़ा ढक्कन देकर जल प्रवाह करें या स्टील की अगुंठी बायें हाथ की कनिष्ठका अंगुली में पहनें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2020-2021

वर्त्तमान आयु - 8
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंग	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	--	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	--	--	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2020 - 2021

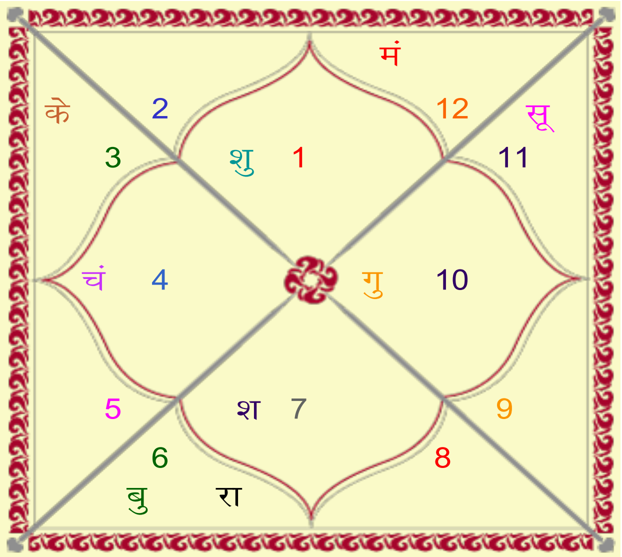

वर्ष चन्द्र कुंडली 2020 - 2021

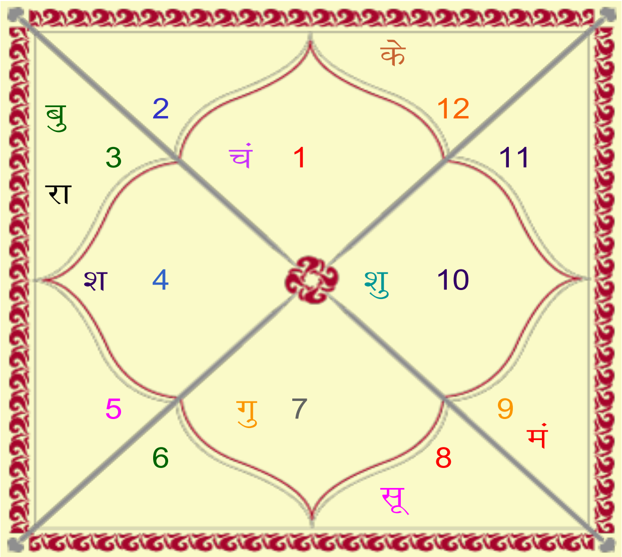

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2020-2021

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकते हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान सुख की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठी गवाही देना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. झूठ न बोलें, जूठा भोजन न खावें और न खिलावें।
2. मांस-मछली न खावें और शराब आदि न पिये मादक चीजों का सेवन न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 4 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप पिता-दादा का कारोबार अपना सकते हैं, आपका लोग एहसान नहीं मानेंगे, विद्या, माता की चिंता या माता को कष्ट हो ऐसी संभावना हैं। दूध, पानी मोल बेचने के कामों से हानि होगी, बुजुर्गों की सम्पत्ति नष्ट होगी या उसका आपको लाभ न मिले ऐसी संभावना है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुभ कार्य शुरू करते समय या शुभ कार्य पर जाते समय कुम्भ, दूध या पानी का भरा घड़ा रखें।
2. घर में आये मेहमानों को दूध या मीठा पानी जरूर पिलायें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी समाज में आवाज बुलन्द रहेगी, शत्रु मुंह की मार खायेंगे, मुसीबतें टल जाएगी, गुरु निर्धन-ब्राण की सेवा में तत्पर रहेंगे, आप अपनी मनमर्जी के अनुसार कार्य करेंगे, किसी से दब कर नहीं रहेंगे। मीठा-भोजन या मिठाई आपको अधिक पसन्द रहेगी। मुकददमे में जीत या सरकारी विभाग से लाभ से लाभ हो सकता है।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. लोग आपका नमक खाकर नमक-हरामी करेंगे, सतर्क रहे।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. लड़की/बहन का विवाह अपने रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक/नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि का मुंह देखना पड़ेगा। संतान की चिंता, पिता-दादा का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें (रविवार को छोड़कर) ।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

Sample

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, सुंदर बनना, संवराना आपकी आदत बन जायेगी, आशिकाना मिजाज भी हो सकता है। अपनी आयु के लोगों में आप प्रधान बन सकते हैं। धार्मिक होते हुए भी आप में इश्क की हवस रहेगी। उत्तम भवन व वाहन का सुख प्राप्त हो सकता है। लोगों से मार्ग दर्शन लेंगे।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन खराब न करें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. धर्म-कर्म में रूचि रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं0 7 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष परोपकार करने से धन लाभ पाएंगे। यह लाभ 7 गुणा तक हो सकता है। मकान बनेगा और बुजुर्गों से जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा। आपको गांव/शहर या किसी संस्था में पद मिल सकता है। पिता/ससुर और पत्नी के लिये समय शुभ रहेगा। चाल-चलन खराब रखने से धन हानि होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. डाक्टर/कैमिस्ट का साथ न रखें।
2. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
3. बुजुर्गी मकान के मुख्य द्वार की दहलीज ठीक रखें उसके दोनां तरफ सूर्योदय से पहले सरसों का तेल डालें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु दबे रहेंगे, किसी व्यि को आप दंड या सजा मु करवा सकते हैं। आपमें अहंकार की भावना भी आ सकती है। ऐशो आराम की सभी चीज़ें आपको प्राप्त होंगी, कर्ज हो तो कमी होगी अर्थात् धन की कारोबार में वृद्धि होगी, किसी संस्था या सरकारी विभाग में उच्च पद मिलेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

परहेज :
1. चोरी न करें। चोरी का माल न लेंवें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष दूसरों की सलाह लेना आपके लिये हानिकारक हैं। आवारा घूमना या भाई से दूर प्रदेश में जीवन व्यतीत करना ठीक नहीं, शरीर पर फोड़े-फुंसी की शिकायत भी हो सकती है। किसी के किये पेशाब पर पेशाब करना आप को गुप्तांग में रोग और शरीर कष्ट देगा या संतान सुख की चिंता रहे ऐसा भी संभव है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. कानों में शुद्ध सोने की ननतियां पहनें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

43 दिन रेत का तकिया बना कर रात को सिर के नीचे रख कर सोये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

Sample

लाल किताब वर्षफल 2021-2022

वर्त्तमान आयु - 9
वर्त्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंग	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2021 - 2022

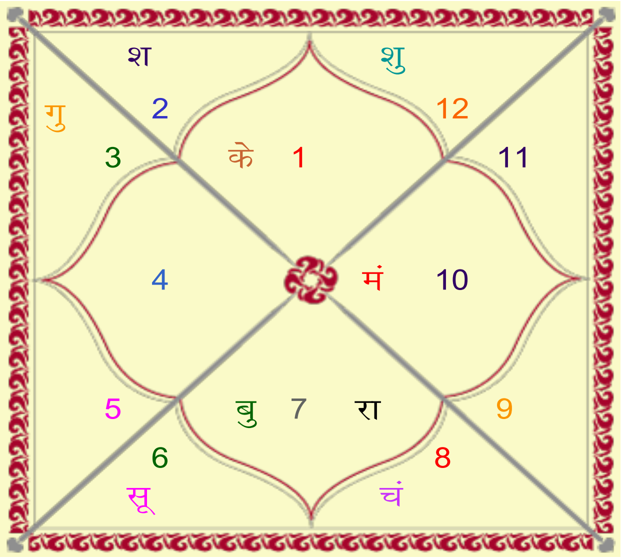

वर्ष चन्द्र कुंडली 2021 - 2022

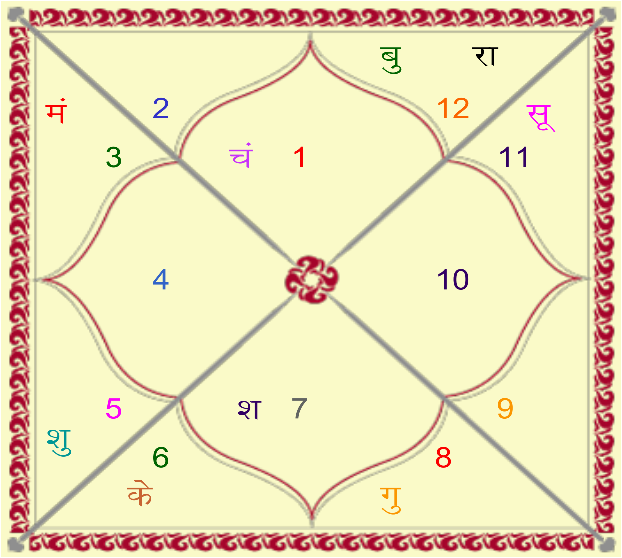

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लाल किताब वर्षफल 2021 -2022

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं0 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाग्य पर भरोसा करेंगे, शत्रु दबे रहेंगे। मुकददमें में जीत होगी, संतान जन्म से भाग्योदय होगा। ननिहाल से लाभ होगा, पिता के रूतबे में कुछ उथल-पुथल का भय रहेगा। परस्त्री के साथ आपके संबंध बन सकते हैं मगर चाल-चलन ठीक रखें। सरकारी विभाग से लाभ होगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बेटी-बहन, साली-बुआ से झगड़ा न करें।
2. कर्ज और दान मुफ्त का माल न लेवें।

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं0 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता-पिता का सुख कम मिलेगा। जौहरी-जुएं के कामों में हानि होगी। ननिहाल को कष्ट या उनसे झगड़ा होगा। मन की शक्ति क्षीण, विद्या में रुकावट या माता का सुख मिले, घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। सर्दी-जुकाम और पानी से कष्ट का भय,
दय रोग का भय रहेगा। बुजुर्गों को सांस-दमा रोग की आशंका है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गंदम धर्म स्थान में देवें।
2. अमावस्या के दिन दूध-चावल धर्म स्थान में देवें।
3. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें।

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं0 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप की गिनती उच्च/प्रतिष्ठित व्यक्तियों में होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई सरकारी विभाग या पुलिस/सेना विभाग में कार्यरत है तो तरक्की मिलेगी नौकरी व्यापार में अधिक धन लाभ होगा। आप राजसी समय व्यतीत करेंगे। अच्छे या बुरे तरीके से आप धन कमाएंगे, जायदाद और वाहन का सुख होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

परहेज :
1. सोना न बेचे न गिरवी रखें।
2. दूध उबाल कर रसोई में गैस चूल्हे/ अंगीठी /चूल्हे आदि पर गिर कर न जले इसका विशेष ध्यान रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं0 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में सम्मान मिलेगा, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ का योग है। स्त्रियों से सम्बन्धित कामों से या पत्नी से लाभ मिलेगा। कपड़े, डाक्टरी के कामों से अधिक लाभ मिल सकता हैं। आपकी कलम में तलवार से भी अधिक ताकत होगी। बेटी-बहन, बुआ-साली से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बिना सींग वाली गाय या बकरी घर में न रखें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं0 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष भाई-बन्धुओं का सुख मिलेगा, आप जिस पर मेहरबान होंगे उसको बहुत लाभ होगा। बुजुर्गों की सेवा में अपना धन-दौलत न्यौछावर कर सकते हैं। कारोबार में तरक्की मिलेगी। आँख की होशियारी से दूसरों के अच्छे-बुरे व्यवहार को जान लेंगें। आप धार्मिक कामों में अहम भूमिका निभायेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. सूखा या कटा पीपल घर में न रखें।
2. घर में मन्दिर हो तो उसमें दोनों समय पूजा अर्चना करें।

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं0 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपकी इस

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

वर्ष ज्योतिष विद्या और गुप्त विद्याओं में रूचि रह सकती है, परिवार का पालन-पोषण करने में आपका अधिक ध्यान रहेगा। पत्नी की किस्मत आप के आड़े समय में साथ देगी, ऐशो आराम के साधन मिलेंगे। चित्रकला-गायन का शौक भी हो सकता है। आपका मान-सम्मान बरकरार रहेगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. पत्नी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भि में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं0 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बिजली या पुलिस विभाग से संबंधित कामों में हानि का भय, ट्रांसपोर्ट का काम करने से हानि या आयु शक्की हो सकती है। साझेदारों से झगड़ा। कारोबार में उथल-पुथल भी हो सकती है। पत्नी को सिर दर्द का रोग हो सकता है। पत्नी से तनाव या पत्नी से जुदाई भी हो सकती है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. नारियल का दान करें।
2. शुद्ध चांदी की दो ईंटे घर में कायम करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

3. प्लास्टिक की डिब्बी में शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं0 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष तरक्की का योग है। मगर तबदीली का योग कम ही है। यात्रा के आदेश पत्र के बावजूद यात्रा न होगी या बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ेगा। पिता-गुरु की सेवा में रूचि रहेगी। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग हो तो उसे पुत्र लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बकरी न पालें और बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिर के मकान में रिहाइश न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

8 दिन नाश्ते में पनीर खावे या पनीर का बचा शेष पानी पिये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अंक ज्योतिष फल

नाम	Sample
जन्म तिथि	01/01/2012
मूलांक	1
भाग्यांक	7
नामांक	6
मूलांक स्वामी	सूर्य
भाग्यांक स्वामी	नेप/केतु
नामांक स्वामी	शुक्र
मित्र अंक	4, 8, 7
शत्रु अंक	5, 6
सम अंक	2, 3, 9
मुख्य वर्ष	2026,2035,2044,2053,2062,2071,2080,2089
शुभ आयु	14,23,32,41,50,59,68,77
शुभ वार	रवि, सोम
शुभ मास	जन, अप्रै, अग
शुभ तारीख	1, 10, 19, 28
शुभ रत्न	माणिक्य
शुभ उपरत्न	सूर्य मणि,लाल तुर्मली
अनुकूल देव	सूर्य
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	लाल
मंत्र	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः
शुभ यंत्र	सूर्य यंत्र

6	1	8
7	5	3
2	9	4

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।

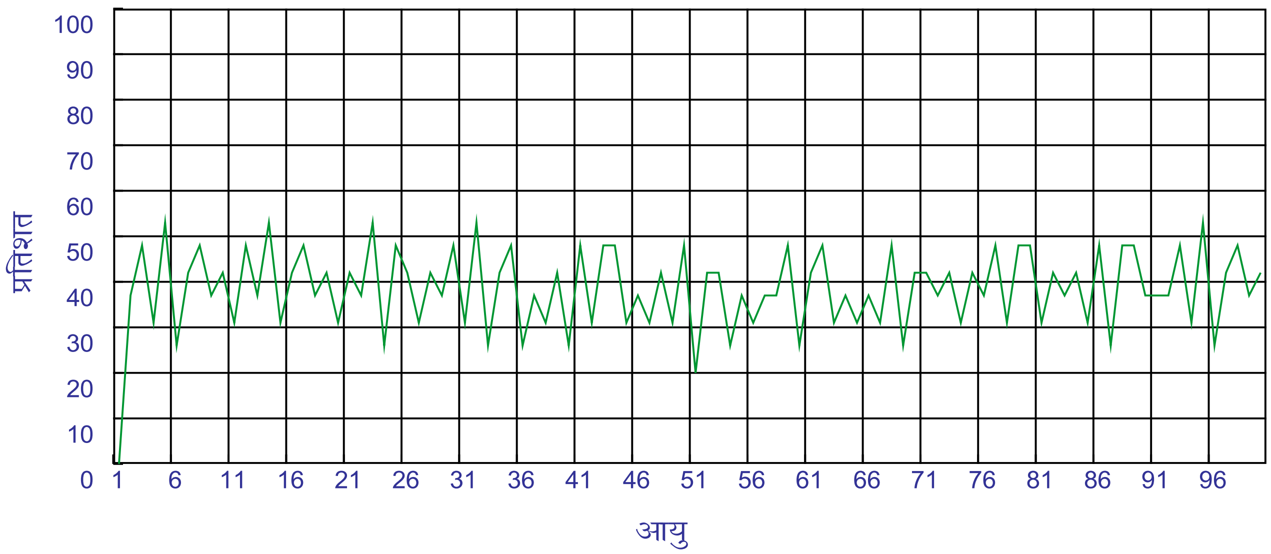

मुख्य वर्ष	2026,2035,2044,2053,2062,2071,2080,2089
शुभ आयु	14,23,32,41,50,59,68,77

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक एक होने से आपका मूलांक एक होता है। मूलांक एक के प्रभाववश आप एक स्थिर विचारधारा के व्यक्ति होंगे। अपने निश्चय पर दृढ़ रहेंगे। जीवन में आप जब भी किसी को वचन इत्यादि देंगे उन्हें निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगे। इच्छा शक्ति आपकी दृढ़ रहेगी एवं आप अपने मन संबंधों में, मित्रता के संबंधों में स्थायित्व रहेगा। लम्बे समय तक जो भी विचार बना लेंगे उनका पालन करने की निरंतर कोशिश करेंगे। आपके प्रेमएवं स्थायी बनें रहेंगे। यदि किसी कारणवश आपका किसी से विवाद या शत्रुता होती है तो ऐसी स्थिति में शत्रु या विवादित व्यक्ति से भी आपका मन मुटाव दीर्घकाल तक बना रहेगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की होने से आप पराधीन रहकर कार्य करने में असुविधा महसूस करेंगे। आप किसी के अनुशासन में कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक पसंद करेंगे। आपकी निरंतर कोशिश एवं महत्वाकांक्षा रहेगी कि आप जो भी कार्य करें वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो, उस कार्य में किसी का भी हस्तक्षेप आपको मंजूर नहीं होगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह होने के कारण सूर्य से संबंधित गुण कमोवेश मात्रा में आपके अंदर मौजूद रहेंगे। इसके प्रभावश दूसरों का उपकार, उपचार करने की प्रवृत्ति आपके अंदर प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आप सूर्य के समान ही प्रकाशित होना पसंद करेंगे। सामाजिक संगठनों में मुखिया का पद पाने की आपकी चाहत बनी रहेगी। जोकि आप अपनी मेहनत एवं लगन से प्राप्त करेंगे।

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी– कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर ध ान की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म–क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर–दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति–रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा–कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

आपका मूलांक 1 तथा भाग्यांक 7 है। मूलांक 1 के स्वामी सूर्य ग्रह का भाग्यांक 7 के स्वामी नेपच्यून ग्रह से सम संबंध होने के कारण आपको इन दोनों ही ग्रहों के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। सूर्य के प्रभाववश आपकी सामाजिक स्थिति जहां उच्च कोटि की रहेगी, वहीं भाग्यांक स्वामी नेपच्यून या केतु के प्रभाववश आपके भाग्य में अचानक परिवर्तन होते रहेंगे। भाग्यांक स्वामी के कारण आपका भाग्य विघ्नों से ओतप्रोत रहेगा। कभी तो आपको बहुत अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी और कभी आप असफलता भी प्राप्त करेंगे। मूलांक एवं भाग्यांक के प्रभाव से आपमें दूसरों को अपना बना लेने की कला अधिक रहेगी। आपके अंदर चुंबकीय आकर्षण शक्ति रहेगी, जो आपके रोजगार—व्यापार में काम आएगी। इससे आप अपने रोजगार में अधिक नाम एवं सफलता अर्जित करेंगे। रोजगार के क्षेत्र में दूर देशों से आपको विशेष लाभ प्राप्त होगा। आपकी सामाजिक स्थिति मध्यम श्रेणी की रहेगी एवं सम्मान भरा जीवन प्राप्त होगा।

आपका भाग्योदय 25 वर्ष कि अवस्था से प्रारंभ हो कर 28 वर्ष की अवस्था तक विशेष सफलता प्राप्त करेगा तथा 34 से 37 वें वर्ष के भीतर उन्नति मिलेगी एवं 43 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 1 की मित्रता 4 एवं 8 से है तथा भाग्यांक 7 की मित्रता 2 एवं 6 से है। अतः आपके जीवन में 1, 2, 4, 6, 7, 8 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक—भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्ही अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्ही अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, अप्रैल, जून, जुलाई अगस्त के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 2, 4, 6, 7, 8 होता है, आपके

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

1, 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74
4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
6, 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
7, 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
8, 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश–विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

S a m p l e

3+1+4+8+3+5

नाम का योग : 24 नामांक : 6

आपके नाम का कुल योग चौबीस होता है। दो एवं चार के जोड़ से छह आपका नामांक होता है। नामांक छह का स्वामी शुक्र दो का स्वामी चन्द्र एवं चार का स्वामी हर्षल ग्रह हैं। इन तीनों ग्रहों के गुण–अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। अपने कार्य क्षेत्र में आप पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ आपका उत्तम रहेगा। आप एक आकर्षण व्यक्तित्व के धनी होंगे। सौन्दर्य बोध आप में अच्छा रहेगा। सुन्दर स्त्रियों से बातचीत करना आपको अच्छा लगेगा। सुन्दर मकान ,आफिस आपको रास आएगा। ईष्या की मात्रा भी आपके अन्दर रहेगी। जिसके कारण आपको घमण्डी समझा जाएगा लेकिन आप ऐसे होंगे नहीं। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी। कभी आप बहुत सुखानुभूति करेंगे तो कई बार मायूसी छा जायेगी। अधिक कल्पनाशीलता तथा विध्वंसक कार्यों से दूर रहना आपके लिए हितकर रहेगा।

आपके नाम का नामांक 6 है। इसके आपके मूलांक 1 से शत्रु संबंध तथा भाग्यांक 7 से सम संबंध है। इस कारण आपको अपने नाम का पूर्ण फल प्राप्त करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। आप अपनी मेहनत के द्वारा अपने नाम को उच्च श्रेणी में ले जाने का प्रयास करेंगे। लेकिन मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी का आपके नाम को उच्चता प्रदान करने में पूर्ण सहयोग प्राप्त नहीं होगा। अतः आप यदि अपने नाम में परिवर्तन कर लेते हैं तो आपको मूलांक स्वामी तथा भाग्यांक स्वामी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा और आपका नाम सामाजिक क्षेत्र में उच्चकोटी की सफलता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

आपके नाम के अंक का आपके मूलांक 1 तथा भाग्यांक 7 दोनों से ही मिलान नहीं हो

रहा है। अतः आपका नाम आपके लिए अहितकर हो सकता है। यदि आप अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आपको अपने नाम में परिवर्तन करना लाभप्रद रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करे तथा उसका नामांक 7 आता हो और 5 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 2,4,8 अंक शुभ रहेंगे तथा 9,6 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ–साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M	N	O	P	Q	R	S	T	U	V	W	X	Y	Z
1	2	3	4	5	8	3	5	1	1	2	3	4	5	7	8	1	2	3	4	6	6	6	5	1	7

उदाहरणार्थः–

एक अंक घटानाः–	G A N E S H A 3+1+5+5+3+5+1=23=5	G A N E S H 3+1+5+5+3+5=22=4
एक अंक :–	R A M 2+1+4=7	R A M A 2+1+4+1=8
दो अंक :–	B I N D R A B I N D R A	B R I N D R A 2+2+1+5+4+2+1=17=8
तीन अंक :–	R A M C H A N D 2+1+4+3+5+1+5+4=25=7	R A M C H A N D R A 2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=1
चार अंक :–	K R I S H N A 2+2+1+3+5+5+1=19=1	K R E S H N A 2+2+5+3+5+5+1=23=5
पाँच अंक :–	T E W A R I 4+5+6+1+2+1=19=1	T I W A R I 4+1+6+1+2+1=15=6
छैः अंक :–	A G G A R W A L 1+3+3+1+2+6+1+3=20=2	A G A R W A L 1+3+1+2+6+1+3=17=8

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

पाचात्य मतानुसार दिनांक 21 मार्च से 20 अप्रैल तथा 24 जुलाई से 23 अगस्त एवं भारतीय मतानुसार दिनांक 13 अप्रैल से 12 मई और 17 अगस्त से 16 सितंबर तक गोचर में सूर्य मेष तथा सिंह राशि में रहता है। मेष में सूर्य उच्च का तथा सिंह में अपने घर में होता है। इस समय में सूर्य की किरणें प्रखर एवं तेजस्वी होने से मूलांक एक के लिए यह समय सभी दृष्टियों से उन्नतिशील तथा कार्यों में प्रगति देने वाला रहेगा। इस समय में किये गये कार्य अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

अनुकूल दिवस

रविवार एवं सोमवार के दिन आपके लिये विशेष शुभ फलदायक रहेंगे। यदि आपकी अनुकूल तारीखों में से ही किसी तारीख को रविवार या सोमवार पड़ रहा हो तो ऐसा दिन आपके लिए अधिक अनुकूल और श्रेष्ठ फलदायक होगा।

शुभ तारीखें

अपने उच्च अधिकारी से मिलने जाना हो या पत्र लिखना अथवा किसी से मिलना, कोई नया कार्य या व्यापार आदि प्रारंभ करने हेतु आपको किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28, और 31 तारीखें अनुकूल रहेंगी। अतः आप यदि कोई कार्य इन तारीखों को ही प्रारंभ करें तो अधिक सुविधापूर्ण एवं शीघ्र सफल होगा।

अशुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी माह की 5, 6, 14, 15, 23, एवं 24 तारीखें कोई भी नया कार्य करने हेतु प्रतिकूल हो सकती हैं। अतः उक्त तरीखों में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य न करें।

मित्रता या साझेदारी

आप ऐसे व्यक्तियों से मित्रता या साझेदारी स्थापित करें जिनका जन्म 1, 10, 19, और 28 तारीखों को अथवा दिनांक 13 अप्रैल से 12 मई और 17 अगस्त से 16 सितंबर के मध्य हुआ हो। ऐसे व्यक्ति आपके लिए अनुकूल सहयोगी एवं विश्वासपात्र सिद्ध होंगे। इस प्रकार के व्यक्तियों से आपकी मित्रता स्थायी एवं दीर्घ रहेगी तथा रोजगार, व्यवसाय, साझेदारी आदि में सहायक होगी।

प्रेम संबंध एवं विवाह

मूलांक 1, 4, या 8 से प्रभावित महिलाएं आपकी अच्छी साथी सिद्ध हो सकती हैं। उक्त मूलांक वाली महिलाओं से आप सहज ही प्रेम संबंध स्थापित कर सकते हैं तथा उसमें सफल भी हो सकते हैं। जिनका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28, और 31 तारीखों में हुआ हो वे सभी स्त्रियां आपके लिए सहायक एवं लाभ पूर्ण रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए अधिक अनुकूल रंग पीला या ताम्रवर्ण है। पीला भी पूर्णतः पीला नहीं, अपितु सुनहरा पीला होना चाहिए। आप यथासंभव इसी रंग का उपयोग ड्राइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि में लें। हो सके तो अपने पास इस रंग का रुमाल तो आप हर समय रक्खें। स्वास्थ्य की क्षीणता के समय भी आप इसी रंग के वस्त्र पहनेंगे तो आपका स्वास्थ्य ीघ्र ठीक हो जाएगा।

वास्तु एवं निवास

आपके ऐसे राष्ट्र, देश, प्रदेश, शहर, ग्राम, बाजार, मकान, कॉम्प्लैक्स या फ्लैट में निवास करना शुभ रहेगा, जिसका मूलांक या नामांक एक हो। पूर्व दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। अतः आप अपने शहर के पूर्वी क्षेत्र में, या भवन के पूर्वी क्षेत्र में निवास करें। आपकी बैठक पूर्व दिशा की ओर होना लाभप्रद रहेगा। आपके लिए पूर्वी क्षेत्र के व्यक्ति, पूर्वी देशों, पूर्वी स्थानों में नौकरी, रोजगार, व्यापार करना शुभ रहेगा। पहनने के वस्त्रों का चुनाव करते समय भूरा, पीला, सुनहरी रंगों का समावेश आपके कपड़ों में होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। भवन, वाहन, दीवारें, पर्दे, फर्नीचर इत्यादि का रंग भी यदि आप पीला, सुनहरी या भूरा रखेंगे तो आपके पारिवारिक वातावरण में खुशहाली बढ़ेगी।

शुभ वाहन नं

यदि आप वाहन आदि खरीदते हैं तो उसके पंजीकरण के लिए नंबर आपके अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल रखने वाले अंकों को लेना हितकर रहेगा।

आपका मूलांक 1 है। अतः आपके लिए अंक 1,4,8, अच्छे रहेंगे। इसलिए आपके वाहन पंजीकरण क्रमांक का योग 1, 4 या 8 रहेगा, जो अधिक अच्छा रहेगा, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5230 = 1 इत्यादि। आपकी यात्रा के वाहनों के अंक भी यदि 1, 4, या 8 हैं तो आपकी यात्रा लाभप्रद रहेगी। यदि आप होटल में कमरा बुक करवाते हैं तो उसका नंबर 100 = 1 इत्यादि होगा, तब वह कमरा आपके लिए हितकर रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

हृदय पक्ष आपका कमजोर रहेगा तथा हृदय संबंधी कोई कष्ट आपको अधिक उम्र पर हो सकता है। रक्त संबंधी बीमारियां भी यदा – कदा हो सकती हैं। वृद्धावस्था में रक्त चाप, 'हार्टअटैक' तथा नेत्र पीड़ा जैसे रोगों की संभावना रहेगी, जिसे आप सूर्योपासना द्वारा दूर कर सकते हैं। जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको डिप्थीरिया, अपच, रक्त दोष, गठिया, रक्तचाप, स्नायविक दुर्बलता, नेत्र पीड़ा आदि रोग होंगे। उक्त रोगों से आपको हर समय सावधान रहना चाहिए। रोग, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको सूर्योपासना पर बल देना चाहिए तथा रविवार के दिन नमक रहित एक समय भोजन करना चाहिए।

व्यवसाय

आपके लिए हुकूमत, प्रशासक, नेतृत्व, अधिकारी, आभूषण, जौहरी का कार्य, स्वर्णकारिता, विद्युत की वस्तुएं, चिकित्सा, मेडिकल स्टोर, अन्न का व्यवसाय, भूप्रबंध, मुख्यावास या उच्च स्थान प्राप्ति, मकानों की ठेकेदारी, राजनीतिक कार्य, शतरंज के खेल, अग्नि सेवा कार्य, सैन्य विभाग, राजदूत, प्रधान पद, जलप्रदाय विभाग, श्रमशील कार्य आदि के क्षेत्र में रोजगार–व्यापार करना लाभप्रद रहेगा।

व्रतोपवास

आपको रविवार का व्रत रखना लाभप्रद एवं रोग मुक्तिकारक रहेगा। एक समय भोजन करें । भोजन के साथ नमक का सेवन न करने से यह विशेष फलदायक रहता है। व्रत के दिन भोजन करने से पूर्व प्रातः स्नान के पचात सुगंधित अगरबत्ती जला कर 'आदित्य हृदय स्तोत्र' का पाठ करें। तब आपको स्वयं अनुभव होगा कि आप विभिन्न बाधाओं से मुक्त हो रहे हैं एवं बीमारियां आपसे

दूर रहेंगी। यह व्रत एक वर्ष, तीस या बारह रविवारों को करें। व्रत के दिन लाल वस्त्र धारण करें, सूर्य गायत्री मंत्र से सूर्य को अर्घ्य दें। तांबे का अर्घ्य पात्र लें। उसमें जल भरें। जल में लाल चंदन, रोली, चावल, लाल फूल एवं दूब डाल कर, सूर्य भगवान का दर्शन करते हुए अर्घ्य प्रदान करें। पश्चात् सूर्य के मंत्र का यथाशक्ति, सूर्य मणि माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

माणिक आपका प्रधान रत्न है। माणिक के अभाव में गारनेट, तामड़ा, लालड़ी, सूर्यमणि या लाल हकीक शुक्ल पक्ष में रविवार के दिन, लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में, सोने की अंगूठी में, लगभग पांच रत्ती का, दायें हाथ की अनामिका उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप सूर्योपासना करें तथा उगते सूर्य का दर्शन करते हुए नित्य एक लोटा अर्घ्य (रोली, चावल जल में डाल कर) ग्यारह या इक्कीस बार सूर्य गायत्री मंत्र का जप करते हुए, सूर्य भगवान को प्रदान करें। सूर्य जीवनदाता है। अतः इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोंगो तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो माणिक जड़ी स्वर्ण अंगूठी के दर्शन कर लें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए, सूर्य के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, सूर्य के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

सूर्य गायत्री मंत्र – आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात्।।

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप सूर्य का ध्यान करें, मन में सूर्य की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

जपा कुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

ग्रह जप मंत्र

अशुभ सूर्य को अनुकूल बनाने हेतु सूर्य के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान साठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्यांय नमः।। जप संख्या 6000।।

वनस्पति धारण

आप रविवार के दिन बिल्वपत्र की एक इंच लंबी जड़ लाकर, गुलाबी धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें अथवा स्वर्ण या तांबे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे सूर्य ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक रविवार को एक बाल्टी या बर्तन में कनेर, दुपहरिया, नागरमोथा, देवदारु, मैनसिल, केसर, इलायची, पद्‌माख, महुआ के फूल, सुगंध बाला आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्ति दायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ सूर्य के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्रदान करेगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ्ठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, इन सबको मिलाकर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें, तो ग्रहों की शांति और सुख–समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

योग्य व्यक्ति के लिए सूर्य की शांति हेतु सूर्य के पदार्थ गेहूं, गुड़, रक्त चंदन, लाल वस्त्र, सोना, माणिक्य आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

सूर्य को अनुकूल बनाए रखने हेतु सूर्य यंत्र को भोजपत्र पर अष्टगंध (कोर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप–दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या लाल धागे में, रविवार को ुक्ल पक्ष में प्रातः काल धारण करें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
01/01/2012	जन्म तिथि	01/01/2012
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 23:10:00	जन्म समय	23:10:00 घंटे
घटी 39:46:25	जन्म समय(घटी)	39:46:25 घटी
India	देश	India
	स्थान	
28:39:00 उ	अक्षांश	28:39:00 उ
77:13:00 पू	रेखांश	77:13:00 पू
82:30:00 पू	मध्य रेखांश	82:30:00 पू
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:25	सूर्योदय	07:15:25
17:33:35	सूर्यास्त	17:33:35
24:01:46	चित्रपक्षीय अयनांश	24:01:46
सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मीन	राशि	मीन
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
रेवती	नक्षत्र	रेवती
बुध	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	2
परिघ	योग	परिघ
बव	करण	बव
दो	जन्म नामाक्षर	दो
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
गज	योनि	गज
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सर्प
0	गत/तत्कालिक वर्ष	1

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

जन्म – विवरण   वर्ष – विवरण

अ	नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	ग्रह	व	राशि	अंश	पद	नक्षत्र	अ
	उत्तराफाल्गुनी	1	29:48:36	सिंह		लग्न		सिंह	29:48:36	1	उत्तराफाल्गुनी	
	पूर्वाषाढ़ा	2	16:40:45	धनु		सूर्य		धनु	16:40:45	2	पूर्वाषाढ़ा	
	रेवती	2	21:51:40	मीन		चंद्र		मीन	21:51:40	2	रेवती	
	पूर्वाफाल्गुनी	4	26:15:35	सिंह		मंग		सिंह	26:15:35	4	पूर्वाफाल्गुनी	
	ज्येष्ठा	4	26:47:40	वृश्चि		बुध		वृश्चि	26:47:40	4	ज्येष्ठा	
	अश्विनी	2	06:24:58	मेष		गुरु		मेष	06:24:58	2	अश्विनी	
	श्रवण	4	20:41:47	मक		शुक्र		मक	20:41:47	4	श्रवण	
	चित्रा	4	04:18:21	तुला		शनि		तुला	04:18:21	4	चित्रा	
	ज्येष्ठा	1	19:56:38	वृश्चि		राहु		वृश्चि	19:56:38	1	ज्येष्ठा	
	रोहिणी	3	19:56:38	वृष		केतु		वृष	19:56:38	3	रोहिणी	
	उत्तराभाद्रपद	2	06:49:41	मीन		मु		सिंह	29:48:36	1	उत्तराफाल्गुनी	

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:46

लग्न-चलित

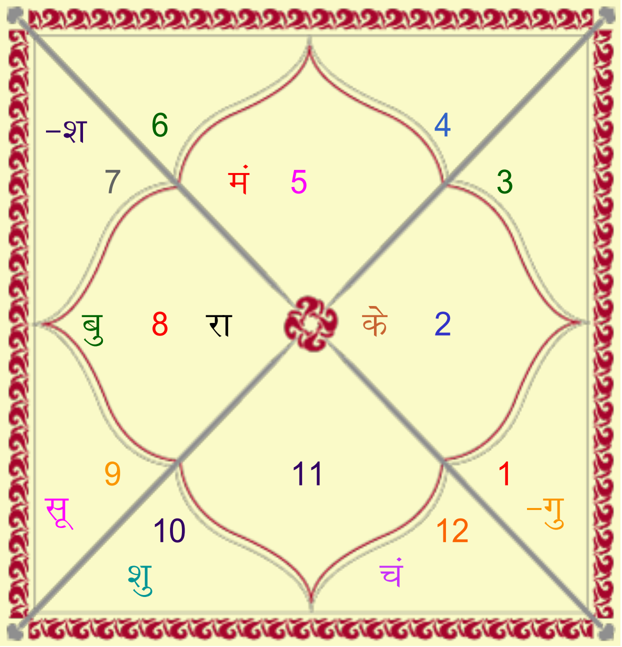

वर्ष लग्न कुंडली

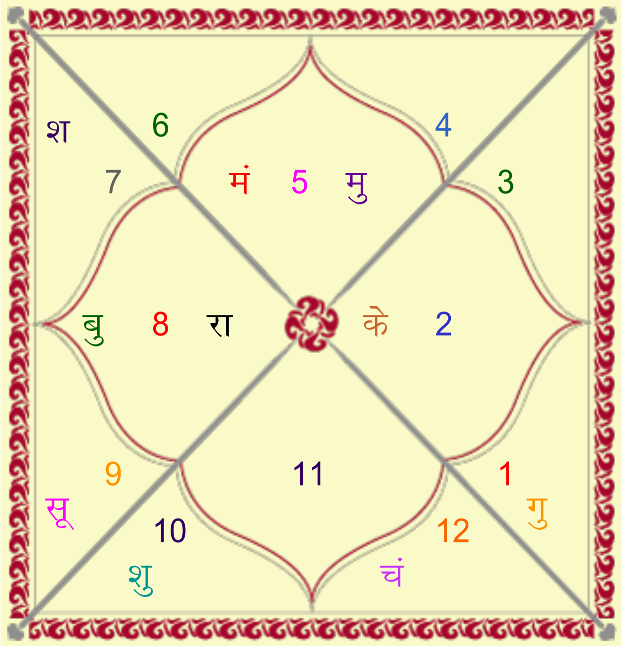

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

चन्द्र कुंडली

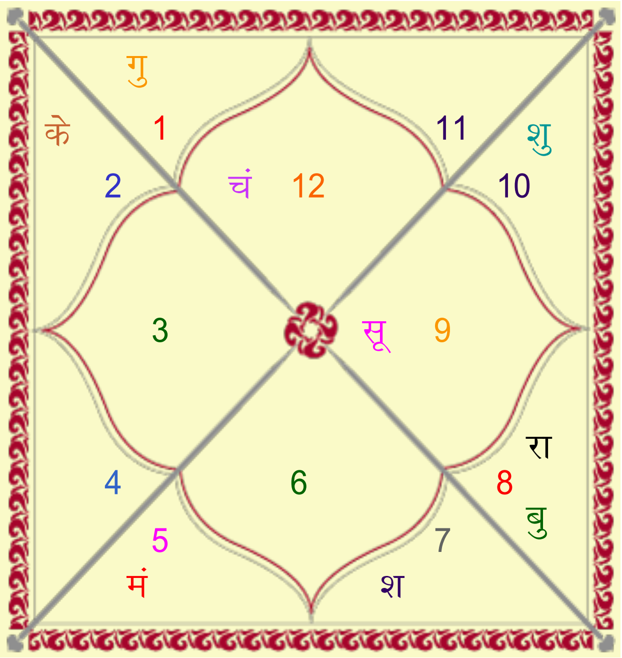

वर्ष चन्द्र कुंडली

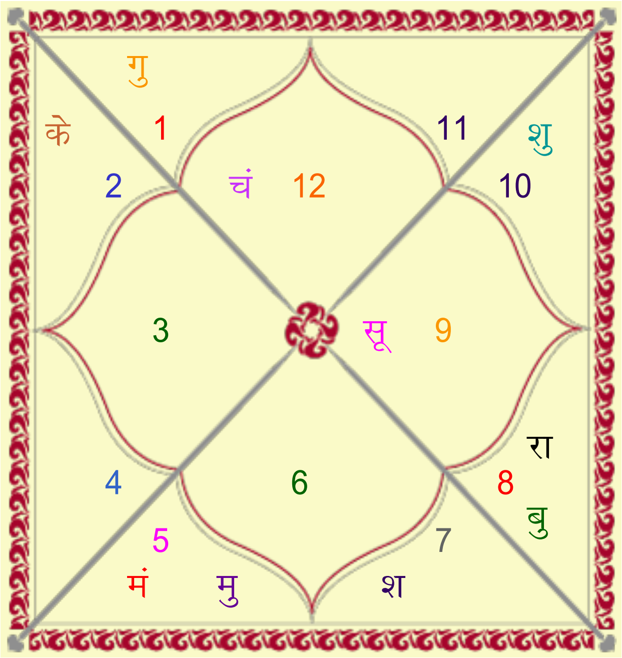

नवमांश कुंडली

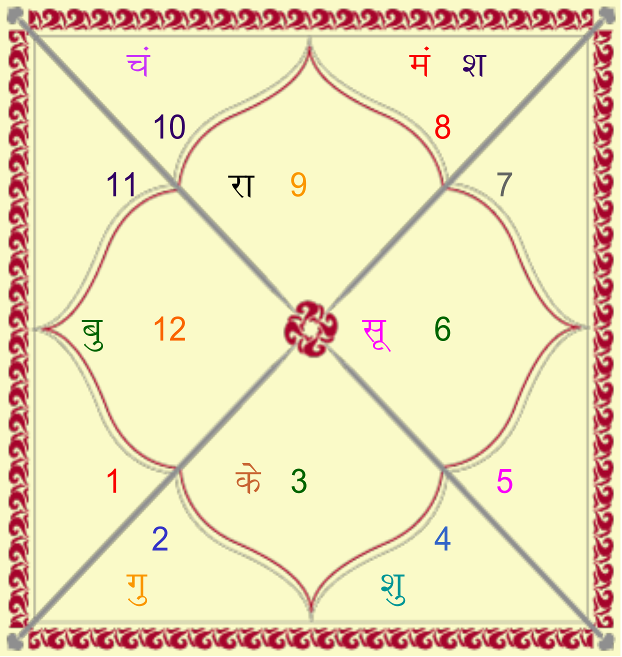

वर्ष नवमांश कुंडली

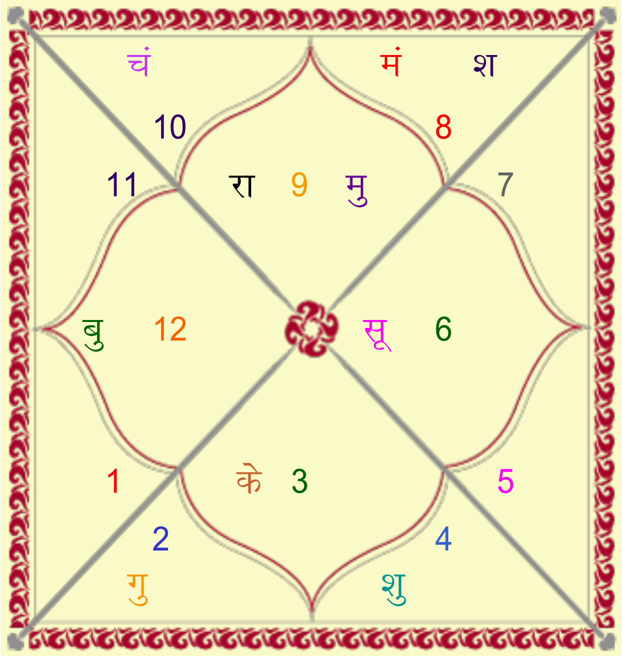

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	----	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	सम	मित्र
चन्द्र	शत्रु	----	सम	मित्र	सम	मित्र	सम
मंगल	मित्र	सम	----	शत्रु	मित्र	सम	मित्र
बुध	सम	मित्र	शत्रु	----	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	सम	मित्र	सम	----	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	----	शत्रु
शनि	मित्र	सम	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	----

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	धनु	मीन	सिंह	वृश्चि	मेष	मक	तुला
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	मेष	कर्क	वृश्चि	मेष	वृष	मेष	सिंह	कर्क
चतुर्थांश	वृष	मिथु	कंया	वृष	सिंह	मेष	कर्क	तुला
पंचमांश	तुला	धनु	मक	तुला	वृश्चि	कुंभ	मक	मेष
षष्ठांश	कंया	कर्क	कुंभ	कंया	मीन	वृष	कुंभ	मेष
सप्तमांश	कुंभ	मीन	कुंभ	कुंभ	वृश्चि	वृष	वृश्चि	वृश्चि
अष्टमांश	मीन	कंया	तुला	मीन	मीन	वृष	कंया	वृष
नवमांश	धनु	कंया	मक	वृश्चि	मीन	वृष	कर्क	वृश्चि
दशमांश	वृष	वृष	मिथु	मेष	मीन	मिथु	मीन	वृश्चि
एकादशांश	वृष	वृष	तुला	मेष	कर्क	वृष	कर्क	तुला
द्वादशांश	कर्क	मिथु	वृश्चि	मिथु	कंया	मिथु	कंया	वृश्चि

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
होरा	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	सम	स्व	मित्र	मित्र	सम	सम
चतुर्थांश	सम	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
पंचमांश	मित्र	सम	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
षष्ठांश	शत्रु	सम	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
सप्तमांश	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र
अष्टमांश	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु
नवमांश	सम	सम	स्व	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
दशमांश	सम	मित्र	स्व	सम	सम	शत्रु	मित्र
एकादशांश	सम	मित्र	स्व	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
द्वादशांश	सम	सम	शत्रु	स्व	सम	मित्र	मित्र
शुभ	3	4	7	3	4	5	7
सम	6	7	3	6	2	3	1
अशुभ	3	1	2	3	6	4	4
कुल	सम	शुभ	शुभ	सम	अशुभ	शुभ	शुभ

Sample

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	5
तृतीय बल	5	5	0	0	0	0	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	10	0	5	0	5	15
बल	क्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	क्षीण	बली

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	15.00	22.50	7.50	22.50	7.50	7.50
उच्च्व बल	7.41	15.43	3.14	12.02	10.16	12.63	18.26
हददा बल	11.25	7.50	15.00	7.50	3.75	7.50	15.00
द्रेष्काण	2.50	5.00	10.00	7.50	7.50	5.00	5.00
नवमांश	2.50	2.50	5.00	2.50	1.25	3.75	3.75
कुल	46.16	45.43	55.64	37.02	45.16	36.38	49.51
विंशोपक	11.54	11.36	13.91	9.26	11.29	9.10	12.38
बल	शुभ	शुभ	शुभ	सामान्य	शुभ	सामान्य	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	सूर्य	11.54	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	11.54	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	सूर्य	11.54	अतिशुभ	सूर्य
दिवापति	गुरु	11.29	अतिशुभ	
त्रिराशिपति	सूर्य	11.54	अतिशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	वृष	24:37:41	शुक्र	14/04/2012
गुरु	मक	04:59:31	शनि	15/04/2012
ज्ञान	मक	04:59:31	शनि	15/04/2012
यश	वृशि	18:01:19	मंग	04/04/2012
मित्र	मिथु	10:19:56	बुध	20/05/2012
माहात्म्य	मक	01:26:30	शनि	10/04/2012
आशा	मक	16:12:02	शनि	28/04/2012
समर्थ	धनु	20:13:46	गुरु	16/10/2012
भातृ	मेष	01:55:13	मंग	10/08/2012
गौरव	मक	02:07:27	शनि	11/04/2012
राजा	धनु	12:11:00	गुरु	07/10/2012
पितृ	धनु	12:11:00	गुरु	07/10/2012
मातृ	मिथु	28:38:43	बुध	02/06/2012
सुत	तुला	14:21:54	शुक्र	21/10/2012
जीव	कुंभ	27:41:59	शनि	14/06/2012
अम्बु	मिथु	28:38:43	बुध	02/06/2012
कर्म	धनु	00:20:41	गुरु	23/09/2012
रोग	मीन	21:51:40	गुरु	02/02/2013
कामदेव	वृष	24:37:41	शुक्र	14/04/2012
कलि	कुंभ	19:39:13	शनि	05/06/2012
क्षेम	कुंभ	19:39:13	शनि	05/06/2012
शास्त्र	मिथु	24:41:03	बुध	30/05/2012
बन्धु	वृष	04:44:36	शुक्र	28/03/2012
बंधक	वृष	04:44:36	शुक्र	28/03/2012
मृत्यु	वृशि	12:10:04	मंग	28/03/2012

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
अर्थ	कर्क	02:44:19	चंद्र	11/03/2012
परदारा	वृश्चि	03:49:38	मंग	19/03/2012
अन्यकर्म	मीन	17:21:55	गुरु	27/01/2013
वणिक	मक	24:52:36	शनि	08/05/2012
कार्यसिद्धि	मक	24:02:34	शनि	07/05/2012
विवाह	मक	16:12:02	शनि	28/04/2012
प्रसूति	कुंभ	09:25:54	शनि	24/05/2012
संताप	कंया	12:10:04	बुध	30/09/2012
श्रद्धा	मक	24:14:48	शनि	07/05/2012
प्रीति	मेष	10:10:27	मंग	18/08/2012
बल	वृश्चि	18:01:19	मंग	04/04/2012
देह	वृश्चि	18:01:19	मंग	04/04/2012
जाडय	तुला	18:44:54	शुक्र	26/10/2012
व्यापार	मिथु	29:16:31	बुध	02/06/2012
जलपतन	तुला	18:44:54	शुक्र	26/10/2012
शत्रु	सिंह	21:45:50	सूर्य	12/07/2012
शौर्य	वृष	28:10:42	शुक्र	17/04/2012
उपाय	कुंभ	27:41:59	शनि	14/06/2012
दरिद्रता	वृष	24:37:41	शुक्र	14/04/2012
गुरुता	मक	23:07:51	शनि	06/05/2012
जलपथ	कर्क	10:30:15	चंद्र	16/03/2012
बंधन	वृष	20:07:56	शुक्र	10/04/2012
कन्या	मिथु	28:38:43	बुध	02/06/2012
अश्व	मक	07:35:06	शनि	18/04/2012

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

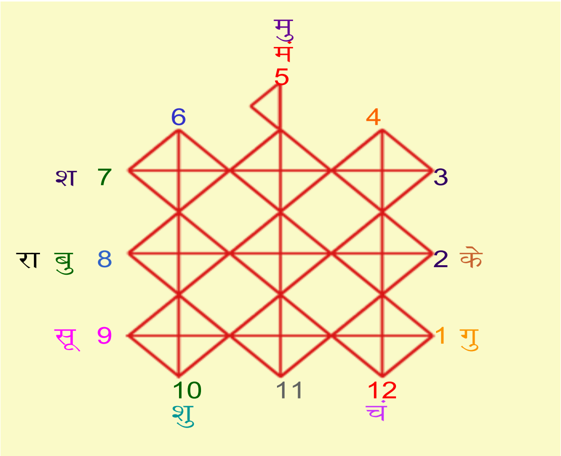

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

पात्यंश दशा

शनि		गुरु		सूर्य		शुक्र	
01/01/2012		23/02/2012		20/03/2012		24/07/2012	
23/02/2012		20/03/2012		24/07/2012		11/09/2012	
शनि	09/01/2012	गुरु	25/02/2012	सूर्य	02/05/2012	शुक्र	30/07/2012
गुरु	13/01/2012	सूर्य	05/03/2012	शुक्र	19/05/2012	चंद्र	01/08/2012
सूर्य	31/01/2012	शुक्र	08/03/2012	चंद्र	24/05/2012	मंग	09/08/2012
शुक्र	07/02/2012	चंद्र	09/03/2012	मंग	12/06/2012	बुध	10/08/2012
चंद्र	09/02/2012	मंग	13/03/2012	बुध	14/06/2012	लग्न	15/08/2012
मंग	17/02/2012	बुध	14/03/2012	लग्न	27/06/2012	शनि	22/08/2012
बुध	18/02/2012	लग्न	16/03/2012	शनि	15/07/2012	गुरु	25/08/2012
लग्न	23/02/2012	शनि	20/03/2012	गुरु	24/07/2012	सूर्य	11/09/2012

चंद्र		मंग		बुध		लग्न	
11/09/2012		25/09/2012		18/11/2012		25/11/2012	
25/09/2012		18/11/2012		25/11/2012		01/01/2013	
चंद्र	12/09/2012	मंग	03/10/2012	बुध	18/11/2012	लग्न	29/11/2012
मंग	14/09/2012	बुध	04/10/2012	लग्न	19/11/2012	शनि	04/12/2012
बुध	14/09/2012	लग्न	10/10/2012	शनि	20/11/2012	गुरु	06/12/2012
लग्न	15/09/2012	शनि	17/10/2012	गुरु	20/11/2012	सूर्य	19/12/2012
शनि	17/09/2012	गुरु	21/10/2012	सूर्य	23/11/2012	शुक्र	24/12/2012
गुरु	18/09/2012	सूर्य	09/11/2012	शुक्र	24/11/2012	चंद्र	26/12/2012
सूर्य	23/09/2012	शुक्र	16/11/2012	चंद्र	24/11/2012	मंग	31/12/2012
शुक्र	25/09/2012	चंद्र	18/11/2012	मंग	25/11/2012	बुध	01/01/2013

शनि		शनि	
01/01/2013		01/01/2013	
00/00/0000		00/00/0000	
शनि	01/01/2013	शनि	01/01/2013
गुरु	00/00/0000	गुरु	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000	सूर्य	00/00/0000
शुक्र	00/00/0000	शुक्र	00/00/0000
चंद्र	00/00/0000	चंद्र	00/00/0000
मंग	00/00/0000	मंग	00/00/0000
बुध	00/00/0000	बुध	00/00/0000
लग्न	00/00/0000	लग्न	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

मुद्दा दशा

बुध	
01/01/2012	
22/02/2012	
बुध	09/01/2012
केतु	12/01/2012
शुक्र	20/01/2012
सूर्य	23/01/2012
चंद्र	27/01/2012
मंग	30/01/2012
राहु	07/02/2012
गुरु	14/02/2012
शनि	22/02/2012

केतु	
22/02/2012	
15/03/2012	
केतु	23/02/2012
शुक्र	27/02/2012
सूर्य	28/02/2012
चंद्र	01/03/2012
मंग	02/03/2012
राहु	05/03/2012
गुरु	08/03/2012
शनि	11/03/2012
बुध	15/03/2012

शुक्र	
15/03/2012	
14/05/2012	
शुक्र	25/03/2012
सूर्य	28/03/2012
चंद्र	02/04/2012
मंग	05/04/2012
राहु	14/04/2012
गुरु	23/04/2012
शनि	02/05/2012
बुध	11/05/2012
केतु	14/05/2012

सूर्य	
14/05/2012	
02/06/2012	
सूर्य	15/05/2012
चंद्र	17/05/2012
मंग	18/05/2012
राहु	21/05/2012
गुरु	23/05/2012
शनि	26/05/2012
बुध	29/05/2012
केतु	30/05/2012
शुक्र	02/06/2012

चंद्र	
02/06/2012	
02/07/2012	
चंद्र	04/06/2012
मंग	06/06/2012
राहु	11/06/2012
गुरु	15/06/2012
शनि	19/06/2012
बुध	24/06/2012
केतु	25/06/2012
शुक्र	01/07/2012
सूर्य	02/07/2012

मंग	
02/07/2012	
23/07/2012	
मंग	03/07/2012
राहु	07/07/2012
गुरु	09/07/2012
शनि	13/07/2012
बुध	16/07/2012
केतु	17/07/2012
शुक्र	21/07/2012
सूर्य	22/07/2012
चंद्र	23/07/2012

राहु	
23/07/2012	
16/09/2012	
राहु	01/08/2012
गुरु	08/08/2012
शनि	17/08/2012
बुध	24/08/2012
केतु	28/08/2012
शुक्र	06/09/2012
सूर्य	08/09/2012
चंद्र	13/09/2012
मंग	16/09/2012

गुरु	
16/09/2012	
04/11/2012	
गुरु	23/09/2012
शनि	30/09/2012
बुध	07/10/2012
केतु	10/10/2012
शुक्र	18/10/2012
सूर्य	21/10/2012
चंद्र	25/10/2012
मंग	28/10/2012
राहु	04/11/2012

शनि	
04/11/2012	
01/01/2013	
शनि	13/11/2012
बुध	21/11/2012
केतु	25/11/2012
शुक्र	04/12/2012
सूर्य	07/12/2012
चंद्र	12/12/2012
मंग	15/12/2012
राहु	24/12/2012
गुरु	01/01/2013

बुध	
01/01/2013	
00/00/0000	
बुध	01/01/2013
केतु	00/00/0000
शुक्र	00/00/0000
सूर्य	00/00/0000
चंद्र	00/00/0000
मंग	00/00/0000
राहु	00/00/0000
गुरु	00/00/0000
शनि	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Sample

विंशोत्तरी दशा-सूक्ष्म

बुध-सूर्य-गुरु
01/01/2012 23:10
07/01/2012 02:10

गुरु	00/00/0000 00:00
शनि	00/00/0000 00:00
बुध	00/00/0000 00:00
केतु	00/00/0000 00:00
शुक्र	00/00/0000 00:00
सूर्य	00/00/0000 00:00
चंद्र	00/00/0000 00:00
मंग	01/01/2012 23:10
राहु	07/01/2012 02:10

बुध-सूर्य-शनि
07/01/2012 02:10
25/02/2012 05:56

शनि	14/01/2012 20:58
बुध	21/01/2012 20:06
केतु	24/01/2012 16:55
शुक्र	01/02/2012 21:33
सूर्य	04/02/2012 08:32
चंद्र	08/02/2012 10:51
मंग	11/02/2012 07:40
राहु	18/02/2012 16:38
गुरु	25/02/2012 05:56

बुध-सूर्य-बुध
25/02/2012 05:56
09/04/2012 05:30

बुध	02/03/2012 11:28
केतु	05/03/2012 01:03
शुक्र	12/03/2012 08:58
सूर्य	14/03/2012 13:45
चंद्र	18/03/2012 05:43
मंग	20/03/2012 19:18
राहु	27/03/2012 09:38
गुरु	02/04/2012 06:22
शनि	09/04/2012 05:30

बुध-सूर्य-केतु
09/04/2012 05:30
27/04/2012 08:09

केतु	10/04/2012 06:51
शुक्र	13/04/2012 07:18
सूर्य	14/04/2012 05:02
चंद्र	15/04/2012 17:15
मंग	16/04/2012 18:36
राहु	19/04/2012 11:48
गुरु	21/04/2012 21:45
शनि	24/04/2012 18:35
बुध	27/04/2012 08:09

बुध-सूर्य-शुक्र
27/04/2012 08:09
18/06/2012 02:00

शुक्र	05/05/2012 23:08
सूर्य	08/05/2012 13:13
चंद्र	12/05/2012 20:42
मंग	15/05/2012 21:09
राहु	23/05/2012 15:25
गुरु	30/05/2012 13:00
शनि	07/06/2012 17:38
बुध	15/06/2012 01:34
केतु	18/06/2012 02:00

बुध-चंद्र-चंद्र
18/06/2012 02:00
31/07/2012 04:53

चंद्र	21/06/2012 16:14
मंग	24/06/2012 04:36
राहु	30/06/2012 15:50
गुरु	06/07/2012 09:49
शनि	13/07/2012 05:41
बुध	19/07/2012 08:17
केतु	21/07/2012 20:39
शुक्र	29/07/2012 01:08
सूर्य	31/07/2012 04:53

बुध-चंद्र-मंग
31/07/2012 04:53
30/08/2012 09:17

मंग	01/08/2012 23:08
राहु	06/08/2012 11:48
गुरु	10/08/2012 12:23
शनि	15/08/2012 07:05
बुध	19/08/2012 13:42
केतु	21/08/2012 07:58
शुक्र	26/08/2012 08:42
सूर्य	27/08/2012 20:55
चंद्र	30/08/2012 09:17

बुध-चंद्र-राहु
30/08/2012 09:17
16/11/2012 00:04

राहु	11/09/2012 00:42
गुरु	21/09/2012 09:04
शनि	03/10/2012 16:01
बुध	14/10/2012 15:54
केतु	19/10/2012 04:34
शुक्र	01/11/2012 03:02
सूर्य	05/11/2012 00:10
चंद्र	11/11/2012 11:24
मंग	16/11/2012 00:04

बुध-चंद्र-गुरु
16/11/2012 00:04
23/01/2013 23:52

गुरु	25/11/2012 04:50
शनि	06/12/2012 03:00
बुध	15/12/2012 21:35
केतु	19/12/2012 22:10
शुक्र	31/12/2012 10:08
सूर्य	03/01/2013 20:55
चंद्र	09/01/2013 14:54
मंग	13/01/2013 15:30
राहु	23/01/2013 23:52

बुध-चंद्र-शनि
23/01/2013 23:52
15/04/2013 22:08

शनि	05/02/2013 23:11
बुध	17/02/2013 13:45
केतु	22/02/2013 08:26
शुक्र	08/03/2013 00:09
सूर्य	12/03/2013 02:28
चंद्र	18/03/2013 22:19
मंग	23/03/2013 17:01
राहु	04/04/2013 23:57
गुरु	15/04/2013 22:08

बुध-चंद्र-बुध
15/04/2013 22:08
28/06/2013 05:25

बुध	26/04/2013 07:22
केतु	30/04/2013 13:59
शुक्र	12/05/2013 19:12
सूर्य	16/05/2013 11:10
चंद्र	22/05/2013 13:46
मंग	26/05/2013 20:24
राहु	06/06/2013 20:17
गुरु	16/06/2013 14:52
शनि	28/06/2013 05:25

बुध-चंद्र-केतु
28/06/2013 05:25
28/07/2013 09:50

केतु	29/06/2013 23:40
शुक्र	05/07/2013 00:24
सूर्य	06/07/2013 12:38
चंद्र	09/07/2013 01:00
मंग	10/07/2013 19:15
राहु	15/07/2013 07:55
गुरु	19/07/2013 08:30
शनि	24/07/2013 03:12
बुध	28/07/2013 09:50

बुध-चंद्र-शुक्र
28/07/2013 09:50
22/10/2013 15:35

शुक्र	11/08/2013 18:47
सूर्य	16/08/2013 02:16
चंद्र	23/08/2013 06:45
मंग	28/08/2013 07:29
राहु	10/09/2013 05:57
गुरु	21/09/2013 17:55
शनि	05/10/2013 09:38
बुध	17/10/2013 14:50
केतु	22/10/2013 15:35

बुध-चंद्र-सूर्य
22/10/2013 15:35
17/11/2013 12:30

सूर्य	23/10/2013 22:37
चंद्र	26/10/2013 02:22
मंग	27/10/2013 14:35
राहु	31/10/2013 11:44
गुरु	03/11/2013 22:31
शनि	08/11/2013 00:50
बुध	11/11/2013 16:48
केतु	13/11/2013 05:01
शुक्र	17/11/2013 12:30

बुध-मंग-मंग
17/11/2013 12:30
08/12/2013 15:35

मंग	18/11/2013 18:05
राहु	21/11/2013 22:09
गुरु	24/11/2013 17:45
शनि	28/11/2013 02:03
बुध	01/12/2013 01:53
केतु	02/12/2013 07:28
शुक्र	05/12/2013 19:59
सूर्य	06/12/2013 21:20
चंद्र	08/12/2013 15:35

बुध-मंग-राहु
08/12/2013 15:35
31/01/2014 23:32

राहु	16/12/2013 19:11
गुरु	24/12/2013 01:02
शनि	01/01/2014 15:30
बुध	09/01/2014 08:13
केतु	12/01/2014 12:17
शुक्र	21/01/2014 13:37
सूर्य	24/01/2014 06:48
चंद्र	28/01/2014 19:28
मंग	31/01/2014 23:32

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

वर्ष योग

इक्कबाल

1. इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1.4.7.10) और पणफर (2.5.8.11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार

2. इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3.6.9.12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल

3. इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी भविष्यत् शीघ्र गति ग्रह सूर्य (धनु 16:40:45), एवं मन्दगति

ग्रह मंग (सिंह 26:15:35), के मध्य है।

वर्ष में यह एक शुभ योग माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष आपको वांछित सुख साधनों की प्राप्ति होगी तथा मकान या वाहन आदि भी उपलब्ध होंगे। साथ ही नवीन जायदाद भी बनेगी। माता से इस वर्ष आपको पूर्ण सुख की प्राप्ति होगी तथा उनका स्वास्थ्य उत्तम होगा। इस वर्ष आपका भाग्योदय भी होगा तथा रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। ऐसे समय में आप कोई यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सौभाग्य से कार्य क्षेत्र में उन्नति के योग बनते है। अतः वर्ष में आने वाले शुभ अवसरों का आपको यत्नपूर्वक लाभ उठाना चाहिए।

इसराफ

4. इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह सूर्य (धनु 16:40:45), एवं शीघ्र गति ग्रह चंद्र (मीन 21:51:40) के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया अच्छा नहीं माना जाता है। इसके प्रभाव से वर्ष में शुभकार्यो में विलम्ब, आर्थिक सुदृढ़ता में कमी तथा कार्य क्षेत्र में बाधाएं आती है। अतः इस वर्ष में व्यापार आदि में हानि के योग बनते है तथा अनावाश्यक पूंजीनिवेश से भी आय कम ही होगी। अतः पूंजीनिवेश की ऐसे समय में उपेक्षा ही करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त लम्बी दूरी की यात्राओं से हानि एवं मानसिक तनाव के योग बनते है। यदि लम्बी दूरी की यात्रा न की जाय तो श्रेयस्कर रहेगा अतः वर्ष का समय धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह गुरु (मेष 06:24:58), एवं शीघ्र गति ग्रह सूर्य (धनु 16:40:45) के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया अच्छा नहीं माना जाता है। इसके प्रभाव से इस वर्ष सन्तति पक्ष से आपको सन्तुष्टि कम ही मिलेगी तथा उनके विषय में चिन्तित रहेंगे तथा उच्चशिक्षा अर्जित करने वालो को भी वर्ष में इच्छित सफलताएं कम ही मिलेंगी। राजनीति में सक्रिय लोग भी इस वर्ष में स्वयं को तनाव की स्थिति में महसूस करेंगे। इस वर्ष में आपको जुएं सटटे या लाटरी पर विशेष धन नहीं लगाना चाहिए अन्यथा लाभ के स्थान पर हानि के योग बनेंगे। अतः वर्ष में सोच समझकर ही किसी कार्य को सम्पन्न करना चाहिए।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

नक्त

5. नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग सूर्य तथा शुक्र के मध्य है क्योंकि चंद्र शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को देख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। साथ ही स्त्री के द्वारा भाग्योन्नति भी हो सकती है। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेगें। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया

6. यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

यमया योग सूर्य तथा बुध के मध्य है क्योंकि मंग मन्दगति ग्रह है तथा लग्नेश एवं कार्येश दोनों को देखता है।

इस योग के शुभ प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी यदि नौकरी पर है तो पदोन्नति का अवसर मिलेगा जिससे मान सम्मान एवं अधिकारों की वृद्धि होगी।व्यापार के क्षेत्र में व्यापार में विस्तार होगा अथवा कोई नया कार्य प्रारंम्भ होगा जिससे भविष्य में लाभ के प्रबल योग बनेंगे। धनार्जन की दृष्टि से वर्ष उत्तम फलदायी होगा। इस समय आपकी आय में वृद्धि होगी तथा आप के आय स्रोत एक से अधिक होगें जिससे आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रभाव शाली लोंगो से भी सम्पर्क स्थापित होंगे।

मणऊ

7. मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल

8. कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग सूर्य और मंग के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का सूर्य से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप वन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेगें तथा आपसी संबन्धों मे मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक है तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल

9. गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर

10. खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद

11. रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6.8.12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

रदद योग की सृष्टि सूर्य एवं मंग के मध्य हो रही है क्योंकि सूर्य सूर्य से युक्त है इस योग के शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति में अत्यन्त ही सुदृढ़ता आएगी तथा आय पूर्ण होगी। इस समय आपकी महत्वाकांक्षाएं भी पूर्ण होगी एवं अधिकार सम्पन्न लोंगों से सम्पर्क स्थापित होंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण रूके हुए कार्य आसानी से सम्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपको अचानक धन लाभ के भी बनते है। साथ ही किसी जायदाद की प्राप्ति भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त ज्योतिष एवं पराविद्या के क्षेत्र में आपका रूझान हो सकता है।

दुफालिकुत्थ

12. दुफालिकुत्थ योग

Sample

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर

13. दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर

14. तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ

15. कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश बलवान है। अतः कुत्थ योग की सृष्टि हो रही है।

इस योग के प्रभाव से इस वर्ष में आपकी आय में आशातीत वृद्धि होगी जिसके आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। इस समय आपकी महत्वाकाक्षाएं भी पूर्ण होंगी तथा विलम्बित इच्छाओं की पूर्ति में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही उच्चधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने मे आपको सफलता मिलेगी। बडे भाई से इस वर्ष में आपको वांछित सहयोग एवं लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त शुत्रु एवं विपक्ष पर अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप कोई मुकद्दमा या चुनाव जीत सकते है या किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते है।

दुरूफ

16. दुरूफयोग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पञ्चाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।
वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ रहेंगे तथा आपके विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध रहेंगे तथा

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः–

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्यमान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति तथा सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। संतति पक्ष से इस वर्ष में आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनकी ओर से आप निश्चिन्त तथा प्रसन्न रहेंगे।साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी सफलता अर्जित करेंगे। इस समय आपको भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा आनन्दपूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही अन्य वांछित द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से सुख एवं विलास में भी आप लिप्त रहेंगे तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए यह वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध बनेंगे तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। फलतः नौकरी या राजनीति में पदोन्नति की संभावना रहेगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका यथोचित सम्मान करेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नवीन कार्य भी प्रारंभ होगा। इस वर्ष में धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। इसके साथ ही सांसारिक चिन्ताएं भी दूर होंगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। अतः समय का सदपुयोग करें ।

D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी प्रसन्नता तथा शान्ति बनी रहेगी तथा स्वभाव में विनम्रता का भाव विद्यमान रहेगा। संतति पक्ष से इस समय आप निश्चिंत एवं प्रसन्न रहेंगे तथा उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी वे उन्नतिशील रहेंगे। स्त्री से भी इस समय आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उससे आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष आपकी बुद्धि में भी तीव्रता रहेगी फलतः सभी कार्य बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न होंगे। धार्मिक कार्य कलापों में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी शुभ कार्य पर आपका व्यय होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की भी आपको प्राप्ति होगी एवं प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा व्यापार में विस्तार या कोई नया कार्य प्रारंभ होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। राजनीति तथा नौकरी के क्षेत्र में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी ।उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आप वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं आर्थिक क्षेत्र में भी आप उन्नति करेंगे तथा आपके आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी। अतः समय का सदपुयोग करें तथा शुभ कार्यो को पूर्ण करने में तत्पर रहें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

प्रथम माह

01/01/2012 23:10:00

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		सिंह	29:48:36
सूर्य		धनु	16:40:45
चन्द्र		मीन	21:51:40
मंगल		सिंह	26:15:35
बुध		वृश्चिक	26:47:40
गुरु		मेष	06:24:58
शुक्र		मकर	20:41:47
शनि		तुला	04:18:21
राहु		वृश्चिक	19:56:38
केतु		वृष	19:56:38
मु		सिंह	29:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

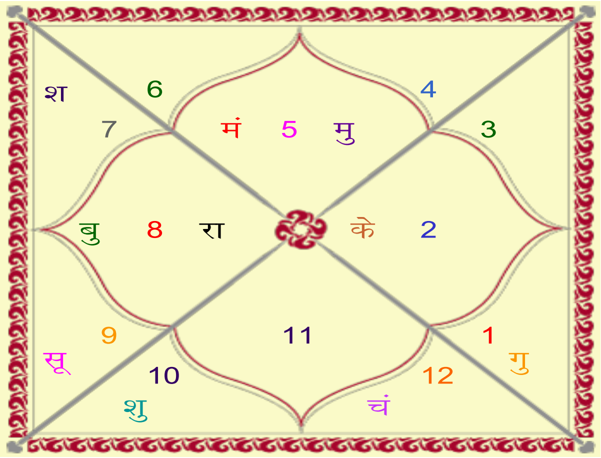

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे।इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगेतथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा।इसक, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रूधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

द्वितीय माह
01/02/2012 09:41:03

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		मीन	07:04:12
सूर्य		मकर	17:39:50
चन्द्र		मेष	28:29:41
मंगल	व	सिंह	28:38:15
बुध		मकर	13:17:17
गुरु		मेष	08:37:51
शुक्र		कुम्भ	27:34:46
शनि		तुला	05:26:27
राहु		वृश्चिक	18:23:57
केतु		वृष	18:23:57
मु		कन्या	02:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

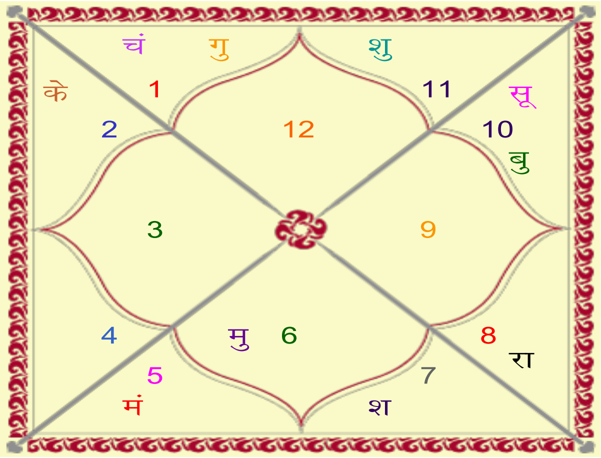

यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा।इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे । इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय माह
02/03/2012 20:12:06

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		कन्या	13:29:07
सूर्य		कुम्भ	18:23:39
चन्द्र		मिथुन	05:44:34
मंगल	व	सिंह	20:06:38
बुध		मीन	06:07:54
गुरु		मेष	13:17:33
शुक्र		मेष	02:50:15
शनि	व	तुला	04:58:49
राहु		वृश्चिक	15:26:26
केतु		वृष	15:26:26
मु		कन्या	04:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

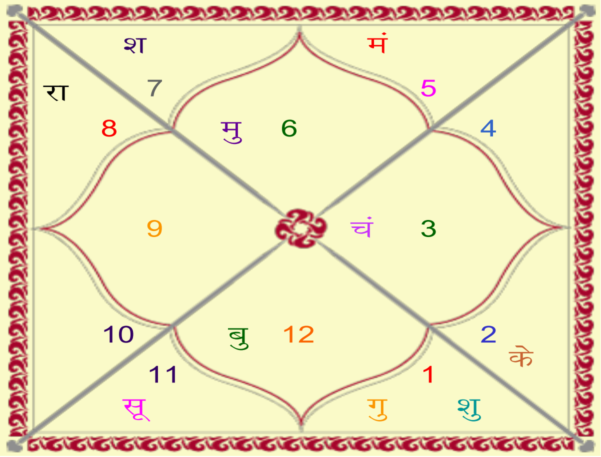

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा । आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा । धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

चतुर्थ माह
02/04/2012 06:43:09

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		मीन	28:53:57
सूर्य		मीन	18:40:24
चन्द्र		कर्क	15:04:29
मंगल	व	सिंह	10:34:44
बुध	व	मीन	00:04:41
गुरु		मेष	19:30:44
शुक्र		वृष	04:29:23
शनि	व	तुला	03:11:00
राहु		वृश्चिक	12:35:16
केतु		वृष	12:35:16
मु		कन्या	07:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

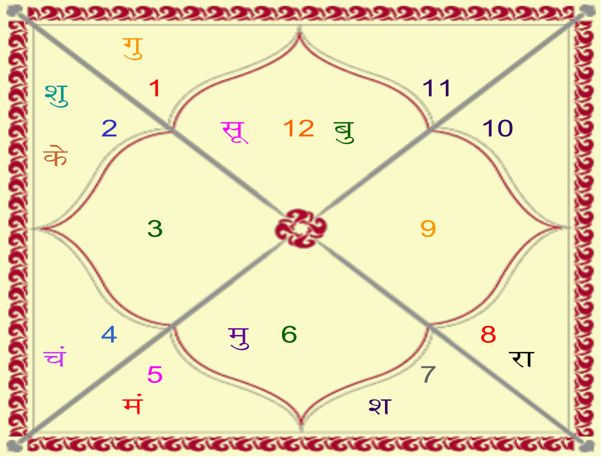

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे । साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

पंचम् माह
02/05/2012 17:14:12

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		कन्या	27:05:41
सूर्य		मेष	18:26:22
चन्द्र		सिंह	27:20:15
मंगल		सिंह	11:33:35
बुध		मीन	25:03:31
गुरु		मेष	26:31:23
शुक्र		वृष	26:53:27
शनि	व	तुला	00:53:32
राहु		वृश्चिक	11:12:48
केतु		वृष	11:12:48
मु		कन्या	09:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

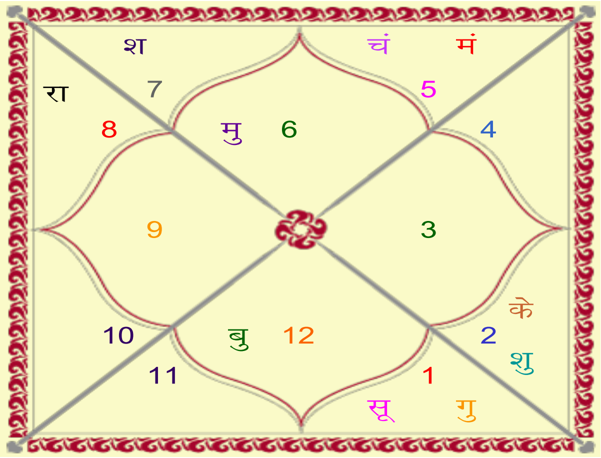

यह मास आपके लिए अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग निर्बल एवं आपसे पराजित रहेगा। इस समय आपके लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं धनाभाव नहीं रहेगा। साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगे इस मास में आपकी भाग्योन्नति भी होगी तथा तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा काफी समय से रूके हुए कार्य भी सम्पन्न हो जाएंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे एवं सम्सत सांसारिक कार्यो को आप अपने बुद्धिचातुर्य से सफल बनाएंगे।इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकार प्राप्त लोगों से सम्मान अर्जित करेंगे।इस समय आपके आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति एवं दृढ़ता का आभास होगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। साथ ही नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। अतः आपके लिए यह मास शुभ रहेगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

षष्ठ माह

02/06/2012 03:45:15

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		मेष	19:07:46
सूर्य		वृष	17:46:02
चन्द्र		तुला	11:59:30
मंगल		सिंह	21:04:47
बुध		वृष	24:27:32
गुरु		वृष	03:42:24
शुक्र	व	वृष	24:15:34
शनि	व	कन्या	29:10:28
राहु		वृश्चिक	11:02:41
केतु		वृष	11:02:41
मु		कन्या	12:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

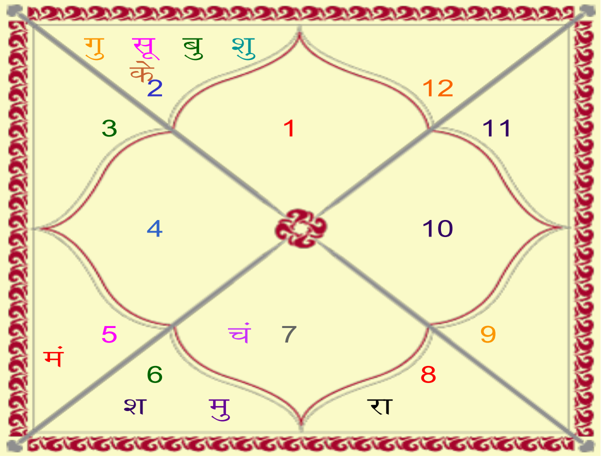

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। फलतः शरीर में कमजोरी रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे वे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। फलतः आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको किसी भी प्रकार से दण्डित भी किया जा सकता है। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। आपके मित्रों एवं संबधियों से भी इस मास तनाव पूर्ण संबध रहेंगे तथा मनोकामनाएं भी अल्प मात्रा में पूर्ण होगी । इस समय मान हानि का भी योग बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

इसके साथ ही इस मास में आप वायुजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा आग के द्वारा भी आपको धन हानि हो सकती है। अतः आपको पूर्ण रूप से सतर्क होकर अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

Sample

सप्तम् माह
02/07/2012 14:16:18

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		तुला	10:32:52
सूर्य		मिथुन	16:50:16
चन्द्र		वृश्चिक	27:18:45
मंगल		कन्या	05:21:29
बुध		कर्क	12:32:12
गुरु		वृष	10:30:54
शुक्र		वृष	13:52:15
शनि		कन्या	28:46:07
राहु		वृश्चिक	10:40:38
केतु		वृष	10:40:38
मु		कन्या	14:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

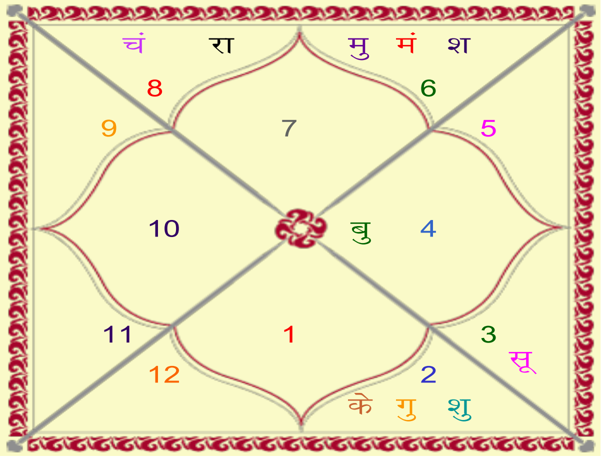

यह मास आपके लिये मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फल आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुर्जनों की संगति में सम्मिलित होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। साथ ही अत्यन्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प मात्रा में सिद्ध करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे । धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का ही भाव अधिक रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन हानि या व्यय के योग बनेंगे । इस मास में मित्रों तथा संबधियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव तथा तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। नौकरी या व्यापार आदि में भी इस समय अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी एवं शत्रुपक्ष से भी भय एवं चिन्ता का भाव रहेगा। जिस कार्य को भी आप इस मास में सम्पन्न सम्पन्न करना चाहेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।अतः इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगे।

परंतु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा बुद्धिमता से आपके कार्य सम्पन्न होंगे तथा अन्य प्रकार से भी सुखी रहेंगे । इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति अपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक कार्य क्रम को भी आप सम्पन्न कर सकते हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

अष्टम् माह
02/08/2012 00:47:21

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		वृष	07:10:05
सूर्य		कर्क	15:53:19
चन्द्र		मकर	11:27:08
मंगल		कन्या	22:27:31
बुध	व	कर्क	09:25:42
गुरु		वृष	16:22:09
शुक्र		मिथुन	00:59:34
शनि		कन्या	29:51:33
राहु		वृश्चिक	08:46:32
केतु		वृष	08:46:32
मु		कन्या	17:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

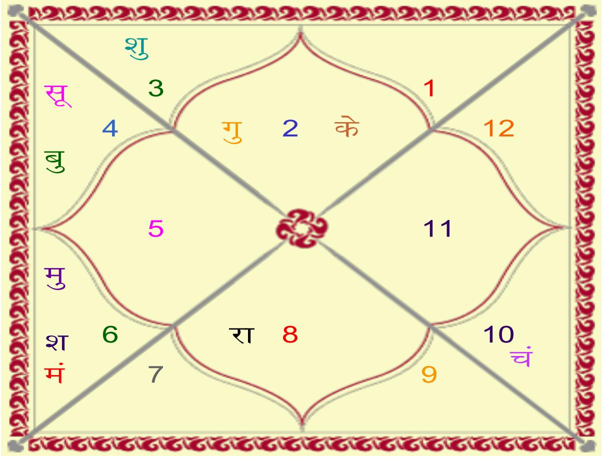

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे । साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं।इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिबृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

Sample

नवम् माह
01/09/2012 11:18:24

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		तुला	23:49:51
सूर्य		सिंह	15:09:41
चन्द्र		कुम्भ	23:10:51
मंगल		तुला	11:31:02
बुध		सिंह	06:13:33
गुरु		वृष	20:34:24
शुक्र		कर्क	00:13:22
शनि		तुला	02:13:46
राहु		वृश्चिक	05:31:53
केतु		वृष	05:31:53
मु		कन्या	19:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

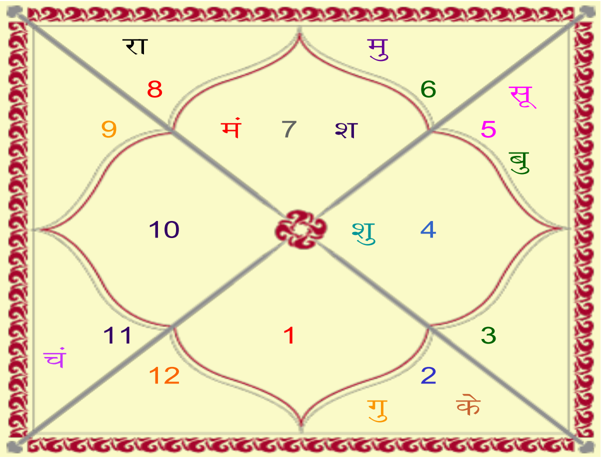

यह महीना आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों से आपका मेल मिलाप रहेगा। साथ ही आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यंत परिश्रम करने पर भी सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपमें श्रद्धा की भावना नहीं रहेगी एवं धन हानि के योग भी बनते रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे एवं उनसे किसी भी प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही शत्रुओं से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके संकल्प भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः इस मास में शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा अपने कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

दशमृ माह
01/10/2012 21:49:27

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		वृष	23:14:21
सूर्य		कन्या	14:51:00
चन्द्र		मेष	02:21:41
मंगल		वृश्चिक	02:07:21
बुध		तुला	00:16:00
गुरु		वृष	22:19:43
शुक्र		सिंह	04:05:31
शनि		तुला	05:28:25
राहु		वृश्चिक	02:51:19
केतु		वृष	02:51:19
मु		कन्या	22:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

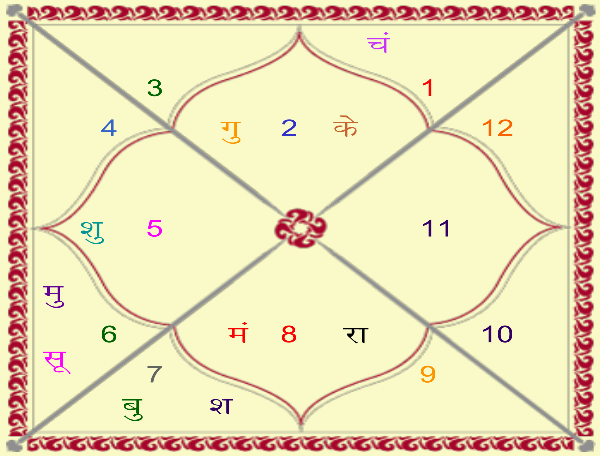

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

एकादश माह
01/11/2012 08:20:30

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		वृश्चिक	07:02:02
सूर्य		तुला	15:02:57
चन्द्र		वृष	09:58:40
मंगल		वृश्चिक	24:01:12
बुध		वृश्चिक	08:09:17
गुरु	व	वृष	21:05:16
शुक्र		कन्या	10:17:26
शनि		तुला	09:06:52
राहु		वृश्चिक	01:59:06
केतु		वृष	01:59:06
मु		कन्या	24:48:36

वर्ष लग्न कुंडली

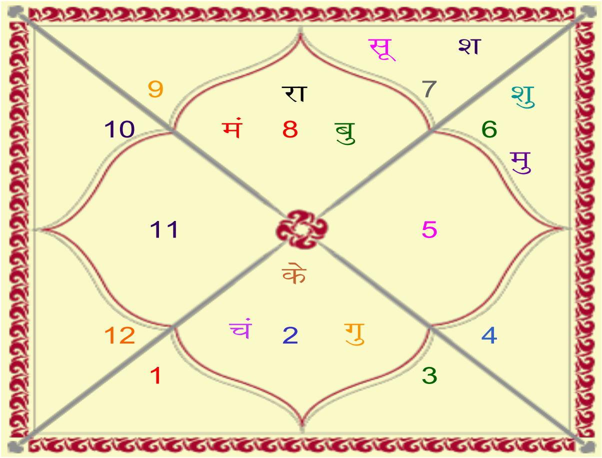

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे । इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

Future Point (P) Ltd.
D-68, Hauz Khas, New Delhi-110016
Ph.: 011-40541000, 40541020
Email: mail@futurepointindia.com

द्वादश माह
01/12/2012 18:51:33

ग्रह	व	राशि	अंश
लग्न		मिथुन	07:53:04
सूर्य		वृश्चिक	15:43:10
चन्द्र		मिथुन	17:35:17
मंगल		धनु	16:57:39
बुध		तुला	25:49:38
गुरु	व	वृष	17:27:49
शुक्र		तुला	17:43:42
शनि		तुला	12:38:13
राहु		वृश्चिक	01:59:37
केतु		वृष	01:59:37
मु		कन्या	27:18:36

वर्ष लग्न कुंडली

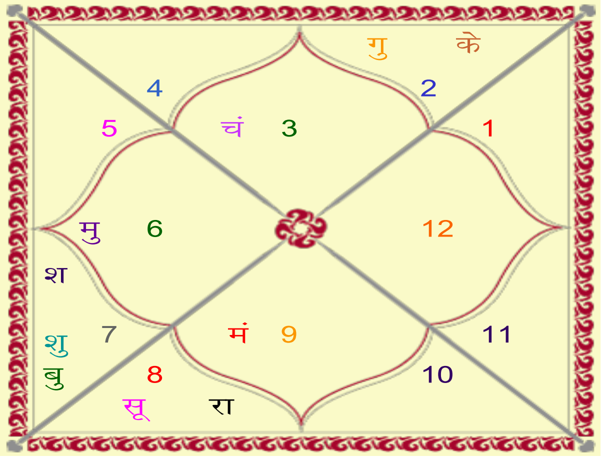

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे अतः उनकी ओर से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके व्यापार आदि कार्यो में मन्दी रहेगी तथा नौकरी आदि में भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आप किसी कार्य को परिवर्तन कर सकते है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में दूसरे लोगों के साथ आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता परिलक्षित होगी। इसके अतिरिक्त आपके इस मास में धन हानि के योग बनेंगे तथा शरीर किसी नवीन रोग से पीड़ित हो सकता है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यो को सोच समझ कर सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री तथा पुत्र से आप सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपके इन विचारों से समाज से आप वांछित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।